

141

REGISTERED NO. D-(DN)-73,

नई दिल्ली, शनिबार, अप्रैल

2, 1983 (चेत्र

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 2, 1983 (CHAITRA 12, 1905) No. 14]

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

Missing

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

🔭 धार्नियों, नियन्त्रक और महानेबायरीक्षक, संघलोक सेवा अध्योग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

cations issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Wiblic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

सघ लोक सेवा आयोग

🦹 ल्ली-110011, विनाक 10 फरवरी 1983

अ2014/1/82-प्रशा ।।।---राष्ट्रपति 🖓 लोक सेवा आयोग के कार्यालय म निम्नलिसित सहायको की प्रत्येक के साम∻ निर्दिष्ट अविध के लिए अथवा **शादोंको तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आभार पर** भिकारी के पद पर स्थानापन्त रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

ह. इ._, नाम तथा पदान्नति की अविधि

श्री गुरदास---1-2-83 म 6-5-83 तक

श्री प्रमोद बिहारी---3-2-83 स 2-5-83 तक

श्री जी टी रामनानी---1-2-83 से 11-2-83 तक तथा 14-2-83 स 13-5-83 तक

दिनाक 11 फरवरी 1983

म ए $11016 \frac{1}{81}$ -प्रशा ।।।—सघ लाक सेवा शायोग 🖎 निम्नलिखित अनुभाग अधिकारिया। का राष्ट्रपति ब्वारा प्रत्येक के सामने निर्विष्ट अविधि के लिए अथवा आगामी हादोश तक जैर भी पहले हो, संघ लोक सेवा आदाग के कार्या-1-516GI/82

लय म डोस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष निय्क्त किया जाता है --

स , नाम तथा अवधि

- श्री जय नारायण---1-2-83 से 4-2-83 तक तथा 4-2-83 से 6-5-83 तक
- श्री जीत राम~-3-2-83 से⁻2-5-83 तक
- श्री एन एम एल भटनागर----29-1-83 से 10-2-83

उपर्याक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सधार विभाग के का ज्ञा स 12/1/74 सी एस (1) विनाक 11 दिस-म्बर, 1975 की शतों के अनुसार रु 75/- प्र मा की दर स विशेष बेतन प्राप्त करेंगे।

दिनाक 16 फरवरी 1983

- 12025(।।)/4/80-पशा ।।।---स**चि**यालय प्रशिक्षण एव प्रबन्ध संस्थान मे । जुलाई, 1982 का प्रारम्भ अपने प्रशिक्षण को परा करन पर निम्नलिखित व्यक्तियो को। इस कार्यालय की समसम्यक अधिस्चना दिनाक 31 जुलाई, 1982 दनारा सघ लांक सवा आयोग के सवर्ग में टी स में के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में परिवीक्षाधीन नियक्त किया गया है और 1 फरवरी, 1983 के पूर्वाहन से उसी सवर्ग मा अनु-(6779)

भाग अधिकारी (परिवीक्षाधीन) के पद का कार्य भार सम्भाल लिया है:--

क. सं., नाम तथा रैंको

- 1. श्रीमती कल्पना नारायण--एस. 44
- 2. श्री इन्दरजीत सिंह--एस. 70
- 3. श्री रतीपाल सरोज (अ. जा.)--एस. 109

दिनांक 4 मार्च 1983

सं. ए. 32014/1/83-प्रशा. - । — संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. स्टे. से. के निम्निलिखित चयन ग्रेड वैयिक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नाम के सामने निर्विष्ट अविध के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनिताम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयिक्तिक सहायक (के. स. स्टे. से. का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :——

		
क्रम सं० नाम 	मलिध 	ग्रम्युनित ——————
 श्री स्रो०पी० देवरा 	17-2-83	श्री जोगिन्दर सिंह
	से	की नि० स० के पद
	30-4-83	पदोन्निति हो जाने
	तक	पर उनके स्थान
		पर ।
2. श्री टी० ग्रार० शर्मा	7-2-83	दीर्घकालीन श्रवधि
	से	की रिक्सियां
	6-5-83	के एक स्थान
	सक	पर ।
3 श्री शाम प्रकाश	3-2-83	थी भ्रार० एल०
	से	ठाकुर की नि०
	2-5-83	स० के पद पर
	ं तक	पदोक्षति हो जाने
		पर उनके स्थान
		⁺पर।
4. श्रीएच० ग्रो० मदान	7-2-83	श्री बी∘. बी∘
	से	छिब्बर की नि० स०
	6-5-83	के पद. पर पदो⊷
	सक	प्र ति हो जाने
		पर उनके स्थान
	•	पर ।
		<u></u>

^{2.} उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि शरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के. स. स्टे. सं. के ग्रेड स) के पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर हैं और इससे इन्हें के. सं. स्टे. सं. के ग्रेड स में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में विरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

िक कार्मिक और प्रकासनिक सुधार विभाग उनका अनुमोदन कर

य. रा. गांधी अयर सम्बद (प्रज्ञा.) संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1983

मं 2/20/82-प्रशासन—कोन्द्रीय सतर्काता आयुक्त एतद्-द्वारा श्री एल यगनानारायणन स्थाई वरिष्ठ निजि सहायक, कोन्द्रीय सप्तर्काता आयोग को स्थानापन्न रूप से अनुसंधान अधि-कारी के पव पर रु 650-30-740-35-810-द अ -35-880-40-1000-द अ -40-1200 के वेतनमान में दिनांक 26 फरवरी, 1983, पूर्वाह्न से नियुक्त करते हों।

> कृष्ण लाल मल्हाेना अवर सम्बिव कृते केन्द्रीय सतर्काता आयुवत

गृह मंत्रालय

म्हानिदोशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नर्ह दिल्ली-110003, दिनांक 5 मार्च 1983

सं. ओ. दो. 1791/83-स्थापना—-राष्ट्रपति डाक्टर टी. एन. मिश्रा को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पृतिस बल में जी. डी. ओ. ग्रेड-।। (डि. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर 22 फरवरी, 1983 पूर्वीहन से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करने ही।

दिनांक 12 मार्च 1983

सं. ओ. दो. 1455/79-स्थापना—महानिद्योक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. अनिल काँगल को 23 फरवरी, 1983 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पंच पर नियमित नियमित होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनण्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तवर्थ रूप से नियम्न किया है।

सं. ओ. दो. 1788/83-स्थापना—--राष्ट्रपति, डा. सुबोध शुक्ला को अस्थाई रूप से आगामी आदांश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी ओफिसर ग्रेड-।। (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर 3 फरवरी, 1983 पूर्वीहन से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त किया है।

ए के. सूरी सहायक निव शक (स्थापना)

महानिद्धेशक का कार्यालय

कन्द्रीय औद्योगिक सूरक्षा सल

नर्हे दिल्ली-110003, दिनांक 9 मार्च 1983

सं. ξ^4 -16014(1)/1/76-कार्मिक—-निवर्तन की आयू होने से सेवा निवृत्त होने पर श्री ए. सी. राय हे 31 जनवरी,

³ सर्वश्री टी. आर. धर्मा, ज्ञाम प्रकाश और एक. ओ. मदान की नियुक्तियों कमशः 3-5-83 से 6-5-83, 2-5-83 तक अर्थात् केलंण्डर वर्ष के दौरान 120 दिन की अविध से अधिक के लिए इस शर्त पर ही

1983 के अपराहन से के औं सूब यूनिट, बी सी सी एल , झरिया के कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ विया।

> सुरोन्द्र नाथ -महानिद्याक

भारत के महारिषस्ट्रार का कार्यालय

नइ दिल्ली-110011, दिनांक 14 मार्च 1983

- मं. 11/11/80-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी और पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निद्शिक के कार्यालय में प्रतिनिय्वित पर उपित्रिशंक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री एस. घोष को 28 फरवरी, 1983 के अपराहन में पश्चिम बंगाल सरकार को सहर्ष प्रत्यावर्गित करते हैं।
- मं 10/5/82-प्रशा 1 इस कार्यालय की तारील 1.0-2-1983 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्र-पति उप निवंशक (प्राप्राम) श्री के आर उन्नी की, नई दिल्ली में भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय में वरिष्ठ सिंस्ट्रम एनासिस्ट के पद पर तक्य नियुक्ति की अविधि को तारील 18 जुलाई, 1983 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, विद्यवान धर्ती पर महर्ष बढाते हैं।

श्री उन्नी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं 10/6/82-प्रशा -।—इस कार्यालय की तारीस 10-2-1983 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, सहायक निर्देशक (प्रोग्नाम) श्री प्रदीप मेहरा की नई विल्ली में भारत के महारिजिस्ट्रार के कार्यालय में उप निर्देशक (प्रोग्नाम) के पद पर तदर्थ निर्देशक की अविधि को तारीख 18 जुलाई, 1983 तक या जब तक पद निर्यमित आधार पर भारा जाए, जो भी अविधि पहले हो, विद्मान शर्ती पर सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री महरा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी. प**द्**मनाभ भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 मार्च 1983

सं. वा. ले. प. 1/7-81/7/551---महालेखाकार (वाणिज्य) के कार्यालय, तिमलनाडु, मद्रास में कार्यरत सर्वश्री आर. मोहम्मद खान एवं वार्ड. मोहम्मद इनायतुल्लाह लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवाधिता आये प्राप्त करने पर 31-1-83 (अपराहन) से सरकारी सेवा से सेवा निवृक्त हो गये।

एम . ए . सोमेश्वर रावं संयक्क निवेशक (वाणिण्यिक) कार्यालय, निद्शाक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 4 मार्च 1983

- सं प्रशासन-1/कार्यालय आवशे 612—निवश्वक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाना-पन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों को 840-1200 रुपर्य के समयमान में उनके आगे विखाई गई तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—
- 1े श्री ओम प्रकाश लोमसं---16-2-83
- 2. श्री ओम प्रकाश गुप्त-।।--1-3-83

सं. प्रशासन-। का. आ. संख्या 613—इस कार्यालय के एक स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री शिव नरायण वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मार्च, 1983 अपराहन को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्म तिथि 24 मार्च, 1925 है।

सं. प्रशासन-। /का. आ. संस्था 615—इस कार्यालय के एक स्थायी लंखापरीक्षा अधिकारी श्री लाल चन्द्र वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्यरूप 31 मार्च 1983 अपराहन को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत हो जाएंगे।

उनकी जन्म तिथि 27 मार्च, 1925 हो।

त्र. त्रिपाठी

संयुक्त निवंशक ले. प. (प्र.)

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश ह हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

सं. प्रशा -। /8-132/82-83/423—महालेकाकार आन्ध्रवेश, हैंदराबाद कार्यालय के अधीन लेकासेवा के निम्मलिखित सदस्यों को महालेकाकार आन्ध्र प्रवेश, हैंदराबाद द्वारा वेतन-मान रह 840-40-1000-इबी-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के आगे वताई गई तारीख से जब तक आगे आवेश न दिए जाएं निय्-िकत किये जाते हैं।

₋ नाम	भारग्रह्मण सारीस
1. श्री सी हरे सूर्यप्रकाश राव	14-2-83 अ
·2 ः एन ः वी ः राधा [°] कृष्णा	14-2-83 अ.
3 सी जे. गा स्त्री ॄ	15 - 2-83 प्∙
4 . पी . मन्मध राव	26 -2-83 ५ ⋅
5 के वी रमण मूर्ती	14-2-83 अर.
6 . पी . एस . राघवेंद्र श र्मा	16-2-83 ጚ-
7. के. पां <mark>ड</mark> ्ररंगा राध	15-2-83
 एन वेंकटोब्रस्टराव 	14-2-83 अ.

यह प्रयोन्ति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रभाव डालने-वाली नहीं है तथा आन्ध्र प्रवोश उच्च न्यायालय उच्चतम न्याया-लय में अनिणीत याचिताओं के अधीन हैं।

दिनांक 9 मार्च 1983

सं. प्रशा - । /8-132/82-83/424---श्री ए. वि. राम-चन्द्रन, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश सेवा से 28-2-1983 अपराह्न निवृत्त हुए।

> बी मेसन वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशास्न)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, परिचम बंगाल

ंकलकत्ता-।, विनांक 8 मार्च 1,983

सं प्रशा - 1/1038 XIX/5987—महालेखाकार-प्रथम, पिरचम बंगान ने अगले आदेश तक स्थायी अनुभाग अधिकारी सर्वश्री उत्पन्न सेनग्प्ता, सत्य नारायण सिन्हा तथा निननी रंजन सरकार का नदर्थ तथा अस्थायी तौर पर अस्थायी और स्थानापन्न रूप से जिस दिनांक से वे वस्तुतः लेखा अधिकारी के हौसयछ से अपना कार्यभार सम्हानते हुँ, लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करने की कृपा की है। इस स्पष्ट समक्ष लेना चाहिये कि लेखा अधिकारी के संवर्ग में पूर्वोक्त प्रोन्तियां जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मकदमे से निर्णय निलंभियत रह तब तह पूर्णतया अस्थायी रूप से हैं और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ वायर किये गये 1979 के सी. आर. केस संख्या 14818 (उब्ल्यू) के अन्तिम फौसले के अधीन है।

लंबा अधिकारी के संवर्ग में उनकी प्रोन्निति होने पर श्री उत्पल सेनगृप्ता की रेवायें, इस कार्योलय में विरिष्ठ उप महा-लंबाकार (टी. ए. डी. तथा फण्ड) के अधीन, श्री आर. के. सेन शर्मा, लेबा अधिकारी के प्रतिनियुक्ति पर चले जाने के कारण रिक्त स्थान पर सेपी जाती है।

लेखा अधिकारी के संवर्ग में उनकी प्रोन्नित होने पर श्री सत्यनारायण सिन्हा की संवायों कार्यालय निद्येशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता में, श्री एन. सी. मजुमदार, लेखा परीक्षा अधिकारी के, उस कार्यालय से प्रतिनियक्ति पर चले जाने के कारण रिक्त स्थान पर सींपी जाती है।

लेखा अधिकारी के संवर्ष में उनकी प्रोन्नति होने पर श्री निलनी रंजन सरकार की संवायें कार्यालय महालेखाकार-दिवतीय पश्चिम बंगाल में, मुख्यालय द्यारा संस्थीकृत नये पद पर सौंपी जाती है।

हस्ता/-

जं. एस. महर∤त्रा

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नर्इ दिल्ली, 110066, दिनांक 11 मार्च 1983

सं. प्रशा / 1/1868/5/जिल्द--श्री वी वेकटेशन आई. डी. ए. एस. को, दिनांक 25-8-1983 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जंन्म तिथि दिनांक 26-8-1925 होने के कारण), दिनांक 31-8-1983 (अपराहन) से पंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तवनुसार वे मूल नियमावली के नियम 56(ए.) की शतों के अनुसार दिनांक 31-8-1983 (अपराहन) से रक्षा लेखा विभाग के संस्था बल पर नहीं रहोंगे।

आर. के. माधुर रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मन्त्रालय

डी. जी. ओ. एफ. मुख्यालय सिविल सेवा आर्डनेन्स फीक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 8 मार्च 1983

सं. 15/जी./83—थार्थक्य निवृति आयु प्राप्त कर श्री एन. बी. जकवत्ती, स्थानापन्न एस. आं. (मॉलिक एवं स्थायी संहायक) दिनांक 28 फरवरी, 1983 (अपराहन) सं. संवा निवृत्त हुए।

वी.को.मेह्ह्हा निद्शिक

कलकत्ता-700069, विनांक 10 मार्च 1983

सं X/33/v/ई-।—वार्धक्य निवृत्ति आयू प्राप्तकर श्री बलराम पाइन, मोलिक एवं स्थायी महायक/स्थानापन्न महायक स्टाफ अफसर दिनांक 28-2-1983 (अपराहन) में संवा निवृत्त हुए।

डी. आर. अय्यर डी.डी.जी./कार्मिक

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय 🕟

श्रम विभाग श्रम व्यरो

· चण्डीगढ़, दिनांक 14 मार्च 1983

मं 15ए/117/82-प्र.-।—मं ए एस भारद्वाज, निद्दाक, श्रम ब्यूरो, चण्डीगढ़ केन्द्रीय तितिबल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965, के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसार अस्थायी संगणक श्री विनेश कुमार को सूचित करता हूं कि इस नोटिस के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथिक के एक माह परचात् उनकी सेवा समाप्त सुमभी जाएगी।

ए. एस. भारद्वाज निद्देशक

उन्जिमित्रालय

(कोयला विभाग)

कीयला सान श्रीमक कल्याण संस्था धनबाद, दिनांक 10 मार्च 1983

सं. एडम 12(9) जी/74—कायला साम कल्याण कार्य, कायला साम कल्याण संस्था, मनेन्द्रगढ़ के विनांक 20-4-1980 से निलम्बित सहायक अभियन्ता श्री पी. सी. मिल्लिक को विनांक 13 जनवरी, 1982 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से पदच्यात कर विया गया।

सं. एडम 12(11) जेनरल/74——निवर्तन आयु प्राप्त होने पर कोयला खान कल्याण मंस्था, धनभाद के व्यायाम प्रशिक्षण अनुबोधक श्री जे. एन. सन्याल दिनांक 30-6-1982 (अप-राह्न) को सरकारी सेवा से निवृक्त हो गए।

- सं. एडम 12(14)/75—निवर्तन आय् प्राप्त होने पर कायेना सान कल्याण संस्था, भरिया तथा मुगमा कायेला क्षेत्र, मूली (धनबाद) के कल्याण प्रशासक श्री पी. एस. मूरमू दिनांक 31-3-1982 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवरत हो गए।
- सं. एडम-12(13)/76—निवर्तन आयु प्राप्त होने पर कोयला खान कल्याण संस्था, धनबाद के महायक सचिव (कल्याण) श्री आर. एस. काटदर दिनांक 31-3-1482 (अप-राह्न) को सुरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दामोदर पंडा आयुक्त

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 मार्च 1983

मं 4-185/82/स्थापंना—-निष्काक, भारतीय मानव विज्ञान मर्वेक्षण, इस सर्वेक्षण के दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय, मैंसूर में श्री वी. एस. नायक जो कि अभी सह-अन्संधानी के पद पर है को सहायक मानव-विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर 11 फरवरी, 1983 के दोपहर से अगले आदेश तक नियुक्ति करते हैं।

एम . एस . राजगोपालन विरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 10 मार्च 1983

सं. एफ. 9-1/82-म्था /5361---मुख्यालय, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण कलकता के कार्यालय में निम्न विरुद्ध प्राणिविज्ञान सहायकों को, रु. 650-1200 के वेतनमान में, सहायक प्राणिविज्ञानी (ममूह स) के पदों पर उनके नाम के सामने उल्लि- खित तिथि से अगले आवशि तक, अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियक्त किया गया।

ऋम सं. नाम विशांक

- 1. श्री ए. के. म्सापाध्याय---27-1-1983 (पूर्वाह्न)
- मो अंड अंसारी--28-1-1983 (पूर्वोहन)

डा. बी. के. टिकादर निद्शेक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

आकाशवाणी महानिद्देशालय

नई विल्ली, दिनांक 10 मार्च 1983

सं. 4(29)/82-एस-।—महानिद्येक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के. सुब्रामणियन को 24-1-1983 से अगले अदिश तक, 650-30-740-35-810-द सो.-35-880-40-1000-द सो.-40-1200 रुपए के वंतनमान में आकाश-वाणी, भद्रास में कार्यक्रम निष्यादक के पद पर अम्थायी रूप भे नियुक्त करेले हैं।

- सं. 4(32)/82-एस-एक--महानिव शक आकाशवाणी, एतब्वारा श्री शिव मंगल को 24-11-1982 से अगल आद श तक 650-30-740-35-810-व से -35-880-40-1000-व रो -40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाश-वाणी, रीवा में, कार्यक्रम निष्यादक के पव पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(35)/82-एस-।—महानिदोशक, आकाशवाणी, एतद्व्यारा श्री श्रीनिवासन को 27 जनवरी, 1983 से अगले आवोश तक, 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 के वेतनमान में आकाशवाणी, पांडिचोरी में, अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करेते हैं।
- सं 4(36)/82-एस-।— महानिद्देशक, आकाशवाणी, एत्व्द्वारा श्री रामेश्वर प्रसाद मीणा को 8 फरवरी 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-व रो -40-1200 रुपये के वेतनमाल में आकाशवाणी, उदयपुर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते ही।

विनाक 12 मार्च 1983

- सं. 4(38)/82-एस एक—महानिदोशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री गौरी शंकर को 17 फरवरी, 1983 के अपराहन में अगले आदोश तक 650-30-740-35-810-ध रो -35-880-40-1000-च रो -40-1200 के वेतनमान में आकाशवाणी, वस्बाई में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- मं. 4(43)/82-एस-1—महानिद्देशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ज्योति प्रकाश दास को 24-1-1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-दः रो:-35-880-40-1000-दः रो:-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- मं. 4(44)/82-एस-एक--महानिव शंक, आकाशवाणी, एतव्यवारा श्री रिव शंकर को, 21 दिसम्बर 1982 से अगले आदेश तक रुपये 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में आकाशवाणी, जयपुर में, अस्थायी रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(54)/82-एस-।—महानिदोशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन. मुरुगन को 22-1-1983 में अगले आदोश तक, 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रुपये के बेसनमान में, आकाशवाणी मदास में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हो।
- मं. 4(57)/82-एस-एक--महानिद्शेक, आकाशशाणी, एतब्द्वारा श्री, जी. विजयक् मार, प्रसारण निष्पादक आकाश-वाणी, मदास की 17 फरवरी 1983 के अपराहन से अगले आदेश तक, रुपए 650-30-740-35-810-वं रो.-35-880-40-1000-वं रो.-40-1200 के वेतनमान में आकाश-वाणी मंगलीय में, अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 मार्च 1983

- मं 4(19)/82-एस-एक--महानिव शक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा डा. उपन्त्र नाथ रेणा को 28 फरवरी, 1983 से अगले आवेश तक 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-व. रो.-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाशवाणी नई दिल्ली में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हो।
- सं. 4(25)/82-एस-।—-महानिविशक, आकाशवाणी, एतव्दवारा, श्री अमृत लाल पाल को 15-1-1983 से अगले अंदिश तक 650-30-740-35-810-द , रो -35-880-40-1000-द , रो -40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी, जलधर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- मं. 4(34)/82-एस-।—महानिद्देशक, आकाशवाणी, एतद्वारा, श्री के. सलूह को 6-11-1982 सं अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाशवाणी, कोहिमा में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पा-दक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(37)/82-एस-≀--महानिद्देशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती निजोसोनी आंगमी को 23 नवम्बर, 1982 से अगले आवेश तक 650-30-740-35-810-द ं,रों.-35-880-40-1000-द रों.-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाशवाणी, कोहिमा में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- मं. 4(78)/82-एस-एक--- सहानिदेशक, आकाशवाणी, एतंद्द्वारा कुमारी विनायक को, 7 फरवरी, 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 रुपयु के वेतनमान में आकाश-वाणी, नई दिल्ली में अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र ज्ञायाल प्रशासन उपनिद्शक कृते महानिद्शक

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1983

सं. 29/4/83-एस. -2—महानिदशिक, आकाशवाणी, एतव्ववारा श्री रामनारायण सिंह, फार्म रेडियो रिपेटिर को आकाशवाणी, रीवा में दिनांक 19-2-82, (अपराहन) में फार्म रेडियो अधिकारी के प्रव पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

विनाक 12 मार्च 1983

- मं. 1/5/83-एस-।।—मृहानिदोशक, आकाशवाणी, एतद्व्वारा श्री एस. आर. नागराज, वरिष्ठ लेखाकार की आकाशवाणी, राजकीट में दिनांक 17-1-1983 (पूर्वाह्न) में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तबर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियक्त करते हैं।
- सं. 1/6/83-एस-2--महानिद्याक, आकाशवाणी, एतद्व्वारा श्री राम किशन लेखाकार, दूरदर्शन केन्द्र, जालन्धर की आकाशवाणी, शिमला में विनाक 7-2-1983 (पूर्वाह्न)

से प्रशासनिक अधिकारी के पव पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस. वी. संवादी उप निक्रोत्रक् प्रशासन कृते महानिक्रोक

, नई विल्ली, विनांक 8 मार्च 1983

मं. ए. 12026/11/82-प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा महानिद्रशक ने श्री ए. के. श्रीवास्तव के उच्च प्रधन्ध सेवा पाठ्यकम' (एडवांस मैनेजमेण्ट सर्विसिस कोर्स) में प्रशिक्षण के लिए
चले जाने के फलस्वरूप हुए रिक्त पद पर श्री सुन्दर लाल,
अनुसंधान सहायक (पी. एफ. ए.) को 17 जनवरी, 1983
से 16 अप्रैल, 1983 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो
भी पहले हो, स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशालय में तकनीकी अधिकारी (पी. एफ. ए.) के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर
नियुक्त कर दिया है।

त्रिलोक **चन्द**्जैन उप निदंशक प्रशासन (ओ. एण्ड एम.)

नर्इ दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1983

मं ए. 19018/5/82-सी. जी एच एस.-।— स्वास्थ्य मेवा महानिद्धोक ने डा. (श्रीमती) एन , राधा को 28 फरवरी 1983 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में हाम्योपीथक काय चिकित्सक .के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

टी. एस. राध उंप निवासक प्रशासन् (सी. जी. एस. एस.)

ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं जिस्रीक्षण निविधालय फरीदाबाद, विनाक 4 मार्च 1983

सं. ए.-31014/2/81-प्र.-।—श्री दीनानाथ तिवारी को विषणन एवं निरक्षिण निविशालय में विषणन अधिकारी (वर्ग-।) के स्थायी पव पर 1-10-81 से मूल रूप में नियुक्त किया जाता है।

2 श्री तिवारी का निम्न पद पर ग्रहणाधिकार यदि कोर्ड हो तो, विपणन अधिकारी (वर्ग-।) के पद पर स्थायी होने की तारीक्ष से समाप्त हो जाएगा।

> गोपाल शरण **शुक्**ल <mark>कृषि विपणन सलाहकार</mark>

परमाणु उन्जी विभाग

विद्युत परियोजना अभियानिकी प्रभाग बम्बर्ग-5, दिनाक 16 फरवरी 1983

सं विषअप्र/3(235)/76-स्थापना ।/3491--विद्युत परियोजना अभियात्रिकी प्रभाग, अम्बई के निद्याक, श्री एन

एल. में घानी, राजस्थान परमाणु बिजलीघर के स्थायी प्रवरण कीटि लिपिक को इस प्रभाग में सहायक कार्सिक अधिकारी के पद पर फ. 650-30-740-35-880-व. रो.-40-960 के वेतनमान पर फरवरी 3, 1983 के पूर्वाहन से आगामी आदश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हीं।

आर. व्हि. बाजपेसी सामान्य प्रशासन अधिकारी

ऋय और भंडार निवेशालय

अम्बर्ध-400001, दिनांक 10 मार्च 1983

- सं. डी पी ए सी/23/1/81-स्थापना-10061—परमाण् उर्जी विभाग के क्रय और भंडार निर्देशालय के निर्देशक ने स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री दर्शन सिंह को रुपये 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-960 के वेतनमान में 20-12-82 (पूर्वीह्न) से 20-1-83 (अपराहन) तक के लिए इसी निर्देशालय में सदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियक्त किया है।
- सं. डी पी एस-141/14/83-प्र./10138—परमाणु उर्जी विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडार और स्थानापन्न मुख्य भंडारी श्री वजीर चंद को रूपये 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 के वेतनमान में 24-6-1982 (पूर्वाह्न) से 31-5-1983 (अपराह्न) तक के लिये तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

ही. जी. कुलकर्णी प्रशासनिक अधिकारी-।।

नरमाण् खनिज प्रभागः

हैदराबाद-16, दिनांक 5 मार्च 1983

- सं प स प्र-1/25/83-भती परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु सनिज प्रभाग के निव सक एतव्द्वारा श्री सुरन्द्र का मार शर्मा, स्थानापन्न वैज्ञानिक सहाग्रक ''बी'' को परमाणु स्वनिज प्रभाग में 19 फरवरी, 1983 के पूर्वाहन में अगले आदेश होने सक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड ''एस बी'' नियुक्त करते हैं।
- सं. प ख प्र-1/25/82-भती परमाण् ऊर्जा विभागः, परमाण् ब्रिनिज प्रभाग के निविधाक एतद्द्वारा श्री पी. ली. श्रीनिवास को परमाण् ब्रिनिज प्रभाग में 25 फरवरी, 1983 के पूर्वीहन में अगले आवेश होने तक अस्थायी रूप में दौजानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड ''एमं बी'' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 मार्च 1983

मं प ख प्र-1/25/82-भती — परमाण् ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निविधक एसद्द्रारा थी अङ्गेता बुह्मानन्द की प्रभाणु खनिज प्रभाग में 23 फरवरी, 1983

के पूर्वीह्न से अगले आदश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड ''एस बी'' नियुक्त करते हैं।

मं. प स प्र-1/25/82-भर्ती — प्रमाण उर्जा विभाग, परमाण चिनज प्रभाग के निवंशक एतंब्द्वारा श्री टी. म्बरा-मिनयम की प्रमाण सिनज प्रभाग में 24 फरवरी, 1983 के पूर्वाहन में अगुले आदेश होने तक अस्थायी रूप सं वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस बी" नियुक्त करते ही।

टी. डी. घाडगे वारिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

रिए क्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम, दिनांक 17 फरवरी 1983

मं आर आर सी/पी एक/3688/82/2218—िरिएंक्टर अनुसंधान केन्द्र के निवशक रिएंक्टर अनुसंधान केन्द्र के निवशक रिएंक्टर अनुसंधान केन्द्र, कल-पाक्कम के वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड ''एस बी'' श्री चिन्नापन नन्दगोपान का त्यागपत्र 31 जनवरी, 1983 के अपराहन में स्वीकार करते हैं।

एस. पद्मानाभन प्रशासनिक अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग इसरो मुख्यालय

बंगलीर-560009, दिनांक 21 फ्रवरी 1983

मं. मुख्याः प्रशाः : 12 25—इसरो परिषद् के सदस्य (वित्त तथा प्रशासन) इसरो मृख्यालय के वैयक्तिक महायक 'क' श्री एमः के विष्णु को रुः 650-30-740-35-880-दः रो -40-960 के वेतनमान में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर अंतरिक्ष तिभाग के इसरो मृख्यालय, बंगलीर में दिनाक फरवरी 10, 1983 के पूर्वाहन में आगामी आदेश तक नियुक्त करने हैं।

एम पी आर पाणिकर वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

महानिदशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1983

मं. ए-32013/14/81-ही.-। -- राष्ट्रपति ने श्री जमन लाल, उपनिदेशक वैमानिक निरक्षिण को दिनांक 2-3-1983 (अपराह्न) से 2-9-1983 (अपराह्न) तक छ: माम की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार एर भरो जाने तक, इनमों में जो भी पहले हो, निद्याक विमान निरक्षिण के पद पर तद्वर्थ आधार पर पदोन्नत किया है।

दिनांक 12 सार्च 1983

सं. ए-19011/42/80-ई.-।--महानिद्धांक नागर विभानन को कार्यालय के श्री वी. एस. प्रभला, निद्धांक प्रीचिक्षण और अनुसंधान निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनाक 28 फरवरी, 1983 अपराह्न में सरकारी सेवा में निवरत हो गए हैं।

> सुधाकर गुप्ता उपनिद्शाक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

दोहरादून, दिनांक 9 मार्च 1983

सं. 13/24/82-स्थापना-।—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय अधीलिसित अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखी तारीस से मूल रूप से अनुसंधान अधिकारी पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं:——

क्रम संख्या, नाम और तिथि

- 1. श्री अविनाश चन्द्र--4-6-1965
- 2. श्री के. एम. वैद--17-9-1966
- 3. श्री के. एम. वैद--17-9-1966
- 4 . डा. वी. बी. श्रीनियासन—-1-4-1968
- श्री प्रताप सिंह—-1-4-1968
- 6. डा. आर. सी. गुप्ता---1-4-1968-
- 7 श्री वार्ड के शर्मा--1-4-1968
- 8. श्री ग्लाब भन्द---1-4-1968
- ∙9. श्रीके.बी.एस.जुनेजा∹−1-4-1968
- 10. श्री एल. एन. सन्तक मारन---1-4-1968
- 11. श्री आर. एस. थापा--1-4-1968
- 12 श्री एंस. एस. राजपूत---1-4-1968
- 13. श्री आकाश चन्द्र---1-4-1968
- 14 श्री एस पी बनर्जी--1-4-1968
- 15 श्री⁻ए. सी. गुप्ता---1-4-1968
- 16. डा. आर. एम. बैरी---1-4-1968
- 17 श्री एस. के. शर्मा---1-4-1968
- 18 श्री बी. एस. नेगी---1-4-1968
- 19. श्री स्जान सिंह--1-4-1968
- 20. श्रीमति आर. ए. श्रीमति---1-4-1968
- 21. डा. एच. एस. सहगल--14-12-1968
- 22. श्री के. एन. बहादुर--27-2-1970
- 23 डा. आर. एन. मदान--29-12-1970
- 24 श्री एस पी. अग्रवाल--1-3-1972
- 25. श्री आर. पी. शर्मा--4-9-1972
- 26 क्र. **पी** जी पट्टनाथ--30-8-1973
- 27 . डॉ. पी. एस. र हिल---17-12-1973
- 28. श्री एम. वी. चयनुन्--1-2-1974
- 29. श्री टी. आर. सोमस्न्दरम्--17-9-1974
- 30. श्री के. एस. त्यागराजन--4-12-1974
- 31 . डा. पी. वी. चॅरियन---17-7-1976
- 32 श्री बी. के. शर्मा--17-7-1976
- 33 . डा. एम. एल. कपूर--17-7-1976
- 34 . डा . के . एस . अय्यार--17-7-1976
- 35 श्री एम के. लाला--17-7-1976
- 36. श्री के. एस. शुक्ला--17-7-1976
- 37. श्री एस. के. ग्प्ता--17-7-1976
- 38. श्री एम. एस. रावत---17-7-1976
- 39. श्री के. सत्यनारायण राव--17-7-1976
- 40. री एन. के. श्कला--17-7-1976

ऋग संख्या, नाम और तिथि

- 41. श्री पी. एन. निगम--17-7-1976
- 42 . डा. एम. एल. ठाक ूर--17-7-1976
- 43. श्री एच. एस. थापर--17-7-1976
- 44. डा. सूर्य वीर सिह---17-7-1976
- 45 श्री एमं पी. शिवा--17-7-1976
- 46 डा. एस[.]. एस[.]. आर. बैनेट--17-7-1976
- 47 श्री पी. सी. गुप्ता--- 17-7-1976
- 48. डा. आर. वैंकटकृष्णन्--31-5-1977
- 49 डा. एम. एस. रजाबत---1-4-1979
- 50 श्री के सी भाटिया--1-4-1979
- 51. श्री प्रेमनाथ--26-10-1979
- 52. श्री एस. एन. मान--1-12-1979
- 53. डा. आर. एन. सिंघल---1-11[1980
- 54 . डा . एस . पो . सिंह--1-11-1980
- 55. श्री आर. सी. टण्डन-1-12-1980
- 56. श्री बी. आर. एस. चौहान---12-3-1981
- 57 डा. पी. एल. सोनी--1-11-1981
- 58. डा. के. ग्रूम्प्रीर्त---1-6-1982

रजत कामार काल समिव में मनाविद्यालय

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

निरीक्षण एवं लेखा, परीक्षा निदोशालय

मीमाश्लक व केन्द्रीय उत्पादन श्ल्क

नर्ड दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1983

सं. 8/83--श्री होम प्रकाश ने, जो पहले दिल्ली समाहतिलय में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रूप "क" के पद एर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 8-11-82 के फा. सं. 22012/55/81-प्रशा. ।। के आदेश द्वारा सीमा-शल्क, जत्पादन शल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण की, दिल्ली स्थित न्यायपीठ के लिए स्थानान्तरण होने पर निरीक्षण एवं लेका परीक्षा निद्देशालय, सीमा शल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शल्क, में दिनांक 23-2-83 (प्राह्म) से किन्छट विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप "व" के रूप में उक्त पद का कार्यभार सम्भाव लिया।

दिनांक 10 मार्च 1983

सं. 9/83—वार्धक्य के कारण सेवा निवत्त होने पर श्री एस. कम्पानी ने, विरोक्षण एवं लेखा परीक्षा निवदेशालय, सीमाशुन्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुन्क के नर्ह दिल्ली स्थित सीमाशुन्क उत्पादन शुन्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण की दिल्ली स्थित न्यायपीठ से दिनांक 28-2-1983 (अपराहन) से केनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रेप ''ख'' के पद का कार्यभार त्यान दिया।

व. च. रस्तोगी निरीक्षण निवंशक

केन्द्रीय जल आयोग

नर्हे दिल्ली-110066, विनांक 11 मार्च 1983

सं. ए-19012/1025/82-स्था -पाँच--अध्यक्ष, कोन्द्रीय जल क्षायोग, श्री मुरुकराज, पर्यवेक्षक को रा. 650-30-740-35-810-द रो.-40-1200

के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निद्याक, सहायक इंजी-नियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 30 नवम्बर, 1982 की पूर्वाहन से एक वर्ष की अविध के लिए अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हों।

> ए. भट्टाचार्य अवर सचिव केन्द्रीय अल आयोग

निर्माण महानिद्देशक का कार्यालय क्रोन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1983

- सं. 33/1/81-इं. सी. -9—-राप्ट्रपति सहर्ष संघ लोक संवा आयोग के नामित श्री एम. टी. फुलजिल को उपवास्त्क के अस्थाई पद पर (मामान्य सिखिल सेवा ग्रुप "क") के. लो. नि. विभाग में रुपये 700/- प्रतिमाह देतन पर संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर रुपये 700-40-900-द. रो. -40-1100-50-1300/- के वेतनमान में (अतिरिक्त भत्तों सहित) सामान्य नियम एवं शहीं पर 5-2-83 (अपराह्न) में नियुक्त करते हैं।
- े 2 श्री फुलजिले का बेतन नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा।
- 3 श्री फुलजिले को नियुक्ति की तिथि में 2 वर्ष की अविधि के लिए परीवीक्षा पर रखा जाता है।

ए. की. नार्रन प्रशासन उपनिविशक

विधि, श्याय तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विकाग) कश्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और केलको प्राइविट लिमिटेड के मामले में।

कोचीन, दिनांक 5 मार्च 1983

सं जिक्य/1482/2330/83—िसिविल मं सि. वि. 91/81 में एरनाकुलम में स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 12-2-1982 के आदोश द्वारा केलको प्राइक्टि लिमिटोड का परिसमापन करने का आदोश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामलें में और न्यू केराला राडवेज प्राइविट लिमिटोड के मामले में।

कोचीन, दिनांक.5 मार्च 1983

सं. स. लिक्ब/1482/2330/83—िसिक्न सं.िम.वि. 18/81 में एरणाक लुस में स्थित उच्चन्यालय के तारीख 23-3-1983 के आदश ख्वारा न्यु करेला राडवेज प्राइविट लिमिट डे का परीसमापन करने के आदश दिया गया हुं। 2—6 GI/83

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और इलक्ट्रोण डिवरेंस प्राइटिट लिभिटेंड के मामले में।

कोचीन, विनांक 5 मार्च 1983

सं . लि .ा/2330/83—-सिविल सं . सि . वि . 95/81 में एरनाक तम में स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 20-8-1982 के आदेश द्वारा इलक्ट्रोण डिवेंस्स प्राईवेट लिमिटोड का परी-समापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्रीपित एस्टेट्स प्राइनिट निमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 5 मार्च 1983

मं. 1887/लिक्व /560(5)/83--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा के अन्सरण एतद्- द्वारा सूचना दी जाती है कि, श्रीपित एस्टेट्स प्राक्ष्वेट लिमिटेड का नाम आज रिजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोजिकोड गवर्नमेन्ट पेन्मनर्स चिट फण्ड प्राइचिट लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, विनांक 5 मार्च 1983

सं 2137/निकिय/560(5)/2383/83—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव् व्वास स्चना दी जाती है कि कोजिकोड मवर्नभेट चिट फण्ड प्राइविट निमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोचीन ट्रावल्स एण्ड एजेन्सिस लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, विनांक 5 मार्च 1983

सं 2154/लिकिव/560(5)/2292/83—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि पालाट टिबर इन्डस्ट्रीज प्राई-बेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर में काट धिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोचीन द्रावल्स एण्ड एजेन्सिस प्राइविट लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 5 मार्च 1983

्सं. 2215/लिक्व/560(5)/2203/83—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव् द्वारा सूचना दी जाती है कि कोचीन ट्रावल्स एण्ड एजेन्सीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और षणम्गा चिटस एण्ड ट्रोडस प्राइचिट लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 5 मार्च 1983

सं. 2367/लिक्व/560(5)/2201/82--कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि षणम्गा चिटस एण्ड ट्रंडस प्राइटिट लिमिटोड का नाम आज रिजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोन्नमा काषय कम्पनी प्राइ विट लिमिटेड के निषय में।

कोचीन, दिनांक 5 मार्च 1983

सं. 2520/लिक्नि/560(5)/2227/83~ कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि पोन्नमा काषय, कम्पनी प्राइविट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेस्ट कोस्ट फाइ एण्ड अलैंड प्रोडक्टस प्राईविट लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, विनांक 5 मार्च 1983

सं 2715/लिकिव/560(5)/2207/83—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव् द्वारा सूचना दी जाती है कि वेस्ट कोस्ट फूड एण्ड अलैंड शोडक्टस प्राइविंट लिमिट डे का नाम आज रजिस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विद्याटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ऐनिनस्लार इलेक्ट्रोनिक्स प्राइबिट लिमिटोड के विषय में।

कोचीन, दिसंक 5 मार्च 1983

सं. 2717/लिक्वि/560(5)/83~-कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एत्वू द्वारा सूचना की जाती है कि पेनिनस्वार इलेक्ट्रोनिक्स प्राह्वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सतेण इण्डिया अन्यमुलेटोरस प्राइविट लिमिटोड के विषय में।

केरबीन, दिनांक 5 मार्च 1983

सं. 2829/लिक्बि/560(5)/2299/83— कम्पनी अधि- 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सुनना दी जाती है कि सतेंण इंग्डिया अक्यम्लेट रस

प्राईविट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हाटेल संगीता प्राईविट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 5 मार्च 1983

सं. 2929/लिक्कि/560(5)/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि होटल संगीता प्राईविट लिमिटोड का नाम आफ रिजस्टर से काट दिया ग्या है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

के. पन्चापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स नीरजा इन्बेस्टमेन्ट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइविट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 8 मार्च 1983

कमांक 1227/सी. पी./4340—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै. नीरजा इन्वंस्टमेन्ट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवंट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उस्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> सुरोन्द्र कुमार सक्सोना कम्पनी रिजस्ट्रार, मध्य प्रदोश, खालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गिरीभाजी एण्ड एसोसिएशन (हन्जीन्स) प्राइचिट लिभिट ड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1983

सं. 3029/560/82-83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर गिरीभाजी एण्ड एसोसिएशन (हम्जीन्स) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विश्वत न किया गया को रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उनत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वि. एन. जगन्नाथ कम्पनियों का रिषस्ट्रार प्ररूप धाई॰ टी॰ एन० एस०---

श्रायकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 मार्च 1983

निद्देश सं. ए. एस. आर./82-83/486~~ यत: मुझे, आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस., प्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीष्ठिनियम' कहा गया है),की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/-६० से शिक्षक है,

और जिसकी सं. एक जायदाद हैं, तेथा जो जो टी. रांड, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाइद्वध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और घन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरका के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलाखन उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखन में बास्तविक्र कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क्) प्रस्तरण से हुई किसी असय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रम्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री इकबाल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, वासी 14, शरीफपुरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री परोम सिंह पुत्र श्री बलीप सिंह, वासी जसपाल नगर, पताट नं 68, अमृतसर।

(अन्सरिती)

3. जैसा उत्पर सं. 2 में कोई किराएवार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

 और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितचक्थ है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्ल सम्परिल के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रवित्त, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतव्य किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, अदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्यक्कीकरण: --इसमें प्रबुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वहीं धर्च हीगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायबाद 167.2 व. ग. हो जी. टी. रांड, निकट पिगलवाड़ा, अमृतसर में हो जैसा सेल डीड नं. 6810/13-7-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हो।

आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख : 14-3-1983

प्ररूप आई. टो. एन. एस.----

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रंज, अम्तसर

अमृतसर, दिनांक 14 मार्च 1983

निबंधा सं. ए. एस. आर. /82-83/487--यतः मुझे, आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस., अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. एक जायदाद है, तथा जो 30 रोस कारेस रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 161) के अधीन, तारीख जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का र्गेब्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदबोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आजत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

श्री निरिदर सिंह और
 श्री रिजिदर सिंह पुत्रान
 श्री सोहन सिंह,
 वासी 7 केरों मारकीट,
 अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री निरंदर सिंह और श्री रिजदर सिंह पुत्रान श्री सीहन सिंह, वासी 7 करों मारकीट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उज्पर सं. 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क्र में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

एक जायदाद $212^{\frac{1}{2}}$ व ें ग जो 30 रोस कोरस रोड, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नें. 6755/12-7-82 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आवंकर बायुक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

सारीख: 14-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं. ए. एस. आर./82-83/488---यतः मुझे, आर. बी. सिन्हा, आर्दः, आर. एस., म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है^{*} और जिसकी सं. एक जायदाद है, तथा जो 30 रस करिस रोड अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जुलाई, 1982 को पृत्रों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल् से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मिस शीला राए पृत्री श्री असवंत राय, वासी 30 रोस कोरस रोड़, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री निरंबर सिंह और श्री रिजंदर सिंह पृत्रान श्री मांहन सिंह, वासी 7 केरों मारकीट, अमृतसर।

(बन्सरिती)

जैसा ऊपर सं. 2 मों कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 अगर कोई।
 (वह व्यक्ति, जिसके बार मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- अव्यक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

एक जायबाद $212^{\frac{1}{2}}$ व ग जो 30 रोस कोरस रोड, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं 6759/12-7-83 रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

आर बी सिन्हा, आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख: 14-3-1983

प्ररूप भाई. टी. एम्. एस.-----

नायकर जीभनियम्, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 मार्च 1983

निबोध सं. ए. एस. आर. /82-83/489---**वतः मुझे, आर**ंबी सिन्हा, आर्द्रे आर. एस., अभाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित काजार 25,000/-रा. से विधिक है और जिसकी सं. एक जायदाद ही, तथा जो 30 रस कारस रोड, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, अमृतसर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपित बाजार नृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का प्रन्त्रहप्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण लिखित में

नास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी जाय की वाबत, उत्तर जीधीनवस्त्र के जधीन कर देने के बन्तरक के बाबित्य में कामी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या कर्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमृती परितिभा काले पृत्री श्री इन्दर सेन, वासी 30 रोस कीरस रोड, अमृतसर।

(अन्तरक).

 श्री निरंदर सिंह और श्री रिजदर सिंह पुत्रान श्री सोहन सिंह, वासी 7 केरों मारकीट, अमृतसर।

(अन्सरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किराएदार हो। (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचता आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, थो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजरत में प्रकातन की तारी ख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्मति में दितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्रोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचावित हैं, वही अधं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद 212 व. ग. जो 30 रोस कोरस रोड, अमृतसॅर में ही जैसा सेल डीड नं 6756/12-7-82 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज ही।

> आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

तारीब : 14-3-1983

मोहर ः

प्रकल् नार्षं, टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के बधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रांज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 मार्च 1983

निविश सं. ए. एस. आर./82-83/490— यतः मुझे, आर. बी. सिन्हा, आर्ह. आर. एस., बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परेचात् 'उंक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं एक जायदाद है, तथा जो 30 रोस कोरस रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्तय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक्ष का सिम्निलिखत उद्वोध्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वेहुई किसी नाय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्रीमती मधू पावला पृत्री श्री इन्दर सेन, वासी 30 रोस कोरस रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री नरिंदर सिंह और श्री रिंजदर सिंह पुत्रान श्री सोहन सिंह, वासी 7 केरों मारकोट, अमृतसर।

(अम्तरिती)

जैसा उत्पर सं. 2 मों कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस स्चना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद $212^{\frac{1}{2}}$ व. ग. जो 30 रोस कोरस राढ, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 6754/12-7-22 स्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में वर्ज है।

आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

तारील : 14-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

ंअमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1983

निविश सं. ए. एस. आर. /82-83/491— यतः मुझे, आर. बी. सिन्हा, आर्द. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है, तथा जो गांव आनन्तपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था. छिपाने में स्विधा से लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री काला सिह पुत्र श्री बिचतर सिह, वासी गांव जेम जुगियाल, तहसील पठानकोट, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

श्री करम सिंह पुत्र
 श्री खजान सिंह,
 वासी गांव संधवाल,
 तहसील पठानकोट,
 जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उज्पर सं. 2 में कोई किराएवार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायवाद, 1 कनाल जो गांव आनन्वपुर, तहसील पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं. 1476/30-7-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

जार. बी. सिन्हा, आर्ड. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि, जमतसर

तारीख : 15-3-1983

प्रस्त काइ. सी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं. ए. एस. आर. /82-83/492-यतः मुझे, आर. बी. सिन्हा, आई आर एस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. एक जायबाद हैं, तथा जो गांव आनन्दपूर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख जुलाई, 1982
को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीः
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया
प्रतिफल, निम्नलिखित, उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर घंने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम 'की धारा 269-म के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
3 -631/33

 श्री काला सिंह पुत्र श्री बिचितर सिंह, वासी गांव जेम जूगियाल, तहसील पठानकोट, जिला ग्रवासपूर।

(अन्तरक)

श्री चनन सिंह पूत्र श्री गंगारा सिंह, वासी गांव संभवात, तहसील पठानकोट, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किराएवार हो। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 और कोर्ड।
 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूर्णना जारी करके पृष्ठोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——ेइसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद, 1 कनाल जो गांव आनन्दपूर, तहसील पठानकोट में हैं जैसा सेल डीड नं. 1477/30-7-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी, पठानकोट में दर्ज है।

> आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख : 15-3-1983

महिर 🖫

इक्य बाह्" टी पुरु पुरु ,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, कोच्चिन-16

कोचिन-16, दिनांक 5 फरवरी 1983

निदोश सं. एल. सी. 605/82-83--

यतः सुझो, बी. आर. नायर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनता अभिनियम' कहा गया है।, की धारा 289-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000 / रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, तथा जो चवरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीमुलनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख 21-7-1983

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यः से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/भा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर **अधि**नियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा कियाजाना बाहिए था छिपाने सें स्बिधाके लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियौ, अर्थात् :---

निम्नलिखित व्यक्तियों का नाम

- 1. श्रीमती परिमनी तम्ब्रान,
- श्रीमती कमला दोवी तम्बुरान,
- 3. डाक्टर रघु नन्दन तम्बुरान,
- श्रीनन्दकुमार तम्बुरान,
- 5. श्री दिनेश (मैनर),
- श्रीमती शान्तक्ष्मारी तम्बुरान ,
- 7. श्रीम्ती परिमनी तम्ब्रान,

- श्रीमती शान्तकुमारी की बंटी,
- 8. श्री रामवर्मा वास्देव तम्ब्रान,
- 9. श्रीमती भामा देवी तम्बुरान,
- 10. श्रीमती सरिता तम्बुरान,
- 11 श्री हरि (मैनर),
- 12. श्रीमती गीतादोवी तम्ब्रान,
- 13. श्रीमती प्रीता (मैनर),
- 14. श्री रामवर्मा सुन्दरश,
- श्रीमती कृष्णकामारी एलियास भंकम तम्ब्रान,
- 16 श्रीमती राधिका (मैनर),
- 17. श्री दिलीप (मैनर)।
- 18 श्री कोच्यिमणी तंबुरान
- 19. श्री भद्रमणि तंबुरान
- 20 विष्णुप्रसाव तंबुरान
- 21. श्रीमती साविती,
- 22. श्री केरलवर्मा कांच्यानियन तंबुरान
- 23 श्री रिव वर्मा रिव अप्पन तंब्रान
- 24 श्री राम वर्मा कृत्रपन तंबुरान
- 25. श्री रिव वर्मा कृत्रि कुट्टन तंबुरान
- 26 शीराम वर्मा क्षत्रिण तंबरान
- 27. कोरल वर्मा केलप्पन तंबुरान

(अन्तरक)

2. श्रीमती अम्बिका।

(अन्तरिती)

अनुसूची

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्ल सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

अमुसूची

46 Cents of land with two buildings in Sy. No. 545/2 in Chavara illage as per schedule attached to Doc. No. 1155/2 dated 21-7-1982 registered at S.R.O. Sreemoolamagaram.

वी. आर. नायर 'सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, एरणाकालम

तारींब : 5-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाक लम
अर्जन रंज, कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 16 नवम्बर 1982

ं निदोष सं. एल . सी . 596/82~83**~**~ यतः मुझे, वी. आर. नायर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र_{ि.} से अधिक है और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार ही, तथा जो त्रिचूर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, त्रिचूर में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच 16-7-1982 को पूर्वेक्ति सपत्ति क उचित वाजार मूल्य सु कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफास से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अन्सरण मं, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रषु रावुनी और श्री रवी अरविन्द।

(अन्तरक)

2. श्री वी. जे. पोल, होटेल साउथ वेस्ट (प्राईवेट) लिमिटेड के लिये।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यश्रहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

38 Cents of land with a building as per schedule attached to Doc. No. 3321 dated 16-7-1982.

वी. आर. नागर सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकरं श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन र³ज, एरणाक_{ुलम}

तारीब : 16-11-1982

मोधुर :

त्ररूप आइ^र.टी.एन.एस.-----

मायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) को मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निदेश सं. ए. सी. 40/रोज-4/कल/82-83---यतः, मुक्ते, सि. रोखामा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 5ए हैं तथा जो लोक नाथ चाटाजी लेन में स्थित, हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संविधत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की एक है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों नेते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती बीनापानी दंबी, इभा दंबी

(अन्तरक)

श्री तृषार कान्ती पाल,
 श्रीमती महामाया पाल

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया एया ही:

अनुसूची

जमीन 7 काठा जमीन का साथ मकान, पता-5, लोकनाथ पाटाजी लेन, थाना-शिवपुर, जिला-हावड़ा। दलील सं. 1982 का 4307 ।

. सिः रोस्नामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54, ,रफीअहमद किंदवर्द रोड, कलकत्ता-16

तारोख 8-11-1982 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. ग्वालियर कर्मशियल को लि. .

(अन्तरक)

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के अधीन मूचना

,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज-।।, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 8 फरवरी 1983

निर्देश सं. ए. सी. 85/आग-11/कल/82-83---यतः भूओ, सि. रोखामा, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह चिरातम कारने का कारण है. कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- क. से अधिक हैं और जिसकी क. 3/14, राजा तन्ताष गांव है तथा जो थाना आलिपुर, कल्कता में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रेजिस्ट्रोकिता अधि-कारी के कार्यालय आर. ए. कलकत्ता भें, रेजिस्ट्रोकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 8-7-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इल्प्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रिती (अंतरिटियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (अन्तरिती) 3. इन्वेस्टमेन्ट सिक्यृरिटी ट्रस्ट प्रा. लि.

2. योजिट इन्वेस्टमेन्ट एण्ड देड को. लि.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध कि मी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षंत्र 728 50 वर्ग मीटर, तथा जो 3/1ए, राजा सतोष रोड, थाना अलिपुर, कलकत्ता ।

> सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-१। 54, रफीअहमद किंदबई रांड, कलकत्ता-16

तारीय : 8-2-1983

रूपप्रआई० टी० दन• एस•--

1. श्री प्रताप कृष्णा राहातगी और अन्य

(अन्तरक)

2. कुमारी रीनी बाहाल

(अन्तरिती)

नायक र निधिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्वालय, बहारक भावकर नागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जनवरी 1983

निद[े]श सं. ए. सी. 67/अहर.-।।/कल/82-83---यतः मुक्को, एम. अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 94/41, राजा राम मोहन राय रोड, थाना बेहाला, कलकत्ता में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस. आर. अलिपुर, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह मितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नलिकित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण में वास्तविक स्व के किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मित्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (या) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थाबर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक³गे

स्थाकरोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अभिनियम के अध्याय 20 व में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनसभी

क्षेत्र 3 कठा, 8िछटाक 3 वर्ग फुट अभीन के उत्पर मकान 94/41, राजा राम मोहन राय रोड, थाना बेहाला, कलकत्ता।

> एम. अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।। 54, रफीअहमद किववार्क रांड, कलकत्ता-16

तारीब : 15-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, कलकत्ता कलकता, दिनाक 23 फरवरी 1983

निर्देश सं. ए. सी. 52/र ज-4/कल/1982-83---यतः, मुक्ते, सि. राखामा. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं 82 ही तथा जो पिलखाना दूसरी लेन, हाबड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णे रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के धायित्व में कमी फरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात --- (1) डा. राम कृष्ण घोष, श्री दिनबन्धु घोष, श्रीमती लतिका बिश्वास, कृष्णा कुमारी

(अन्सरक)

(2) श्रीमती फिलोमिना बारगन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुसारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन---4क-5छटाक जमीन का साम मकान पता---82, पिलखाना दूभरी लेन, थाना--गोलाबाड़ी, जिला-हावड़ा। दिलल सं.---1982 का 1686

> सि रोक्षामा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, कलकता 54, रफीअहमद किंदवर्च रोड, कलकता-16

तारीस : 23-2-1983

प्रकृष **आह**ै. टी. एत्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीत सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 23 फरवरी 1983

निद[™]श सं. ए. सी. 53/रोज-4/कल/1982-83---यतः, मुक्ते, सि. रोखामा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 7-बी है तथा जो लालमोहन मुखाजीं स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-7-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उत्रत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने से स्विधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री जिताय चन्द्र धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्धा दास, श्रीमती साधित्री दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियों कारता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धं। व्यक्तियों नर स्पना की सामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीता उल्ल स्थावर सम्पोलत में हिसबद्ध किसी अन्य क्रिक्त इवारा अधाहरलाक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कींगे।

स्पटिकरणः -इ. अमें पपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा अथ हागा, जो उस अध्याय में दिया गदा हैं।

जमीन---4के - जमीन का साथ मकान पता----7-बी, लालमोहन मृखाजी स्ट्रीट, बेलूर, जिला--हावड़ा दिलल सं.---1982 का 1726

सि. रोसामा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)
अर्जन र्रेज-4, कलकत्ता
54, रफीअहमव किंदवई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं. उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिन्दित व्यक्तियों, अधीत् :----

तारीख : 23-2-1983

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 23 फरवरी 1983

निर्वोध सं. ए. सी. 54/रोज-4/कल/1982-83--यतः, मुक्ते, सि. रोनामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में. 1/1 है तथा जो ''वाइ'' राड़, जिला— हावड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कमं के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ग्रा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--4-6 GI/83

(1) श्री शाम सुद्धर सुरखा

(अन्तरक)

(2) श्री मिन्टुरनजन नन्दी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन--4के - 9सी एच . पता--1/1, ''बाइ'', रोड, बेलगाचिया, थाना-लिलुया, जिला-हावड़ा दिलल सं ---1982 का 1892

> सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-4, कलकत्ता 54, रफीअहमद किस्वई रोड, कलकता-16

. सारीख : 23-2-1983

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के अभीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकसा

कलकता, दिनांक 23 फरवरी 1983

निवर्षा सं. ए. सी. 55/रोज-4/कल/1982-83--पतः, मुभ्ते, सि. रोखामा स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है है तथा जो साकाइल, और जिसकी सं. हावड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावजा में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 28-7-1982 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को ग्रन्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उदिन बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उक्दोरम से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अंतरक के दाकित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा केलिए; और/या
- (य) ऐसी किसी जाय या. किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बक्तः अवा, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) वान्तिमय, कान्तिमय, राधाकान्त, समरन्द्र, बिरवनाथ, काश्विनाथ, तर्लता, शिवप्रसाद, बंकरप्रसाद, रबीन्द्रमोहन दल्लचीधरी

(अन्तरक)

(2) दषरथी, बासुद बेखारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गैया है।

अन्स्ची

जमीन--3बी 10के 14च पता---मौजा-दुइला, थाना-साकराइल, जिला-हाबड़ा दिलल सं.--1982 का 4431

> सि. रोबामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जे-4, कलकता 54, त्रफीअहमद किंदवई रोड, कलकता-16

तारीब : 23-2-1983

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.------

1. श्रीराम प्रसाद संठ

(अन्तरक)

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

2. श्री तिलकराज आगरवाला और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

कार्यालयः, सहायक आयकर नायक्क (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, कलकता

कलकत्ता ,दिनांक 5 मार्च 1983

निद[®]श 'सं. ए. सी. 90/आर-11/कल/82-83---यतः

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;

(ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

लिखित में किए जा सकेंगे।

मुझे, सि. रोखामा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं, मौजा, काक रुगाछि है तथा जो थाना बेलियाधाटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से यणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, आर. ए. कलकेसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख 8 जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृल्य, असके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षेत्रः जमीन 3 कठा, 11 छिटाक सथा जो मौजा ककार-गाछि, थाना बेलियाचाटा में हैं।

सि. रोसामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।। 54, रफीअहमद किदवाई राड, कलकत्ता-16

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारिख : 5-3-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 3 मार्च 1983

निवर्षा सं. ए. सी. 89/आर-।।/कल/82-83--यतः, मुभ्ते, सि. रोखामा,,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 237 क्यू मानिक तला मेन राड़ है तथा जो थाना मानिक तला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक तां अधिकारी के कार्यालय, एस. आर. सियालयह में, रिजस्ट्रीक,रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बागत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविशा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में स्विधा के लिए;

हतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण , मैं, उक्त डीधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- । श्री राम गोधिन्द सिन्हा

(अन्तरक)

2. बेंगल शीट एण्ड मेटल प्रोडक्टस प्रा. लि. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पृति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र जमीन 7 कठा, 2 छिटाक 39 वर्गफुट का 1/3 अंश, तथा जो 237 क्यू मानिकतला मेन रोड, थाना मानिकतला

सि रोखामा सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।। 54, रफीअहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

तारीब : 3-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, क्लकत्ता कलकत्ता, विनांक 3 मार्च 1983

निद[®]श सं. ए. सी. 88/आर-।।/कल/82-83---यतः, मुझे, सि. रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाउगर मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 237 क्यू मानिकतल मेन रांड है तथा जो थाना प्रानिकतला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस. आर. सियालवह में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच 14 जुलाई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्णास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उन्नस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, ब्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

1. श्रीमती मन्जु रानी मिश्र

(अन्तरक)

2. बोंगल शीट एण्ड मेटल प्रोडक्टस प्रा. लि (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 7 कठा, 2 छिटाक 39 वर्गफुट जमीन का 175 अंश तथा जो 237 क्यू मानिकतला, थाना मानिकतला।

> सि रोसामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।। 54, रफोअहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

ता**री**ख : 3-3-1983

ः मोहरः

प्ररूप वार्षं दी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं भ्रायकरं भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज-।।, फलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 मार्च 1983

निद^{क्}श सं. ए. सी. 87/आर-।।/कल/82-83--यतः, सभे, सि. रोखामा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं दाग नं 2082 है तथा जो मौजा कालियावह दम दम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्तय एस. आर. किसपूर के, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 जुलाई, 1982

को पूर्नोक्स संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुड़ किमी आय की दावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री प्रफुल्ल कुमार प्रामानिक

(अन्सरक)

2. श्री चन्द्र कान्त साहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारकं पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाग,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनिश्व के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

क्षेत्र जमीन के परिमान 3 कटा, 8 छिटाक, 10 वर्गफाट तथा जो मौदा कालियावह, थाना दमदम में हैं।

> सि रोखामा सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण)** अर्जन रॉज-11 54, रफीअहमच किववाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 1-3-1983

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1V, कलकत्तां

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1983

निर्देश सं. ए. सी. 62/रंज-4/कल/82-83---यतः, मुझे, सि. रोखामा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. है तथा जो गोपालपुर, 24 परगना में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशिप्र ''दमदम'' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 जुलाई, 1982 को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य सं कम के दश्यमान

को प्रेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत, उक्त नियम के जधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री नगपती घोष

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनुभा चाटजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक क्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 106 शतक, पता मौजा गोपालपुर, थाना बिष्णु-पुर, जिला-24 परगना। दलील सं.-1982 का 7142

> सि. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4 54, रफीअहम्ब किंदबाई रोड, कलकत्ता-16

ता**री**ख : 3-3-1983

प्ररूप आर्री, टी. एन्. एस्.--------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता

जलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1983

निवर्भेश सं. ए. सी. 61/रॅज-4/कल/82-83--यत:, म्भे, सि. रोखामा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-र_ि. से अधिक है और जिसकी सं. है तथा जो गोपालपुर, 24-परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशिप्र दमदम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 22 जुलाई, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रति-फस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आंध की बाबत, उसत् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-माहर :

1. श्री समपती घोष

(अन्तरक)

2 श्री मनोज कुमार चटजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन-117 शतक, पता-मीजा गोपालपुर, थाना-राजारहाट, जिला-24-प्ररगना दलील सं. 1982 का 7141

> सि रोबामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

नारीख : 3-3-1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ं अर्जन रेंज-४, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 2 मार्च 1983

निव \dot{a} रा सं. ए. सी. $60/\dot{a}$ ज- $4/\dot{a}$ न्न/ $82-\dot{8}3$ —यतः, मुझे, सि. रोक्षामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो विष्णुपर, 24-परागना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विष्णा है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 15 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिगों, अर्थात :—— 5—601/83

া. अमती जयन्ति घटजी

(अन्तरक)

2. श्री अगिल, संजीव, शशी, मनजूला, समन कानोइ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 7 बीघा, 2 काठा, 5 काच्या, 43 स्को. फि. पता-मौजा मिरपुर, थाना-विषुणूप्र, जिला-24-परगना । दलील सं.-1982 का 6181 ।

सि रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जन-4 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 2-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

. भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 मार्च 1983

निद्धेश सं. ए. सी. 59/र्गज-4/कल/82-83—यतः, मुक्ते, सि. रांखामा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो आरगोरी, हावड़ा में स्थित हैं (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीळरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जुलाई, 1982

को प्रवेकित सम्पत्ति के उजित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व ते संपत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कि ए गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आिंगां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री गोलाममा हिउदीन लसकर, गोलाम राज्यानि लसकर, महम्मद हानिफ लसकर

(अन्तरक)

2. भारत स्टील द्रोडर्स

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन **के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि एा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 50 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन-73 डोसिमाल, पता-मौजा आरगोरी, थाना-साकाइल, जिला-हावड़ा। दलील सं-1982 का 4102

> सि. रोलामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन ,रॉज-4 54, ,रफीअहमद किदवाई रोड, कनकत्ता-16

ता्रींच : 2-3-1983

भोहर :

प्रकम बाद ही एन एस .----

काधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **पारा 269-म (1) के अधी**न सु**पना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 2 मार्च 1983

निवर्षा सं. ए. सी. 59/र्ज-4/कल/82-83---यतः, मृक्षे, सि. रोखामा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसेकी सं. है तथा जो बामुनारी, ह्मली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल-कत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिन्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 5 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, ऐसे उदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्कन, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारितिक रूप से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भन्या जन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- अारसेंद्र आलि मण्डल, ताहरेआलि मण्डल

(अन्सरक)

2. हिन्धुस्तान डवलपमेन्ट कारपोर्रेशन जि.

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करको पृथाँकत सम्मित्त को मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पृत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्धीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक री 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सक्तेंगे।

म्पष्टीकरण :--इसमां प्रथावत राज्दों और पदों का, जो उपक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

अभूस्**ची**

अनुसूची जमीन-81 डोसिमल, पता-मौजा बामुनारी, थाना-श्रीराम-पुर, जिला-हुगली। वलील सं.-1982 का 5833

> सि. रोखामा सक्तम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-4, कलकत्ता

तारिख: 2-3-1983

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 मार्च 1983

निर्देश सं. ए. सी. 57/र ज-4/कल/82-83--यत:, मुझे, सि. रोखामा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रह. से अधिक ही और जिसकी सं. है तथा जो बामुनारी, हुगली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 जुलाई, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीयत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अधीत :---

 श्री शंच आमीर आलि, आमिना सातुन

(अन्तरक)

2. हिन्दुस्तान डवलपमेन्ट कारपोर्श्वन लि.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

जमीन-0.56 डॉसिमाल, पता-माँजा बामुनारी, थाना-श्रीरामपुर, जिला-हुजली। दलील सं.-1982 का 5830

> सि. रांसामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4 54, रफीअहमद किदबाई रोड, केतकत्ता-16

लारीख : 2-3-1983

प्ररूप बाहा, टी. एन. एस.------

1. श्री सस्येन्द्र नाथ नन्दी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

2. पार्थ सारधी राय

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4. कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 मार्च 1983

निर्दोश सं. ए. सी. 56/रंज-4/कल/82-83--यत:, मुझे, 'सि. रोखामा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो भूपगृष्टि, जलपाइगरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से व्याणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मयनागुरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारांख 3 जलाई 1982

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एमे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार धीने के अन्तरक के वायित्व म कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिये और/माः
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमितयों को, जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया, ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने सिए;

बतः अब, जन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत , निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात:--

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ल) इस स्चनाके राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्भ किसी अन्य व्यक्ति ववारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्स में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गय्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्ष अध्याय में दिया गमा है।

वन्सूची

जमीन-543.40 स्काः फी. जमीन का साथ मकान पता-धूपगुरी बाजार, थाना-धूपगुरी, जिला-जलपाइगरी। दलील सं -1982 का 6875

> सि रोसामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र्ज-4 54. रफीअहमव किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारील : 2-3-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज, प्ना-411004

पूना-411004, दिनांक 14 फरवरी 1983

निद $^{\circ}$ श सं. सी. ए \cdot 5/789/एस \cdot आर \cdot /हवेली $^{\prime}$ 82-83 ⊶--यतः मुभ्ते, शशीकांत कालकणी^ऽ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं नं 17/7 है तथा जो 17, महात्मा गांधी रांड, पूना-411001 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यस निबंधक हवेली पूना में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने काकारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्तिका उचित बाजार मूल्य, न्उसको दृश्यमान प्रतिफल से, एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्योदयों से उक्तु अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कश्यित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के,अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मास्टर सुखिया एण्ड कम्पनी प्रोजेक्ट ''बी'' पता-547, रास्ता पेठ, पुना-411011 भागीदार
 - 1. श्रीमती बाईमई रुस्तुम मास्टर
 - श्री जिमी दारा सुलिया,
 - क्मारी और धनजीशा,
 - श्रीमती अरमईती जिमी सुद्धिया।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स टोक्यो रेस्टारण्ट (पार्टनरशीप फर्म) 17, महात्मा गांधी रोड, पुना-1

(अन्तरिती)

 भैसर्स टोक्यो (रेस्टारण्ट) 17, महात्मा गांधी रोड, पूना-1

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां 🖙 करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप: --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ! ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्वाय में दिया र्वेगमा **ह**ै।

अनुसूची

प्रापर्टी जिसका तलफर्श क. 17/7, 17 महात्मा गांधी रोड, पुना-1 में स्थित है। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 2289, जो जुलाई, 1982 को दुय्यम निबंधक हवेली पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> **समिकां**स कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), 🏌 अर्जन ट्रीज, पूना

तारीस : 14-2-1983

मोहर 🚲

B

प्ररूप बाइ .टी एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना-411004

पून्-411004, विनांक 24 जनवरी 1983

निक्र सं. सी. ए. 5/13/37 ई. ई./82-83--

यत, मुक्ते, शशिकांत कुलकंणीं, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं. राजिकरण अपार्टमेंटस प्लाट नं. 4, प्लाट नं. 86, सं. नं. 50, 52, 53ए हैं तथा जो पर्वती, पूना-411009 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक अपकर आयुक्त अर्जन रेज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब 10 अकतुबर, 1982

जनत्वर, 1982 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पास गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण जिनिबत में उन्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोरे के जन्नरक के दायित्व में कभी करने भा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

असः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् १५-- मैसर्स चौपड़ा कन्स्ट्रकशनस
 245, नारायण पठ, पूना-30

(अन्तरक)

1. श्री मल्लिकार्जुन रवि
 2. श्रीमती गोरी एम. रवि
 10, प्रिवर्शन सोसायटी,
 पना- 9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी ज्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्यों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेस ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अमुसुची

राजिकरण अपार्टमेन्टस, प्लाट नं. 4, प्लाट नं. 86, सं. नं. 50, 52, 53ए, पर्वेसी, पूना-411009 । (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 210, जो 10-10-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, पूना

तारीख : 24-1**-1**983

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अ**धिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पुना-411004

पूना-411004, दिनांक 4 फरवरी 1983

निव^{*}श सं. सी. ए. 5/एस. आर. जलगंव/786/82-83 ---यतः मभ्ने, शशिकांत कलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का दिनत राजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 5, सी. टी. एस. 2116 है तथा जो जलगांव में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूषी में आर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक जलगांव में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्ताम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्यों से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है ---

- (क) अस्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कभी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1., दि. खानदोश स्पिनिंग एण्ड विक्हींग मिल्स क.लि. जलगाव।

(अन्तरक)

 श्री अभय कुमार वेलजी शाह 2674, जिला पठ, जलगांच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 5 का आधा हिस्सा सी. टी. एस. नं. 2116, जलगांव, क्षेत्र 416.85 स्कर्चे फी.। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत दिलेख क. 3418, जां सितम्बर, 1982 को दुय्यम निबंधक जलगांव के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारीब : 4-2-1983

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना-411004

प्ना-411004, दिनांक 4 फरवरी 1983

निवर्°श सं. सी. ए. 5/एस. आर. जलगांव/787/82-83--यतः मुभ्ने, शशिकात क्लकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ह और जिसकी सं प्लाटने 5 सी टी एस नं 2116 जलगांव है तथा जो जलगांव में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुय्यम निबंधक अलगांव में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 सितम्बर, 1982 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूखमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देव हेय से उन्नत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 वि. खानवोश स्पिनिंग एण्ड व्रिव्हींग मिल्स क.लि. जलगाव।

(अन्तरक)

 श्री रामजी कुवरजी शाह 2674, जिला पठ, जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकारणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 5 का आधा भाग सी टी एस नं 2116, जलगांव क्षेत्र 4168 5 स्को फीट। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख के 3419, जो 21 सितम्बर, 1982 को दुय्यम निबंधक जलगांव के वस्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी .सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, पूना

ता्रींब : 4-2-1983

प्ररूप आहर .टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 11 फरवरी 1983

निद्धां सं. सी. ए. 5/785/एस. आर./नासिक/82-83—यतः मुफे, शशिकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 90, सं नं. 612/5बी/2 कालीका सन्दिर के नजदीक, आगा रोड है तथा जो नासिक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निबंधक नासिक में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारील जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलितित उद्देष्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीस :--

 श्रीमती विनीता राजन धारकर एन/5 आर. एच.-4 सेक्टर-7 वशी, न्यू बास्बे।

(अन्तरक)

 सायमनस् इण्डिया निमिटेड कम्पनी संकेटरी/श्री यू. एन. मोटवाणी 134-ए, डा. अनी बेभेट राड, वरली, बाम्बे-400018 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो सं नं. 612/5 बी./2 प्लाट नं. 90, कालीका मन्दिर के नजदीक, नासिक-1 में स्थित हैं.। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. के. 4760, जो जुलाई, 1982 को दुप्यम निबंधक नासिक दफ्तर में लिखा हैं।)

> शशिकात कुलक**र्णी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज, पूना

तारील : 11-2-1983

प्ररूप गाई. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

पूना, दिनांक 24 जनवरी 1983

निद[®]श सं. सि ए 5/37 **र्हार्ट**/14/82-83--यतः मुके, शशिकांत क लकणी^र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या राजिकरण अपार्टमेंटस फुट नं. 6, प्लाट नं. 86, सं. नं. 50, 52, 53ए, पर्वती है तथा जो पूना-411009 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय सहायक आयकर आयकत, अर्जन रोज, पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 19-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स चोप्रा कन्स्ट्रकशनस्, 245, नारायण पठ, पूना-411030
 - (अन्तरक)
- (2) डा. विनायक नारायण उपामनी श्रीमेती सुवर्णा विनायक उपासनी विद्या-लक्ष्मी, विवयवेवाडी, पूना-37

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजिकरण अपार्टमें टस् प्लाट नं. 6, प्लाट नं. 86, स. नं. 50, 52, 53ए, पर्वती, पूना-411009, (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं. 208, जो 19-10-82 को सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> मिकात क्लकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, पूना

तारीस : 24-1-1983

प्रस्पु बार्च, टी. ऐन्., एस.,-----

बायकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-मृ (1) के सभीन सुब्सा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पूना 60/61 एरंडवना, कर्जे रोड, पूना-411004

पूनी, दिनांक 11 फरवरी 1983

निदर्भि सं. सि. ए. 5/794/एस आर नासिक/82-83— यतः मुभ्ने, शशिकांत कुलकणी,

मापकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मजीन सकाग प्राधिकारी की, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ह० से मिलिक है

और जिसकी सं. सं. नं 570/1, प्लाट नं 3, एफ पी नं 62/2, टी पी एस 11, बाम्बे आगा रोड है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुय्यम निबंधक, नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-8-1982

को पूर्णिक्स संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्श संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर मन्तरक (अन्तरकों) गौर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए, तय पाया गया ब्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखत में वास्तविक क्या से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्राध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कमी करने में उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य बास्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रक्रिनियम, या बनकर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपान में सुविधा के सिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री बसंत एम बोझर 3130, श्रीक मंडई, नासिक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना जी साने कुमारी हर्षा जी साने 6, कोड विमा डोयनिक स्ट्रीट, बांद्रा, बाम्बे-50 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाव्यत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उपत सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की रामील से 30 जिन की प्रवित, जो भी प्रवित वासमें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रापटी जो सं. नं. 570/1, प्लाट नं. 3, एफ पी नं. 62/2, टी पी एस ।।, बाम्बे बाग्रा रोड, नासिक में स्थित हैं। (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख के. 5097 जो 11-8-82 को दुस्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा हैं)।

शशिकांत कुसकर्णी सन्नम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

तारीख : 11-2-1983

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.----

भायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना 60/61 एरंडयना, कवें रोड, पूना-411004

प्ना, दिनांक 25 जनवरी 1983

निद्धेश सं सि. ए. 5/ /एस आर कल्याण/82-83— यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकणी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. स. नं. 156, घर नं. 2, ग्राम पंचायत नं. 172, कल्याण घील रोड, असदे - गोलवली गांव हैं तथा जो ता. कल्याण, जि. ठाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुव्यम निवंधक, कल्याण में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 190 8(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिनत बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह शितकत से बाधिक है जोर मन्तरिक (धन्तरिकों) घोर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे खंतरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल निम्निश्चित उद्देश्य से जनत धन्तरण लिखित में वास्त्रविक कप से कायत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के बन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी छन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रीधनियम या जनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए वा जियाने में सुविद्या के किए;

मतः वदः उनतं विधिनियमं की धारा 269-व के धनुसद्य वें, में, उक्तं विधिनयमं की धारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुमुख प्रभा खण्डेलवाल 13/6, जवाहर दर्शन की आप हासिंग सोसायटी, डॉबियली - कल्याण - जि. ठाना

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश एस. परलीकर सदाशिव सदन, पोस्ट - कल्याण, जि. ठाना

(अन्तरिती)

(3) 1. मेसर्स एक्हरी इंडिया लि."
2. मेर्स डॉबियली लोरी वे. बिज़ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ही)

को यह स्वना शारी कुरु पूर्वोक्स इंपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपरित में हिसबब्ध किसी अन्य विकत्यों द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यब्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमः के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो सं. नं. 156/घर नं. 2, ग्राम पंचायत नं. 172, कल्याण शील रोड, असद गोलवली गांव, ता. कल्याण, जि. ठाना में स्थित है। (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत के. 1363, जो 20-7-82 को दृय्यम निवंधक कल्याण के वफ्तर में लिखा है)।

शशिकार्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, पूना `

तारीस : 25-1-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.------

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालव, सहायक भायकार आयुक्त (निरक्षिण)

'अर्जन रीज, प्ना

60/61 एरंडवना, कवे रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 24 जनवरी 1983

निर्धांश सं. सि. ए. 5/37ई ई/12/82-83---यतः मूभे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

औं रिजसकी सं. राजिकरण अपार्ट मेंटस् फ्लैंट नं. 3, प्लाट नं. 86, स. नं. 50, 52, 53ए हैं तथा जो पर्वती, पूना-9 में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे मह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दरयमान प्रतिकाल है, एसे दरममान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकाल निम्नलिक्ति उद्देश से उच्त बन्तरण निवित् में बास्तिक रूप से कियत नृहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वायत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग्रं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के आए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) मेसर्स चोप्रा कन्स्ट्रकशनस् 245, नारायण पठ, पूना-411030

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वृदा व्हां घारपूर श्रीमती सुप्रिया एस. आपटे 1223, शिवाजीनगर, फर्ग्युसन कालेज रोड, फूना-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवार्रा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पस्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजिकरण अपार्टमेंटस्, फ्लैंट नं. 3, प्लाट नं. 86, सं. नं. 50, 52, 53ए, पर्वती, पूना-411009 (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं. 209, जो 19-10-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।।

शशिकात कुलकणीं सक्षमं प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारीब : 24-1-1983

प्ररूप आइ.टी.एन.एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूर्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना 60/61 एरंडवना, कवे रोड, पूना-411004

पूना, विनांक 24 जनवरी 1983

निद^{्ध}श सं. सि. ए. 5/37ई ई^{*}/82-83---यतः म्भे, शशिकांत क<u>लकणी</u>,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 776ए, संवाधित पठ हाँ तथा जो पूना-30 में स्थित हाँ (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हाँ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित जब्दिय से उच्त अंतरण लिसित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स ट्रापिकल बिल्डर्स 776ए, सदाशिव पेठ, पूना-30

(अन्तरक)**:**

(2) मेसर्स शीतल मंत्रिंग सेंटर 573/3, जंगली महाराज रोड, पूना-5

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्से वंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

776ए, सदाशिव पेठ, पूना-30 क्षेत्र 225 स्कबे फी. (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं. 114, जो 24-9-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना के वफ्तर में लिखा है। ^

शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

तारीख: 24-1-1983

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

ग्रायकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. जारा** 26% व (1) के अजीन सूचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायके म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना 411004

पुना-411004, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवर्भि सं . सि . ए . 5/791/एस आर नासिक/82-83---यतः मभी, शशिकात कलकणीं, **जायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार, मृत्य 25,000/~ रह. से अधिक **हैं** और जिसकी सं. प्लाट नं. 2. स. नं. 570/1 एफ. पी. नं. 62/2 टी. पी. एस-।। बाम्बे आया रांड ही तथा जो नासिक में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, तारीख 11-8-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुरूप, उसके दरयमान प्रतिफल से ए'से दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिश्वित उबुदिश्य से उक्त अन्तरण लिश्विर में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🛊 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी फरने दा उससे बचने में सुविधा के सिए और/या
- (ख) ऐपो किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था: खिपाने में मुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त निर्माणयम की भारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, जुर्बात्ः—

- श्री पांडुरंग टी. वाकरे पार्क आग्रा रोड, नासिक । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती किरण एस साने 601 ज्वेल टावर्स, सेंट पाल रोड, बांद्रा बम्बे-400050 । (अन्तरिती)

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन को अविधि, जो भे भविधि बाब में सम्मन्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य स्थित द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपक्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में पर्यभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रौपटीं जो प्लाट नं. 2. स. नं. 570/1 एफ. पी. क. 62/2 टी. पी. एस.-।। बाम्बे आग्ना रोड हैं तथा जो नासिक (जैसे की रिजिस्ट्रीकण विलेख क. 5099 जो 11-8-82 को बुय्यम निबंधक नासिक वफतर में लिखा हैं)।

शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-41004

तारीख: 10-2-1983

'प्रक्ष बाइ'.टी.एम.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना 411004

पुना-411004, **दि**नांक 10 फरवरी 1983

निद^{क्ष}श सं. सि. ए. 5/793/एस आर नासिक/82-83---यतः मभ्रे, शशिकांत कृलकणी^{*},

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त को धिनयम' कहा पया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विस्का श्रींचत बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक है

और जिसकी सं. 870/1 प्लाट नं. 5, एफ. पी. नं. 62/2 टो. पी. एस. -।। बाम्बे आग्ना रोड़ है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय यूप्यम निबंधक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 11-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——
7—6GI/83

- 1 1 श्रीएन टी वाझारे
 - 2. श्रीपी. टी. बाझरो
 - 3. श्रीवहीएम. बाझरे
 - श्रीव्ही. बी. वाझर वाझरे पार्कच्यू आग्रा रोड, नासिक

(अन्तरक)

कामारी माध्री पी. बदलानी 7 ब्लू नाईज, रोड नं 24, बाद्रा बाम्बे-400050 ।

(अन्तरिती) -

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकादन की तारीब से
 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस इवासा?
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर अनत स्थावर संपरित में हितनव्भ किसी अन्य व्यक्तित इवारा व्यक्तिस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकों में।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अससची

प्रापटी जो 8 प्लाट नं. 5. सं. नं. 570/1 एफ. पी. नं. 62/2 टी. पी. एस. -।। बाम्बे आग्रा रोड नासिक में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख मं. 5094 जो 11-8-82 को द्यम निबंधक नामिक के दफ्तरूमों लिखा है।)

शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना-411004

तारीख: 10-2**-1**983.

मोहरः

प्रसप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का.43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना 411004

पुना-411004, दिनांक 10 फरवरी 1983

निव⁸श सं. सि. ए. /792/एस आर नासिक/82-83-- यतः मुक्ते, शशिकांत कृलकर्णी,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके पश्चात् 'खन्त अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269 ख के प्रधीन समाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाबार मूल्य 25,000 कि से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाँट नं. 1 सं. नं. 570/1 टी. पी. एस. -11 एफ. पी. क. 62/2 बाम्बे आग्ना रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता, अधिकारी के कार्यालय दुप्यम निबंधक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त 1982

को पूर्शेक्त बन्नित के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरत की यह है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिकहै बौर धन्तरक (अन्तरकों) बीर अन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निम्नलिखित छहे वय से बक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक छप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में नुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आह्या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए वा, जिसाम में भृविधा के सिए;

श्रता अब, उबत अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन निम्मिखिखित व्यक्तियों अर्थात् :⊶- श्री विजय बी वाझरे वाझरे पार्क बाम्बे आग्रा रोड, नासिक।

(अन्तरक)

2. 1. के. पी. बदलानी

 श्री एन व्ही माणके 435 पांड्रंग निवास रिववार पठ, नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्षत सम्बत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्षोप !--

- (क) इस मूचता के राजात में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (व) इस पूत्रता के राजात में तकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर छन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधीहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए वा सकींगे।

स्पट्टीकरण। --इसम प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित है, वहीं धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसनी

प्रापटी जो प्लाट नं. 1 एफ. पी. क. 62/2 टी. पी. एस.-। । बाम्बे आग्रा रोड, नासिक में स्थित है। (जैसे के रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 5098 जो अगस्त 82 को बुय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत क् ्रांच्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-41004

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना 411004
पूना-411004, दिनाक 21 फरवरी 1983

निर्दोश सं. सि. ए. 5/हबेली एस. आर. /82-83--यतः मुभ्ने, शशिकांत कालकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है और जिसको सं. क्र. 50+52+53 ए. पर्वती है तथा जो पूना-411009 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्यम निबंधक हवेली-। पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में, स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती कमलाबाई कावरराव लालमे 311, बुधवार पठ, पूना-2

(अन्तरक)

- 1. 1. श्री पोपट लाल तिरालाल बांबी
 - 2. श्री प्रभाकर एम हडलगुन
 - 3. श्री सखाराम में धाडगे
 - 4. श्री नंदलाल सी. बंधरा वडगांव शेरी जि. पूर्ना । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स फ. 50+52+53 ए. पर्वती, पूना-411009, क्षेत्र 649.3 स्के. मी.। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 3611 जो 22-7-82 को द्याम निबंधक हवंली। पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत क लक्षी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-41004

तारीब : 21-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

र्मानिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना 411004 पना-411004, दिनांक 14 फरवरी 1983

निर्दोश सं. सि. ए. 5/एस. आर./37 ई. ई./82-83--यतः म्भे, शशिकांत कालकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रुपए से अधिक है। और जिसकी सं. प्लाट नं. 6 पहली मंजिल, अविष्कार अपार्ट में ट सं. नं. 24/2-2 एण्डवणा है तथा जो पूना-411004 में स्थित हैं (और इससे उपाबवंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रोज पुना में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्र अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थातु:——

- मंसर्स सुधिर मांडके अण्ड क . 1132/2, शिवाजीनगर अलंकार भवन, पूना-411016 । (अन्तरक)
- 2. धूमिलीं व गजानन देशपांडे अहिल्यालय 165 शिवाजीनगर-पूना-5। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियों करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पानीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 6, पहली मंजिल अविष्कार अपार्टमेंट सं. नं. 24/2 एरण्डवणा पूना-411004 क्षेत्र 1000 स्कवे फी। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. आर-276 जो 13-10-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के वफ्तर में लिखा हैं)।

शशिकांत क लकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुना-411004

तारीख : 14-2-1983

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना 411.004

पुना-411004, दिनांक 17 फरवरीं 1983

निर्दोश सं सी ए 5/3 व्ही ई ई /82-83--यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं स नं 147 हिस्सा नं 16 और 17 है तथा जो करेशरुड, पूना-411029 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयंकर आयुक्त अर्जन रेज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 8-10-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मेसर्स सी. एल. शिराले 259 शिवाजीनगर पूना-411005।

(अन्तरक)

 श्री अनिल दिनकर गुप्ते 1204/4, क् च्र निवास, छोले रोड, प्ना-411004।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं. नं. 147 हिस्सा नं. 16 और 17 कोथराउ पूना-29 । (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 253 जो 8-10-82 को सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा हैं)।

शशिकांस कूलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूना-41004-

ता्रीब : 17-2-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

. भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना 411004

पुना-411004, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदांश सं. सी. ए. 5/37 ई. ई. 22/82-83--यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक कै

और जिसकी सं. प्लाट नं 2 चंद्रलोक अपार्ट में ट बिल्डींग नं. 4. सी. टी. एस. नं. 976-ए. एफ. पी. नं. 390, शिवाजीनगर है तथा जो पूना-16 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-10-1982

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, ऐसे दहयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :--- विश्वमिम अण्ड राठी 103, सुयश घें बर्स, 1149 सदाशिव पठ, पूना-411030 ।

(अन्तरक)

2. श्री मोतीचंव माणिकचंद कोषांडिया प्रती डा. ए. एम. कोठांडिया पोस्ट पिपलवडी ता. जुन्तर जि. पूना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पेक्टोकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

्रप्रोपटी जो प्लाट नं. 2 चंद्रलोक अपार्टमींट विल्डींग नं. 4 सी. टी. एस. नं. 976-ए. एक. पी. नं. 390 शिवाजीनगर, पूना-16 में स्थित हैं।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत के 264 जो सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रोज पूना के बफ्तर में 12-10-82 को लिखा है)।

> शशिकांत कूलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-41004

ता्रीखः: 15-2-1983

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

्आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना 411004

प्ना-411004, दिनाक 19 फरवरी 1983

निर्दोश स सी ए 5/37 ई ई 32/82-83— यस भुके, शशिकात कलकर्णी,

आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम-प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु में अधिक है

और जिसकी म फ्लैंट न 4 प्लाट न 31 म न 129 कोटाराइ हो तथा जो पूना-29 में स्थित हो (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प में विर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त अर्जन में ज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-9-1982

को प्वांवित संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और अतरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेर्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अन्सरण मो, मी उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।:—

- 1 सेमर्स ए व्ही मृत्ये एण्ड का, 1141 शिवाजी-नगर फर्ग्यूमन कारोज राड, पूना-411016। (अन्तरक)
- 2. श्री रिवन्द्र के कर्णिक सी/16/1 विकास को आप हौिसग सामायटी काथराज्ड पूना-29। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सूचना के राजपण के अनाभन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्स्य जन्मी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करी तारी हैं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया ग्याहै।

जनसची

प्लौट क 4 प्लौट क 31, स क 129 कायरुड आय-डिअल कालौनी, पूना-29, क्षत्र न60 स्क्वे फीट । •(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत क 290 जो 15-10-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

सारीस 19-2-1983 माहर. प्रक्ष बाह्. दी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पूना 4110.04

पूना-411004, दिनांक 28 फरवरी 1983

निद`श सं. सी. ए. 5/18/37 ६^६. **६**६./82-83~--यतः मुभ्ने, शशिकात क्लकणीं, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 25 गणेश चेम्बर्स को आप सोसायटी लि. गणेश पेठ ही तथा जो पुना-2 मी स्थित ही (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आंयकर आयुक्त अर्जन रेज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 23-9-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय औ उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाम्बत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) श्या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :--- श्रीमती स्वर्णी विजय शाहा 30,8 सोमवार पठ, पूना-11।

(अन्तरक)

 १. राजेन्द्र हिराचद मेहता 44, वानवडी वक्तार प्ना-1

2. श्री विजय कमार सुरजमलजी ओसवाल डी.-34 एम. जी. रोड, लोणावला लि. पूना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्रापटीं जो फ्लैट नं 25, गणेश चेम्बर को आप सोसायटी लि गणेश पेठ, पूना-2 में स्थित है। 150 स्केव की। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 103 जो 23-9-82 को सहायक आय-कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शिकांत क्लकणी सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी अर्जन रोज, पूना-4111004

तारील 28-2-1983 मोहर : प्रस्य आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 25 फरवरी 1983

निवर्ष सं सी. ए 5/37 ई ई 30/82-83--यतः मभे, शशिकातं कलकणीं,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 103 चंद्रलोक अपार्ट में टस बिल्डींग नं 4 सि टी एस नं 976 ए नं 390 है तथा जो शिवाजीनगर पूना-16 में स्थित है (और इससे उपाबच्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है अन्

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--8-6 GI/83

- 1. मेंसर्स विश्वसिम अण्ड राठी 103 सूपरा चैम्बर्स 1149, सदादिवि एंठ पूना-30 । (अन्सरक)
- 2 डा. उम्मेश जयवंत नाबर 6, कारामांकार हाउन्स, टिलक नगर, गली नं. 6, एम जी रोड गारेगांव (पिश्वम) बाम्बे-400062

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पत्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

प्लाट क. 103 चंद्रलोक अपार्ट मेटस बिल्डींग नं . 4, सी । टी. एस. नं . 976 ए. एफ पी. नं . 390, शिवाजीनगर पूना-16। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत क. 79 जो 21-9-82 को सहायक आय-कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के वेफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पुना-41004

सारीख: 25-2-1983

प्ररूप **बाइ**ं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जज, पूना 411004

प्ना-411004, दिनांक 18 फरवरी 1983

निर्दोश सं. सी. ए. 5/37 ई. ई. 31/82-83---यतः मुभ्ने, शशिकात कालकणीं, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अभिक **है** और जिसकी सं. प्लाट क सी-1 तलफर्श बिल्डींग ''बी'' 1180/ 7/1 में स्थित ही (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त अर्जन रॉज पुना मो, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 4-12-82 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिन्द मो कमी करने या उसमें अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- 1. श्री महोन्त्र मोतीलाल शाह 1180/7/1 शिवाजीनगर फर्ग्युप्तन कालेज रोड, पूना-411005 । (अस्तरक)
- 2. 1. रंड्डी प्रस्तम्बा एन. एम (2) दुग्गीराला ज्यांती एस. आर. (3) रंड्डी विजयलक्ष्मी एसं आर ''रंड्डी प्रसनम्बा'' अनगुटम ताडपेल्लीगुडम, पश्चिम गावा-वरी जि. आन्ध्रप्रदेश ।

को यहसूचना जारी करके पृत्रों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दौ और पद्दौका, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट् नं . सी. -। तलफर्श, बिल्डींग 'वी' प्लाट नं . 1180/7/1, शिवाजी नगर, फर्ग्यमन कालेज रोड पूना-411005 । (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत क. 1873 जो 4-12-82 सहायक आय-कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा हैं)।

शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-41004

नारीख : 18-2-1983

प्रकप साई । शे । एव । एस • ---

आयकर प्रविविधम, 1961 (1961 का 43) ही भाषा 269-म (1) के अधीन सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 17 फरवरी 1983

निर्दोश सं. सी. ए. 5/37 ई. ई. 21/82-83---यतः मुभ्ते, शक्षिकांत कुलकणी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के पंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का चारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 51 बी. सि. टी.एस.फ. 100 बी एरण्डवणा है तथा जो पूना-411004 में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उधित वाजार मूल्य मे कम के दृश्य नान प्रतिफल के लिए अन्तरिंग को गाँ है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र अपित शत अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिधी (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्य में अपनी करने या उससे वजने में सुत्रिका के लिए और/या
- (ख) एमा किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य जारितयों की जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा ग 26% के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 26% की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों. अर्थातः — .

- 1. मेसर्स शाह मदन अण्ड असोनिएटम 1142 शियाजी-नगर पूना-411016।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री विष्णु परशुराम गणपुले प्लाट नं 109 अन्रग अपिकेटस 122/3, एरण्डवणा पृना-411004 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में को भी पाषीप :----

- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तस्सम्बन्धी : व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों ये से किसी क्यारत अर्थ;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर अन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है. बहो प्रयंहोगा जी नस अध्याव में दिया गया । *

अनुसूची

प्लाट नं. 51 बी. सि. टी. एस. के. 100 वी एरण्डमणा पूना क्षेत्र-77.10 स्कवे मीटर । (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत के. 267 जो 13-10-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा ही)।

> शशिकांत क लकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज, पूना 411004

तारीस : 17-2-1983

मोहरः

प्रकृपः आहें टी. एन. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 17 फरवरी 1983

निर्देश सं सि ए 5/37 ई ई 20/82-83— यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकणीं, अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 51 बी, सि. टी. एस. क. 100 बी, एरण्डवणा है तथा जो पूना-4 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिन्त नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का जिनत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिष्तु व्यक्तियों, अधीत् ह्न--

- मेसर्स शाह मदन अण्ड असोतिएटस 1/42 शिवाणी नगर पूना-411016 ।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री सुनिल माधव गाडगील कृष्णा होसिंग सोसायटी लि. 122/2, एरडवणा पूना-411004 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 51 बी. सि. टी. एस. क. 100 बी एरण्डवणा पूना-411004, क्षेत्र 77.10 स्केव मीटर । (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत क. 106 जो 24-9-82 को सहायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के देपतर में लिखा है)।

> शशिकांत क्रालकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

तारी**ख**ः 17-2-1983

प्रारूप नाई.वी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 14 फरवरी 1983

निद 4 श सं. सि. ए. 5/29 ए. ईं. ईं. /82-83-4 यत: मुक्ते, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एफ. पी. नं. 567 /3/20 सि. टी. एस. नं. 1202/3/20, का 1/6 हिस्सा, है तथा जो पूना-411004 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणिंत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त अर्जन रंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-9-82

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः प्रवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अपिनियों, अर्थात् :--

 मेसर्स शांती ब्लिडर्स 1202/3/20 शिवाजीनगर पूना-411004 ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शक्तला लक्ष्मणराय मारे सी-1 क्स्म सह-निवास, हरकृष्णमंदीर गेड, पूना-411016 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उनत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थितित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्थाउटीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्रौपटीं जो एफ. पी. नं. 567/3/20 सि. टी. एम. नं. 1202-3/20 का 1/6 हिस्सा शिवाजीनगर पूना-4 । (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. आर. 64, जो 18/9/82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है) ।

शशिकात कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-41004

तारीस : 14-2-1983

. मोहर 😲

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्थन रेज, पूना-411004,

पूना-411004, दिनांक 17 फरवरी 1983

निर्देश सं. सी. एं. 5/37 ई. ई. 25/82-83--यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकर्णी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैंट नं 2 पहली मंजिल पटवर्धन प्रौपटीं, 177 ए-पर्वती ही तथा जो पूना-9 में स्थित ही और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रंज पूना मो, रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहें हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्बेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूष से किंगत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावँत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अब्, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्चिक व्यक्तियों, भृधीत् ।—

 मेसर्स विक्विमित्रा एण्ड राठी 103, सुयश चेम्बर्स, 1149, सदागिय संठ, पूना-30।

(अन्तरक)

2. 1. श्री जे. एस. बूब (2) श्री पी. जे. बूब (3) श्री व्ही. जे. बूब (4) श्री एस. जे. बूब पोस्ट अकोल जिला-अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप -: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साधोहरण --इनमें प्रमुक्त मध्यों और नदीं हा, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिनाधित है, नहीं अर्थ होगा, जो उप अध्याप में निया गया है।

Market with

प्लैट नं. 2 पहली मंजिल पटवर्धन प्रापटीं, 177-ए पर्वती, पूना-411009, क्षेत्र 470 स्क्वे. फीट।

(जैसे की रौजस्ट्रीकृत क. 77 जो 21-9-82 को सहायकं आय-कर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रौज, पूना-411009)।

> शशिकात कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना-411004

तारीख : 17-2-1983 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पुना-411004

पूना-411004, दिनांक 24 फरवरी 1983

निवर्भा सं. सि. ए. 5/1537 र्घ र्घ./82-83-यतः मभ्ने, शशिकांत कृलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. -26 शांतीसदन को आप हाँसिंग सोसायटी, दूसरी मंजिल है तथा जो पूना-1 में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 7-9-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से चक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री भगवान वास एसः इसरानी 7, साधु वासवानी रोड पुना-1।

(अन्सरक)

2. श्रीमती कविता अशोक चांदवानी मी-26, 8 शांती कुज पूना-1 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

,स्वष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौपटी जो नं सी-26 बातीसवन को आप हाँसिंग सोसायटी दूसरी मंजिल पूना-1 में स्थित है। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 12 जो, 7/9/82 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना-411004

तारील 24-2-1983 मोहर:

प्रकप बाइ". टी. एन. एस.-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, प्ना-411004

पूना-411004, दिनांक 28 फरवरी 1983

निद^{क्ष}क्ष सं. सि. ए. 5/800/एस आर हावेली/82-83--यतः मूक्षे, क्षक्षिकांत कृलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क्ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सि. टी. एस. 243 प्लाट क. 3 है तथा जो श्वाकवार पेठ पूना-2 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्यम निवंधक हवेली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का भन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरिका) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्यं) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत; उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (स) ऐसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री अनंस वामन काले (2) श्री जयंत अनंत काले 1025, सवाशित्र पेठ पूना-30

(अन्तरक)

2. 1. श्रीमसी राहीणी रमेश राह्रस्कर (2) रमेश महादेव राह्रस्कर 766, गुरुवार पेठ, पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्परितः के अर्थन के लियः कार्यवाहियां करता हूं।

क्षत्रत् सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध को कोई न। वाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संज्ञाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीरुक्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटकीकरण: --इसके प्रयुक्त क्षस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सि. टी. एस. 243, प्लौट क., शुक्रवार पेठ पूना-2 क्षेत्र 1008 स्कवे फी। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 2488 जो जुलाई 82 को ब्य्यम निर्धे धक हवेली पूना के देफ्तर में सिखा है)।

> शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज, पूना-411004

तारील : 28-2-1983

मोहरः

प्ररूप आव". दी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पुना-411'004

पुना-411004, दिनांक 28 फरवरी 1983

निद^{र्}श सं. सि. ए. 5/37 ई. ई. 34/82-83--यतः मुभ्ने, शशिकांत क्लकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अभिक **ह**ै और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 104 पहली मंजिल मनीआर अपार्ट-मोंटस मं. नं. 57 और 58 सं. नं. 4,5,6 और 7 नवधर गांव है तथा जो ता. वसई जि. ठाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त अर्जन रोज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के

अधीन, तारीस 14-10-1982 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मुख्य, उसके ख्रममान प्रतिकल से, एसे ख्रममान प्रतिकल का पंचह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिख्त उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी मागकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के सिए; बरि/या
- .(स्र) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए:

अतः अब, उक्त् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, क्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9-6 GI/13

1. श्री कोहोनूर कन्स्ट्रकशन कंपनी 29 पांचालनगर वसई रोड, वसई जि. छना ।

(अन्सर्क)

2. श्री सुभाष चन्द्र अक्रवर्ती ए-117 एअर इंडिया स्टाफ होसिंग कालौनी ।। कालौनी सांताक्रुफ बम्बे-29 । (अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (त) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो, उस अभ्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

फ्लैंट नं. 104 पहली मंजिल, मनीआर अपार्टमें दस सं. नं. 57 और 58 स. नं. 4,5,6, और 7 नवधर गांव ता. बसई जिला ठाना, क्षेत्र 340 स्कवे फी।

(जैसे की रजिस्टीकत नं 280 जो 14-10-82 में सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा

> गशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, प्ना-411004

′तारीख : 28-2-1983

प्रमूप आहाँ, टी. एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 28 फरवरी 1983

निवर्षा सं. सि. ए. 5/37 ई. ई. 1 35/82-83--यतः मुक्ते, शशिकांत कल्वकणीं,

शायकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनिसम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 116 पहली मंजिल, मनीआर अपिट-मेंटस नवधरगांव है तथा जो ता वसई जि ठाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त अर्जन रोज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-82

को पुत्रें वित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम से दश्यमान . प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योगों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बचे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- कोहीनूर कत्स्ट्रकशन का मनीआर अपार्टमांटस प्लॉट नं 56 और 57 स. नं 4, 5, 6, 7, 8, नव-धरगाव वसई जिला ठाना ।

(अन्तरक)

2. श्री इंशनाथ सिंग सेवानंद तिवारी चाल कर्यर गांव, शिवाजीनगर बाम्ये-400069।

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाश्य अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहर पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लौट नं. 116, पहली मंजिल, मनीआर अपार्ट मेन्ट प्लौट नं. 56 और 57 सं. 4, 5, 6, 7 और 8 नवधर गांव ता. बसई जि. ठाना 390 स्कबे फीट।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 296 जो 15-10-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा हैं)।

शशिकांत क्लंकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-41004

तारीख: 28-2-1982

मो**इ** र ः

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पुना

पूना-411004, दिनांक 1 मार्च 1983

निवर्षेश सं. सि. ए. 5/37ईई/82-83--यतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृस्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 402, विंग 'बी', चौंथी मंजिल, प्लाट नं. 9, स. नं. 17-ए/1, भैरोबानाला, फातीमानगर, पूना सोलापूर रोड है, तथा जा पूना-411013 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास इश्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वाक्तविक क्य ने कचित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्दरण से हुई किसी आय की वावत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्दरक के दायित्य में कमी कड़ने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- मार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मनीय कार्पोरोंन,
 24, वीर नरीमन राड,
 फोर्ट, बोम्बे-400023।

(अन्तरक)

श्री अरिविद एन . स्रशी,
पेरामाउण्ट अपार्ट मेन्टस्,
बी/2, पहली मंजिल,
1981, कान्यहन्ट स्ट्रीट,
पुना कैम्प, पुना-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि अद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं. 402, बिंग 'बी', चौथी मंजिल, प्लाट नं. 9, स. नं. 17 - ए/1, भैरोबानाला, फातीमानगर, पूना सोलापूर रोड, पूना-411013, भूमिक्षेत्र-685 स्क्वे. फी. (जैसे की रिजस्ट्रिकृत नं. 62 ओ 22 - 9 - 82 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में, लिखा है।)

शशिकान्त कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, पूना

तारीख : 1-3-1983

प्रकृत नार्षं हो . एन . एव :

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के भूभीन सूचना

प्राप्त पर्यक्त

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

पूना-4.11004, दिनांक 26 फरवरी 1983

निद^रश सं. सि. ए. 5/797/एस आर कल्याण $^{/}82*83--$ यतः मुझे, शशिकान्त कृलकर्णी,

बायकार मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके प्रथात जिस्ते मिनियम कहा ग्या है), की भारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारों को यह दिश्यास करने का कराण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. स. नं. 228-ए, प्लाट नं. 3, ठाकर्ली गांव डॉबिवली है, तथा जो ता. कल्याण, जि. ठाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, कल्याण में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बहु मान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके बहुसमान प्रतिफल से, एसे बहुसमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित् में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- शी लक्ष्मण अमरुमल दुबे, 86-डी, गुरुनानक को आप. हार्जीसम सोसायटी, ठाना।

(अन्तरक)

श्री एस . एस . पिल्ले,
 प्रोसिखेन्ट यशोमती को आप हाउसिंग सोसायटी,
 1/5, सायानगर,
 ठाना (पुरब) (इस्टि)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं. 228-ए, प्लाट नं. 3, ठाकरली गांव, डोबि-वली, ता. कल्याण, जि. ठाना, जिसका क्षेत्र 402 स्क्वे. यार्ड है। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलंख क. 1276 जो जुलाई, 82 को दुम्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकान्त क् लकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, पुना

तारीब : 26-2-1983

मोहर 🌣

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पूना

पूना-411004, दिनांक 4 मार्च 1983

निद^रश सं. सि. ए 5/801/एस आर मावल/82-83— यस: मुझे, शशिकान्स कल्पकर्णी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सं. नं. 34, गट नं. 281, कासार अम्बोली गांव है, तथा जो ता. मूलशी, जि. पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, व्ययम निबन्धक, प्रावल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रितफल से एसे स्थमान प्रितफल के पन्तर प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूर्यिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री नारायण नरहर दोशपांडो,
 पो. उरवडो, ता. मुलशी,
 जि. पुना।

(अन्तरक)

2. डायर कटर श्री पी. डी. वैद्य, मेसर्स अटलास कापको (इण्डिया) लि., महात्मा गांधी मेमोरिअल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड, बोम्बे-400002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁶, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि संख्या सः नं 34, गट नं 281, कासार अम्बोली गांव, ता. मुलगी, जि. पूना, भूमिक्षेत्र-24 एकड़। (9 हो 71 आर.) (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख के 1285, जो जुलाई, 82 को बुय्यम निबन्धक, मात्रल के दफ्तर में लिखा ही)।

शक्षिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी. सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र⁻ज', पुना

तारीख : 4-3-1983

मोहर 🙄

प्रस्प आहे. की. एन., एस., ---

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज्, पूना

पूना-411004, दिनांक 4 मार्च 1983

निदर्भिः सं. सि. ए 5/802/एस आर मावल/82-83--यतः मुझे, प्रशिकान्त कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 49, हिस्सा नं. 1ए/1/2, सर्वे सं. 49, हिस्सा नं. 1ए/2, सर्वे सं. 49, हिस्सा नं. 1बी/1, त्गारली गांव, है, तथा जो लोणावळा म्यूनि. क्योन्सिल, ता. मावळ, जि. पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, मावळ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वा कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तेरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नितियों में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण् सं हुई किसी अप की बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसा किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया भा या किया, जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात् :---

श्री महाबंब श्रीनारायण खण्डांलवाल,
 डी वार्ड, लोणावळा,
 जि. प्ना।

(अन्तरक)

 श्री किशीन गुरनोमल खिलनानी, अरिक नं 897/1बी, संक्शन-20, उल्हासनगर, जि. ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से जिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषितं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं. 49, हिस्सा नं. 10/1/2, क्षेत्र-हे. 00, 37 आर, सं. 49, हिस्सा नं. 10/2, क्षेत्र-हे. 00.23 आर, सं. 49, हिस्सा नं. 10/2, क्षेत्र-हे. 01.82 आर, सं. 49, हिस्सा नं. 101/2, क्षेत्र-हे. 01.82 आर, तुंगारली गांव, लोणावळ म्यूनि कॉन्सिल, ता. मायळ, जि. पूना (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख कि. 1064 जो जुलाई, 82 को बुय्यम निबन्धक, मावळ के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

तारी**ब** : 4-3-1983

भोहर :

प्ररूप नार्चा, टी ु एस. एस्. ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रिज-।, बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 26 फरवरी 1983

निर्दोश,सं. ए. आर. 1/37इइ/1 और 1ए/82-83---जतः मुझे, आर. के. बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लंट कमांक 19 और 29, आशा महल को-आपरोटिव्ह हाउसिंग सोसायटी है, तथा जो नवराजी गाभाडिया रांड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियमं, 1961 की धारा 269 कस के अधीन, बम्बई स्थित इस कार्यालय में क. सं. अर्जन इलाका-1 के अन्तर्गत तारीख 5-10-82 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पिस्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके खश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिज्ञत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. मिसस बीना दिलीप गांडालिया।

(अन्तरक)

- 2. वालेस फ्लोअर मिल्स कम्पनी लिसिटोड।
 - (अन्तरिती)
- वालेस फ्लोअर मिल्स कम्पनी लिमिटेड।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्थाना जारी करके प्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। .

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्यांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

अनुसूची जैसा कि क्रमांक अर्जन रॉज 1/1/82-83 और जो उपरिजिस्ट्रार, बम्बर्श द्वारा दि. 5-10-82 की रिजस्टर्ड किया गया है।

आर. के. बकाया संक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, बम्बर्डा

तारीख: 26-2-1983

प्रकप साई• टी• एन• एस•---

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयका<u>र</u> आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{न्}ज-।, बम्ब**र्ड**

बम्बर्ह, विनांक 26 फरवरी 1983

निव^{र्}श मं. ए. आर. 1/3**7इ**इ/12/82-83--अतः मृझे, आर. के. बकाया,

आयकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के प्रश्नीन मन्नम प्राधिकारी की, यह विश्वास करों का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लैट नं. 1, पृथ्वी अपार्टमन्टस है, तथा जो अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खें के अधीन, बम्बई स्थित इस कार्यालय में क. सं. अर्जन इलाका-1 के अन्तर्गत तारीख 5-10-82 को रिजस्ट्री है, बम्बई तारीख 5-10-1982

को पूर्वोक्त समासि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्व, उन्नके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से प्रविक्त है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रग्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश में उक्त प्रम्तरण लिकिन में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है!---

- (क) प्रनारण से दूर्व कि से भाग को बाबा उक्त आधि-नियम के भगीन कर देने के भग्तरक के वायित्व मैं कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (आ) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलि<u>क्ति स्पन्तियों, अर्थात् ह—</u> 1. श्रीमती नयना जांगी भार ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीभूपेन्द्रबी. पारिश्व,
 - (2) श्री निलंश बी. पारिस,
 - (3) श्री तुषार बी. पारिख।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उता सम्पत्ति के भ्रातन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ।→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (त्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रेकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति हारा, प्राोहस्ताभारी के पास लिखिक में किए जा मकेंगे।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पत्रों का, जो उक्त स्रधि-नियम के प्रधाय 20-ह में परिमाणित हैं, नहीं भर्में होता, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

मनसची

अनुसूची जैसा की क्रमांक अर्जन रोज 1/6/82-83 और जे उपरिजस्ट्रार, बम्बर्ह स्वारा दि. 5-10-82 की रिजस्टर्ड किया गया है।

आर के बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, बम्बर्ड

स्**रीस**ं: 26-2-1983

भोहर :

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, बम्बर्ष

बम्बर्ड, दिनांक 26 फरवरी 1983

निर्दोश सं. ए. आर. 1/37इइ/10/82-83--अतः मुझे, आर. के. बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स को गधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पलाट नं. 3, गिरनार अपार्टमेन्ट्स है, तथा जो ढ्रारमी रोड, बम्बर्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269-कस के अधीन, बम्बर्ड स्थित इस कार्यालय में क. सं. अर्जन इलाका-1 के अन्तर्गत तारीख 5-10-82 को रिजस्ट्री है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का नारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुन्द किसी बाय की बाबह, उक्त जिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 डा. कांतीकुमार सी. शाह और श्रीमती एल. के. शाह।

(अन्सरक)

 श्री गोदरोज जयतराव कोहरा और श्रीमती गोवरीबेन जी. बोहरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औं उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की क्रमांक अर्जन रोज 1/5/82-83 और जो उपरिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दि 5-10-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर. के. बकाया सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रौज-।, बम्बर्झ

तारीख : 26-2-1983

मोहरः

प्ररूप आइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, तसनज्ज लखनज्ज, दिनाक 5 मार्च 1983

निवंशि सं जी आई. आर. सं के-115-- 🕆 अतः मुझे ए. प्रसाद, मायकर मिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट व भूमि हैं, तथा जो सिविल लाइन्स, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुराबाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारील ज्लाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और (अन्त्रकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्नलिखित उदुदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में '

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती चन्द्रकान्ता।

(अन्तरक)

 श्री श्रीकृष्णलाल कटियाल, श्रीमती स्वर्ण कटियाल।

(अन्तर्दिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त, सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दां और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

एक प्लाट जोकि 288ण 00552 स्क्वायर मीटर है जोकि मोहल्ला सिविल लाइन, मुरादाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 4623/82 में विज्ञात है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टार कार्यालय में किया जा मुका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, लखनज

तारीख: 5-3-1983

मोहर 😥

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निद्या सं जी. आर्इ. आर. सं. एस-245/अर्जन---अतः मुझे ए. प्रसाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् उक्त अधिनियम काहा जाएगा) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 17 जापिलग रोड का एक हिस्सा है, तथा जो 17 लापिलग रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीग, दिनाँक 5-7-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती कमला गौरी पान्डिया,
 डा. जे. बी. पान्डिया बहुँ सियत मुख्तार आम।

(अन्तरक)

 मेसर्स स्पाट इन्बेस्टमेन्ट (प्रा.) लि., एमेशी एपट मेन्ट, कलकता, द्वारा मुस्तार आम, श्री जे. एस. राजवन्त।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त, विकता। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हिस्सा मकान का जोकि 12000 स्क्यार फिट हैं जोकि 17 जापिला रोड, लखनऊ पर स्थित हैं जिसका सम्पूर्ण किय-रण सेल डीड व फार्म नं 37 जी संख्या 159 में विणित हैं जिसका पंजीकरण डिस्ट्रिक सब/रजिस्टार, लबनऊ के कार्या-लय में विनांक 5-7-1982 को किया जा चका है।

ए प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

तारोख: 15-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत संस्कार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लखनक

लखनउर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निद्यासः जी. आर्ह. आर. सं. आर. -175/अर्जन---प्रतः सृक्षे. ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ₄3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- का सं अधिक है

और जिसकी सं. 17 जापिलग रांड का एक हिस्सा है, तथा जो 17 लापिलग रांड, लक्षनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची रूं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लक्षनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक 5-7-1982

1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक 5-7-1982 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी, करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात :--- श्रीमती कमला गौरी पान्डिया,
 डा. जे. बी. पान्डिया बहें सियत मुस्तार आम।

(अन्तरक)

भेसर्स राजवन्त एसोशिएट्ड,
 द्वारा पार्टनर श्री जे. एस. राजवन्त,
 34, लालबाग, लखनउः।

(अन्तरिती)

उपरोक्त, विक्रोता।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृयोंकत सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

एक हिस्सा मकान का जोकि 7400 स्क्यार फिट है जोकि 17 जापिलग रोड, लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विव-रण सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 160 मे विणित है जिसका पंजीकरण डिस्ट्रीक रिजस्टार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 6-7-1982 की किया जा चुका है।

ए प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनउठ

ता्रीख : 15-10-1982

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भार्य सम्बद्धार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनक

लखनऊ, विमांक 27 दिसम्बर 1982

निर्दोश सं. जी. आर्द्र, आर. सं. एच-45/अर्जन---अतः मुझे. ए. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भल्य 25,000/- रह. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. । है, तथा जो आकलैण्ड रोड, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक जुलाई, 1982 को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पीया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने मा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाने। चाहिए था, स्थिन में मृतिश्रा के किए;

 मे. स्टार होटल लि., द्यारा श्री आई. एच. अर्ल्बा, डाइरक्टर।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री हद्रय नन्दन बहुन्गुणा,
 - (2) श्रीमती मोना बहुगुणा।

(अन्तरिती)

3: उपराक्त, विकता। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

क्ये यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—-इसमें प्रयायत शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं. 1, आकर्लण्ड रोड, इलाहाबाद, जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड वे फार्म 37-जी गंख्या 7005/82 में विणित हैं जिसका पंजीकरण सब रिजिस्ट्रार, इलाहाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए. प्रसाद सक्षम भ्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख : 27-12-1983

मोहर 🕠

प्ररूप काइं.टी.एन.एस.-----

प्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म (1) के ममीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ 57-राम तीर्थ मार्ग

लसनर्ज, दिनांक 26 नवम्बर 1982

निदर्भि सं. जी. आई. आर. संख्या ए-114/अर्जन---यतः मुभ्ने, ए. प्रसाद, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕ - रत. से अभिक है और जिसकी सं आरोजी बन्दाबस्ती नं 67 है तथा जो मौजा रामापुरा परगना देहात अमानत शहर व जिला लखनउठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, दिनांक जुलाई, 1982∞ को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिकर्है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नसिवित उद्वेश्य से उन्त मन्तरण् निर्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उत्कत अभिनियम, के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन, निम्नसिथित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- (1) श्री नाग नाथ बलवन्त राव काले

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आशुतोष सहकारी आवास समिति लिं द्वारा श्री अच्युतानन्द पाण्डे

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति जिसकी अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को पह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति-इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अन्त्रची

अप्राणी बन्दोबस्ती नम्बर 67 वार्का मौजा रामाप्रा परगना बेहात अमानत जिला व शहर वाराणसी जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 6015/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) वर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीस : 26-11-1982

मोहर

प्रकप भाइं.टी.एन.एस.----

आय्कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ुकार्यालय, सहायक भायकर <mark>आयुक्त (निरीक्षण)</mark>

अर्जन क्षेत्र, लखनक 57-राम तीर्थ मार्ग

लखनर्ज, दिनांक 26 नवम्बर 1982

निर्विश सं. जी. आर्दः आर. संख्या ए-115/अर्जन—यतः मुभ्ते, ए. प्रसाद,

कायकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सम्भाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं आरोजी बन्दोबस्ती नं 67 है तथा जो मौजा रामापुरा परगना बोहात अमानत शहर व जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के निए;

भतः भवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री नरसिंह राव बलवन्त राव काले श्री सदा नन्द नरसिंह काले

(अन्तरक)

(2) आ शुतोष सहकारी आवास समिति लि

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विक्रोता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

आराजी बन्दोबस्ती नम्बर 67 वाका मौजा रामापुरा परगना दहात अमानत जिला व शहर वाराणसी जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलंडिड व फार्म 37-जी संख्या 6014/82 में विर्णित ही जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लक्षनक

त्रारीख : 26-11-1982

मोहर 🖫

प्रकृष् वार्षः टी. एत्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ 57-राम तीर्थ मार्ग

लखनक, दिनांक 20 जनवरी 1983

निदाँश सं. जी. आर्घ. आर. संख्या /अर्जन--यतः मुझे, ए. प्रसाद, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य

25,000⁷- रह. से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या कच्चा मकान नं. 94 है तथा जो स्यूराबाद इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीभिनियम के अभीन कर की के अन्तरक के दायित्व में कमी करने यो उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-च के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री हिम्मत कुमार सिंह

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जगमोहन लाल

2. श्रीमती सिद्द रेवरी उर्फ सरस्वती देवी

3. श्रीमती माया गोपाल

4. श्रीमती सावित्री श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती हिम्मत कुमारी सिंह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का यह स्थना जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याष्ट्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कच्चा मकान नं. 94 बाकै म्यूराबाद, इलाहाबाद पैमाइशी 1303 वर्ग गज जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37 जो संख्या 3995/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 20-1-1983

मोहर 🗓

प्रकृप ग्राई० डी• एन• एस०---

भायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अद्योग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 फरवरी 1983

निद^{ेश} सं. सी. आर. 62/35634/82-83--यतः मुभ्के, मंजु माधवन,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-ए॰ से ग्रधिक है

और जिसकी सं. 2, नया नं. 17 है तथा जो बागसवाडी रोड, कुक टौन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-8-1982 को पृवीं कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रक्षिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है ---

- (क) प्रन्तरण से तुई किसी बाय की बाबत उक्त अश्वित्यम के प्रधीन कर देने के प्रमादक के दायित्व म कमा करनं या ससस वचने में सुविद्या के लिए। बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम. जिक्निसिखित व्यक्तियों, अथास् :--11--6GI/83

(1) मिस एस. एम. पी. डीक्स पुराना नं. 2, नया नं. 17, बानसवाडी रोड, क्कुक टौन, क्षेणलूर- 560005

(अन्तर्क)

(2), अनुरमा कन्स्ट्रक्शन्म नं 11, नंदीदुर्गरोड, जयमहल - एक्स्टेनशन, बंगलूर, प्रतिनिधि श्री बी. आर. वासुदेवा मूरती हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भवित, जो भी अवधि बाव में समान्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।]

या सम्ब

दस्तावेज सं. 1395/82-83 ता. 6-8-82)

सम्पत्ति है जिसका सं. 2, नया सं. 17, जो बानसवाडी रोड, कुक टौन, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, बंगलूर

तारीख : 16-2-1983

मोहर ।

प्रक्ष आहें. टी., एन., एस., - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 फरवरी 1983

निच^{*}श सं. सी. आर. 62/35489/82-83,--यत: मुभ्ते, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मल्य 25,000/- रतः से अधिक है और जिसकी सं. 57/3 है तथा जो 11 मैन रोड, मल्लेशवरम, बंगलूर-3 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सा. 7-7-1982 को पूर्वों क्त संपत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्म्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्रीमती को दी. रतना पत्नी पी. एम. एन मारती नं 21 ्रां 11 मैंन रोड, मल्लेशवरम, बंगलूर-3

(अन्सरक)

(2) घेरसेन और मैनेजिंग डायरैक्टर ट्निकी कन्स्ट्रक्शन्स (प्रैवेट) लिमिटेड नं 57/1, 11 मैन रोड, मल्लेशवरम, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1445/82-83 ता. 7-7-82) सम्पत्ति है जिसका सं. 57/3 जो 11 मैंन रोड, मल्लेश-वरम, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रंज, बंगलूर

तारी**ल** : 18-2-1983

भोहर 🖫

प्ररूप भादः टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 फरवरी 1983

निवर्षा सं. सी. आर. 62/35791/ 82-83—यतः मुफ्ते, मंजू माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मुख्य

25,000/- रुपये से अधिक हैं।

थीर जिसकी सं 77/1 और 77/2 है तथा जो बिन्नमन्गला मनावरते कावल, के. आर. पुरम होब्ली, बंगलूर सौत तालूक में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर सौत तालुक में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, ता. 1-7-1982

को पूर्वा कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी जाम की वावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाखित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— (1) श्री ए. वरदन सन/आफ अन्नु नायड नं. 3, सियन चेट्टी गार्डन्स मुनिशिगृल्ली, बंगलूर-42

(अन्तरक)

(2) श्री आर. जेम्स कम्बरलान्ड सन/आफ रिचर्ड कम्बरलान्ड, उनके प्रतिनिधि जी. पी. ए होल्डर श्री हारी ए परौरा, नं. 34/6 बेगियप्पा गार्डन, लक्ष्मी रोड, 5 क्रास बातीनगर, बंगलूर-27

(अन्त**िरती**)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस मध्याय में विया स्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 2347/82-83 ता. 1-7-1982)

सम्पत्ति है जिसका सं. 5 नया सं. 77/1 और 77/2, जो बिन्नमन्गला मनावरते कावल के. आर. पूरम होक्ली, वंगलूर सीत तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 16-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. दी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 23 फरवरी 1983

निद[े]श सं. सी. आर. 62/35939/82-83--यतः मुफ्ते, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं डोर नं 6-18-799 (पुराना नं 324) टी. एस. नं 736, बार. एस. नं 736-1 है तथा जो माटाकारी रोड, बोलूर विलंज में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता 2-9-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्भ (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया:---

- (च) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एन्सी किसी साय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अलाशियस आन्टानी अलियास लूचिस में नडोनसा सन/आफ जीगी मिन्नोल में नडानसा लिटल फ्लबर, नं. 6 प्लाट नं. 5 दूसरा फ्लोर, 28 रोड, टी. पी. एस. 3, बान्द्रा बंबई -50

(अन्तरक)

(2) श्री वी. मन्जुनाथ कामत 2. श्री वी. हरि कामत

> श्री थी. श्रीनिवासा कामत
> 6-18-799, माटादाकारी राडि, मंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में करेई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

(दस्तावेज सं. 392/82-83 ता. 2-9-82)

सम्पत्ति है जिसका सं डोर नं 6-18-799 (प्राना नं 324) टी. एस. नं 736, आर. एस. नं 736-1, माटाकारी रोड, बोलूर विलेश, मंगलूर।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलुर

तारीय : 25-2-1983

मोहर 🖫

प्रकृप आहें, टी. एन्. एस.-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269म(1) के ममीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अगस्त 1982

निदर्शि सं. 62/35694/82-83---यतः मुभ्ते, मंजू माधवने, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उदत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुखा 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं. 1152/9 है तथा जो 24वों मैन, 4 टी. ब्लाक, जयनगर बंगलुर-11 में स्थित हैं आर इसमें ट्रुपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 9-8-1982 को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्झे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य , उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुक्ने में सुविभा के लिए; बीड/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन रा अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधितियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या पा किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के निए;

1. श्रीमती ए. लक्ष्मी. नं. 19/1, पट्टालम्मा स्ट्रीट, बसवनगुडी, बंगलूर-4

(अन्तरक)

श्रीमती सूर्याकला

नं 84, । स्टेज,

ा म्लाक, बनशंकरी

बंगल्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीश्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षंप:--

- (क) इस युचना के राजपन में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 39 हिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों यें से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वब्दोकरण:--इनमें प्राृक्त सब्दों स्रीर पदों का, जी उनत स्रिक्षितयम के स्रध्याय 20-क में परिभाषित है, कही सर्व होगा जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

(दस्तावेज सं. 1613/82-83 तारीस 9-8-1982) सम्पत्ति जिसकी सं. 1152/9, जो 24वां मैंन, 4 टी ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है।

मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख : 14-2-1983

प्रकृप भाइ . टी., एन्., एव .-----

भायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण् (1) के विधीन स्णना ज

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 24 फरवरी 1983

निद^{*}श सं. सी. आर. नं. 62/35789/82-83---यतः मुझे, मंजु साथवन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 रह से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वं नं. 27 (पारशन) नया नं. 6 है तथा जो के. जी. ब्याडराहल्ली, 11 कास सैयद काधर गार्डन्म सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), तिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 3-7-1982 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपन के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किचल नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीसिंखित स्पृक्तियों, बर्धातः— श्री के रहमत्तुल्ला कान न 242, तिम्मय्या रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर।

(अन्तरक)

2 : श्री के : अहमद कान मं : 1 9 : मास्क रोड : फ्रेसर टॉन : बंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उचत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवाधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद, में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मधाहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कार्क्या और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁶।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1350/82-83 तारीस 13-7-1982) सम्पत्ति जिसकी सर्वे सं. 27 (पोरशन) नया सं. 6, जो के. जी. ब्याडरहल्ली ।। कास सैयद कादर गार्डन्स सिविल स्टोशन, बंगलूर में स्थित हो।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारींब : 24-2-1983

मोहर 💠

प्रकृप गाई० टी० एन० एत०-----

माथकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) ने प्रधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रूजे, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 16 फरवरी 1983

निवरिंश नं. 35537/82-83--यतः मुक्ते, मंजु माधवन, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रयोग तक्षन प्राधिकारों को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका उकिन प्रावार मून्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. 257 है तथा जो तिम्मय्या रोड, बंगलूर-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, शिवाजी-नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ये, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या:
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

अतः अब, उनन प्रधिनियम की धारा 269-ग के, धमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, खुर्थात् :--

बार. जगतेश्वरी
 नं 13, क्लारक रोड,
 बंगलर-5

(अन्तरक)

श्री मिश्रीमल
 नं 269, तिम्मस्या रोड,
 बंगलूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्वन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों धौर पदों का, जो उक्त धिंध-नियम के झच्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमस्ची

(दस्तावेज सं 1146/82-83 तारीव 15-7-1982) सम्पत्ति जिसकी सं 257, जो तिम्मय्या रोड, बंगलूर-1 में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज, अंगलूर

तारीब : 16-2-1983

माहर :

प्रकृप आहें. टी. एन. एस.----

आयक्द अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 फरवरी 1983

निदंश नं. 35536/82-83--यतः मुक्ते, मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 256 है तथा जो तिम्मय्या रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-7-1982

को पूर्वोश्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

1 श्री आर. जगतेशवरी ने 13, क्लारक रोड, बंगलुर।

(अन्तरक)

 श्री मिश्रीमल और कुछ लोग 269, तिम्मया रोड, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुरा हैं।

वनुसुधी

(दस्तावेज सं. 1147/82-83 तारीख 15-7-1982) सम्पत्ति जिसकी सं. 256, जो तिम्मय्या रोड, बंगलूर कनटोनमेन्ट में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूज, बंगलूर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीय : 16-2-1983

प्ररूप बाईं.टी.एन:एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राजा, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 फरवरी 1983

निर्वेश सं. सी. आर. नं. 62/35653/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, , आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिमका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 139/61, नया नं. 51 हैं तथा जो एवन्यू रोड, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच 26-7-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्य-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीत्:--- । 12---6GI/83

- श्री वी. किरणचन्द नाहर नं. 209, रामा एंग्यगार रोड, वी. वी. पुरम, बाँगलूर-4

(अन्तरक)

- 2 . 1 . श्री एम . वी . सुब्बय्या संट्ठी
 - 2. श्री एम. एम. श्रीनिवासा मूरती
 - 3. श्री एम. एम. सत्यनारायणा मुरती
 - श्री एम विश्वनाथ
 नं 151, एवेन्य रोड,
 बंगलूर-2

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं. 1370/82-83 तारीख 26-7-1983) सम्पत्ति जिसकी सं. डोर नं. 139/61, नया नं. 51 जो एवेन्यू रोड, बंगलूर-2 में स्थित हैं।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारील : 23-2-1983

भोहर :

ं प्ररूप आर्डे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1982

िनदें इंस मं 457/82-83---यतः मुक्ते, श्रीमती मंजू माधवन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टौन सं. नं. 715 ब्लाक नं. 20, वार्ड नं. 18 है तथा जो गांधी नगर, बेलारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय, बेल्लारी में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 10-11-1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दश्यमान

1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 10-11-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) 1. श्री एस. विजय क्रमार
 - 2. श्रीमती एस. ए. अम्बाबायी
 - 3. मिस् एस. ए. कर्सुमा करमारी
 - 4. मिस् एस. ए. नीरजा
 - मिस् एसः एः उषा
 45/15 नरसींह रेड्डी नगरः,
 कुरनुल (ए.पी.)

(अन्तरक)

(2) श्री बी. राघवेंद राव पृत्र श्री बी. वंकोबराव असिसटेंट इन्जीनियर पब्लिक होल्थ, बेल्लारी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिहरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्यी

वस्तावेज सं. 1086/82-83 ता. 5-7-1982 गांधी नगर, बोल्लारी में रहने का प्रापटी नं. टौन स. नं. 715, ब्लाक नं. 20 वार्ड नं. 18 डोर नं. 7 (1--2)।

> मंजू माधवन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, बंगलूर

तारीख : 10-11-1982

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 10 जनवरी 1983

निद्धेश सं. 497/82-83—यतः मुक्ते, श्रीमती मंजु माधवन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वो नं. 54, 57/1, 57/2 है तथा जो बेनवल्ली ग्राम निगडे होबली शिवमोगा में स्थित हैं (और इसमें

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता

अधिकारी के कार्यालय, शिवमोगा मे रिजम्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 13-10-1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस. अनंतय्या पुत्र श्री सीताराम भट्ट रवीं प्रनगर, शिवमोगा

(अन्तरक)

(2) श्री जी. सूर्यनारायण पुत्र श्री गोपालकृष्टनय्या गुंडप्या रोड, शिवमोगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 एकड़ 9 गुठा भूमि जिसका सर्वे नं 54, 57/।, 57/2, बेनवल्सी ग्राम निगेड होबली, शिवमोगा में उपस्थित है।

(दस्तायेज सं. 1766/82-83 ता. 13-10-1982)

मंजू माधवन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारी**स** : 10-1-1983

प्रस्प बार्च. दी. एत. एस. -----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अभीत स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहाधक जासकर जार्क्क (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवर्षा सं 509/82-83--यतः म्भे, श्रीमती मंज नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 128 सर्वे नं. 210 है तथा जो बोलगांव में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैलगाव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 12-7-1982 को पर्वोक्त संपत्ति के जी शत बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए नंतरित की गई है और मुभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रिकाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे

नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती शोभना दीपक शीं दे बी. सी. नं. 159 क्यांप, बेलगांव।

(अन्तरक)

(2) श्री विष्णु भीकणा अणवेकर प्लाट नं . 41, शिवसूंदर बिल्डिंग, हिंदबाडी, बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके गूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के भम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के पाजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की ताशील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मंत्र से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अध होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

अभूस्ची

संपत्ति जिसका प्लाट नं. 128 का सर्वे नं. 216, बेलगांव मो उपस्थित है। (दस्तावेज सं. 1286/82-83 ता. 12-7-1982)

> मंजू माधवन् सक्षम प्राधिकारी_. सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन **र**ेज, बंगलुर

तारीख : 10-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1983

निर्दोश सं. 511/82-83—यतः मुभे, श्रीमती मंजू माधवन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नं. 33 है तथा जो सोमेशपूर, हीरीपूर टीन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हीरीपूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 7-7-1982

16) के अधीन, ता. 7-7-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे हृश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किंपत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री के. एम. राजेशकरय्या पुत्र लेट श्री ए. एम. कल्लय्या 'बी'' डिवजन मेन रोड, हीरीयुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नल्लीयाना गोंडरे पुत्र श्री पालनीयणा गौंडरे

> श्रीमती के शकुंतलम्मा पुत्री श्री एच. ए. कुप्पस्वामी ''ए'' डिबीजन डुलीयार रोड, हिरीयूर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप अ में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपर्ति में हिसबक्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विशिष्त में किए ज, सकी।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची.

25 अंकर और 1 गुंठा शेतकी भूमि जिसका सर्वे नं. 33, सोमेशपूर, हिरीबूर टॉन में उपस्थित है। (दस्तावेज सं. 483/82-83 ता. 7-7-1982)

मंजू माधवन् सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण), अर्जन र^रज, बंगलूर

तारील : 10-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निद³श सं. 503/82-83—यतः मुक्ते, श्रीमती मंज् माधवन्, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं. चलता नं. 144 और 145 का पी टी एस नं. 35 है तथा जो बैंगीरों आलटों, पणजी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पणजी, गोवा में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन; ता.

29-7-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~--

(1) डाक्टर श्रीमती मारीया लियोपोलडीयना डिसीआ उर्फ लौटा डिसींआ रोड्रोग्यूस, घर नं. ई. 512, वार्ड नं. 1, पणजी, गोवा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विनसेंट डी सीझा

2. कुमारी पेरल रोसीटड सौझा और

 क्रमारी ग्लोरिया ओलंटा डी सौझा क्यामी,रलीम मेना बारडेझा, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जिसका चलता नं. 144 और 145 का पी टी एस नं. 35, बयारीयो अल्टो पणजी, गोवा में उपस्थित है।

(दस्तावेज सं. 249/82-83 ता. 29-7-82)

मंजू माधवन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारीब : 17-1-1983

भोहर :

प्रकृप भाइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अनंतरामन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती अभरफुनिसा बेगम

(भ्रन्तरिती)

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1983

निर्देण सं० 17463--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या टी० एस० 8 (पारट) है तथा जो ग्रठ्यार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, श्रठ्यार (डाक् मेंट सं० 114/82) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रिक्षित के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिन्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कार, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिवित में किए जा सकेंगें।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

[भूमि--टी०एस० 8(पारट) ग्रठयार] (डाकूमेंट सं० नं० 114/82)।

> श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

विमांक 11-2-83 मोहर:

प्रकप थाई • टी • एन • एस •---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक फरवरी 1983

निदेश सं० 17442—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 265-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 37, बी० स्ट्रीट, पठमनाबनगर है तथा जो II स्टेज मद्रास-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सौत मद्रास (ठाकूमेंड सं 2517/82) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1982

को प्रांवित संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिल्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

शत: शव, उक्त वृधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त व्यधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, वर्धात् ः—-

(1) श्री पी० एस० सारनगन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० पति

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यां और पदों का, जो उनत अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण-37, वी० स्ट्रीट, पठनाब नगर II स्टेज, मद्रास-20 (ठाकूमेंट सं० 2517/82) ।

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

ता**रीख**: 11-2-83

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

(1) एस० दौरेस्वामी श्रय्यर

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० मुत्तुकृष्णन

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कायाल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० 17452, यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-**र**त. से अधिक है

ं श्रीर जिसकी सं० 7, श्रप्पाकन्न स्टीट है तथा जो मद्रास-4 में स्थित है (भ्रौर इसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (इक्ट्रमेंट सं० 2418/82) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक ज्लाई, 1982

को पुर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का क्रारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दुवेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की गविध, जो भी गविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मं हिस-बद्ध किसी. अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों बहुर पदों का, जो जनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि भ्रौर निर्माण-7, श्रप्पाकन्नू स्ट्रीट, मद्रास-4। (डाक्मेंट सं० 2418/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायंक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, मद्रास

अतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत् व्यक्तियों, अर्थातः :---

13---6GI/83

दिनांक : 11-2-83

प्रकथ नाहरें. टी. एन . एस . -----

(1) एस०्कृष्णन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० मुकुमार।

(ग्रन्तरिती)

भायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० 17404—श्रतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० 215 ए० है तथा जो 18 स्ट्रीट, नंगनलूर, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिप्तिकारी के कार्यालय, भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1980 1980 का 16) के ग्राधीन जुलाई 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के जिन्न नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिक कन निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अत्य आस्तियों छो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था, क्रियाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त नीभीनयम कौ भारा 269-म के ननुसरन में, में, उक्त जीभीनयम कौ भारा 269-च को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:--- को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुभ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भूया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—सी०२15ए०, 18स्ट्रीट, नंगनलूर, मद्रास (डाकुमेंट सं० 2661/82) ।

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-2-1983

प्ररूप आहु दी . एन . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० 17440—श्रतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै आयकर सिंधिनयम, 1981 (1981 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- स्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25-IJI, मेन रोष्ठ, मद्रास-28 है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यानय, मेलापुर (डाकू बेंट सं० 1264/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इत्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत् अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री विकटर ग्रौर ग्रदरस ।

(अन्तरक)

(2) श्री सेनदूरं पार्वियन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के हैंसए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—~25-III, मेन रोड, मद्रास-28 । (डाकुमेंट सं० 1264/82) ।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-2-1983

प्ररूप आइ¹.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-H, मद्रास
मद्रास, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० 8/जुलाई/82—श्रतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै .

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं '

श्रीर जिसकी सं० 9 मकेनिक्त्स रोड है तथा जो चंदपुट, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेंट (डाकुमेंट सं० 953/82) में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आये या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :---

- (1) श्री वटसला शिवशंकर भौर भ्रदरज। (भ्रन्तरक)
 - (2) रियासुद्दिन श्रीर श्रदरज। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अ

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण--- 9, मेकेनिकलस रोड, चेटपुट मद्रास। (डाकूमेंट सं ं 953/82)

श्रारव पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-II, मद्रास

तारीख : 17-2-1983

प्रकृष् आहु .टी. एन् . एस . -----

-यम. 1961 (1961 का 43) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 फ़रवरी 1983

निदेश सं० 14/ जुलाई/82—अतः मुझे श्रांर० पी० पिल्लै भायकर अभिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके । एचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारों कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी गं० 9, हाल मरोड है, जो महास-8. में स्थित है (ग्रीर इसने उपायद्ध श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री शर्ता ग्राधिकारी के पार्यालय, पेरियमेंट (डाकुमेंट सं० 1033/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राथीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुदों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिष्टित में बास्तिबक क्ष्म भे किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण संहुदं किसी जाम की वावत, उनस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को वामित्य में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा से किए; आदि/सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के सिए;

बतः अध, उक्त अधिनियम् की भारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 मु की उपधार् (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जयम्माल्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलेस श्रीर सेन्ट्रल (प्रा०) लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह स्थान चारी करके पूर्वेक्त सम्मृत्ति के वर्षन के निए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ध--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण-9, हालस रोड, मदास-8। (डाकुमेंट सं० 1033/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, मज्रास

तारीख: 17-2-1983

मोहर 🖫

प्रस्प नाइ. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भार्यकर भायुक्त (निरीक्षक)

श्रजंन रेंज-!, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 फ़रवरी 1983 निदेश मं० 22/अगस्त/82—अतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टीं० एस० 64, हैं, जो बालियराजू स्ट्रीट, श्रारनी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रारनी (डाकुमेंट सं० 2261-2264/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित्त आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की नावत उक्त जिथ-नियम के ज्योंन कर देने के बन्तरक के वासित्व में कभी करने वा उससे नमने में सुनिधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सेनदूलनगार नैनार श्रौर श्रदर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० सी० श्रन्नमल्लै चेट्टियार।

(श्रन्तिरती)

को यह स्थान जारी करके पृत्रों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की सबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसभी

भूमि — सर्वे सं० 64, वाढियराजू स्ट्रीट, श्रारमी । (डाकुमेंट सं० 2261-2264/82) ।

> श्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, मब्रास

् सतः, अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसर्भ मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 17-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० 46/श्रगस्त/82—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 16, बेरी बगट स्ट्रीट है, तथा जा नार्थ बेलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. बेल्लूर (डाकुमेंट सं 2712/82) में, रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1982

नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, प्रगस्त, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (फ) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भ्रब्दुल हफ़ीस साहिब (भ्रलेस) भ्रब्दुल बशीर साहब ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम पठमा श्रम्माल श्रीर श्रदर्भ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसअध्याय में विया गया है।

अनुसुची

भूमि ग्रौर निर्माण — 16, बेरी वगट स्ट्रीट, नार्थ वेल्लूर । (डाकुमेंट सं० 2712/82) ।

न्नारं पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायकु न्नायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-2-1983

प्ररूप आइं .दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फ़रवरी 1983

निदेश सं० 17554—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उधित बाजार भूल्य 25000/- र० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5 है, जो महाराजा हुई राद रेष्ट, रद्ररा 34 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रन्हची में श्रीर दूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के इस्टिंग, गोजैन्ड लाईटस (डाकुमेंट सं० 64/82) में रिजस्ट्रीवरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के असरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजशेखारन इगनेशियर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० रघुपति ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थीकतयों में से किमी व्यक्ति हवार।;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

गनसम्बी

भूमि ग्रौर निर्माण—5, महाराजा सूर्य राव रोड, मद्रास-34।

(डाकुमेंट सं० 64/82) ।

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 24-2-1983

मोहर 🐠

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्त्रर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निवेश सं० 17502 घतः मुझे, श्रार० पी० पिरुलै, आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6, 22, श्रास स्ट्रीट, इन्दिरा नगर, मद्रास-20 है, जो मद्राप में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिष्ट्रिट, तो श्रीधनारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (इ दुमेंट सं० 2917/82) में भारतीय रिजस्ट्री रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, जलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गृह विकास करने का कारण है कि मधाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों अर्थात् :——
14—6GI/83

(1) श्री वाकर म्रह्मद फ्रौर मदर्स।

(मन्तरक)

(2) श्री मरियम फेरोसुद्दीन ग्रहमद । (ग्रस्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील हे 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भ्रो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 6, 22, कास स्ट्रीट, इन्विरा नगर, भद्रास-20 ।

(डाकुमेंट सं॰ 2917/82) i

ग्रार० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

सारीखा: 24-2-1983

प्रकप जाइ टी. एनं. एस . -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मत्राय

मद्राप, दिनांक 23 फ़रवरी 1983

निदेण सं० मार० ए० सी० नं० 17598/82-84-याः, मुझे, आए० पी० पिरुनै,

बायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उकत अधिनिगम' कुहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/रा से अधिक हैं

और जिप्नकी मं० प्लाट नं० है, जो सीताममाल स्काटेनशन मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के, कार्यायन मद्रास मार्थ (डाकुमेंट सं० 2661/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, भगस्त,

को पर्वोग्त सम्पत्ति के उचित राजार सन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापत्रों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-चक्क निम्निसित उच्चेच्य में उच्च मन्तरण निचित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क) ब्रम्मण्या में हार्च किसी बाय की बाबत, उक्त क्रीधिनियम की क्रंधीन कुर दोने को ब्रम्मण्य की दायित्व में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ अन्तियों विवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में वृद्धिश के सिए;

अतः बव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण कों. कों. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, किस्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री राम मृत्तैया बालभुत्रमित्वन ।

(भन्तरक)

(2) श्री मुद्रमीनाल।

(बन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

डक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेग ।
 - (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि , जा भी अवधि शढ में समाप्त होती हों. के भीतर प्रविक्त क्यों क्स यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्मष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीशीनसम्बद्धां १०-क में पिश्चाचित हो । वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि भ्रौर निर्माण—प्लाट नं० 5, सीताम्माल एक्स-टेमशन, मद्रास-18 । (डाकुमेंट सं० 2661/82)।

> भार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकरं आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1983

निदेश सं० 17438—म्ब्रतः मुझे म्नार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस है पश्चाट 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 15 है, जो 2 कास स्ट्रीट, सीताम्मा एक्स-टेंशन , मद्रास-18 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, मेलापुर (डाकुमेंट सं० 1282/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्वीन जुनाई 1982

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिभा के लिए

अतः अवं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मनी।

(मन्तरक)

(2) श्री विजयवानी ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध शो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इपारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि अेर निर्माण—15, II कास स्ट्रीट सीतम्मा एक्सर्टेशन, मद्रास-18। _ (डाकुमेंट सं० 1282/82)।

> द्यार० पी० पिस्र सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-¹¹, मद्रास

सारीख: 11-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 फरवरी 1983

निरेश सं० 17242—यतः मुझे श्रार० पी० पिल्ले बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी टी॰ ए :० सं० 5244 है, जो टी॰ नगर, में स्थित है (भीर इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, टी॰ नगर (डाकुमेंट सं॰ 1574/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्टिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या .
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के लिए;

(1) श्रीमती लिलत हुमारी।

(भन्तरक)

(2) श्री रामकृष्ण भ्रव्यर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: ---- इसमें प्रयक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण—टी० एस० 5244, टी० नगर, (डाक्मेंट सं० 1574/82)।

> मार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, मद्रास

भतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 17-2-1983

मोहर 👙

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मूर्जन रेंज- Π , मद्रास मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निवेश सं० 17553—श्रातः मुझे श्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2, 1 मेयन रोड है, जो वास्लस थारटनस मद्रास-6 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सीसनरलैंटस (डाकुमेंट सं० 61/82) में स्थित भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए।

(1) श्री विश्वानाथन ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० वेंकटेश्वरा कन्स्ट्रक्शन ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कर्इ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत. व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण—II, I मेयन रोड वाल्सस थारटनस मद्रास-6।

म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

सारीख: 24-2-1983

मोहर

प्ररूप आर्थ टी एन एस ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1983 ·

निदेश सं० 17476—श्रतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पण्डात 'जकत अधिनियमः कहा गया है), को धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपतित जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- के अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 16, पार्थसारथी, नगर है, जी क्यासरपाठी, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारो के कार्यालय, पुरश्वाखम (डाकुमेंट सं० 1250/82) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रमीन, जुलाई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्तावत सपीत्त का उाचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल-सो, एसं दश्यमान प्रतिफल-सो पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बार/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

कतः अब उकत बिधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमतो विजयलक्ष्मी और कृष्णमूर्ति ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती विजयलक्ष्मी ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह मृजना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की नामाल में साम कि जा अवधि का नामाल में साम कि होती हो, की भीतर पूर्विकत का का मा सामिश क्या कर द्वाराः
- (व) इस सृष्यंना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सर्पास्त में हित-च्या जन्म अन्य स्थानन वचारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीयो।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसुची

> म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालेय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज्-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० 17239—श्रतः मुझे श्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परभात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु से अधिक बै

जिसकी सं० 9 है, जो कन्हैया नायड स्ट्रीट, मद्रास-17 है, स्थित है जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1520/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

का पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के , इव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह जिक्कास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १०२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्टर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्न अधिनियम की धारा २६०-ग के अनसरण में, में, उक्न अधिनियम की धारा २६०-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1)श्रो सुन्दरे तन ।

(ग्रन्तरक) .

(2) श्री स्वामीनाथन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर क्यों किया के स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील मं 45 दिन के भीतर उक्त म्थायर सम्पत्ति में हितयब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पृथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमों प्रयक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर तिर्नाग--9, कन्हैया नायडू स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 1520/82) ।

> मार० पी० पिल्लै . सञ्जम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-2-1983

प्ररूप आ**र्ड**. टी. एन. एस.-----

(1) श्री बारती ।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना (2) श्री राजराजन भौर कम्पनी।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० 17490—श्रतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रहे से अधिक है

भौर जिसकी सं जकरैया कालोनी ।।।, स्ट्रीट है, जो पुनियूक्क (डाकूमेंट सं० 3311/82) है, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोटगपाखम (अकूमेंट सं० 3311/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यहिविश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
पया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हर्द किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित (हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

भूमि टी॰ एस॰ 37, जकरैया कालोनी-।।।, स्ट्रीट पुलियूर, मद्रास । (डाकूमेंट सं॰ 3311/82) ।

> भार० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्वास

अतः अब, उन्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकि वृत व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख : 14-2-1983

महेहर ३

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 23 फ़रवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3969—यतः, मुझे, आर०पी०पिल्लै, प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्ति, जिपका उचित वाजार मृत्य 25,000/- क० में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 137, 141 है, जो ग्रार० के० मट रोड, मद्रास में स्थित है य(ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तीरानट लैटम (डाक्सेंट सं० 94/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त गम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए धन्तरित को गई है और भुन्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिकित उदेश्य से उक्क धन्तरण निखित में बास्तविक का से कासन नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, ळिपाने में, सुविधा के लिए;

जतः अभ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में में, उज्जत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत् व्यक्तियों, अधितः :--- (1) श्रीमती मीराबाई ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायणन ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम - के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्राणं होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि—137, 141 म्रार० के० मट रोड, मद्रास-4 । (डाक्मेंट सं० 94/82) ।

> न्नारं पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख** : 23-2-1983

मोहर:

5 ---6G1/83

प्रकप धाई० टी० एन० एस●----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ंग्रर्जन रेज-II, मद्रास

. मद्रास. दिनांक 23 फरवरी 1983

निदेश सं० 17487—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 4, III मेन रोड, जो युनाइटेड इण्डिया कालोनी, मद्रास-24 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, कोडमबाएम (डाक्मेंट सं० 3389/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, जलाई 1982

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूरिधा के लिए; और/या
- (म) एमी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उकत आधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रग्राजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

भन अब, उच्न-अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्न अधिनियम की धारा 269-म उपधारा (1) के अधीन, निम्नियिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री पैढा श्रानंदलम्मा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रताप ।

(श्रन्तरितंः)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाह्या करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्वात

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो शक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याग्र में दिया गया है।

अतसची

भूमि भ्रौर निर्माण—-4, III मेन रोड, मद्रास-24 । (डाक्मेंट सं० 3389/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 23 फुरवरी 1983

निदेश म० 17507—यत, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रौर जिसकी सं॰ 1, II, मेन रोड, युनाइटेड इडिया कालोनी, मद्रास-24 में स्थित है (श्रीर इसग उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से यिंणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नोटमपाटनम (डाक्सेट सं० 3572/82) में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, अगस्स 1982

का पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतियत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में मृतिधा के सिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बोजराज ग्रीर ग्रदरस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कदिखेल ग्रीर राजेश्वरी ।

(भन्तरिती)

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्णव्यक्तिरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-1, III मेंन रोड, युनाइटेड इण्डिया कालोनी, मद्रास-24 । (डाक्मेट स० 3572/82)।

श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्वायुक्त, (निरीक्षण), श्चर्णन रेज-II, मद्रास

तारीख: 23-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री भ्रलमेलु श्रम्माल ।

(ग्रन्सरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना (2) श्री हलीना ।

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 23 फरवरी 1983

निदेश स० 17504—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिल्लिको स० प्लाट 10, 11, 12 जानकी एबेन्यू सेंट मैरिस रोड है, जो मद्रास में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाक्मेट सं० 2494/82) में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनग्रम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम औ दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिचात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नित्सित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि— 'शाट सं० 10, 11, 12 जानकी एवेन्यू सेंट मेरिस रोड, मद्रास ।

> ग्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मद्रास

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीखा : 23-2-83

मोहर 🥫

प्रकष मार्ड .टी .एन .एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं 17439— यतः, मुझे, ग्रार पी पिल्लै, र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-से अधिक है

: जिसकी सं० 2 है, जो 6, मेन रोड, मद्रास-18 में स्थित (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप सं विजित रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेंट 1274/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

्यों क्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान जल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने जरण है कि यथापूर्वांक्त संम्पत्ति का उचित बाजार, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी थाय या किसी भन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया द्वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-घ की उपधार्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बासरकर मेनन ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रुमती ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना भारी करके पृथांक्त सम्परित् के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिक्ति में किए-जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-2, 4 मेन रोड, मद्रास-18। (डाक्मेंट सं० 1274/82)।

श्चार० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख : 10-2-1983

प्रकप बाइ .टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदेश सं० 17003—यतः, मुझे, श्रार० पी० फिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है जो बेलचेरी रोड ईस्ट वामबरम,

25,000/- रह. सं अधिक हैं
और जिसकी सं० 210, है जो बेलचेरी रोड ईस्ट बामबरम,
मवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलय;
तामबरम (डाक्मेंट सं० 5382/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1982
को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृर्यमान प्रतिफल से, एसे दृरयमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अस, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उस्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्मितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री लक्ष्मी प्रसाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) चाको तनगचन भीर भनदर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के बिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

स्पक्षीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

जन्सू ची

भूमि श्रौर निर्माण---210, वेलचेरी रोड, ईस्ट तामबान, (डाकूमेंट सं० 5382/82) !

> श्रार० पी० पिल्सें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-∐, मद्रास

तारीख : 28-1-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजन रेंज-II, मद्रास

भद्रास, दिनांक 23 फरवरी 1983

निदेश मं० 17468—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी से० प्लाट नं० 25 है, जो पुलियूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायह श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोढमपारकम (डाक्समेंट सं० 1083/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रपोजनार्थ अन्तरिनी दुसारा एकट नहीं दिला गया था किया जाना चाहिए था, क्लिएने में सुविशा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रसाद भौर श्रवरस ।

(ग्रन्तरक)

(2) क्षी राजारमन ।

(ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण (प्लाट 25) पुलियूर (डाक्मेंट सं० 1083/82)।

भ्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निक्षण)ीर श्रार्जन रेज-II, मद्रास

नागीख : 23-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आई० टी• एन• एस•---

आयफर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1983

े निर्देश मं० 17479—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रशाद 43 है, जो पिल्ल पट्टु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डाकुमेंट मं 68/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भग या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री बकतवदचलाम

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

श्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—प्लाट 43 पिल्लिपट्टु (डाकुमेंट सं० 68/82) ।

म्रार० पी० मिल्सै सक्षम प्राधिकारी (महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-1, मद्रास

सारीख: 11-2 1983 ...

मोहरः

प्ररूप कार्^{*}. टी. एनं <u>.</u> एसं . - - - --

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1, मद्रास कार्यालय

🕙 मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1983

निर्देश सं० 17238—यत:, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 7, नटेस श्रय्यर स्ट्रीट है, जो मद्रास 17 में स्थित (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1522,1523/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जुलाई 1982

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनस्रण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---16 --6GI/83

ा. श्री राजगोपाल भौर भ्रदरस

(ग्रन्तरक)

2. श्री जार्ज जोसफ ग्रौर श्रदरस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।.

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अर्घीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्त्री

भूमी श्रौर निर्माण-7, नटेस अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-17 । (डाक्सेंट सं० 1522, 1523/82) ।

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राय

तारीख: 14-2-1983

मोष्ठर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस -----

1. श्री वी० रामन

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० रामस्वामी

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मब्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निर्देण सं० 17245—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रा. से अधिक ही श्रीर जिसकी सं० 28, नारत बोग रोड है, तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाकुमेंट सं० 1537/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 । (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

क्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन . निम्नलिमिय व्यक्तियों, अर्थात :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भी मर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमी श्रौर निर्माण-28, नारत बोग, रोड, मद्रास-17। (डाकुमेंट सं० 1537/82)।

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मदास

तारीखा : 24-2-1983

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निर्देश सं० 17552—यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं० 42, माधवा रोड़ है, तथा जो महालिंगपुरम मद्रास-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, थोजैन्ड लाईटम (डाकुमेंट सं० 3/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वेक्स संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री भार० श्रीनिवासन

(भ्रन्तरक)

2. श्री रविनद्रन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि-42, माधवा रोड- महालिगपुरम मद्रास -34 । (डाकुमेंट सं० 3/82) ।

> श्रारं० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख: 24-2-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-]; मद्रास मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983 निर्देश सं० 1, 2, 3, 4, 5/जुलाई/82—यतः मुझे, श्चार० पी० पिल्लै.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं कुलविनकरपुरम है, तथा जो मेलपालयम में स्थित है (श्रौर इसमे उपाच अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मलयालम (डाकुमेंट सं 1361-1365/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूओ यह बिरवास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उक्के दिवसान प्रतिफल से, एसे द्वरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिषत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण जिलिसत में बास्तिबक रूप से करिशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

1. श्री राम केशबन श्रीर अदरस

(ग्रन्सरक)

2. श्री एन० जी० भ्रो० को-भ्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए था सकेंगे।

स्पक्तीकरण: -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

भूमि—कुलविनिकरपुरम (डाकुमेंट सं० 1361–1365/82)

> भ्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 24-2-1983

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निर्देश सं० 6/जुलाई/82—यतः मुझे, ग्रार०पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्चे 508, है, तथा जो 23 बी, मी० कालोनी, पोरुमालपुरम, पालयमकी है में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेलपालयम (डाक्नुमेंट सं० 1456/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्ताों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिमसम के झधीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री सुब्रह्मानियन

(प्रन्तरक)

2. श्री चिदम्बरम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

भूमि और निर्माण—सर्वे 508, 23 बी, सी० कालोनी, पेरुमालपुरम पालयमकोट्टै (डाकुमेंट सं० 1456/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मधास

तारीख: 24-2-1983

भाहर:

प्रकप • बाई • टी • एन • एस •----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन मुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायक र बायुक्त (निरीक्ष्ण)

श्रर्जन रेंज-ा, मब्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निर्देण सं० 13/जुलाई/82--यतः मुझे, श्रार०पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं० 38, है, तथा जो जेरमैया रोडवे पेरी, मद्राम में स्थित है (भौर इससे उपाचन अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के. कार्यालय, पेरियमट (डाकुमेंट सं० 1028/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास बारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का **इंजि**त बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्वमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथिए नहीं किया थया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए:
- अं\: अंक उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनितिक स्थितिस्यों, अर्थात् :---

1. श्री मुत्तयालपेट मुस्लिम ग्रन्जुमान

(भ्रन्तरक)

2. श्री रंजीत कुमार श्रीर श्रदरस

(श्रन्तरिती)

को बंध सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्मति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-38, जेरमैया रोड, वेपेरी मद्रास (डाकुमेंट सं० 1028/82)

> भ्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 24-2-1983

प्रकप नाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा

269ंच्य (1) ते प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निर्वेश सं० 60/जुलाई/82—यत:, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, श्रायकर श्रिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके परवात् 'उन्त प्रिक्षित्यम' कहा गया है), की धारा 269 जे प्रयोग संज्ञम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका छित्वत बाजार मृत्य 25,000/- ४० से प्रक्षिक है

श्रीर जिसकी संव 10 है, तथा जो जवाहर स्ट्रीट, गांधी नगर, मयुरे में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (डाकुमेंट संव 3156/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रूयमान प्रतिफल से, एसे श्रूयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसो धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिस्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिंशिनयम या धन-कर भिंधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्री सूक्रमारन

(अन्तरक)

श्रीमती कामता मेहता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।
उन्त नेम्पति के प्रजी के संबंध में कोई भी आकंप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन को तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उनस स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो सम्मन्याय में वियागया है

अनुसुची

भूमि श्रौर निर्माण-10, जवाहर स्ट्रीट, गांधी नगर, मदुरै। (डाकुमेंट सं० 3156/82)

म्रार० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्प (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

जत. जब, जबन अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नसिकित व्यक्तियों, अधीत :---

तारीखा : 24-2-1983

महिर :

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.-----

ग्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च(1) के सकीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

ंनिदेश सं० 70/जुलाई/82—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का केरण है कि रुपार सम्बद्धि, जिन्हा उच्चित्त बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० 37/2, है, तथा जो एस० एस० कालोनी, पोनमैनी, मदुरै में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मदुरै (डाकुमेंट सं० 3701/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकात का भन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: बत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री धनपतीराम हरिहरन

(भ्रन्तरक)

2. श्री वासन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

्उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी श्रौर निर्माण—श्रार० एस० 37/2, एस० एस० कालोनी, पोनमेनी

(डाकुमेंट सं3701/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 24-2-1983

प्ररूप आह^{*}, टी. एन्. एस्.,-----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेजिना, महास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निदेश पं० 81/जुलाई/82—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 7/5, 6, 7, 9, 10 है 8/1, 2, 7/3 4 रा1; 4 रा 2, 5/1, है तथा जो मुलवी गेरकार में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्थ से बिणत है), रिज्द्रीवार्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सेलम (डाक्मेंट सं० 3045/82 में रिजस्ट्रीवरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वित्रस संपति के उचित बाजार मल्य से कम कं दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) अंतरण से हुव् किसी आयुकी नामत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे नजुने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जैतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, पिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात ---- 17---6GI/83

(1) राजामनी धन्नैया

(ग्रन्तरक)

(2) सुकुमार स्वामीनाथन

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सुम्पृतिस् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्प्ष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

व्यस्पी

भूमि सर्वे 7/5, 6, 7, 9, 10, 8/1, 2, 7/3 4रा1, 4रा2, 5/1, मुलवी, गांव (डाक्मेंट सं॰ 3045/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर पायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रज-I, मद्रास

तारीख: 24-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फ़रवरी 1983

निदेश सं० 83/जुलाई/82—यतः, मृद्धे, श्रार० पी० पिल्ले, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सर्वे सं० 2334, 2335, 2346, 2349, है, जो कोलमाटम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणक्ष है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, करिनगल (डाक्सेंट सं० 1089/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित आजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणं में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री लुइ।स

(म्रन्तरक)

(2) श्री जोसफ़ ग्रौर ग्रदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी, व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सदोंगे।

स्पन्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि सर्वे सं० 2334, 2335, 2346, 2349, कीलमाठम (श्राक्मेट सं० 1089/82)

ग्रार० पो पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- मद्रास

सारीख: 24-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आर्थै.टी.एन.एस.------

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग-I मद्राम

मद्राय, दिनांग 24 फ़रवरी 1983

निदेश सं० 88/जुलाई०/82—-ग्रतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचल अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी का यह विदेशास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है.

श्रीर जिसकी सर्वे सं 16, है जो मिट्टा मेययनूर, श्रलागापुरम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप के वर्णित है), रिजम्हीरक्ती श्रीधिराणी के कार्यालय, सूरमंगानम (आकूमेंट सं 90/82) में रिजम्हीरूपण श्रीधिरियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यूने में सृविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुसिष्ठ अधिक्यों, अर्थाष्ट्र — (1) श्री राजरत्तिनम वे

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्रन नारायनमूर्ति

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयांकित सुम्परित को अर्जन को सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सुम्परित के नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

भूमि सर्वे सं० 16 मिट्टा मेययनूर श्रलागपुरम (डाकू-मेट सं० 90/82)

> ग्रार० पी० भिम्ल¶ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-ा मद्रास ।

सारीख : 24-2-1983

प्राप्त आहे. टी. एन. एस.-----

भागक द ख्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-ा मदास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निदेश स॰ 100/जुलाई/82—यत:, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/—रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है जो पोन्नगरम रोड पलनी, में स्थित है (और इह उपम्बद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पलनी, (डाक्मेंट सं० 1704/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वाक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंजह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उचक अधिनियम के अधीन कर दोने के जुन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रान० राजी श्रीर अदर्स

(प्रन्तरक)

(2) डाक्टर राम० पोश्रुस्वामी श्रौर श्रदर्स (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त स्म्यति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

ड क्य सुम्पत्ति के अर्थन के सुम्बन्ध में कोई आक्षेप्र≟-

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि और निर्माण 7 पोश्रुगरम रोड, पलनी, (डाक्स्मेंट सं॰ 1704/82)

> ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेज-1 मद्रास,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख: 24-2-1983

मोहर ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री भ्रशोक कुमार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजा रिवकुमार

(ग्रन्तरिती)

भायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निदेश सं 102/जुलाई/82—यतः, मुझे, प्रारं पी विष्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 25,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है जो पालयमकोटै में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पालयमकोटै (डाक् मेंट सं० 2797/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कर्भित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत्, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुबने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची)

भूमि---पालयम को है (ठाकूमट सं० 2797/82)

> ग्रार० पी० पिस्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, मद्रास ।

अतः मन् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण् भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

ताकीख: 21-2-83

मोहर ∄″

प्रकृप काइ^र. टी. एम. एस_.-----

(1) श्री मेयप्पन

कार्यवाहियां करता हुं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजन सुबह्मण्यम

(ग्रन्तरिती)

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, मद्राक्ष

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी

निदेश मं० 106-जुलाई/82-स्तः, मुझे, श्रार०पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15/115, एफ 1, है, जो कोटैकानल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोटैसानल (डाकुमेंट सं० 331/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 16 जुलाई, 82

को प्र्वोक्त संपत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण शिक्त में वास्त्विक रूप से स्थित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी जायुकी वाबतः, अवस् जिथिनियम् के अभीनु कर दोने के जन्तरक के दानियल में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; अर्डि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- •

उक्त सम्पत्ति के बुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिए।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सु से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी लन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण— 15/115 एफ 1, कोटैकानल (डाक्मेंट सं० 331/82)

न्नार० पी० पित्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, हैदराबाद

न**िख**: 24-2-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-I. मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1983

निदेश सं० 111/जुलाई/82—यतः, मुझे, श्रार०पी० पिरुलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 19/3-578, है जो वठसेरी, श्रगसतिवरम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीनर्ता श्रधिदारी के कार्यालय, वठसेरी (डाक्सेंट सं० 796/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 82

की पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिअधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:--- (1) विसालकशी

(ग्रन्सरक)

(2) जोहरा बीवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्मीण---19/3--578, बठमेरी श्रगसतीवरम (डाक्मेंट सं० 796/82)

स्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख:24-2-83 मोहर:

बुरूप् आर्ष्ट्री_एन्.एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, मद्रास

मदास, दिनांक 2 मार्च 1983

निदेण सं० 12184--यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रतः से अधिक हैं। ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 10/159/2, बालाजी नगर ले श्रक्ट है, जो कृष्णरायपुरम कोयम्बटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एेसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिभात् से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-<mark>∍कल, निम्नलिखित उद्दोश्यसेउक्त</mark> अन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कथिल नहीं किया ग्या है :---

- (क) बन्तरम् चं हृद्दै किसी भाग् कर्री वागतः, अचलः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे ब्रुवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धर भन्कर अधिनियम, धर भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) तुलसिम्माल

(धन्तरक)

(2) श्रीनिवासन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पतित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(भूमि—सर्वे 10/159/2, बालाजी, नगर ले स्नाऊट, कृष्णराय-पुरमे, कीयमबटूर : (डाक्मेंट सं० 3129/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मब्रास ।

सारीख: 1--3-83

महिर 😃

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रजन रेज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश सं० 9867---यतः, मुझे, भ्रार० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जयकोठंपट्टिनम है, जो क्वरपट्टू श्रमबिकापुरम में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची म पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्री हर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चिवम्बरम (जाक्मेंट संव 1400/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोरय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय की शवत. उदत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अवने में संविधा ने सिए; बरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथायाकियाजाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

नतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियां, अर्थात् :--18---6GI/83

(1) श्री मनि श्रय्यर

(ग्रन्तर्क)

(2) श्रीलीला

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अविध ना तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवश्वि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि-जयकोठंपट्टिनम, कवरपटटू ग्रीर श्रम्बिकापुरम (डाक्मेंट सं० 1400/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकपरी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रांस

दिनांक 1-3-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) ताराबाई

(ग्रन्तरक)

(2) राजाती भौर सरोजा

(भ्रन्तिरती)

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1983

निवेश सं० 12185—यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा , 169-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं 11/50,है जो सत्यमूर्ती रोड, कोयम्बटूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के शायिलय, कोयम्बटूर (डाक् मेंट सं 3090/82) में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत विनांक जुलाई, 1982

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंदित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क्रे अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में त्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

भतः अब जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शबदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण-11/50, सत्यमूर्ति रोड, कीयम्बटूर (डाक् μ ट सं0.3090/82)

श्रार० पी० पिल्लै उसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 2-3-83

भूरूप **बाइ**र. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च, 1983

सं० 9856-यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० 17 है जो चिन्न मुब्बाराय पिल्लै स्ट्रीट, है जो पाठि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्थाणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पाठि . (डाकमेंट सं० 1512/82,) में रजिस्टीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गर्इहै और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मुन्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के गीन एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिधक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी काय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करंने या उससे बचने में सिविधा के लिए; अरि/या
- (ख) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

(1) परमेश्वरन

(अन्तरक)

(2) रामलिंगम

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित् के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाए;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

भूमि और निर्माण, 11 चिन्न सुब्बाराय पिल्लै, स्ट्रीट पाठि (डाक्मेंट सं० 1512/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज्र मद्रास,

तारीख: 2-3-1983

भोहर:

श्रुष्य आहे. टी. एन. एस.-----

. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की (2) दोरंस्वामी

(1) राजम्माल श्रीर श्रदर्स

(ग्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च, 1983

सं 12189—यतः, मुझे, आर पी० पिल्ल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 202, है जो वरठमपालयम सित् में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, सत्तयमनगलम (डाक्सेंट मं० 1245/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्त्विक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के भिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया खया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनसन्त्री

े भूमि सर्वे सं० 202, वरठमयालयम सति (डाक्मेंट सं० 1245/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 2-3-1983

मोहर 🙂

प्रह्मप आहुर, टी. एन्. एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, स्हायक बाय्कर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च, 1983

सं० 9855—यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, अगरक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. हो अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 60, है जो बी० श्रां० सी० स्ट्रीट, पाठि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पाठि (डाकू-मेंट सं० 1639/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख जुलाई, 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के अधिन नारीख जुलाई, 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के अधिन वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित का जार प्रदे प्रतिकृत अधिक है श्रीर पृत्यमान प्रतिकृत का पन्दह प्रतिकृत अधिक है श्रीर धन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरितक) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया श्रीतकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निक्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत ृजकत अधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किमा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुक्किंग के लिए;

सतः श्रव, उतः प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रवू-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारः (1) के मधीन निम्नसिखित स्पक्तियो धर्यात्:— (1) राजेन्द्रन

(ग्रन्तरक)

(2) कन्नम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दिशबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहरूनाथरी
 के पाप निश्चा में किए जा मकेंगे।

स्पन्धीकरण :-- इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, को उक्स समितियम है प्रष्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी प्रथं होगा जो उस , श्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 60, बी० श्रो० सी० स्ट्रीट, पार्ठि (डाक्मेंट सं० 1639/82)

श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज मद्रास

तारीख : 2~3-1983

मोहर 🛭

प्ररूप बार्च ही. एन्. एसं.----

(1) के० भार० रामस्वामी

(2) स्याम लाल अगरवाला

(भ्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म (1) के मधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1983

सं० 12201—यतः, मुझे, ऋार० पी० पिल्लै,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संवटी एसव 8/1363, 1364 है जो, कोयम्बटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (लाक्मेंट संव 3035/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1982

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ह्रियमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मा कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

को यह स्थाना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के में 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ब्युगरा,
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त फर्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं। गया है।

ममुस्ची

भूमि भ्रौर निर्माण टी०एस० 8/1363, 1364, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 3035/82)

श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीखा : 2∸3+1983

मोहार 🕫

प्रस्य आई.टी.एन.एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास,

मद्राम, दिनांक 2 मार्च, 1983

निदेश सं० 12205—यत:, मुझे, भ्रार० पी० पिल्लै, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं टी० एस० 85 है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर, (डाक्मेंट सं 2961/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीय कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उसते अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कर-

(1) दमयनती श्रम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) स्वामी चेट्टियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी सारित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास किसित में किए जा गर्की:

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि टी०एस० 85, कीयम्बद्र (डाक्मेंट सं० 2961/82)

ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-II, मद्रास,

तारीख: 2-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च, 1983

निदेश सं० 12194—यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सर्वे सं० 123/3 है, जो सिनगनलूर में स्थित है (और इंगसे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिनगनलूर (डाक्सेंट सं० 1048/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन जुलाई 1982.

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/्या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थातः :---

(1) श्री म्रार० पी० दवे

(भ्रन्तरक्)

(2) श्री पलनियण कौंडर श्रीर श्रहरस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुर्ने।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध कि मी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 123/3, सिनगनलूर (डाक्मेंट सं० 1048/82)

श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, सद्राम

दिनांक : 2-3-83

मोहर ः

ं प्रकल कार्याः, द्वी_ल पुन_{ः,} पुन_{ः,=}----

(1) श्री के० रामंदास

(मन्तरक)

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-च (1) के अधीन स्चना (1) के० श्रार० रामस्वामी

(अन्तरिती)

भारत सेरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज-ग, गद्रास मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1983

निवेण सं० 12208——यतः मुद्ये, ग्राए० पी० पिल्लै आयकर मिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाय 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० 8/1363, 1364. सैंट मेहुपालयम कोड है, जो कोयम्बदूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद में अनुसूची और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बदूर (डाक्मेंट सं० 3023/82) में भारतीय रिष्स्ट्रीवरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अस्यज्ञान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके अस्यमान प्रतिफल से, एसे अस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योकों से उच्त अन्तरण सिवित में बालाबिक रूप से कृथित नहीं किया गया है।—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; बौर्/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यापा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अज, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्धीत् :-19—6GI/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के शाम सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसर्ची

भूमि टी० एस० सं० 8/1363, 1364, मेष्ट्रपालयम रोड, कोयम्बट्टर (डाक्मेंट सं० 3023/82)

ग्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज II, मद्रास

दिनांक 2-3-83 मोहर ।

प्ररूप जार्ड, टी. एन, एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्चर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1983

निदेश सं० 12204—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० टेलुनग्पालयम है, जो कोयस्वट्र (डाक्मेंट मं० 2962/82) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डार्क्समेंट सं० 2962/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह है अपर मुक्ते यह विश्वास कारनै का कारण है कि यथापूर्वोक्तः संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, ऐसे दरयमान प्रतिकल का पन्त्रहंप्रतिशत से अधिक है और जेसरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुद्दे किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को जंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; **जार**/या
- (व) एँसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह[े] भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती दमयन्ती

(अन्तरक)

[भाग III—खण्ड 1

(2) श्रीमती के जान्ता

(भन्तरिती)

को ग्रह्ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में जन्य किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

भ्मि--टेल्नगुपालयम, कोयमबट्र (डाक्मेंट 2962/82)

> श्रार० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारीः सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 2 मार्च 1983

प्रक्रम आहे. टी. एन. एस. ------

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मब्रास

मद्रास, विनांक 2 मार्च 1982

निवेश सं 12203—यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सेट सं० 2 है, जो टेलुनगुपालयम कोयम्बटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 3009/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई, 1982 को पर्वक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में भूतिभा के सिए; और/
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती मदु

(मन्तरक)

(2) श्री टी० ए० राष्ट्राम

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संप्रीति के वर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसभी

भूमि: सैंट सं० 2, चंद्रा ले श्रबुट टेलुनगुपालयम, कोयम्बदूर (डाकूमट सं० 3009/82)

> भार० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी . सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-॥, मद्रास

दिनांक : 2--3-**8**3

प्रकृप आद्दै.टी.एन.एस.-----

भायकर ज्भित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीम स्वना

शारतं बदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण श्रजन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं 12207—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रहः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं टी॰ एस॰ 9/33, 9/31/3 है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमट सं 2841/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम,

(1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तराकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफास निम्नितिबित उद्वरिय से उक्त अन्तरण मिकित में बास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरण के दादित्य में कजी करने या उससे बचने में तृतिभा के तिएए; बीट/वा
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्ति द्वी ह्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा भा वा किया जाना आहिए जा, जिपाने में स्विभा के निए;

अतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) वेनकदस्वामी नायडू

(मन्तरक)

(2) सिमसन ग्रौर कम्पनी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त बम्पतिक के वर्षन के बम्मून्य में कोई भी आवरिश्रक

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिस्त में से किसी व्यक्ति इवारा
- (क) इस ब्रुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर धक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षड़ी के पास निवित में किस का सकेंगे।

स्वध्योकरण:--इसमें प्रमुक्त सब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण—टी० एस० सं० 9/33, 9/31/3, कोथम्बटूर(डाक्मेंट सं० 2841/82)

श्चारः पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 3 मार्च 1983

मोहर 🖫

म्क्य बार्च, टी. एन. एस.-

बायुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज, मद्रास

मद्राम, दिनाक 3 मार्च 1983

निदेश सं ० 12209 स्त: मुझे, श्रार ० पी० पि ं हैं बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र . से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० सैट 27, वाई० ब्लाक लठागम एक्सटेशन है, जो कायमबारूर मा स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीक्ती श्रीधकारी के कार्यालय, कोयमबट्टर (डाकूमेंट 3225/82) में रिजस्ट्रीनरण श्रीधितिरम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1982

को पूर्वों क्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उहके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नुसिचित उद्देश्य से उचत अन्तरण निवित्त में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तर्थ से हुई किसी आम की बाबत उन्स अधि-मिन्न्य के अधीम कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना चाहिए था, जिन्मों में सुनिधा की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जयलक्ष्मी राजगोपालन

(अन्तरक)

(2) श्री जयपाठियन श्रीर ग्रहरस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि यो तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण सैंट सं० 27 वाई० ब्लाक तठागम एक्सटेंणन कोयमबट्ट । (डाक्सेंट सं० 3225/82)

> ग्रार० पी० पिस्लै सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, मद्रास

दिनांक : 3-3-83

मोहर 🛭

प्रारुप नाइ है ही । एन । एस :-------

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत त्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक नायंकर नायंक्त (निडीक्ण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक ३ मार्च 1983

निवेश सं 12215 यतः मुझे, श्राप्त पी० पिल्ले बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं 14/86, सनगनूर है, जो कोयमबदूर में स्थित है

श्रीर जिसकी सं 14/86, सनगनूर है, जो कोयमबटूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध 'श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कादिपुरम (डाक् मट सं 2886/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वेक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच एसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उच्चेष्व से उक्त जन्तरण लिचित में बास्तीयक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के बिष्; जोड़/का
- (च) एसी किसी आध या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, बें; उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) भ्रारुणा सोप वनर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीकामाक्षी श्रम्माल

(अन्तरिती)

का मह सूचना जारी करके पूर्वीक्त तम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संस्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिल्हित में किए जा सकर्ण।

स्प्रकोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रकी

भूमि श्रौर निर्माण 14/86, सनगनूर, कोयमबदूर (डाक्मेंट सं० 2886/82) ।

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी {सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

विनाम : 3-3-83

प्रकल भार टी. एन. एस. ------

मायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

- 1977 Jan

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश सं० 17556—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर ब्रिकिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ब्रिकिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थीवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/— इपए से ब्रिकिक है

ग्रीर जिसकी सं० 8, तियागराजपुरम स्ट्रीट है, जो मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, सामनटलैंटस (इस्मेट सं० 121/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत पश्चिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धान्तरण जिल्ला संवासनिक क्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, जबत पश्चितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तदक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आथ या किसी धन या धन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या जन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

नतः नंत्र, उनतः अधिनियमं की धारा 269-गं के ननुसरण में, में, उनतं निधिनियमं की धारा 269-मं की उप-धारा (1) के नधीन, निम्निसिवतं व्यक्तियों, न्यांत् ध--- (1) श्री राम कुमार भौर ग्रदरस

(ब्रन्तरक)

(2) श्री पी० एम० मुन्दरम

(भ्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (स्र) इस सूत्रना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त श्रिक्षिनियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, बही अबें होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया ग्राया है।

अमृजुषी

भूमि श्रौर निर्माण 8, तिथागराजपुरम स्ट्रीट, मद्रास-4 (डाक्मेंट सं० 121/82) ।

> स्रार. पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रेजेंन रेंज, मद्राय

विनांक : 1-3-83

भ्रधीन ज्लाई, 1982

अ**स्थ बार्ड** टी. एन. **एस**.----

मायकर भीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अभीत सुचना

ं भारत सरकार

कार्वालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्व 1983

निदेश सं 0 17466 यत: मुझे, श्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्ता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० सर्वे 110/2 हैं, जो कोयमवेठु में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित हैं), रजिस्ट्रीकर्रा श्रधिकारी के कार्यालय, कोठमपाखम (डाक् मट सं० 3240/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरक्री) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिक उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक क्य से कथित नहीं क्या गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी जाय की नावत उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जार/या
 - (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती शान्ति सखनं

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती रानी मेनं

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपत्ति के जर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

भूमि सर्वे नं ० 110/2, कीयमबैठु (डाक्सेंट सं० 3240/82)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 1-3-83

(1) श्री नर्रामहम भ्रौर रामसिंह प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(अन्तरक)

(2) मारोफुट (पि०) लिमिटेड

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, मद्रास

मद्राम, दिनांक 1 मार्ज 1983

निवेश सं० 9857---यतः मुझे, स्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० श्रोलनठै है श्रौर जो तेनगायतिङ्क में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 1505/82) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ौसिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत , अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां शुरः करता हुं।

उक्त सम्परिल के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भुमि श्रोलनठै श्रीर तेनगायतिट्टू (डाक्मेंट सं० 1505/82)

भ्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, मद्रास

दिनांक : 1-3-83

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---20-6 GI/83

प्ररूप आई० ही० एन० एस०----

मांयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-वं (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश सं० 17434—यन: मुझे, श्रार० पी० पिल्ले श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियन' कड़ा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर शम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,900/- व्ययं ये प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 37/38, है जो लाट गोविददास नगर रोड, द्रिपलीकेन में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यालय, द्रिपलीकेन (डाकूमेंट सं० 625/82) में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कियत नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण में हुई किसी आय का बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन मा स्विधा के लिया और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिस्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भं, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीम निम्नलिस व्यक्तियाँ अर्थात् :-- (1) श्री वी० के० ईसुदीन

(भ्रन्तरक)

(2) फुल्बाव मुविलयार और अदरस

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन लिए कार्यवाहियाँ करता हु।

उर्ग सम्पति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में पकाशन को नारीख से
 45 दिन की पर्दाध या सन्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविद, जो भी
 भविद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियां में से किसो व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सपेगे।

स्वब्दीतरण:--इसमें पशुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भीवितिया के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां सर्थ होगा, जी उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-37/38, लाट गौविंदतार मद्रास-2। (डाक्मेंट सं० 626/82)।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 1-3-83

मांहर:

प्रकप आईं ही • एव • एस • ~ -

(1) श्री राजामनी श्रौर सरवनं

(मन्तरक)

(2) श्रीमती कमला

(ग्रन्तरिती)

माथफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश सं० 12176—याः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे 283/2 है, जो सनगनूर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कार्विपुरम (डाक्सेंट सं० 2777/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन 1982

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के द्रयमान भौतफल के लिए अन्तरित की गृह है और अके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त द्रम्नित का उिषत बाजार भ्ल्य, उसके द्रथमान प्रतिन्तल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंधत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की माबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिजाने में मृतिधा के निए;

जत: जब, उचत अधिनियम की भारा 269-ग को, जनुसरण मों, मों, अकत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिश्वित स्थितियों, अधीत :-- को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की क्ष्मिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी वनीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- अष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है:

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—सर्वे 283/2, सनगनूर कोयमबटूर (डाकूर्मेट सं० 2777/82) ।

श्रार० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 1-3-83

प्ररूप नाहै, टी. एन. एस. ----

(1) जनार्दनं

(भ्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना (2) भ्रानंचदं जबक

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश सं० 12177--यतः मुझे, भ्रार० पी० पिल्लै

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 7 है, जो टेलुनगुपालयम कोयमबटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 2802/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह मित्रात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सूर्व किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि-सर्वे 13/156, 6, तेलुनगुपालयम कोयमबदूर (डाक्सेंट सं० 2802/82)

> ग्रार० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी) (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक: 1-3-83

प्रकाप आरर्ड टी. एन. एस. -----

बायकर अधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

1 4

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 फरवरी, 1983

निर्देश सं० 12211—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या स्टेंट बैंक रोड, कोयमबटूर है, जो कोयमबटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर डाकूमेंट 2242/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यभापविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया नया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ कियों आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी अथ या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जयसीलन

(अन्तरक)

(2) श्री शनमुगम मोहन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्रवी

भूमि श्रौर निर्माण—स्टेट बैंक रोड, कोयमबटूर । (डाकूमेंट सं० 3242/82)

न्नार० पी० पिल्लै सक्षम श्रधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक: 18-2-83

भोहर:

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 12213--यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० स्टेट बैंक रोड है जो कोयमबटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाक्मेंट सं० 3243/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्प से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री जयसीलन

(अन्तरक)

(2) श्री बालसुब्रह्मण्यम लीला कृष्ण

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभना भारी करके पृशांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण—स्टेट बैंक रोड, कोयमबंटूर (डाक्मेंट सं० 3243/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 25-2-83

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

(1) श्री राम कुमार

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना (2) समबनठम

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 17236—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269- कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु. मे अधिक हो श्रीर जिसकी सं० टी० एस० 7215 है, जो मामबलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्समेंट 1534/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनसची

भूमि श्रौर निर्माण—टी० एस० 7215, मामबिलम, (डाक्मेंट सं० 1534/82)।

> श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 25-2-83

त्ररूप वार्ड. टी. एन. एत्.-----

10.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुषीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, भद्रास विज्ञांक २५ एउटरी 100

मद्रास, विनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 17243—यत:, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के धर्धान सकम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छक्ति बाजार मूस्य 25,000/रा. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं टी० एस० नं० 4837/1 है, जो बी० एन० रेड्डी रोड, मझास-17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्सेंट सं० 1571/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या भन्य धारितयों की, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) प्रबाहर

(भ्रन्तरक)

(2) **राम मोहन राव**

(श्रन्तरिती)

क्यें यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के सिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुस्पी

भूमि और निर्माण—टी० एस० सं० 4837/1, बी० एन० रोड, मदास-17 (डाक्मेंट सं० 1571/82) ।

> श्रार० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 25-2-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मधास, दिनांक 1 भार्च 1983

निदेश सं० 17485—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिस्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० 157, पिल्लेयार कोयिल स्ट्रीट है, जो मद्रास 195 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, कोठमपाटनम (डाकूमेंट सं० 3290/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21--6GI/83

(1) श्री ब्रह्मावती ग्रम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री कामाकशी ग्रम्माल

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि श्रौर निर्माण—157, पिल्यार कोयिल स्ट्रीट मद्रास-95 (डाकूमेंट सं० 3290/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 1-3-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 17471—यत:, मुझे, ग्रार० पी० पिहलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट 3033 है, जो कोयमबटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाक्मेंट सं० 3196/82), में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी केरने या उससे बजने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबं, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— (1) श्री पीटर

(मन्तरक)

(2) वेनफटरामन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—प्लाट सं० 3033, कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 3196/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 25-2-83

मोहर 🖫

प्ररूप आहर .टी. एन. एस .-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1983

निद्दश सं० 17421—यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मर्वे 22/4, कोयमबट्टर है, जो कोयमबट्टर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्क्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टर (डाक्मेंट 3444, 3445/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्थ से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमे किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

(1) श्री एम० कृष्णमूर्ति

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शर्मिला जयन्ती

(श्रन्तरिती) -

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अम्स् ची

भूमि—सर्वे 22/4, कोयमबदूर । (डाकूमेंट सं० 3444, 3445/82)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

दिनां कः 1-3-83

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

(1) श्री सरोजिनी राव

(भ्रन्तरक)

(2) सब्दानायडू

(भ्रन्तरिती)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
भर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1983

निर्देश सं० 17457—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिमकी सं० 7 है, जो डेनियल स्ट्रीट, मद्रास—17 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास स्रोत्त (डाकूमेंट सं० 23/17/82) में रिजर्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

प्रतिफब, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:-
(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

के लिए; और/या

पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

(ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—— को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन कालए कार्यवाहियां करता हूं'।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण-7, डेनियल स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाक्मेंट 2317/82)

> ग्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख** : 1—3—83

मोहर 🖫

प्ररूप माई.दी.एम.एस. -----

जायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) -

भ्रर्जन रेंज, मद्राम

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1983 .

निदेश सं० 17427—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, जायकर विधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

· श्रौर जिसकी सं० 11 है, जो वलूरम स्ट्रीट मद्रास-12 में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पुरसवाखम (डाकूमेंट सं० 1248/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई ेिक सी आयुक्ती बाबत, उन्नस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) लक्ष्मी श्रम्भाल

(प्रन्तरक)

(2) श्रनमप्पन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

भूमि श्रीर निर्माण-11, बलूरम स्ट्रीट, मद्रास-12। (डाकूमेंट सं ० 1248/82)।

श्रार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मब्रास

विनांक : 1~3-83

्र प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1983

निर्देश संख्या 17420 — यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एकाट 33, है जो सदापेट में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोठमपाटनम (डाक्सेंट सं 2456/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 1982

को पूर्विक्त सम्मित्त के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्विक्त सम्पित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नितिब्रत उद्दोश्य से उन्नत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जुन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उससे बुज्य में सुविधा के सिए; और/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थ्रा, छिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री के० नटराजन

(ग्रन्सरक)

(2) श्री बी॰ दोरैराजन

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के मर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास तिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनसर्ची

भूमि श्रौर निर्माण—एसाट 33, सैदापेट · (डाकूमेंट सं० 3456/82)

> श्रार० पी० पिल्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, खक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

दिनांक: 1-3-83

महिर् 🛭

प्ररूप भार्ष: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1982

भ्रार० ये० सी० न० 543/82-83--यतः, मुझो, एम० जैंगन मोहन,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य । १५,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 26 हैं, जो मद्रास रनीवह विसाखापटनम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विसाखापटनम में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908. (1908 का 16) के श्रधीन 19 जुलाई,

को पूर्विकत सम्पति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (क) जन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त अपितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जीव नारायणाराजू श्रीर ग्रन्य चार, सीतम्मापेट वैशाक ।

(मन्तरक)

(2) दि डीक्टर्स को-म्रापरिटव् हाउसिंग बिल्डिंग सोसायटी सेक्रेटरी, पी० रामारात्र, विसाखापटनम ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतलकी

खुली जमीन, सर्वे नं० 26, मुदासरलोवा, विसाखापटनम, विस्तीर्ण 42.85 चौ० सेंट्स, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विशाखा-पटनम वैमाक, रिजस्ट्रीकृत विलेख नंबर निम्न प्रकार से हैं।

(1)7251/82, (2)-7248/82, (3) 7243-82,

(4) 7242/82 और (5)7238/82।

एम० जैगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद।

· दिनांक : 5-3-1983

भोहर :

प्ररूप बाइँ. टी. एन. एसं. - - - ----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज; हैवराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 5 मार्च, 1983

ग्रार० ये० सी० नं० 544/82—83—्यतः, मुझे एम० जैंगन मोहन,

आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्वात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस. सं० 26 है, जो मद्रासरलोवा विसाखापटनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यालय विसाखापटनम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 जुलाई, 1982

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वे कित संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उत्तरे बचने में सृष्टिभा के लिए और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उर्वत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जी० रामकृष्णराज् श्रीर चार, सीताम्पोटा, विजाखापटनम 16।

(श्रन्तरक)

(2) दि डोक्टस को-ग्रापरेटिय हाउसिंग बिल्डिंग मोमाइटी, वैशाक ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्ये :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त स्थीक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्वभ किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एस० वं० 26, मुदासरलोवागांव, विशाखापटनम, विस्तीर्ण 42.85 सेंट्स रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विशाखापटनम रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० निम्न प्रकार है।

(1) 7241/82, (2) 7239/82, (3) 7247/82, (4) 7244/82, (5) 7240/82।

एम० जैंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 5-3-183 मोहर: प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अभीन सूचा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च, 1983

ग्रार० ए० सी० नं० 545/82-83---यतः, मुझे,एम० जेगन

मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं एसं नं 26 है, जो मूदासरलोवा वैझाक में स्थित है, (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त को निष् अन्तरित की निष्ट हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का निष्ट का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त **अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के** दासित्व में कमी करने या उममे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असिस्तयों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए;

(1) श्री जी० रामकृष्णा राजू ग्रौर ग्रन्य 3, प्रकाशरावपेट ग्रीर सीतमपेटा, विणाखापटनम-16 ।

(अन्तरक)

(2) दि डाक्टर्स को-म्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, वैझाक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त हुथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

खुली जमीन एस० नं० 26, मुदासरलोवा नाय विकास 0.42.85 सेंट्स रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी विकास्त्रापटनम रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० निम्न प्रकार से हैं:-

(1) 7245/82, (2) 7250/82, (3) 7246/82, (4) 7249/82,

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

22-6GI783

दिनांक: 5-3-1983

मक्रहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० मी०/546/82-83---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।
श्रीर जिसकी मंज 49-28-15 हैं, जो श्रालीपुरम, वैझाक में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, वैझाक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्लास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदृश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हर्र्इ िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्री प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निग्निजियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सी० एच० कमला, मधुरानगर, वैझाक-16, 2. सी० एच० मलिकार्जुनराव, वैझाक-16 ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ वी॰ एस॰ एस॰ एन॰ रामलिगाराजू, मधुरानगर, वैमाक-16।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

. उक्त सम्पत्ति के अ**र्जन के सम्बन्ध में कोई भी** आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

घर संपत्ति नं 49-28-15, श्रालीमपुण्म वार्ड, मधुरानगर, वैझाक, विस्तीर्ण 112-2/4, चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 8182/82 श्रौर 8183/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, वैझाक ।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1983

प्रकम वार् , टी. एत्., एव.-----

भायकर भौभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 547/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 49-28-15 है, जो श्रालीपूरम; वैझाक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वैझाक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नितिबत उद्विश्य से उक्त कन्तरण निम्नितिबत में बास्त-

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाव की बावत उच्च विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केसी करने या सबसे वचने में सुविधा के सिये; और/41
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गंग में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्री सी० एच० जगन्नाधराव, पिता पट्टाभिराम, मधूरानगर, वैद्याक-16 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी॰ सरस्पती,
पति डी॰ व्ही॰ ए॰ एन॰ गजपितराजू,
गुप्ता विधी,
भीमुनीपटनम,
विजयानगरम जिला ।

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभाहस्ताक्षरों में पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

घर संपत्ति, घर नं० 49-28-15, स्रालीपूरम वार्ड, मधूरानगर, वैझाक, विस्तीर्ण 112/9, चौ० गज रिजस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 8837/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, वैझाक ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहांयक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखाः 5-3-1983

अरूप बाइ^{*}.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 548/82-83—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में प्राधक है

स्रौर जिसकी सं 42-1-33 है, जो वल्ताभाई स्ट्रीट, काकी-नाडा में स्थित है, (श्रीर इसन उपाबड स्रतुसूची में और पूर्ण स्था से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं तम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे

वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

क भिग्; और/या

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उनका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा
- (खैं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय का, जिन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य. धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उथतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण गं, सी, उबत अधिनियमं की भारा 269-धं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकिंसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री पी० श्री रामाकृष्णय्या, पिता चैलमय्या।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ब्ही० मलेण्वर राव, पिता ग्रापाराव, काकीनांडा ।

(अन्तरिती)

ं को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, णों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षण के पाम निस्ति में किए जा सकेशे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनसकी

घर संपत्ति, घर नं० 42-1-33, वल्लभाई स्ट्रीट, काकीनाडा विस्तीर्ण 100 चौ० गज र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6500/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज, हैदराबाद

नारीखः : 5-3-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश मं० ग्रार० ए० मी० 549/82-83—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं 195 है, जो श्रोंगल में स्थित है (ग्रॉर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रोगल में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन जन्म ई 1982

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पीया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्वेश्यों से उक्त अंतरण विकात में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ूया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रेजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुस्रण मो, मैं उक्त अधिनियमं की बारा 269-ध की उपनारा (1) के अधीन, निम्मितिकार द्यक्तिया, अधीत् :----

- (1) (1) श्री पी० वेंकटरामय्या ।
 - (2) गोपीचन्द ।
 - (3) मीरीयालपालम, ग्रोंगल ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स श्री धनलक्ष्मी सिल्क पैलेस, श्रीगल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किसी की किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति घर नं० 195, ग्रोगल विस्तीर्ण 468 ची० गज इमारत ग्रीर 288 ची० गज वरांडा छत के साथ राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3000/82 ग्रीर 3001/82, राजिस्ट्री-कर्ना ग्राधकारी, ग्रोगल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुफ्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 5-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० 650/82-83—यत:, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 610 है, जो नरसाराबपेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नरसाराबपेट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जलाई 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान भातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का शहूद प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उसत अंतरण लिमित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922. (1922 का 11) या उन्सा अधिनियम गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) 1. श्रो मो० एच० चन्द्रशेखर राख।
 - श्रीमती सी० एच० वेंकटा नरसाम्मा ।
 - श्रीमती एस० प्रभावती, नस्सारावपेट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ रघुरामा रेड्डी, मैनेजिंग पार्टनर, अप्सरा थिएटर, नरसारावपेट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्ययं में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ है या, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

खुली जमीन नरसारावेपेट मुर्निसपल बार्ड नं० 4, नायाबार्ड टी० एस० नं० 610, विस्तीर्ण 2567/1/2, चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5087/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, नरसारावेपेट ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्चे 1983

निदेश सं० श्रार० ए० मी० 551/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रेंग्ड से अधिक है

और जिसकी सं० श्रीनिवासा थेटर है, जो भीमावरम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भीमावरम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिणित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वसने में सृविधा के लिए। और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री टी० कृष्णामूर्ति, विता लक्ष्मीनारायण गार्स्या, 22वा बार्ड. गुनीपूडी, भीमायरम-1, वेस्ट गोदायरी जिला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री व्ही० वेंकटरामराजू, पिता सूबाराजू, कालनेपल्ली, भीमावरम, वेस्ट गोदावरी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमची

खुली जमीन श्रींनिवासा थिएटर, विस्तीर्ण 59-3/4, मेंटस, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2525/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रिधकारी भीमावरम ।

एम० जेगम[ं] मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-3-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश मं० ग्रार० ए० सी० 552/82-83—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 12-12-65 है, जो गूँटूर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के किए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित्य में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था का वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) 1. श्री कें श्रजनेंयुलु
 2. श्री के राजेक्वर राध,
 कांथापेटा,
 गृहुर ।

(खन्परक)

(2) 1. श्री के० सोवपनकालू 2. श्री उपेन्द्र गुप्ता, कोंथापेट, गृदुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिग्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ऊपर का मंजिला, श्रोल्ड क्लब रोड, कोथापेट, गूटूर घर नं० 12-12-65. विस्तीर्ण 390-1/: चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 72-7/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, गृंट्र ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी बहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख : 5-3-1983

महिर :

प्रकम बाह्र . सी. एव . एव . --

मापकर मिरिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचमा

शारत शरकार

कार्मालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक, 5 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 553/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य

25,000/ रह. से **मधिक ह**ैं।

श्रौर जिसकी सं० डी० नं० 66 है, जो मंगलगिरि में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मंगलगिरि में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित में बास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया पता वा वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए;

जत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
23—6GI/83

(1) व्ही० लक्षमध्या पिता सुब्बस्या, चीना वडलापृडी, मंगलपूरी तालुक, गूटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री वाई० धरमाराव पिता फकीरय्या, पैदावडलापुडी, मंगलगिरी, गूटूर ।

(घन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी कस्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन मंगलागिरी तालुक, घर नं० 66, विस्तीर्ण 0.90 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3301/82, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी, मंगलागिरी ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-3-1983

प्ररूप आहूं. टी. एन. प्स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश स० श्रार० ए० सी० 354/82-83---यतः, मुझे, एम० जेगन भोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० सर्वे नं० 24/4 है, जो वडलापूडी में स्थित है (श्रौर इसने उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री क्वा श्रधिकारी के गकार्यालय, वैशाक में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, लुधीत्:—— (1) श्रीमती एय० परीनदेवी अलियास चीत्तेमा पति कनम नायडू, वैशाक ।

(भ्रन्तरक)

(2) दी फ्रैंडस को-श्रापरेटिव ह। ऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि० रजिस्टर नं० बी० 10807, विजयवाड़ा ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

खुली जमीन ग्राप्र एस० न० 24/4, विस्तीर्ण ा एकड़ 65 सैंट्स, वडलापूडी, वैभाक के पास रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7589/82, रजिस्ट्रीयती श्रधिकारी, वैभाक ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद्य

तारीखा : 8-3-1983

प्ररूप. मार्च. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना *

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां 8 मार्च 1983

निदेश सं० ग्राप्त ए० सी० 555/82-83—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,000/- रह. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी मं० डी० नं० 5 है, जो गृंदूर में स्थित है (ग्राँर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गूंदूर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) क ग्रिधीन, जुलाई

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री के० सुब्बाराय, विद्यानगर, गूंटूर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० मधुसूदन रेड्डी, 2. मुभासीनी रेड्डी, ब्राडीपेटा, गृट्र ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर प्रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्च

घर नं० 5, वार्ड नं० 18,घर संपत्ति, गूंटूर ब्लाक नं० थ 23 टी० एस० नं० 1749, विस्तीर्ण 1621 चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7544/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, गूंटूर ।

> एम० जेगन मोहन सम्रम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 8-3-1983

प्रक्ष पाई॰ टी॰ एन॰ एस०--

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैसराबाद

हैयराबाय, दिनाक 8 मार्ज 1983

निदेश सं श्राप्त य० सी० 556/82-83—श्रतः मुझ, एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिपकी सं० अससमेंट नं० 718 है, जो गूडुगोलनू भीमाडोलू में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय, भीमा-डोलू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, जक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या जससे वचने में सुविधा के लिए; ब्रॉप्ट/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अंत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० बाला सुर्यनारायणाराजु, गुडुगोलनु भीमाडोलू तालुक, येलुरु जिला ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. डी॰ नरसीम्हारोज् ग्रौर मन्य, सीन गुडूगोलनू, भीमाडोलू, येजक जिला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

खुली जमीन विस्तीणं 450 चौक गज 14 टाइस्ड गोवाम, गुंडुगोलन्, भीमाडोल्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3.642/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, भीमाडोल् ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैयराबाद

सारीख: 8-3-1983

प्रकप भाई० टी• एन•एस•—

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निर्वेश सं आर् ए० सी० 557/82-83—अतः मुझे, एम० जगन मोहम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना प्रतिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं आरं एस नं 136 हैं, जो ताडेपल्ली-गूडम में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, येलूर में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, जुलाई 1982

- को पूर्वाक्त सम्परित के उपित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है घोर मुझे यह विश्वास करन का कारण ह कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरित से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घोर पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण मे हुई किसो आय की वावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के खण्तरक के दायिस्य में कमी करन या उससे वचने में सुविधा के लिए, थोर/मा
 - (ख) ऐसी ब्रेकिस भाय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर पश्चिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अधीत् :—

(1) श्री बी० राम कृष्णा पिता बोमीरेड्डीपल्ली, रामलिंगेश्वर राव, नालजेरला । 2. व्ही० व्ही० का लेस्वरा राव श्रीर मुद्रमन्यम दोनों के पिता रामलिंगोमुता, येलुरु ।

(ग्रन्सरक)

(2) मसर्म गीता मंदिर संघम बाई श्रीमती पेनमेट्साम्राप्पालानरसम्मा पति सोमराजू, ताडेपल्लीगुडम् ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क प्रजंन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कांगे।

स्वक्टीक पणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

खुली जमीन,विस्तीर्ण 1115, चौ० गज ग्रार० एस० नं० 136, तांडेपल्ली गूंडम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5055, 5056/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, येलूर ।

> एंम० जेगन मोहर्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-3-1983

प्ररूप आइं टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 माच 1983

निदेश सं० श्राप्त ए० सी० 558/82-83--- श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स ध्रे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 1771 है, जो येलुक में स्थित हैं (श्रॉप्ट इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, येलुक में प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-निक कप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अभने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री वी० राघेवेन्द्रा राव श्रौर ग्रन्य 4, इस्टर्न स्ट्रीट, येलुक ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती एम० लक्ष्मी पित बेंक्टसुब्बा राव, रामचन्द्रा राव पेटा, येलुरु ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धेखत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

खुली जमीन टी० एम० नं० 1771, म्युनिसिपल लिमिट येलुरु, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5491/82, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी, येलुरु।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

श्रार्गन रेंज, हैदराबाय

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० 559/82-83---ग्रनः मुझे, एम० जॅगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

35,0007- स. स. आवक है और जिसकी सं० 5-25-16 है, जो ब्रांडीपेट में स्थित हैं (श्रीर श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुंटूर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री द्वारक गोपीचन्द पिता द्वकम्मा, लक्ष्मीपुरम, गुटुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शेख मोहम्मद खलील पिता मस्तान साहब, ब्रांडीपेट, गुटुर ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

घर संपत्ति डी०नं० 5-25-16, ब्रांडीपेट, गुंटूर रिजस्ट्री- इत विलेख नं० 6856/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, गुंटूर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद्य

तारीखा : 8−3−1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
• श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्व 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 560/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

जावकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतर्जे इसके पश्चात् 'हाक्य, अधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्यति, जिल्ला उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 20-1-5 है, जो काकीनाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते बह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यवसान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रति-क ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निमित्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त बिधित्यम के अधीन कर देने के अंत्रक के दायित्य में कमी करने या उत्ते बचने में त्रीवधा के लिए; बौर/मा
- (स) एति किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ' के अधीग, निस्निसित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :— (1) श्री ए० नागरत्नम, एस० बी० ग्राई०, कालोनी, राजमुङ्गी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० एच० बेंक्टश्रीकांत पिता सी० एच० श्री हारी राव श्रीर श्रन्य दो, श्रीनगर, काकीनाडा।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाधन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त कच्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियन गया है।

मनुसूची

घर संपत्ति, घर नं० 20-1-5, मेन रोड,काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6719, 6718 और 6720/82,तीन म्रलग-म्रलग सेल डीड, रजिस्ट्रीकक्त मधिकारी,काकीनाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 8-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, हैवराबाद

ं हैदराबाय, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 561/82-83--- प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भार० एस० नं० 54 है, जो करुलूर, विजयवाड़ा में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं. और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी जाय की बाबस, उक्स जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्मरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय ना किसी अन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निस्तिवित् स्यक्तियों, अर्थात् ;---24 --6GI/83

- 1. श्री एल० नारायण राव पिता वेंकटप्पया, सूर्याराव पेट, विजयवाड़ा ।
 - श्री जी० साम्बाणिय राव पिता शेषागिरी राव, तुम्मूर, विजयवाड़ा ।

(भ्रन्तरक)

(2) दी पंचायत राज डिप्लोमा इंजीनियरिंग को-म्रापरेटिय विल्डिंग सोसाइटी, बाई म्रह्मक्ष श्री यरलागड्डा रंगाराव पिता राघवय्या, विजयवाङ्ग । (भ्रन्तरिती)

,

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकोंगे।

स्प्रमीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

खुली जमीन, कल्लूरू आर० एस० नं० 54, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 0.50-सें1/2, सेंट्स + 0-50-1/2 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7627 और 7628/82, रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जगन मो**हन** सक्षम प्राधिकारी संहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

लारीखाः 8-3-198३

म्मेब्रुर 🖫

प्ररूप आई. टी. एनं: एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1823

निदेण सं० ग्रार० ए० सी० 562/82-83---श्रतः मुझी, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धास 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 21/103 है, जो ताडीतोटा, राजमुंड्री में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजमुंड्री में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंदरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री पी० सर्वेष्ट्यर राव, पिता श्राप्पा राव श्रौर श्रौर श्रन्य तीन, मंगलवारपुपेटा, राजमुंड्री ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री जी० पुरुषोत्तम पिता मृसलनायुलु, इनीसपेटा, राजमुंड्री ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम्स सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या देत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है !

वनुसूची

खुली जमीन, ताडीतोटा राजमुंडी, घर नं० 21/103 ए० 8, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5245, 5247, 5246 श्रीर 5244/82, रिजस्ट्रीक्त श्रीधकारी, राजमुंडी विस्तीर्ण 267-59 चौ० गज 240 चौ० गज, 240 चौ० गज श्रोर 262/1/9, चौ० गज।

एस० जगन मोहन सक्षम 'प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

नारीख: 8-,3-83

प्ररूप आर्द्ध र टी. एन ः एस .- - - ----

आयकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 563/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 61/1 श्रौर 65 है, जो काकीनाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री टी॰ के॰ जगन्नाम सिंह श्रीर श्रन्य, 4, राजमुंड़ी ।

(भन्तरक)

(2) श्री डी० जानकीराम राजू भौर भ्रन्य 18. काकीनाडा तालुक, काकीनाडा । .

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2.75 एकड़ काकीनाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6975/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-3-1983

प्ररूप आर्हा. टी., एन , एस. ------

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ् (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 माच 1983 निदेश सं० ग्रार० ए०सी० 564/82-83—ग्रतः सुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 131/1 है, जो साम्बु-मुतीनगर, काकीनाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह अतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और मन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किमी आय की बायत, उमत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/मा
- (ख) एनी किती प्राय या किती धन या अन्य चास्तियों को, जिस्तें भारतीत प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनियम, या धनक्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उनत धिविषयम का धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपश्रादा (1) भी अभीन निम्नुलिखित स्पृतित्यों हो सर्थात्स— (1) श्रीमती एम० लीक्षावती वेलममबा पति पल्लमराजू, लचीराज् स्ट्रीट, मूर्यारावपेट, काकीमाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० नारायणमुती पिता रामशा श्रीर श्रन्य 23, मदीवीर, भाकी बीर तालुक, यस्ट गोदावरी। जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त समास्ति के धर्मन है संस्वन्त्र में कोई भी प्राक्षेप 🚈

- (क) एस पूर्वा के राजरव में प्रकाशन की तारीख से 45 विच की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीव ने 30 विच की अविध, जो की श्वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दाराः
- (ख) इस मुचना के राजाझ में प्रकाशन को नारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीक्षरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पढ़ों का, जो उनत धिकि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ो ग्रथ होगा, जो उन प्रध्यार में दिया गया है।

जनसर्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 5 एकड, 38 सेंट्स, काकीनाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख गं० 5764/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, काकीनाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सद्दायक भामकर मामुक्त (निरीक्षण). भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1983

मोहर 🕒

प्रकप बाई• टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा **269-ण (1) के स्**भीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 565/82-83—म्प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एम० नं० 63/3 है, जो कप्पारडा, वैझाक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वैझाक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

जतः अंब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहम्मद इन्नाहिस, कप्पारडा, वैद्याक जिल्ला।

(भ्रन्तरक)

(2) बी० कोपालापटनम कोग्रापरेटिय बिल्डिंग सोसाइटी लि० रिजस्टर्ड नं० बी०-1335, गोपालापटनम, वैशाक जिला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए एतबुद्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त के प्रर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !---

- (क) इस नूचना क राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो तो धवित बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन काकित्यों में कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपन्न में प्रकरणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त प्यानर संपत्ति में
 दितसद किसी मन्य श्यावित द्वारा, भन्नोहस्तासारी
 के पास निजित में किए आ निजेंगे।

स्पष्टीकरण----इसमें प्रयुक्त गड्यों और पदों का जो 'उनत अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस्</u>ची

खुली जमीन एस० नं० 63/3, कप्पाराष्टा, वैश्वाक रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 6846/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, वैद्याम ।

> एम० जेगन मोह्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्ज रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 566/832-83—-ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 32-1-10/2 है, जो मोगल राज पूरम, विजय-वाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के खर्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, गर्भात्ः— (1) श्री सी० एच० पुरनाराध, पिता सुक्याराव, मोगलराजपुरम, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वेंकट सुधाकर श्रीर श्रन्य, मोमलराजपुरम, विजयवादा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

इमारत घर नं० 32-2-10/2, मामलराजपुरम, विजय-वाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7714/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, विजयवाधा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-3-1983

मोहर ः

हरूप आहो दी एवं , पर .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधील स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश स० ग्रार० ए० सी० 567/82-83--ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 12-2-104 है, जो बाबू राजेन्द्र प्रसाद रोड, विजयबाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब ब्र ग्रुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याक्ष्य, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विद्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-रिक कम से किया नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-मियम के बधीन कर दोने के अध्वरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीप/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, बिन्ह भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुविधा औ निए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्री जी० वेंकटा मृरलीक्टब्णा श्रार्या, गवर्नर पेटा, विजयवाड़ा ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री प्रेमप्रकाश चन्द्र प्रोपराइटर, न्यू भ्रादर्श, बोर्डिंग एण्ड लाजिंग, भ्रार० पी० रोड, विजयवाडा-1 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्खि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्मुची

1/10 भाग, संपति घर नं० 12-2-104, बाबू रा जेंद्र प्रसाद रोड, विजयवाड़ा-1 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8350/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1983

प्ररूप नाईं. टी. एन्. एस. ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश, सं० श्रार० ए० सी० 568/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

मोर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 6/1 है, जो गूनदला जिल्लायवाड़ा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा श्रीधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्कविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृष्धित के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

भतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, तक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के स्वीन, निर्मानियत व्यक्तियों, सर्वात्ः— (1) श्रीमती एम० जयश्री पित्न वेंकट सीताराम, मोगलराजपुरम, विजयवाङ्गा.।

(भ्रन्तरक)

(2) विद्यालता इम्पलाइज को-ग्रापरेटिय बिस्डिंग सोसाइटी ए०-2767, विजयवाड़ा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन द्यार० नं० 6/1, गूनदला, विजयवाड़ा तालूक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7570/82, रजिस्ट्रीकृती ध्रिधिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैसराबाद

तारीख : 8-3-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप. माइ^{*}. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना '

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० 569/82-83--- ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

सीर जिसकी सं० यतः नं० 9/3 है, जो रुषीकोंडा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचीमें भीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैणाक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार्थ से सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 25-6GI/83

(1) श्री एम० प्रप्पन्ना श्रीर श्री एम० मूसल्प्या, रुषीकोडा, यंदाडा पोस्ट, वैझाक ।

(मन्तरक)

(2) श्री कृष्णा कोम्रापरेटिव हाऊजो बिर्हिशीग सोसाइटी लि० बी०--1624, विशाखापटनम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 9/3, रुपीकोंडा, विशाखापटनम तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7468/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रिष्ठकारी, वैशाक ।

> एम० जेगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-3-1983

मोहर ः

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र मामूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 570/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 52/1 है, जो विशाखापटनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, विशाखापतनम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बिक्त बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिनों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिसिस उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिध-मियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और /या
- (अ) एसी जिसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० श्रीराममूर्ति पिता श्री रामुलु, गंगावरम, प्रकाशम जिला । 2. श्रीमती जे० शिव कुमारी पति श्री जे० नागेश्वर राव लेक्चरर श्रान्ध्रा युनिवर्सिटी, वाल्टीयर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मी प्रपार्टमेंटस, बाइ मैनोजग पार्टनर, श्री सी० यच० वेंकट पथीराजू, घर नं० 13-9-5, माहाराणीपेट, वैझाक।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुसी जमीन विस्तीर्ण 700+725 चौ० गज ब्लाक नं० 4 टी० एस. नं० 5221, प्लाट नं० 9, वास्टीयर वार्ड विशाखापतनम नगर सुधार विभाग रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7200 श्रीर 7201/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, वैझाक ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायुक्त श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1983

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 571/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रार० एस० 35/2 है, जो विजयवाड़ा में में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती '(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयक द अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बी० बरलक्ष्मीम्मा पति **मेषागिरी राव** ग्रीर ग्रन्य 6, विजयवाडा

(भ्रन्तरक)

(2) प्रापरटी डेबलपमेंट कॉरपोरेशन बाई पार्टनर जी० ग्रादिनारायणा पिता सीतारामय्य, विजयवाडा

(भ्रन्सरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में मार्हि भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विजयवाड़ा, आर० एस० नं० 35/2, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7807, 7805, 7806, 7808, 7809 और 7810/82, विस्तीर्ण 1 एकड़ 78 सेंट्स, 1 एकड़ 78 सेंट्स, 1 एकड़ 79 सेंट्स, 1 एकड़ 79 सेंट्स आर० 1 एकड़ 78 सेंट्स।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1983

मोहर 🖫

प्रारूप भाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्कण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० 572/82-83—ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

स्रायकार सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त सिंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-, रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 793, 792, 793/2 है, तथा जो पेंदाकाकीन गूटूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद धनुसूची में धौर पूर्ण स्प से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित का जिलत बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का जिनत बाजार मूल्य, जसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त जब्देष्य से जनत अन्तरण जिल्हात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त की अभिनयम के अभीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध्य के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, गि957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निर्हे।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निक्नसिकित व्यक्तियों,अर्थात् :--- (1) श्री एम० रामारेड्डी पिता नागारेड्डी भौर श्रन्य 6, वैंनीगंडला, गूंटूर श्रौर पेदाकाकनी, गूंटूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) दी गूंटूर को-म्रापरेटिव हाऊस कन्स्ट्रक्शन सोसाइटी लि०, बाई ध्यक्ष श्री जी० लक्ष्मीनारायणा, गूंटूर ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां गुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप ुर्न-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन मे पेदा काकनी, गूंटूर के पास, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वितरी, गूंटूर घर नं० 793/2 ग्रीर 793 ग्रीर 792, विस्तीर्ण 0.75 एकड़, 0-58-1/2 एकड़, 0.50 एकड़, 0.77-1/2 एकड़, 0.77-1/2 एकड़, 0.50 एकड़ ग्रीर 0.50 एकड़ रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7050, 7254, 7430, 7053, 7059, 7431 ग्रीर 7255/82 ।

एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-3-1983 मोहर :

प्रकम माइ. टी. एन. एस.-----

बायक र मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन क्ष्मा

भारत परकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक, 8 मार्च 1983 निवेश सं० ग्रार० ए० सी० 572/82-83—ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 763, 764 785 है, जो पेदाकाकीन, गूंदूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गूंदूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृशयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्त किस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरम् से हुई किसी नाम की बाबस उक्त जिथ-दिश्य के बधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा की किए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० विरय्या पिता गूरवय्या श्रीर ग्रन्य 5, वेनीगंडला, गूंटूर, पेंद्राकाकनी, गुंटूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) दी गूंटूर को-म्रापरेटिव हाऊस कन्स्ट्रक्शन सोसाइटी लि०, बाई म्रघ्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायणा गूंटूर ।

(धन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्य-

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्रम्बद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

वृत्त्वी

खुली जमीन पेदाकाकनी गांव गुंदूर के पास रिजिस्ट्रीक्सी प्रधिकारी, गूंदूर घर नं० 785, 764, 763 विस्तीर्ण तीन 0.90 एकड़ एक 0.60 एकड़ 0.53-1/4 श्रीर एक 0.53 एकड़, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7049, 4607, 7072, 7436, 7435 श्रीर 7252/82।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन्. एस . -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबांद हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निवेश सं० भ्रार० ए० सी० 574/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० डी० नं० 794 है, जो पेदाकाकनी गूंटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जलाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया बाना जाहिए था, खिपाने में सुनिश्य के लिए;

असः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री एन० आर० नायक पिता रेंड्डम्मा नायक, ग्रीर श्रन्थ 7, वेनीगंडला । गृंट्र ।

(अन्तरक)

(2) दी गूंटूर को-ग्रापरेटिय हाऊस कत्स्ट्रक्शन सोसाइटी लि०, गूंटूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्हें कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्बद्ध के किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

मन्सूची

खुली जमीन पेदाकाकनी, गूट्र, सभी का डी नं० 794, र्जिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, गूट्र विस्तीर्ण $0.90\,\mathrm{एक}$, $0.60\,\mathrm{एक}$, 0.47-1/6, $0.48\,\mathrm{एक}$, 0.47-1/6, $0.47\,\mathrm{एक}$ मौर $0.47\,\mathrm{रिजिस्ट्रोक्टन विलख नं० 7051, 7071/ए० 4613, 7055, 7052, 2063/ए० 4606, 7062/ए० 4605, 7070/ए०, 612, 7069, 4611।$

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 8-3-1983

मोहर ः

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रायं कर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरमार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० 575/82-83--- श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन भायकर ग्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा

269-ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- रु॰ से भ्र**धिक** है

श्रौर जिसकी सं• भ्रनुसूची में देखिए जो, गूंदूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाब ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गृंदूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विष्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वीक्ष सम्पत्ति का खित बाजार मृख्य, इसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्डह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खड्डिय से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाब्त, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्त्रक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स्त) एेसी किसी अगय या किसी अनुया अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनिय्म, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ्याकिया जानाः **चाहि**ए **दा, छिपा**ने में स्विधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की घारा 265-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, निम्ननिवित व्यक्तियों, वर्षाब् प्र---

- (1) श्री श्री० गोबिन्दय्या पिसा तीर्रेपतय्या स्रोर भ्रन्य 5, पेदाकाकनी, गृंटूर, **ग्रौर वेनीगंडला,** , गृंदूर । (अन्तर्भः)
- (2) दि गूंटूर को ग्रापरेटिव हाऊस कन्स्ट्रक्णन सोसाइटी लि०, बाई **ग्रध्यक्ष** श्री गृंडावंरपू लक्ष्मीनारायणा, गुंदूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य≁ वाहियां गुरू करता हुं।

अपन सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आयोपः——

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियौपर सूचना की तामील से 30 दिन की घवजि; जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस मूचनाके राजपद्धा में प्रकाशन की तारीखान 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वस्तावारी के पास सिव्चित में किए जा सकेंगे।

स्रव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्न्दों और पदों का, जो सकत ममिनियम, के मध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगाजो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

बुली जमीन पेदाकाकीन गूंटूर के पास रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षिकारी गुंट्र घर नं० दोनो का 791 श्रौर दोनो का 799/2 798/1, और 796/1, विस्तीर्ण 0.47, 0.88 एकड़ 0.82 एकड़, 0.45 एकड़ 0.88 एकड़ श्रौर 0.90 एकड़, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 7352, 7246,7253, 7050,7244, **ग्रीर 7428/2** ।

> एम० जेगन मोहन प्राधिकारी सक्षम सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदरामाद

तारीच : 8-3-1983

मोइर :

प्ररूप नाइ. टी. एव. एस.------

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च. 1983

निवेश सं० भ्रार० ए० सी० 576/82-83—श्रत: मुझे, एस० अगन मोहन श्रीयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

श्रीयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख श्रधीन संज्ञा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो पेदकाकनी, गूटूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (शा) एंगी किशी जान या किसी शन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, विश्व विश्व अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में मिकिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री बी० मुन्यरा राव वैनीगंडला, गृंटूर।
 - 2. श्री शेख गालिब साहब तुराकपालम , गुंदूर ।
 - अभी जे० वेंकटेश्वरलु असी वही ।
 - श्री ए० रामलू, –वही– । (ग्रन्तरक)
- (2) वी गूंटूर को-श्रापरेटिव हाऊस कन्स्ट्रवशन सोसाइटी लि० बाई श्रम्यक्ष श्री गूंडावरपू लक्ष्मीनारायणा, गंटर ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गांधीप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी कर्स से 45 विश्व की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवाया।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

प्रनुसूषी

खुली जमीन पेदाकाकनी गूंटूर पास रिजस्ट्रीकर्ता प्रिधकारी, गूंटूर घर नं० 787, 781, 723 और 31, विस्तीर्ण 0.99-1/2, 0.55 एकड़, 0.75 एकड़ और 0.93 एकड़, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7243, 7245,7060 और 7434/82।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 8-3-1983

प्ररूप **नार्ध**ः दी. एन्. एस्. ऱ-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 577/82-83—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में है जो गोरंटला, गूंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गट्र में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) ब्रुक्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त स्यक्तियों, जर्जात्:—— ३५ ——6GI/83

(1) श्री डी॰ पोयूराजू ग्रौर भ्रन्य 6, गुटूर ।

(श्रन्तरक)

(2) दी गूंटूर को-श्रापरेटिय कन्स्ट्रक्शन सोसाइटी लि०, गुंटुर ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभू किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जम् एकी

खुली जमीन, गोरंटला, गृंद्र के पास, रिजस्ट्रीकृत विलेख न॰ 7189, 7180, 7181, 7182, 6866, 6969, 7374/82, बिस्तीर्ण 38-1/2, एकड़ (तीनों पका) 0.40 एकड़ भौर 0.81 एकड़, घरनं∘ तीनों का 133 ₹189/सी 1, 189/एच एन श्रौर 135/श्राई बी ।

> एम.० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-3-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्**म**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 भार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 578/82-83—श्रतः मुक्षे, एम० जगन मोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसाकि श्रनुसूची में है जो गोरटला, गंटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गूंटूर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती, (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा क लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री पी० सुब्बा रेड्डी श्रीर श्रन्य 6, गूंटूर ।

(अन्तरक)

(2) दी गूंटूर को ब्रापरेटिय कस्स्ट्रक्शन सोसाइटी लि०, गूंट्र ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति . के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

खुली जमीन रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7193, 7194, 6867, 6721, 6664, 6741, भ्रौर 6740/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, गूंट्र विस्तीर्ण 0.57-1/2 एकड़, 0.57-1/2 एकड़, 0.48 एकड़, 0.57 एकड़, 0.60 एकड़, 0.43 एकड़ भ्रौर 0.44 एकड़ 0.43

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक** तोयक श्रायुक्त (निरीझण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 8-3-1983

प्ररुप नार्द . टी . एन . एस . ------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के सकीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 579/82-8 — आत: मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- इ. से अधिक है

भीर जिसकी सं० डी० नं० 41 है, जो वेनीगंडला, गूंटूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, गूंटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी माय मा किसी जन या प्रन्य मास्तियों को, जिन्हें सारतीय भायकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या धनत अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया या मा किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

सतः स्वयं, उत्तर वीभीनवमं की भारा 269-व से अनुसरण मं, सं, उत्तर वीभीनवमं की भारा 269-व की उपधारः (1) के अभीम निम्निकित व्यक्तिस्तं, वर्षात् स (1) श्री बी० गनी नारयक पिता नागानायक, वेनीगंडला, गूंटूर ।

(मन्तरक)

(2) दी गूंटूर को-म्रापरेटिव हाउस क-स्ट्रक्शन । ल० गूंटूर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप्:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध , किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्रष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, किही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुलो जमीन वेनीगंडला, गुंटूर डी० नं० 41, विस्तीर्ण 0.69 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7433/82, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी, गृंटूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 8-3-1983

प्ररूप आर्दः टी. एत. एस. ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 668/82-83--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269- व के णधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- कि. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 8-2-541/1, 2 और 4, बंचारा हिल्स् हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद ग्रनुसूबी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1508 (1908 का ग्रिधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्मिनिवित उद्दोषय से उक्त अंतरण जिल्लित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- ्रीक) अन्तरण से हुई जिसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम् को अधीन कर दोने के अंत्रक को दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और∕मा
- (च) पेसी निक्सी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुमा या किया जाना आहिए था, किपाने में सुविधा के शिष्

(1) श्रीमती महबूबुनिसा बेगम पति श्रम्युल कृयुम, दुर्गा उजाले शाहा, सहदाबाद, हैयराबाध ।

(भन्तरक)

(2) मसर्स दील् अपार्टमेंटम, बाई श्रीमती दिलवर बेगम, घर नं० 4-1-875, तिलक रोड, हैक्राबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हूं।

उमत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसुची

परीसर नं० 8-2-541/1, 2 और 4, रोड़ नं० 7, बंजारा हिल्स्, हैदराबाद विस्तीर्ण 1966 चौ० गज रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 4966, 4968 और 4969/82, रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 5-3-1983

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० ग्राप्ट ए० सी० 669/82-83—ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० खूली जभीन है, जो बाजार हिल्स, हैंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ती ग्राधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में राजस्ट्रीवरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, मार्च 1982

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उवत अन्तरण निष्तित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रीमती विजय बनर्जी,
 18, शांति नगर,
 हैदराबाद ।

(धन्तरक)

(2) श्री मी० श्रपी रेड्डी, 15/197. स्टेशन रोड, नाडीपत्नी ग्रानंतपूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 7/2, सर्वे नं० 346/10, रोड नं० 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1406/82, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, खैरताबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीख 5-3-1983 मोहर 🛭 श्रुकप् बार्ड, टी. एन्. एस्. ------

नायुक्तर नृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के मधीन सूचना

HIST SKELK

कार्यालय, सहायक जायक<u>र</u> आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 670/82-83—यतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो बंजारा हिल्स में स्थि। है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के वार्यालय, खेरलाबाद मे राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1909 (1908 का 16) के स्रधीन, जलाई 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

श्रीमती सी० क्लसूम रेड्डी,
 18, शांति नगर,
 हैदराबाद ।

(श्रन्तरकः)

(2) श्री सी० रामी रेड्डी, 15/197, स्टेशन रोड, ताडीपत्री, स्रानन्तापुर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थित्यों में से किसी स्थित द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3, सर्वे नं० 34610, रोड, नं० 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1405/82; रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, खैंरसाबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 5-3-83

प्ररूप आई¹. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी. 671/82-83—यतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी प्लाट सं० 12-ए०, है, जो बंजारा हिलस्, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियाें) के बीच एसें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीनः, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैसर्स भ्रमिल श्रात्मजा को-श्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि०, सेकेटरी, श्री जी० के० राजू. घर नं० 6--3--953, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री व्ही० रिवन्द्रा पिता रामना राव, घर नं० 5--9--22/12, श्रादर्शनगर, हैवराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह गुचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

खुली जमीन, बंजारा हिसस्, हैदराबाद, विस्तीर्ण 350 चौ गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 5499/82, रजिस्ट्रीकृती ग्रिशिशारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैर्दराबाद

तारीख: 5-3-1983

प्रकप. बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैसराबाद

हैदरावाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 672/82-83--यनः मुझे, एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसफी सं० प्लाट नं० 26 है, जो बंजारा हिलम्, हैंदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वे किए सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निक्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्धा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्भ प्रतिल प्रात्मजा को-प्रापरेटिय हाऊरा बिल्डिंग मोसाइटी लि०, बाई संकेटरी: जी० के० राजू, घर नं० 6-3-953, खैरनाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री श्राशक्ष मक्सुद, पिता श्री एम० एम० इशाक, 34, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्म स्थावत स्थाहरताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ष्लाट नं० 26, सर्वे नं० 403, बंजारा हिसस्, हैदराबाद विस्तीर्ण 350 चौ॰ गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5398/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1983

मोहरः

प्रकप प्राई० टी॰ एन० एस॰--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ् स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्साबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 673/82-83—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त ब्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- वि से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है, जो बंजारा हिल्स, हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान् प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिणत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन छद्देय से उन्त अन्तरण निखित में बास्तविक कप से कृषित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

बतः अक, उक्त अधिनिजन की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 27—6GI/83

(1) मसमं अनिल श्रात्मणः को-ग्रापरेटिय हाऊम बिल्डिंग मोलाइटी लि०, बाई श्री जी० के० राजू, घर नं० 6-3-953, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जी० एस० लक्ष्मी, ए-407, 'मातृश्री ग्रपार्टमेंट्स', हैदरगूडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तिरती)

को पद सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्यक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

. प्लाट नं० 8 सर्वे नं० 403, बंजारा हिल्म, हैदराबाद, विस्तीर्ण 300 चौ० गज मीं० या 358.8 घौ० गज रजिस्ट्री-कुस विलेख नं० 5380/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1983

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. -----

पायकर मिश्रिनियम; 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्राचीन सुबना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाष

हैदराबाद, विनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 674/82-83-ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 23 है, जो बंजारा हिल्स, हैयराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैयराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्बंधित ह छिन्त बाजार मृश्य से. कम के वृष्यमान प्रतिक्व के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विम्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्व से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्व से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्व से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्व है भीर मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्व, निम्निविधित हैं स्परित व उक्त अन्तरण विधित में वास्तिक छप से कथित नहीं किया स्था है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स ग्रनिल ग्रात्मजा को-ग्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि०, बाद श्री जी० के० राजू, घर नं० 6-3-953, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० मोहन रेड्डी, घर नं० 3-6-375, हिमायत नगर, हैसराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना. की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत क्यावर सक्पति में हितबग्र किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोदस्तान्तरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: → इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो उपत मधि-नियम के ग्रष्टवाय 20-फ में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

बनसूची

प्लाट नं० 23, रोड नं० 2, बंजारां हिस्स, हैदराबाद, किस्तीणं 350 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5379/82, रजिस्ट्रीकृतीं अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 5-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

न्नजंन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 675/82-83---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उन्जिब बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है, जो बंजारा हिस्स, हैदरा-बाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनिमय, 1908 (1908 का16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत; उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बभने में सुविधा के लिए; खौर√या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी घन या धाय आस्तियों की, जिग्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः प्रवं, उक्त प्रधिनियमं की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं ससे प्रनिल प्राप्तमजा को-प्रापरेटिव सोसाइटी बिल्डिंग लि०, बाद श्री जी० के० राजू, घर नं० 6--3-953, खैरताबाद ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती वरलक्ष्मी, 407-ए, मातृश्री श्रपार्टमेंटट्स, हैदरगुडा, हैसराबाष ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7, सर्वे नं० 403, रोड नं० 2, बंजारा हिस्स, हैक्राबाद, विस्तीर्ण 350 घो० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5378/82, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैक्राबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायकं श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 676/82-83----ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% खंक अजीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार युष्य 25,000/- मपये मे श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10 है, जो बंजारा हिल्म, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जुलाई 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करो का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूटक, उसल बुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुग्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर भ्रन्तरक (अन्तरकां) यार अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के िए तय गा। चगा प्रतिफल, निम्नलिखिन **उद्देश्य से** उन्द्र प्रनदरम नि**खित** तें बासग्रहिम छ। न **कथित** नहीं किया या है :----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीज कर देने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या **उ**ससे बचने में सुविधा के **लिए; भौर/या**
- (ख) ऐसी क्षिण आण का किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरेती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था े किया जान चाहिए था खिपाने में युविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उनत श्रविनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में उनत श्रविनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) मैसर्स म्रनिल म्रात्मजा को-म्रापरेटिय हाऊस बिह्डिंग सोसाइटी लि०, बाद श्री जी० के० राजू, घर नं० 6-3-952, खैरताबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नसीन खतून पति श्री शराब श्रहमद खान, प्रकाश नगर, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीख से 4 के विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पढ़ों का, जो उक्त श्रह-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ो सर्थ होगा, जो उस श्रह्याय में दिया गया है।

जनसंची

प्लाट नं० 10, सर्वे नं० 403, 'रोड नं० 2, बंजारा हिस्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रोक्टत बिलेख नं० 5377/82, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

तारीख : 5-3-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

काय्जिय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 677/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज्य अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यर्थे नं० 129/35 है, जो बंजारा हिल्स हैदराबाद में स्थित है (इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है). रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जलाई 1982

को पूर्शेक्स सम्पत्ति के उनित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता उक्छ जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अथने वी सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् !--

(1) श्री बी० भारनी कुमार रेड्डी, कोंडलापुरी विलेज, नेलौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० वेदेखर रेड्डी पिता एन० वेन्गोपाल रेड्डी, गर नं० 3-5-43/ए०, रामकोट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्याया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, सर्वे नं० 129/35, रोड नं० 12, बंजारा हिल्स, विस्तीणं 976, ची० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5419/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 5-3-1983

मोहरु 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर जिम्मिन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 678/82-83----म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

धौर जिसकी सं० ष्लाट हैं, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वीकत संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायिक में कभी करने वा उन्नसे वृषने में सुविधा के लिए; बाँद/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती राझा श्राली खान,10-3-300,हुमायूं नगर,हैदराबाद-28 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सीता बन्ना, 'रियाझ' रोड नं० 1, बंजारा हिल्स, हैदराबाद-34 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) अन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-धद किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योक्तरण: --इसमें प्रयुक्त गन्दों भौर पदों का, जो छक्त ग्रिधि नियम के ग्रिध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, रोड नं० 14, बंजारा ृहिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 590 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1465/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

तारीख: 5-3-1983

मोहर 🗯

प्ररूप् आइं.टी.एन्.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983 निदेश सं० श्चार० ए० सी० 679/82-83—स्त्रतः मक्षे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्ताद है, जो बंजारा हिल्म, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी घन या अत्य आफ्तियी की, जिन्हों भारतीय आय-कर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त किथिनयम, या धन-कर सिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए:

अतः अबं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित, व्यक्तियों, अधील्ः— (1) श्रीमती राजा म्रली खान, 10-3-300, हुमायूं नगर, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री उदय बता,'रियाझ' रोज' नं० 1,बंजारा हिल्स,हैदराबाद-34 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अच्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वन्दीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनसभी

खुली जमीन विस्तीर्ण 498 चौ० गज, बंजाराहिस्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1464/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3--83

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 680/82-83 - ग्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'डक्त अधिनियम' कहा गर्याहै), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक **हैं**

भीर जिसकी सं० भ्रोपन लैंण्ड है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूग से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्दीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण 😍 कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरिक्तियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसिस उबदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मैं नर्स प्रनिल आत्मजा को-प्रापरेटिव हाऊसिंग सोमाइटी लि०. बाई श्री जी० के० राजू, 6-3-953. खेरताबाद. हैक्राबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संतोप मोहिनीमति उपदेशचन्द्र. घर नं० 23-1-10, चारमिनार, **ई**स्ट हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (स) इस सुचना के राजपण में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9, सर्वे नं० 403, टी०एस० नं० 4/1(पी०) रोड नं० 2, बंगारा हिल्प, हैवराबाद, रजिस्ट्रीफुत विलेख नं० 5328/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० स्ती० 681/82-83--- प्रत मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो सक्तर नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ला बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार निन्नीसिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्तः आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्तिक कावितयों, अर्थात् :---28--6GI/83 (1) श्रीमती के० भारती पति के० सुधीर रेही, 182, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० लक्षम्मा पति लेट पी० नारायण रेड्डी, 182, बेस्ट मारेडपरूली, सिकन्दराबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीस से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुरा हाँ।

अभस ची

प्लाट नं० 3, विमलानन्द को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी सर्वे नं० 10 सरूर नगर, भार० भार० जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5217/82, रजिस्ट्रीकृती अधिहारी, हैंदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 682/82-83--यह: मझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/- फ. से अधिक हैं[,]

श्रौर जिसकी सं० 8-2-685/बी०/9 है, बंजारा हिल्म, हैदराबाट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरनावाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ज्लाई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफला, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त संतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारिहयों को जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना था, छिपाने में ्विधा के लिए:

अतः गब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हरीश कुवार श्रासयाना, 3-6-361/15, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तर्ह)

(2) श्री सी० एच० मावरिया, 16, जीवन पराए रोड न० 2, शांताऋस, बम्बई ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविव या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त . व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसुची

घर नं 8-2-685/बी०/9, रोड नं 13, बनारा हिल्स, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1414/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायदार द्यायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 5-3-1983

मोदुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्ज 1983

निवेश सं० म्रार० ए० मी० 683/82-83--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 4-1-824/ए/1 है, जो जे० एन० रोड, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

करें पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तर्क (अन्तर्का) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण निखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य गास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स डाइमंड बिल्ड्सं, घर नं० 4-1-824, जे० एन० रोड, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दीन नानू झाल बस्तावाला, 12-2-460/2, जीवन कल्याण नगर, मेहदीपटनम, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

अनुसूची

भाप नं० 4-1-824/ए/1, विस्तीर्ण 35.45 गज, जवाहर लाल नेहरू रोड, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5121/82, रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीकण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1983

प्रस्प नार्द ्दी . एन . एस . ------

वासकद क्षिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के क्षीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहाधक भायकर धार्यक्त (निरीक्त्य)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० धार० ए० यी० 684/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत जिमिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिन्नकी सं० श्रोपन लेण्ड है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्त के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिक कम, निअनिविद्य उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिनुक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की नावत, जन्स अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दार्थितन में कभी करने या जससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, विमही भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या कन्क विधिनियम, या कन्क विधिनियम, या कन्क विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोकनार्थ अध्यतियों इवारा प्रकट नहीं किया ववा था वा विधान माना वाहिए था कियाने में स्विधा के निय;

बत: बन, बनत विभिन्तियम की भारा 269-म के समुखरक मों, मों, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निकासिक्षिक व्यक्तियों, स्थात :--- (1) मसर्स प्रनिल मात्मजा को-प्रापरेटिव हार्किसग सोसाइटी, बाई जी० के० राजू, 6-3-953, खैरताबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बदार भ्राहमद खान,
 16-4-683,
 चंचल लगूडा,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को नह सुचना चारी भएको पृष्टिंगतः सुरुप्टिए को अर्थन को सिए कार्यनाहियां करता हुं।

बक्स धम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी को 45 दिन की अपीच या तत्नवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीज से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

अमृत्यी

प्लाट नं० 45, बंजारा हिस्स, हैसराबाद विस्तीर्ण 350 चौ० गज रिजस्द्रीकृत विलेख नं० 5206/82, रिजस्द्रीकर्ता प्रधिकारी, हैसराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैकराबाद

तारीख: 5-3-1983

प्रारूप बाइं.टी. एन. एस. -----

णायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जानकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 685/82-83----यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

श्रायकर श्रीभित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीभित्यम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण है' कि रथावर सम्भित, जिसका उसित बाजार एकः 25,000/रा. से श्रीभक्त हैं

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याक्षय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उद्हे अन्तरण निस्तिय में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; वर्षि
- (स) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों अपरतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 कर :1) या उत्तर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था कियाने में सुविधा के निष्

जतः अस, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) मपर्न श्रानिल श्रात्मजा को-श्रापरेटिव हाऊन विल्डिंग सोसाइटी, लि०, बाई श्री जी० के० राजू, सेकेटरी, घर नं० 6→2-953, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सी० एच० कोटेश्वर राव,
 घर नं० 9-1-621.
 मेण्ट मेरी रोड,
 सिनन्दरावाद ।

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक कारता हुं।

उक्त सम्परित की नर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के मीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम
 लिग्नि में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्नास्त नं २२, तंत्रारा हिल्स, हैदराबाद, विस्सीणे 350 खीं गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 5205/82, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम०् जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5--3-1983

मोहरु

प्ररूप आइ². टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रास्थ ए० सी० 686/82-83—स्त: मुझे, एम० जेगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15 है, जो बेगम पेट, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता प्राधनजरी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री- तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिपत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 (1) श्री उमाकरण श्रौर तेजकरण, जद्दती प्लेस,
 1-10-179/206, बेगमपेट,
 हैदराबाद-500016 ।

(प्रतरक)

(2) श्रीमती श्राप्त गनेशन,
 7 बी०, 5 स्ट्रीट,
 टाटाबाद,
 कोयबत्र-12 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ध्ताट नं० 15, 'करण श्रपाटमेंटस् एम० नं० 1/10-196/ 208, बेगम पेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 898/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वस्लभनगरा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबादें

नारीख . 5-3-1983 मो**हर**ः

ब्रुक्षपु बाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदुराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 687/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, जो तिरुपति में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, तिरुपति में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल चिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभित्त में बारत-विक स्प में किथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी बाय की बाबत्, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्थ उचन में सृश्यिका के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर ची गिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एम० ग्रांदिनारायणामृति, घर नं 132, टी० पी० एरिया, तिकपति ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री टी० के० गुरवरया, 35, पेहाकापू स्ट्रीट, तिरुपति ।

(स्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पब्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

घर संपत्ति, तिरुपति, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 4335/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, तिरुपति ।

> एम्० जेगन मोहन स्क्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्नेक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० - 646/82-83----यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8-9-1 (पोखान) है, जो स्टेशन रोड, वारंगल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के कार्यालय, वरंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान

प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्स्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिब्त स्युक्तियाँ अधीत् हिन्स (1) श्री इ० रामी रे**ड्डी श्रीर शन्य,** मह**बु**बाबाद, वरंगल जिला।

(भन्तरक)

(2) श्री व्ही० पुरुषोत्तम रेड्डी श्रौर श्री व्ही० नरेन्द्र रेड्डी, 8-9-1, स्टेशन रोड, वरंगल ।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पुरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपर्र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरणः -ं-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ब्ध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति घर नं० 8-9-1, स्टेशन रोड, बरंगल का भाग, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3494/82, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, वरंगल :

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1983

मोहर 🕄

प्रकप चाई• टी॰ एन॰ एस॰--

लायकर प्रविनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के प्रधीन सुचना

भाउत सउकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मार्व 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 647/82-83----यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० एफ ० नं० 1006 है, जो एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यीलय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जलाई 1982

1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिधित में बास्तविक इप से इचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, चक्त भ्रिक्षित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के शिष्ट; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनयम, या धनकर भिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :---29—6GI/83 (1) श्री एच० टी० थाकुर प्लाट नं० 20, बसीर बाग, हैदराबाद ।

(मन्तरक)

(2) श्री कुंज बाई गुलाब राई, 15, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(मन्तरिती)

नो यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पन्धीखरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सकत विधिनियम के भन्याय-20क में परिभाषित है, यही भने होगा को छस सम्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1006, श्रीनाथ कम्पलैक्स, एम० नं० 1-1-58/1 से 58/11, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फ़ुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 557/82, रजिस्ट्रीकृती प्रधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ताकीख 4-3-1983

मोहर 🖫

प्रकृप साईं • टी • एन • एस •-----

ग्रायकर प्रवित्तियम, 1961 (1961 को 43) की बारा 269न्य (1) के प्रवीत सुचना बारक तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 648/82-83—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 502 है, जो एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का आरम्ग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (भ) अन्तरण से हुई किनी प्राय की बावत, अन्य प्रापि-निवस के अधीन कर देने के बग्तरक के बामित्व में कमी करने या जनसे बचने में सुविधा के किए; बीर/या
- (ख) ऐसी जिन्हें भारतीय भारकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अविनियम, 21 सन-कर प्रविनियम, 21 सन-कर प्रविनियम, 1947 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्नरिती तारा प्रकट नहीं किया भवा या प्रविभाग जाना चाहिए या. कियाने में सुविधा के निर्ण;

जतः धन, उन्त पश्चितियम की धारा 269—ग के ध्रतुसरण में, में, उक्त प्रश्चितियम की चारा 269-ल की उपधारा (1) के नभीतृ निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्भात् ः— . (1) श्री एन० टी० ठाकुर, प्लाट नं० 20, बसीरबाग, हैदराबाद ।

(म्रन्सरक)

(2) श्री शालु चन्द्रु चुगानी, नं० 15, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 501 एस० डी० रोड, सिकन्बराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 556/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सिकन्यरा-बाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4~3-1983

प्रकृप कार्ष, टी. एनं, एस्. - - - - -

आयकर मिशीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 649/82/83-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

म्मीर जिसकी सं० म्नाफिस 209 है, जो एम० जी० रोड, सिकन्दराबाय में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबस भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत्रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी अन या अन्यु आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को लिए;

भृत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निनिवित अधिकतथीं, अधीत् (1) मैसर्स काका एण्ड को०, 139, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(मन्तरक)

(2) मैसर्स महेश इंटरप्राइजेस, 6 बी०, श्रार० पी० रोड, सिकन्वराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए बाही शुरू करता हूँ।

बबद ब्रम्प्रिल् भी वर्षन् के बस्तरभ में कोई भी आसोप≳--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

कार्यालय नं० 209, काक्रा कम्पलैक्स एम० जी० रोड, सिर्कन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 550/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सिकन्दराबाद ।

्म० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-3-1982

मोहरः

प्ररूप आहे. दी. एन्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ष् (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 650/82-83——श्रतः मुझे, एम् ज्यान सोहन

एम० जगन मोहन

आयकर स्भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 10, 11, 15 श्रीर 71 है, जो वेस्ट माडेर-पल्ली, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, अम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिल्लित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और वा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिधित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री सैय्यव ग्रब्दुल रहमान श्रीर भ्रन्य 5, 3-9-47, सैय्यद जलाल गार्डन, मारेडरपल्ली, सिकन्दराबाद ।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स म्रिंत को-ग्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लि०, (रजिस्टर्ड) कावाडीगुडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्रवेक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के बर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शुक्तों आर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, सर्वे नं० 10, 11, 15 श्रीर 71, वेस्ट मारेडपल्लीं, सिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5149, 5148, 5024, 5025, 5026 श्रीर 5027/82, रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. इ.स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 651/82-83---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रोपन प्लाट है, जो बेगमपेट, हैसराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या अग्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात्ः— (1) श्री रिव कीटेस्वर राव,पिता भ्रानन्दय्या,विजयवाडा ।

(प्रन्तरक)

(2) राधा क्रुष्णा को-ग्रापरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि०, 24–126, नेरेडमेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अथिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो छक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं मूर्य होगा वो उस मध्याय में दिवा यया है।

अनुसूची

श्रोपन प्लांट विस्तीर्ण 1183 चौ० गज, बेगमपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5037/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-3-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन्., एस. - -- -

मायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 652/82-83—म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्पीर जिसकी सं० शाप नं० 11 है, जो एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में क्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्अ में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27.) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः वष, उत्तर निधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधीनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविधित त्यितियों, नर्थात्:—— (1) श्री उवय कुमार मोदी,
 21-1-773,
 पथरगट्टी,
 हैदराबाव ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स नेशनल लेबोरेटरीज, 1-7-1058, बाजमाबाद, हैक्राबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रगुवत शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

णाप नं० 11, एम० नं० 2-2-121, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 571-82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रिकारी, सिकन्दराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-3-1983

प्रकार नार्वं, टी. एवं, एवं, : ------

अयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के न्भीन त्युगा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 653/82-83—यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 4-6-1-131/132 है, जो पद्माराच नगर, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाव, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ज्लाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त न निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद किसी बाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः---- (1) मैसर्स रूपा बिरुडर्स पंचाराव नगर, सिकन्दराबाद ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री ए० भारती रेड्डी, 6-1-131/132, पद्माराव नगर, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित् के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पवों का, जो उक्त व्यधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुति अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काटेज नं० 4, एम० नं० 6-1-131/132, पद्माराय नगर सिंकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 601/82, रजिस्ट्रीकर्ती स्रिधिकारी, सिंकन्दराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) 🍇 भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-3-1983

प्रकृप कार्ष टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार जायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 654/83-83—यतः, मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० शाप नं० 26 है, जो एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टीन, जुलाई 1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्नत बीधनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यन में सूबिया के सिए; बॉट/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भग या बन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जनत निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निसीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए:

कतः व्यव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मिम्न्सिबित व्यक्तियों, अधीत है— (1) श्रीमती पी० व्यामा, धक्षाराम 'गांव, ग्रंदोल तालुक, जिला मेंढक ।

(ग्रन्तरक)

"(2) मैसर्स एस० एम० श्रकबर श्रौर को० 44, सेम्बूदोस स्ट्रीट, मद्रास-1।

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उदत् सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫 🗕

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 26, ग्रांउंड फ्लोर, एम० नं० 2-2-132 से 139, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 605/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, सिकन्दराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुवत (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-3-1983

मोहर 🔅

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भ!रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० म्रार०ये सी० नं० 655/82-83—यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० गाप नं० 39 है, जो कान्ना काम्पलैक्स, सिकन्वराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्वराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार किन्तियों कर कर कर का एका अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिकार कर कर कर कर पाया अन्तरण के निम्तियों के किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी अरने या उससे बचने में स्विधा के लिए; सौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या भन-कर् अधिनियम, या भन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में मुजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 30—6GI/83

(1) मैसर्स काब्रा काम्पलैक्स एण्ड को०,
 2-2-132 से 139,
 एम० जी० रोड,
 सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी श्रग्नवाल, प्लाट नं० 18, ,कृष्णा कुंज, सिधी कालोनी, सिकन्दराबांद ।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की खबिध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितबक्ध किसी उत्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त बिधिनयम, के बध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप नं० 39 ग्राउंड पलोर, काक्रा कास्पलैक्स, सिकन्दरा-बाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 606/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सिकन्दराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 4-3-1983

प्रस्प वार्षं . बी . एवं . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं आरं ये सी नं 656/82-83—श्रतः मुझे, एम जगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000∕- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस है, जो रानीगंज, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिद; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ुः— (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
नं० 5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड,
बाई घीयासुद्दीन बाबूखान
पिता लेट ए० के० बाब खान,
निशात बाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रनिल कुमार श्रग्रवाल, पिता पी० श्रार० श्रग्रवाल, श्राफिस 27, 5-4-86/92, रानीगंज, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके पृत्तींक्य सम्पत्ति को वर्धन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्वध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूधी

श्राफिस नं॰ 27, ग्राउंड फ्लोर बिल्डिंग श्राल करीम ट्रेड सेंटर, एच॰ सी॰ एच॰ नं॰ 5-5-86 से 92 , रानीगंज, एम॰ औ॰ रोड, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 300 चौ॰ फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 5297/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-3-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनिय्स., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 657/82-83—श्रतः मुझे; एम० जगन मोहन

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 26 है, जो रानीगंज, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उन्त अंतरण निस्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्युक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
 5-4-86 से 92
 एम० जी० रोड,
 सिकन्वराबाद ।

(मन्तरक)

(2) श्री श्रोमेरुद्दीन खान पिता हामीदुद्दीन खान, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राफिस नं० 26, एम० नं० 5-4-86/92, रानीगंज, सिकन्दराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5296/82, रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-3-1983

प्रकप आई. टी. एन. एस. ----

भाक्तर मिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 658/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6-2-912/1 है, जो खैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया गया अधिकत, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्विक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; बीर/बा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन वा क्ष्य आस्तियों का., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

कतः कम, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती बत्तूलूनिसा बेगम पति एस० एम० साजाद, घर नं० 10-3-277/8, हुमायूं नगर, हैसराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री के पांडू पिता के० रामुलू
2. श्री के० रिव कुमार पिता के० रामुलू,
6-2-914,
खैरताबाद,
हैदराबाद,
(घर नं० 3-121,
बोयनपल्ली विलेज,
सिकन्दराबाद।)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त बिभृतियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 300 चौ० गज, 6-2-912/1, खैरताबाद, हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5082/82, रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन ्एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेण सं० श्रार०ए० सी० नं० 659/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 10-2-10 है, जो बशीर मंजिल, ए० सी० गार्ड, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिङ्कीकर्ता श्रधिकारी के खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, नुष्रीत् :-- (1) श्रीमती सकीना बेगम भौर भ्रन्य 7, केयर श्राफ डा० झारा तक्वकी बिलगरामी, नियर मजीदाया गर्ल्स हाई स्कूल, ए० सी० गार्डेस, हैवराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मसर्स मातृको स्नापरेटीव्हटव हाऊसिंग सोसाइटी लि०, बाई ग्रध्यक्ष श्री के० ए० गोपाल कृष्णन, 11-3-384, श्री निवासानगर, सिकन्दराबाद श्रीर सेन्नेटरी श्री एम० एल० कांताराव, 204 ही० मातश्री श्रपार्टमेंटस हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्कीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति नं० 10-2-10, बणीर मंजिल, ए० सी० गार्डस्, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1381-82, रजि-स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, खैरसाबाद ।

> एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-3-1983

प्रकृप आहे. टी. एन्. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज, हैवराबाच

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निषेश सं० आर० ए० सी० नं० 660/82-83---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रप्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 6-3-1177, है, जो बेगमपेट, हैदराबाव भार० भार० जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भार० भार० जिला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मसिश्चित उद्येषयों से उक्त अन्तरण सिश्चित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सीता बाई
पित लेट श्री वामन राव,
घर नं० 4-5-220,
नाइक बिल्डिंग,
सुलतान बाजार,
हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ध्याम राव, पिता लेट श्री रामट्य, घर न'० 9-2-234, गोपालपुरम, सिकन्वराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी व्रक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हाँ।

अनुसूची

घर संपत्ति नं० 6-3-1177, भोले संकर मकली, बेगमपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1028/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी ग्रार० ग्रार० जिला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-3-1983

मोहर 🗵

प्र**क**प बाई० टी॰ एन० एस॰----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्**ण**ना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 661/82-83-श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 10-4-25/1 है, जो मासाथ टैंक, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्द सम्पति के उचित वाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रसिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर पण्डिति (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए हय पांचा नमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कर से किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरम वे हुई किसी आय की वाबत, डक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्-र्या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कथ, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-श की उपभाग (1) के अधीन, निम्नत्विचित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती कनीज फातीमा ग्रलीयास कमरुनीसा बेगम पति लेफ्टिनेंट कर्नलः मिर्जा युसूफ ग्रली बेग, घर नं० 10-4-25/1, मासाब टैंक, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेजर डा० श्राबीद श्राली खान श्रीर श्रन्य, जी० पी० य० श्री गुलाम घोस, एडवोकेट, कोथागुड्म, जिला खम्मम ।

(भ्रन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना वादी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की क्विभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एक सूचना की वासील से 30 दिन की बविध, को सी बविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की कारील के 45 विन् के मीतर उक्त स्थावर सस्परित में द्वित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, बधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कक्यों और पर्यों का, जो अवद विभिन्नियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया ही।

वनुसूची -

घर संपत्ति घर नं० 10-4-25/1, मासाब टैंक, हैदरा-बाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5232/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख ; 4-3-1983

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० न० 662/82-83--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 है, जो प्रथम तल, रेती बावली, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाषार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

(1) मैससं क्वालिटी बिल्डसं,
12-2-784
रेती की बावली,
मेंहदीपटनम,
हैदराबाद ।
बाई मैंनेजिंग पार्टनर
श्री हाबीब उस्मान श्राली,
यडरोज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुमताज फातीमा पिता श्री लेट हबीब ग्रोमर श्रल, यहरोज, 11-5-570, रेड हिल्स, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क हें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 1 पहला फ्लोर, रेंज विव श्रपार्टमेंटस, रेतीबावली, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1469/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 4-3-1983

मोहरः

प्रकार आहाँ . टो . त्न . त्म . ------

अयिकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-घ (1) के मिन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश संब्ह्यारव एव सीवनंव 663/82-83—स्त्रतः मुझे, एमव जोगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं); की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० प्लाट न 601 है, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1,982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कार्यन नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 31—6GI/83

(1) उमाकरन श्रीर तेंज करन जयन्ती प्लेस,
 1-10-179/206,
 वेगसमेट,
 हैदराबाद-16 ।

(भ्रन्सर्क)

(2) श्री मीक्षा फरासत बेग श्रीर श्रन्य, श्रापोजिट ग्रीन ऊडम् स्कूल, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए वा सकोंगे।

स्वव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट तं० 601, पाचवीं मंजिल पर, बेगमपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख तं० 934/82. रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, बल्लभनगर ।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (नियोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 4-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० नं०, 664/82-83--ग्रत: मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 3-5-585, 586, हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निर्विखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रेपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री एम० विनायक,

3-4-526, वरकत पुरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वी० राम **रेड्डी**, 3-5-585,

'हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पयों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट ग्रौर गैरेज नं० 3-5-585, हिमायत नगर; हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5215/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद ।

> ्रम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 7-3-1983

मोहर ह

प्रकप बाइ . टी. एन. एस.-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन सूपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० घार० ए० सी० नं० 665/82-83-धतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 8-2-318 से 320 है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित योजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचं एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

जतः अव, जवत विभिनियम् कौ थारा 269-व कै अनुसर्थ वो, वं जवत विभिनियम् की भारा 259-व की उपभारा (1) के अधीन्, निम्निल्बित् व्यक्तियों, मृथ्ति ह—— (1) श्रीमती भ्रमीइनिसा बेगम, 18, शांति नगर, हैवराबाव ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० कुलुसूम रेड्डी, 18, शांति नगर, हैदराबाद ।

म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के
 पास मिसित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपति एम० नं० 8-2-318 से 320, बंजारा हिल्स, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1432/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> ्एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-3-1983

मोहरु 🕄

प्ररूप आहूरे, टी. एन , एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश मं० श्रार० ए० सी० नं० 666/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० 804 श्रौर 876 है, जो मेडकल में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेडचल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तनिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संधुद्दं किसी आयकी बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अब, उम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गों, मौ, उकत अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :— श्री एन० पी० पटेल,
 पिता पी० एस० पटेल,
 मेडचल।

(श्रन्तरक्)

(2) श्री जोसेफ मादाबथ, क्लोरीसन फादर्स, मेडचल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिस्सा में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन सची

खुली जमीन सर्वे नं० 804 ख्रौर 876 भाग, मेडचल-रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3561/82. रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी, मेडचल ।

> एमं० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीखः . 4-3-1983 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

पायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० घ्रार० ए० सी० नं० 667/82-83--- ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

गयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 ख के अधीन सक्षम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिपका उचिन बाजार मूख्य 25,000/- द के से अधिक है और जिसकी सं० 2−4−65 में 68 है, जो एम० जी ०रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूभी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 कार्यालय, के अधीन, जुलाई 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिविक हुए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- के(ख) ऐसी किसा ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तिय। की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या भ्रत-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: जब, उनेत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स चन्द्रनाल मेहता एण्ड को०. मामा परमा नन्द मार्ग, बम्बई-400000 ।

(भ्रन्तरक)

 (2) श्रीमती कलावती मेहना और ग्रन्य 4, 1-1-293/4/1, ग्रणोक नगर, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यका**हियां करता ह**ुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सं हों विव्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों आ़रे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

घर नं० 2-4-65 से 68 प्लाट नं० 49, महात्मा गोंघी रोड, सिकन्दराबाद माहाता महल के नाम से पहचाना जाता है, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5409/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जॅगन मोहन सक्षम प्राधिकारी 【सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्राबाद

तारीख : 5-3-1983

-मोहर - ।

2 69-व (1) के समीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेण सं० श्राई०-1 ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/81-82/725—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंहः प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की जारा 269-ख के श्रधीन सक्तम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका स्वित बाजार मृः 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस०-332 है, जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कुरने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्मीलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय पाय-इंट प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रभोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्त:, अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित ॥ — (1) श्रीमती इन्दर कौर पत्नी श्री सरन सिंह ढारा श्रटार्नी श्री मनमोहन सिंह सुपुत स्वर्गीय श्री श्रर्जन सिंह श्रौर नरिन्दर पाल सिंह सुपुत श्री सरन सिंह, निवासी-ई०-143, ग्रटर कैलाश-2,

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स हिमलैण्ड एक्सपोर्ट्स प्रा० लि०, 35, ग्रजीत ग्ररकाड, लाला लाजपत राय रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति काँ वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं कर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गुमा हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० एस०-332, ग्रेटर कलाश-2, नई दिल्ली-48, एरिया 300 वर्ग गज ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई विल्ली-110002

नागीख : 8-3-198?

मोहरू 🖫

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 11th March 1983

No. F.6/83-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has ordered the appointment of Shri R: Narasimhan against the appraded post of Registrar with effect from the forenoon of February 9, 1983, until further orders.

II. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri A. N. Oberai, Deputy Registrar to officiate as Joint Registrar in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of February 9, 1983, until further orders, against a newly created post

III. The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed Shri R. R. Kumar, Assistant Registrar to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of February 9, 1983, until further orders.

R. SUBBA. RAO Registrar (Judl.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th February 1983

No. A 32014/1/82-Admn III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the Office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad-hoc basis for the period mentioned against each or until further orders whichever is earlier:—

S. Name (S/Shri) No.		Period for which promoted
1. Gurdass .		1-2-1983 to 6-5-1983
2. Pramod Behari		. 3-2-1983 to 2-5-1983
3. G. T. Ramnani	•	. 1-2-19 8 3 to 11-2-1983 and 14-2-1983 to 13-5-1983

The 11th February 1983

No. A. 11016/1/81-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the U. P. S. C. for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier:

S. No.	Name (S/Sh	ri) 		٠,	Period
	· · · · · ·	-, -			 1-2-1983 to 4-2-1983 and
1. 3	Jai Narain				1-2-1983 to 6-5-1983
2	Jit Ram				3-2-1983 to 2-5-1983
3. \$	Shri N. M. L.	Bhati	nagar		29-1-1983 to 11-2-1983

The above officers shall draw Special Pay@Rs. 75/- per monh in terms of D. O. P. & A. R. O. M. No. 12/1/74-CS (I) dated 11 December, 1975.

The 16th February, 1983

No. A. 12025(ii)/4/80-Admn. III—On completion of their training which commenced on 1st July 1982 at the f. S. T. & M., New Delhi, the following persons, appointed as probationers in the Section Officers' Grade of the C. S. S. cadre of the Union Public Service Commission vide this office Notification of even number dated 31st July, 1982, assumed change as SectionOfficers

(Probationers) in the same cadre with effect from the forenoon of 1st February, 1983:—

S. Name		 	Rank
1. Smt. Kalpana Narain	 	 	S-44
2. Shri Inderjit Singh			S-70
Shri Rati Pal Saroj (SC)			S-109

The 4th March, 1983

No. A. 32014/2/83-Admn. I -- The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. PA (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a surely temporary and ad-hoc capacity for the periods shown against their names or until further orders whichever is earlier:—

S. Name No.	Periods	Remarks
S/Shri 1. O. P. Deora	17-2-83 to 30-4-83	Vice Sh. Joginder Singh promoted as P. S.
2, T. R. Sharma	7-2-83 to 6-5-83	Against one of the long term vacan- cies.
3. Ram Parkash	3-2-83 to 2-5-83	Vice Sh. R. L. Thakur promoted as P. S.
4. H. O. Madan	• 7-2-83 to 6-5-83	Vice Sh. B. B. Chibber promot- ed as P. S.

- 2. The above mentioned persons should note that thier apptt, as Sr. P. A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on ind-hoc basis and will not confer on them any title for absorption n Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.
- 3. The appointments of S/Shri T. R. Sharma, Sham Parkash and H. O. Madan are subject to the approval of the Department of Personnel & ARs. for the periods 3-5-83 to 5-5-83, 2-5-83 and 2-5-83 to 6-5-83 respectively. i. e. the periods exceeding 120 days during the calendar year.

Y. R. GANDHI, Under Secretary (Admn.) Union Public Service Commission.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 3rd March 1983

No. 2/20/82-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri L. Yegnanarayanan, a permanent Sr. Personal Assistant in the Central Vigilance Commission as Research Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 26th Feb., 1983 until further orders.

K. I. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110003, the 5th March 1983

No. O.II-1791/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. T. N. Mishra as General Deuty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in

a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22ud February, 1983 subject to his being declared medically fit.

The 12th March 1983

No. O.II-1455/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 23rd Feb., 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1788/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Subodh Shukla as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 3rd February, 1983 subject to his being declared medically fit.

A. K. SURI Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-3, the 9th March 1983

No. E-16014(1)/1/76-Pers.—On retirement on attaining the age of superannuation, Shri A. C. Roy relinquished charge of the post of Commandant, CISF Unit BCCL Jharia. with effect from the afternoon of 31st January, 1983.

SURENDAR NATH Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 14th March 1983

No. 11/11/80-Ad.I.—The Prtsident is pleased to repatriate Shri S. Ghosh, an officer belonging to the West Bengal Civil Service, working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, on deputation basis, to the Government of West Bengal with effect from the afternoon of the 28th February, 1983.

No. 10/5/82-Ad.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated 10-2-1983, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K. R. Unni, Deputy Director (Programme), as Senior Systems Analyst in the Office of the Registrar General, India, New Delhi for a further period upto the 18th July. 1983 of till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions.

2. The head-quarters of Shri Unni will be at New Delhi.

No. 10/6/82-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 10-2-1983, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri Pradeep Mehra, Assistant Director (Programme) as Deputy Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi for a further period upto the 18th July, 1983 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of Shri Mehra will be at New Delhf.

P. PADMANABHA Registrar Goneral, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER

AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 9th March 1983

No. 55/C.A.J/7-81.—On their attaining the age of superannuation S/Shri R. Mohammad Khan and Y. Mohammed Enayathulla, Audit Officers (Commercial) serving in the office of the Accountant General (Commercial) Tamil Nadu,

Madras have refired from service with effect from 31-1-1983 $\Lambda.N.$

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 4th March 1983

No. Admn. I/O.O. 612—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints substantively the following officiating Audit officers of this office, against the permanent posts of Audit officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the dates shown against each:

S. No.	Name	 ·· · · —		tiv	nte of substan- e appointment Audit officer
1. S	hri O. P. Laumas			-	16-2-1983
2. S	hri O. P. Gupta-II		-		1-3-1983

No. Admn. 1/O.O.No.613.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Shiv Narain an officiating Audit officer of this office will be retiring from the service of the Govt. of India with effect from the afternoon of 31-3-1983. His date of birth is 24th March, 1925.

No. Admn.1/O.O.No.615.—Consequent on his attaining the age of superannuation. Shri Lal Chand a permanent Audit officer of this office will be retiring from the service of the Govt. of India with effect from the afternoon of 31-3-1983. His date of birth is 27th March, 1925.

SMT. PRAVIN TRIPATHI Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 8th March 1983

No. Admn. I/8-132/82-83/423—The Accountant General Andhra Pradesh Hyderabad is pleased to promote the following Section Officer in the office of the Accountant General Andhra Pradesh Hyderabad to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders.

Name			 Date of Assum- ption of charge
S/Shri			
1. Ch. Surya Prakasa Rao			14-2-83 AN
2. N. V. Radha Krishna			14-2-83 AN
3. C. J. Sastry	-		15-2-83 FN
4. P. Manmadha Rao .		,	26-2-83 FN
5, K. V. Ramana Murthy			14-2-83 AN
6. P. S. Raghavendra Sharma	٠.		16-2-83 FN
7. K. Panduranga Rao .			15-2-83 FN
8. N. Venkateswara Rao .			14-2-83 AN

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors if any and also subject to the result of the writ petitions pending in the Andhra Pradesh High Court/Supreme Court.

The 9th March 1983

No. Admn.I. 8-32/82-83/424.—Sri A. V. Ramachandran, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 28-2-83 A.N.

B. MASON Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, WEST BENGAL

Calcutta-1, the 8th March 1983

No. Admin-1/1038-XIX/5987.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis S/Shri Utpal Sengupta, Satyanarayan Sinha and Nalini Ranjan Sarkar, permanent Section Officers, to officiate as Accounts Officer, in temporary and officiating capacity with effect from the date is) on which they actually take over charge as Accounts Officers until further orders. It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during the pendency of the Rules in the Calcutta High Court and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R., case no. 14818(W) of 1979.

The services of Sri Utpal Sengupta on his promotion to A.O.'s cadre are placed at the disposal of Sr. Dy. Accountant (General (TAD & Fund) of this office against the vacancy of Sri R. K. Sen Sarma, A.O. already proceeded on deputation.

The Services of Sri Satyanarayan Sinha on his promotion to A.O's. cadre are placed at the disposal of the office of the Director of Audit, Central, Calcutta against the vacancy of Sri N. C. Mazumdar, Audit Officer proceeded on deputation from that office.

The Services of Sri Nalini Ranjan Sarkar on his promotion to A.O's, cadre are placed at the disposel of the office of the A.G.-II, West Bengal against the newly created post sanctioned by the headquarters' office.

J. S. MFHROTRA Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DFFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 11th March 1983

No. AN/I/1868/5/Vol.I.—Shri V. Venkatesan, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 25-8-1983 (his date of birth being 26-8-1925) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-8-1983 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 31-8-1983 (AN) in terms of FR 56(a).

R. K. MATHUR Addl. Controller general of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HORS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 8th March 1983

No. 15/G/83.—On attaining the age of superannuation, Shri N. B. Chakcaborty, Offg. S. O. (Subst. & Permt. Assistant) retired from service w.c.f. 28th February, 1983(AN).

V. K. MEHTA Director

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 10th March 1983

No. 6/83/A/E-1.—On attaining the age of superannuation. Shri Balaram Pain. Substantive & Permanent Assistant/Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 28-2-1982(A,N.).

D. R. IYFR DDG/Personnel

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

DEPARTMENT OF LABOUR LABOUR BUREAU

Chandigarh-160 017, the 14th March 1983

No. F. No. 75-A/117/82-Adm.I.—In pursuance of Sub Rule(1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I, A. S. Bharadwaj, Director, Labour Bureau, Chandigarh hereby give notice to Sh. Dinesh Kumar a temporary Computor, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published in the official Gazette.

A. S. BHARADWAI Director

MINISTRY OF ENERGY DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 10th March 1983

No. Adm.12(9)G/74.—Sri P. C. Mallick, Assistant Engineer, Coal Mines Welfare Worker, Coal Mines Welfare Organisation, Mahendragarh who was under suspension w.e.f. 20-4-80 has been dismissed from Government service w.e.f. the forenoon of 13th January, 1982.

No. Adm.12(11)Genl./74.—Shri J. M. Sanyal, Physical Training Instructor, Coal Mines Welfare Organisation, Dhanbad has retired from Government Service on attaining the age of superannuation w.e.f. afternoon of 30-6-1982.

No. Adm.12(14)75.—Shri P. S. Murmu, Welfare Administrator, Jharia & Magma Coalfield, Bhuli, Coal Mines Welfare Organisation, Dhanbad has retired from Government Service on attaining the age of superannuation w.e.f. after noon of 31-3-1982.

No. Adm.12(13)76.—Shri R. S. Katdare, Assistant Secretary (W) Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad has been retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 31-3-1982.

D. PANDA Commissioner

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the 9th March 1983

No. 4-185/82/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri V. S. Naik at present working at Research Associate (Cultural) to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) at S. I. Region of this Survey at Mysore on a temporary basis with effect from the foremon of 11th February, 1983, until further orders.

M. S. RAJAGOPALAN Senior Administrative Officer

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 10th March, 1983

No. F. 9-1/82-Estt./5361—The following Senior Zoological Assistants are hereby appointed to the posts of Assistant Zoologist Group (B) in the scale of Rs 650-1200 in the Headquarters office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary

capacity on ad-hoc basis with effect from the dates mentioned against their names until further orders:—

Sl. No.	Name			 Date
	hri A. K. Mukh Md. Z. Ansari	opadhya	•	27-1-83 (forenoon) 28-1-83 (forenoon)

DR. B. K. TIKADER Director Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 10th March 1983

No. 4(29)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. Subramanian, as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 24th January, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(32)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Sniv Mangal as Programme Executive, All India Radio, Rewle in a temporary capacity with effect from 24th November, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(35)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri V. Srinivasan as Programme Executive. All India Radio, Pondicherry in a temporary captacity with effect from 27th January, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(36)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Rameshwar Prasad Meena as Programme Executive, All India Radio, Udaipur in a temporary capacity with effect from 8th February. 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 12th March 1982

No. 4(38)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Gauri Shankar as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the afternoon of 17th Feb., 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(43)/82-SI.—The Director Genetal, All India Radio, hereby appoints Shri Jyoti Prakash Das as Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh in a temporary capacity with effect from 24th January, 1983 and until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(44)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ravi Shankar as Programme Executive, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from 21st December. 1982 and until further orders. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200

No. 4(54)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri N. Murugan as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 27th January, 1983 and until further orders, in the scale of ruy of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200.

No. 4(57)/82-SI.—The Director General. All India Radio, hereby appoints Shri G. Vijayakumar, as Programme Executive. All India Radio, Mangalore in a temporary canacity with effect from the afternoon of 17th Feb.. 1983 and untifurther orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 14th March 1983

No. 4(19)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Dr. Upendra Nath Raina as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 28th February, 1983 and until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(25)/82-SI.—The Director General, All India Ra lio, hereby appoints Shri Amrit Lal Paul as Programme Executive, All India Radio, Jullundur in a temporary capacity with effect from 15th January, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(34)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. Yasuh as Programme Executive All India Radio, Kohima in a temporary dapacity with effect from 16th November. 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(37)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Veena Vinayak as Programme Executive, All India Radio, Kohima in a temporary capacity with effect from 23rd November, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(78)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Veena Vinayak as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 7th February, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration

for Director General

New Delhi, the 10th March 1983

No. 29/4/83-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Ram Narain Singh, Farm Radio Reporter All India Radio, Patna to officiate as Farm Radio Officer, on ad-hoc basis at All India Radio Rewa with effect from 19-2-1983 (A.N.).

The 12th March 1983

No. 1/5/83-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Sh. S. R. Nagaraja, Sr. Accountant, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at All India Radio, Rajkot with effect from 17-1-83(FN).

No. 1/6/83-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Ram Kishan, Accountant, Doordarshan Kendra, Jalandhar to officiate as Administrative Officer, on ad-hoc basis at All India Radio, Simla with effect from 7-2-83(FN.)

S. V. SESHADRI

Dy. Director Administration

for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

PERCENT AT AMAZON DE MICHELINA LABORATORIO ACC. A. PORCE A PE

New Delhi, the 8th March 1983

No. A-12026/11/82-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sunder Lai. Research Assistant (PFA) in the Directorate General of Health Services on a purely ad-hoc basis against the vacancy caused due to deputation of Shri A. K. Srivastava, for training in Advanced Monagement Services Course for the period from 17-1-83 to 16-4-83 or until further orders whichever is earlier.

T. C. JAIN Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 11th March 1983

No. A-19018/5/82-CGHS.I.—The Director General of Health services is pleased to appoint Dr. (Smt.) N. Radha to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of the 28th February, 1983 until further orders.

T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS.I)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

。 首集、 NT - 1902 で、3 × 14、10 23、6 75(2) 「第207(5) 415(77)(15-24) 「18-25(7)(5)(18-24) (18-24)。 28-25(4)

Faridabad, the 4th March 1983

No. A-31014/2/81-A.I.—Shri D. N. Tiwari is hereby appointed substantively to the permanent post of Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection w.e.f. 1-10-1981.

2. The lien of Shri Tiwari in the lower post, if any, shall stand terminated with effect from the date of his confirmation in the post of Marketing Officer (Group 1).

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 16th February 1983

No. PPFD/3(235)/83-Estt.1/3491.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. L. Menghani, a permanent Selection Grade Clerk in Rajasthan Atomic Power Station us Assistant Personnel Officer in this Division in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon February 3, 1983 until further orders.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 10th March 1983

No. Ref. DPS/23/1/81-Est./10061.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Darshan Singh, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rn. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-960 in the same Directorate from 20-12-82 (FN) to 20-1-83 (AN).

No. DPS/41/14/83-Adm./10138.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazir Chand, a permanent Storekeeper and officiating Chief Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-PB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 24-6-1982 (FN) to 31-5-1983 (AN) in the same Directorate.

B. G. KULKARNI Administrative Officer-II

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 5th March 1983

No. AMD-1/25/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Surendra Kumar Sharma, officiating Scientific Assistant 'B' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 19, 1983, until further orders.

No. AMD-1/25/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. V. Srinivas as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in

the Atomic Minerals Division in a temporary currently with effect from the forencon of February 25, 1983 until further orders,

The 11th March 1983

No. AMD 1/25/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shi Akella Brahmanand as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 23, 1983 until further orders.

No. AMD-1/25/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. Subrahmanyam as Scientific Officer/Fugineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 24, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

RFACTOR RESEACH CENTRE

Kalpakkam, the 17th February 1983

No. RRC/PF/3688/82/2218.—Director, Reactor Rescarch Centre hereby accepts the resignation from service tendered by Shri Chinnapan Nandagopal, Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Reactor Research Centre, Kelpakkam with effect from the lafternoon of January 31, 1983.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore-560 009, the 21st February 1983

No. HQ:ADMN.12.25.—Member (F & A) ISRO Council is pleased to appoint Shri M. K. Vishnu, Personal Assistant 'A', ISRO Headquarters as Assistant Administrative Officer in grade Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in ISRO Headquarters, Bangalore of the Department of Space with effect from the forenoon of February 10, 1983 and until further orders.

M. P. R. PANICKER Sr. Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th March 1983

No. A-32013/14/81-E.I.—The President is pleased to promote Shri-Chaman Ltl, Deputy Director Aeronautical Inspection to the post of Director of Aircraft Inspection on an adhoc basis for a period of six months from 2-3-1983 (AN) to 2-9-1983 (AN) or till the post is filled on a regular basis whichever, is earlier.

The 13th March 1983

No. A-19011/42/80-EI.—On attaining the age of superannuation Shri V. S. Prabhala. Director, Training & Licensing in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on afternoon of 28th February, 1983.

> S. GUPTA Deputy Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehradun, the 9th March 1983

No. 13/24/82-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehradun has been pleased to appoint the

following officers in the post of Research Officers in substantive capacity with effect from the dates noted against each:—

Sl. Name No.					Date
1. Shri Ayinash Chandra	 a .				4-6-1965
2. Shri K. N. Subraman					11-7-1966
3. Shri K. M. Vaid .					17-9-1966
4. Dr. V. V. Srinivasan					1-4-1968
Shri Pratap Singh					1-4-1968
6. Dr. R. C. Gupta .					1-4-1968
Shri Y. K. Sharma					1-4-1968
8. Shri Gulab Chand					1-4-1968
9. Shri K. B. S. Juneja					1-4-1968
10. Shri L. N. Santhakun	naran				1-4-1968
Shri R. S. Thapa					i 35 1-4-1968
12. Shri S. S. Rajput					1-4-1968
13. Shri Akash Chandra					1-4-1968
Shri S. P. Banerjee					1-4-1968
15. Shri A. C. Gupta					1-4-1968
16. Dr. R. M. Beri					1-4-1968
17. Shri S. K. Sharma					1-4-1968
18. Shri B. S. Negi .					1-4-1968
19. Shri Sujan Singh .					1-4-1968
20. Smt. R. A. Shrimathi			,		1-4-1968
21. Dr. H. S. Schgal					14-12-1968
22. Shri K. N. Bahadur					27-2-1970
23. Dr. R. N. Madan	,				29-12-1970
24. Shri S. P. Agarwal					1-3-1972
25. Shri R. P. Sharma					4-9-1972
26. Km. P. G. Pattanath					30-8-1973
27. Dr. P. S. Rehill					17-12-1973
28. Shri M. V. Chayanul	u.				1-2-1974
29. Shri T. R. Somasund	aram				17-9-1974
30. Shri K. S. Theagrajar					4-12-1974
31. Dr. P. V. Cherian					17-7-1976
32. Shri B. K. Sharma			,		17-7-1976
33. Dr. M. L Kapoor					17-7-1976
34. Dr. K. S. Ayyar .					17-7-1976
 Shri M. K. Lula . 				,	17-7-1976
36. Shri K. S. Shukla					17-7-1976
37. Shri S. K. Gupta					17-7-1976
38. Shri M. S. Rawat					17-7-1976
39. Shri K. Satyanarayan	Rao				17-7-1976
40. Shri N. K. Shukla			-		17-7-1976
41. Shri P. N. Nigam					17-7-1976
42. Dr. M. L. Thakur					17-7-1976
43. Shri H. S. Thapar					17-7-1976
44. Dr. Surya Vir Singh					17-7-1976
45. Shri M. P. Shiva .					17-7-1976
46. Dr. S. S. R. Bennet			-		17-7-1976
47. Shri P. C. Gupta					17-7-1976
48. Dr. R. Venkatakrishn	an				31-5-1977
49. Dr. M. S. Rajawat				Ċ	1-4-1979
50. Shri K. C. Bhatia	•	•	-		1-4-1979
51. Shri Prem Nath .	·			-	26-10-1979
52. Shri S. N. Khan			-		1-12-1979
53. Dr. R. M. Singhal				•	1-11-1980
54. Dr. S. P. Singh .		:		•	1-11-1980
55. Shri R. C. Tandon		:	•	•	1-12-1980
56. Shri V. R. S. Chauhai		-	•	•	2-3-1981
57, Dr. P. L. Soni	•				1-11-1981
58. Dr. K. Gurumurti					1-6-1982

RAJAI KUMAR

Registrar,

Forest Research Institute & Colleges.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT, CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 7th March 1983

No. 8/83.—Shri Hem Prakash, lately posted as Supdt, of Central Excise Group 'B' in the Delhi Collectorate, on transfer vide Ministry of Finance (Department of Revenuc's) Order F. No. 22012/55/81-Ad.Jl dated 8-11-82 assumed charge as Junior Departmental Representative Group 'B' for the Delhi Benches of the Customs, Excise and Gold Control Appellate Tribunal in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise w.e.f. 23-2-83 (FN).

The 10th March 1983

No. 9/83.—On his retirement on superannuntion, Shri S. Kampani relinquished charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'B' for the Delhi, Benches of Customs. Excise and Gold Control. Appellate Tribunal in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi w.c.f. 28-2-1983 (Afternoon).

B. C. RASTOGI Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 11th March 1983

No. A-19012/1025/82-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Mulk Raj. Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of one year or till the nost is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 30th November, 1982.

A. BHATTACHARYA
Under Secv.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 12th March 1983

No. 33/1/81-EC. IX.—The President is pleased to appoint Shri M. T. Fulzele a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 700/- P.M. as per recommendations of the U.P.S.C, in the scale of Rs. 700—40—900—FB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 5-2-1983 (AN) on the usual terms and conditions.

- 2. The pay of Shri M. T. Fulzele will be fixed according to rules.
- 3. Shri Fulzele is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

A. K. NARANG Deputy Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of In the matter of Kelco Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 1482/Liq/2330/83.—By an order dated 12-2-1982 in C. P. No. 91/81 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up the Kelco Private Limited.

In the matter of Companies Act, 1956 and of In the matter of New Kerda Roadways Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. Liq/2330/83.—By an order dated 23-3-1982 in C. P. No. 18/81 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up the New Kerala Roadways Private Limited.

In the matter of Companies Act, 1956 and of In the matter of Electron Devices Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. Liq/2330/83.—By an order dated 20-8-1982 in C. P. No. 95/81 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up the Electron Devices Private Limited.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Sreepady Estates Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 1887Liq/560(5)/2205/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sreepady Estates Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Kozhikode Government Pensioner's Chit Fund Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 2137/Liq/560(5)/2383/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kozhikode Government Pensioner's Chit Fund Private Limited has this day been struck oil the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Palat Timber Industries Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 2154/Liq/560(5)/2292/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Palat Timber Industries Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Cochin Travels and Agencies Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 2215/Liq/560(5)/2203/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Cochin Travels and Agencies Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Shanmuga Chits and Trades Private Limited Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 2367/Liq/560(5)/2201/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Shanmuga Chits and Trades Privae Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Ponnamma Cashew Company Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 2520/Liq/560(5)/2227/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ponnamma Cashew Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of West Coast Food and Allied Products Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 2715/1.iq/560(5)/2207/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of West Coast Food and Allied Products Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Peninsular Electronics Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 2717/Liq/560(5)/2295/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Peninsular Electronics Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Southern India Accumulators Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 2829/Liq/560(5)/2299/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Southern India Accumulators Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Hotel Sangcetha Private Limited

Cochin-682 011, the 5th March 1983

No. 2029/Liq/560(5)/2297/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hotel Sangeetha Private Limited has this day been struck off the register and the said Company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Neerla Investment and Trading Company Private Limited

Gwalior-474009, the 8th March 1983

No. 1227/CP./4340.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nectia Invertment and Trading Company Private Ltd. has this day been struck-off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Girimaji & Associates (Engineers) Private Ltd.

Bangalore, the 11th March 1983

No. 3029/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Girimaji & Associates (Engineers) Private I td unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangalore



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th March 1983

Ref. No. ASR/82-83/487.—Wheraes, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One Property situated at 30 Race Course Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the (lability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kusum Suri D/o Shri Inder Sen, R/o 30 Race Course Road, Amritsar.
- (Transferor)
 (2) S/Shri Narinder Singh and Rajinder Singh,

Ss/o Sh. Mohan Singh, R/o 7 Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 212.1 sq. yds., situated at 30 Race Course Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6755 dated 12-7-1982 of the Registerng Authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-3-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th March 1983

Ref. No. ASR/82-83/488.—Wheraes, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No One Property siutated at 30 Race Course Road. Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Miss Sheela Rai D/o Sh Jaswant Rai, R/o 30 Race Course Road, Amritsar.
- (2) S/Shri Narinder Singh and Rajinder Singh Ss/o Sh. Sohan Singh, R/o 7 Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)(4) Any other
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 212 1/2 sq. yds. situated at 30 Race Course Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6759 dated 12-7-1982 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th March 1983

Ref. No. ASR/82-83/489.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One Property situated at 30 Race Course Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Amritsar on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- Smt. Partibha Kale D/o Shri Inder Sen, R/o 30 Race Course Road, Amritsar.
- (2) S/Shri Narinder Singh and Rajinder Singh, Ss/o Sh. Sohan Singh, R/o Kiron Market, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One property measuring 212, 1/2 sq. yds, situated at 30 Race Course Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 6756 dated 12-7-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th March 1983

Ref. No. ASR/82-83/490.—Whereas, 1, R. B. SINHA, 1RS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One property situated at 30 Race Course Road, Amrit-sar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

S. R. Amritsar on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2? of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—6 GI/83

(1) Smt. Madhu Chawla D/o Shri Inder Sen, R/o 30 Race Course Road, Amritsar. (Transferor)

(2) S/Shri Narinder Singh and Rajinder Singh Ss/o Sh. Sohan Singh, R/o 7 Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 212.1/2 sq. yds, situated at 30 Race Course Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6754 dated 12-7-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-3-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th March 1983

Ref. No. ASR/82-83/491.--Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Property situated at Vill. Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Pathankot on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Shri Kala Singh S/o Shri Bachitar Singh R/o Vill. Jaim Jugial, Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur.
- (Transferor) (2) Sh. Karam Singh S/o Sh. Khazan Singh, R/o Vill. Sandwal, Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur,

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 1 Kanal, situated at Vill. pur, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 1476 dated 30-7-1982 of the Registering Authority, Pathankot.

> R. B. SINHA, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-3-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th March 1983

Ref. No. ASR/82-83/492.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Property situated at Village Anandpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Pathankot July 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kala Singh, S/o Sh. Bachitar Singh, R/o Vill. Jaim Jugial, Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur.

Distt. Gurdaspur.

(2) Shri Chanan Singh S/o Shri Shangara Singh, R/o Vill. Thara Sandwal, Teh. Pathankot,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 1 kanal, situated at Vill. Anandpur, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 1477 dated 30-7-1982 of the Registering Authority ,Pathankot.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS." ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin, the 3rd February 1983

Ref. No. L. C. 605/82-83.—Whereas, I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Chawara Thekkumbbagam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sretmoolanagaram on 21-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Padmini Thampuran, D/o Ikku Thampuran, Kamalalayam, Tripunithura.
 Kamala Devi Thampuran D/o Padmini Thampuran Kamalalayam, Tripunithura,
 Dr. Reghu Nandanan Thampuran, S/o Kamala-Devi Thampuran, Kamalalayam, Tripunithura.
 Nandakumaran Thampuran, S/o Kamla Devi Thampuran Kamalalayam, Tripunithura
 Dingshan (minor)

5. Dineshan (minor) represented by guardian Kamala Devi Thampuran Tripunithura.

6. Santhakumari Thampuran D/o Padmini puran, Tripunithura.

Padmini Thampuran D/o Santhakumari Tham-puran Kamalalayam, Tripunithura.

8. Rama Verma Vasudevan Thampuran,

S/o Santhakumari Thampuran, Tripunithura.
 Bhama Devi Thampuran D/o Padmini Thampuran Tripunithura.

10. Saritha Thampuran (minor) D/o Bhama Devi Thampuran.

Hari (minor), represented by guardiau Bhama Devi Thampuran, Tripunithura.
 Geetha Devi Thampuran D/o Padmini Thampuran Kamalalayam, Tripunithura.

- 13. Preetha (minor) D/o Geethadevi Kamalalayam, Tripunithura. Thampuran
- Rama Verma Sunderesen S/o Geethadevi Thampuran Kamalalayam, Tripunithura.
- 15. Krishna Kumari Alias Thankom Thampuran D/o Padmini Thampuran, Kamalalayam, Tripunithura.
- Radhika (minor) represented by guardian Krishna Kumari alias Thankon Thampuran,
- 17. Dilip (minor), represented by guardian Krishna Kumari alias Taankom Thampuran, Kamalayam, Tripunithura.
- 18. Kochammini Thampuran, D/o late Ikku Thampuran, Kamalalayam, Tripunithura.
- 19. Badra Mani Thampuran, S/o late Ikku Thampuran, Kamalalayam, Tripunithura.
- Vishnu Prasad Thampuran, S/o Bhandra Mani Thampuran, Kamalalayam, Tripunithura.
- Savitri, D/o Bhandra Mani Thampuran, Kamalalayam, Trippunithura.
- 22. Kerala Varma Kochaniyan Thampuran, late Ikku Thampuran, Kamalalayam, Trippunithura,
- Ravi Varma Ravi Appan Thampuran, S/o late Ikku Thampuran, Kamalalayam, Trippunithura.
- 24. Rama Varma Kunjappan Thampuran, \$/o late lkku Thampuran, Kamalalayam, Trippunithura. 25. Ravi Varma Kunj Kuttan Thampuran, S/o late
- Thampuran, Kamalalayam, Trippunithura.
- 26. Rama Varma Kunjunni Thampuran, S/o Kuri Pillai Thampuran, Kamalalayam, Trippuni-
- 27. Kerala Varma Kelappan Thampuran, S/o late Kunju Pillai Thampuran, Kamaialayam, Trippunithura.

(Transferor)

Mrs. V. Ambika, Vallapil House, South Vellarapally, Chawwara Thekkumbhagam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

46 cents of land with two buildings in survey No. 545/2 in Chawwara village as per schedule attached to document No. 1155/82 dated 21-7-1982 registered at S.R.O., Sreemoolanagaram.

> V. R. NAIR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 3-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS." ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-682 016, the 10th November 1982

Ref. L.C.-596/82-83.—Whereas, J. V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule istuated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 16-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which hhave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Sri Raghu Ravunni, S/o Late Sankaran Palat M/s. American Express Bank, Fort, Bombay-1.
 Sri Ravi Arvind, S/o Late Sankaran Palat Ratna Vilas, Rly. Station Road, Trichur. (Transferor)
- (2) M/s. Hotel South West (P) Ltd. Railway Station Road, Trichur-1. Rep. by Sri P. P. Paul, Poovathungal House, Chelakkottukara, Chiyyaram, Trichur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

38 cents of land wiht a buildings as per schedule attached to Doc. No. 3321 dated 16-7-1982.

V. R. NAIR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1982

Ref. No. AC-40/Acqn. R-IV/CAL/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-A, situated at Loke Nath Chatterjee lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regstering officer at Howrah on 27-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tag under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforwaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person amely:—

Smt. Binapani Devi
 Smt. Iva Rani Devi,
 Lokenath Chatterjee Lane,
 Shivpur,
 Distt. Howrah.

(Transferor)

(2) 1. Sri Tusar Kanti Pal,
2. Smt. Mahamaya Pal,
230 G.T. Road, P.S. Shibpur,
Distt. Howrah,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 7 Cottans with building.

Address: 5-A, Lokenath Chatterjee Lane, P.S. Shibpur,

Dist. Howrah.

Deed No. 4307 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date: 8-12 1982

- (1) Gwalior Commercial Co. Ltd.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
- (2) UCT. Investment & Trading Co. Ltd. (Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Investment Serurities Trust Pvt. Ltd.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th February 1983

Ref. No. AC-85/R-II/Cal/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/1A, Raja Santosh Road, situated at P. S. Alipur, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 8-7-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 728.50 Sq. mtr. at 3/1A, Raja Santosh Rd, P.S. Alipur, Calcutta, More particularly described in deed No. 5937 of July, 1982 of R.A. Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-2-1983

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th January 1983

Ref. No. AC-67/R-II/Cal//82-83.—Whereas I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

94/41, Raja Ram Mohan Roy Road, situated at P. S. Behala, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore, Calcutta on 26-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hehereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pratap Krishna Rohatgi & Ors., 41, Biren Roy Rond, (Fast) Calcutta-8.

(Transferor)

(2) Smt. Reena Bahal, T-548/1, Red Road Camp, M.E.S. Qr. P.S. Hastings, Calcutta-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Area: '3 k. 8 ch. 3 sqft. (with building) being pre. No. 94/41, Raja Ram Mohan Roy Road, P.S. Behala, Carcutta. More particularly described in deed No. 3923 of July. 1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rond,
Calcutta-700016

Date: 15-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd February 1983

Ref. No. AC-52/Acg. R-IV/Cal/82-83.--Whereas, I. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 82, situated at 2nd Lane, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 19-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:---34—6GI/83

(1) 1. Dr. Ram Krishna Ghosh, 2 Sri Dinabandhu Ghosh, 1, Khirode Chandra Ghosh Road, P. S. Golabari, Distt. Howrah 3. Smt Latika Biswas, 4, Sarkar Bari Lane, Bagh Bazar, Calcutta. Sarkar Bari Lane, 20/1, Pilkhana 3rd Byc Lane, P.S. Golabari, Distt. Howrah.

(Transferors)

(2) Mrs. Philomina Bergeon, W/o Leo Bergeon of 20/1, Pilkhana, 3rd Bye Lane, P.S. Golabari, Dt. Howrah,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given inthat Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 Cottahs 5 Chataks with Building. Address: 82, Pilkhana, 2nd Lane, P.S. Golabari, Dist. Howrah Deed No. 1686 of 1982.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 23-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd February 1983

Ref. No. AC-53/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding As, 25,000/- and bearing No.

7B, situate at Lalmohan Mukherjee St. Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 7-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Jatish Chandra Dhar, r/o 7-B, Lalmohan Mukherjee Street, Belur, Howrah.

(Transferor)

(2) Smt. Sandha Das, Smt. Sabtri Das, w/o Sri Rakhal Das, r/o 7-B, Lalmohan Mukherjee Street, Belur, Howrah,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 Cottahs with Building.

Address: 7-B, Lalmohan Mukherjee Street, Belur, Dist.

Howrah.

Deed No. 1726 of 1982.

C. ROKHAMÁ
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV.
54, Rafi Ahmed Kidwai Rnod,
Calcutta-700016

Date: 23-2-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd February 1983

Ref. No. AC-54/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/1 situated "Y" Road, Belgachia, Distt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Shyam Sunder Surekha P-33/B, Durga Charan Mitra Street, Calcutta. (Transferor)
- (2) Sri Mintu Ranjan Nandy. 1/2, "X" Road, Belgachia, P.A. Liluah, Dt. Howrah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 Cottahs 9 chataks, Address: 1/1, "Y" Road, Belgachia, P.S. Liluah, Dist: Howrah. Deed No. 1892 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-700016.

Date: 23-2-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 23rd February 1983

Ref. No. AC-55/ACQ. R.IV/Cal/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at Sankrail, Dist: Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Santimay Kundu Chowdhury Sri Kantimay Kundu Chowdhury Sri Radha Kanta Kundu Chowdhury Sri Samarendra Kundu Chowdhury Sri Biswanath Kundu Chowdhury Shri Kasinath Kundu Chowdhury Sri Tarulata Kundu Chowdhury Sri Sibprosad Kundu Chowdhury Sri Sankar Prosad Kundu Chowdhury

Sri Rabindra Mohan Kundu Chowdhury

(Transferor)

(2) Shri Dasarathi Khara Sri Basudeb Khara

of Pullya, P.S. Jogacha, DT. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land=3 Bighas 10 Cottahs 14 Cottahs. Address=Mouja-Dullya, P.S. Sankrail, Dist. Howrah. Deed No. 4431 of 1982.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I'y 54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-700016

Date: 23-2-83

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1983

Ref. No. AC-90/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C, ROK-HAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Mouja Kankurgachi situated at P.S. Beliaghata

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal. on 8-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :-

(1) Ram Prasad Seth.

(Transferor)

(2) Tilakraj Agarwalla & Ors.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: Land measuring 3k. 11 ch. at Mouja-Kankurgachi, P.S. Beliaghata. More particularly described in deed no. 5942 of Jul '82 of R.A. Cal.

> C. ROKHAMA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road : Calcutta-700016.

Date: 5-3-83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1983

Ref. No. AC-89/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROK-HAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

237Q, Maniktal Main Rd., situated at P.S. Maniktala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sealdah on 14-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ram Gobinda Sinha,

(Transferor)

(2) Ashim Guha Thaurta.

(Transferee)

(3) 1. Smt. Minu Rani Mitra. 2. Ashim Guha Thakurta.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1/3rd Share of land measuring 7k. 2ch. 39 sq. ft. at 237Q, Maniktala main Rd., P.S. Maniktala. More particularly described in deed No. 535 of July '82 of S.R. Sealdah.

C. ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
54 Rafl Ahmed Kidwai Road: Calcutta-700016.

Date: 3-3-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-H, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1983

Ref. No. AC-88/R-II/Cal/82-83.--Whereas, 1, C. ROK-HAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

237Q, Maniktala Main Rd, situated at P.S. Maniktala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sealdah on 14-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Minu Rani Mitra,

(Transferor)

(2) Bengal Sheet & Metal Products (P) Ltd.

(Transferee)

(3) 1. Ram Gobinda Sinha.2. Ashi Guha Thakurta.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1/3rd share of land measuring 7k, 2ch, 39 sq. ft. at 237Q, Maniktala Main Rd. P. S. Maniktala. More particularly described in deed no. 536 of July '82 of S.R. Sealdah.

C. ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-700016.

Date: 3-3-83.

(1) Sri Profulla Kr. Pramanik,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Chandra Kanta Saha & ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1983

Ref. No. Ac-87/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROK-HAMA,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 2082 situated at Mouja, Kaliadaha, Dum-Dum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer, at S.R. Cossipur on 22-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: Iand measuring 3K, 8ch. 10sft. at mouja Kaliadaha P.S. Dum Dum, More particularly described in deed No. 7.160 of S.R. Cossipur of July' 82.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-700016.

Date: 1-3-83, Seal:



 Sri Nagapati Ghosh. Gopalpore, P. S. Rajarhat, Dist : 24-Parganas.

(Transferor)

(2) Smt. Anuva Chatterjee. 2. Bidhan Sishu Sarani, Calcutta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1983

Ref. No. AC-62/Acqn. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, 1, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land

situated at Gopalpore Dist-24-parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at Cossipore (Dum Dum) on 22-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—35—6GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 106 Satak.
Address: Mouja-Gopalpore, P.S.-Rajarhat, Dist: 24-Parganas. Deed No. 142 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-700016.

Date: 3-3-1983

Scal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1983

Ref. No. AC-61/Acqn. D-IV/Cal/82-83.-Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ('Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Gopalpur, Dist. 24-Parganas

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Cossipore (Dum Dum) on 22-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the -consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Sri Khagapati Ghosh, Gopalpore, PS Rajathat Dist: 24-Parganas. (1)

Sri Manoj Kumar Chatterjee,
 Bidhan Sishu Sarani,
 Calcutta-54.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 117 satak.

Address: Mouja-Gopalpore, P.S. Rajarhat, Dist: 24-Parganas. Decd No. 7141 of 1982.

> C. ROKHAMA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

3-3-1983. Date:



FORM J.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1983

Ref. No. AC-60/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, 1. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land

situated at Bishnupur, 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jayanti Chatterjeé
 W/O Sri Mihir Chatterjee
 62/B, Tivoli Court, P.S. Ballygunge, Calcutta-18.

(Transferor)

(2) 1. Sri Anil Kanoi2. Sri Sanjil Kanoi3. Smt, Sashi Kanoi4. Smt. Mangula Kanoi

Smt. Mangula Kanoi
 Smt. Suman Kanoi
 C/Q M/s. Mason's Products.

24-R. N. Mukherjee Road, Cal-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 7 Bighas 2 Cottahs 5 Chataks 43 sft. Address—Mouja—Mirpur, P.S. Bishnupur, Dist.-24 Parganas, Deed No. 6181 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 2-3-1983

NOTICE UNUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX .

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1983

Ref. No. AC-59/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land

situated at Sankrail, Dist.-Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 19-7-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

1. Golam Mohiuddin Laskar
 2. Golam Rabbani Laskar

 Md. Hanif Laskar. Jongalpur, P.S. Sankrail, Dist-Howrah, (Transferor)

 M/s, Bharat Steel Traders, 10-Mohanlal Şakharia Road, P.S. Bally, Dist-Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I.and .73 Decimal.
Address—Mouja-Argori, P.S. Sankrali, Dist-Howrah. Deed No. 4102 of 1982.

C. ROKHAMA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 2-3-1983

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Arshad Ali Mondal
(2) Taher Ali Mondal
Vill-Mirpur, P.S. Scrampore, Dist: Hooghly.
(Transfero (Transferor)

(2) M/s. Hindusthan Development Corporation Ltd. 27, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1983

Rcf. No. ACQ-R-IV/Cal/82-83.—Whereas, J. C. ROK-HAMA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated Bamunari Dist: Hooghly (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (d) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: 81 Decimal. Address: Mouja-Bamunari, P.S., Serampore, Dist: Hooghly. Deed No. 5833 of 1982.

> C. ROKHAMA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-IV, Calcutta.
> 54, Rufi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1983.

Ref. No. AC-57/Acqn,R-IV/Cal/82-83.—Whereas, 1, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land

situated at Mirpur, DT-Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have anot been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sheikh Amir Ali. (2) Musett. Amina Khatum. Vill-Mirpur, P.S. Scrampore. Dist-Hooghly. (Transferor)

(2) M/S Hindustan Development Corporation Ltd. 27, R. N. Mukherjee Road, Cal.

(Transferee)

Objections, is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 0.56 Decimal. Address: Vill. Bamunari, P.S. Serampore, Dist. Hooghly Deed No. 5830 of 1982.

> C. ROKHAMA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 2-3-1983 Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

P.O. & P.S. Dhupguri, Dist. Jalpaiguri.

may be made in writing to the undersigned.

whichever period expires later;

(Transferor) (2) Sri Partha Sarathi Roy of Dhupguri, P.O. & P.S. Dhupguri, Dist. Jalpaiguri

(1) Sri Satendra Nath Nandy of Dhupguri,

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1983

Ref. No. AC-56/ACQ.-IV/Cal/82-83.—Whereas, ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land situated at Dhupguri Jalpaiguri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moynaguri on 3-7-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 543.40 sqr. Meter with structure. Address Dhupguri Bazar, P.S. Dhupguri, Dist-Jalpaiguri, Deed No. 6875 of 1982,

> C. ROKHAMA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Calcutta,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE KARVE ROAD, 60/61 ERANDAWANA POONA-411004

Pune, the 14th February 1983

Ref. No. CA-5/789/SR Haveli/82-83.—Wheraes, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17/7, 17 Mahatma Gandhi Road, situated at Poona-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Haveli on July 1982

for apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Master Sukhia & Co.
Project 'B' Partnership firm havings its office at .547,
Rasta Peth, Poona-411001 through its partners:—

(1) Mrs. Baimai Rustom Master (2) Mr. Jimmy Dara Sulchia (3) Miss Jeroo Dhunjishaw

(4) Mrs. Armaiety Jimmy Sukhia

(Transferor)

(2) M/s, Tokyo Restaurant17 M.G. Road, Pune-411001.Partner: Kanayo Duhllanomal Nandwani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Basement floor 17/7, 17 Mahatma Gandhi Road, Poona-411001.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2286 in the office of the sub-registrar Haveli, Poona on July 1982.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 14-2-1983



(1) M/s. Chopra Constructions, 245. Narayan Peth, Punc-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Malikarjun Ravi, 2. Smt. Gowri M. Ravi, 10 Priyadarshan S, Punc-9.

(Transferee)

"GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

> ACQUISITION RANGE, PUNE 60/61 ERADAWANA KARVE ROAD, PUNE-411004

Puna, the 24th January 1983

Ref. No. CA-5/13/37EE/82-83.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rajkiran Apartments, Flat No. 4, Plot No. 86 survey No. 50, 52, 53-A, situated at Parvathi, Punc-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range on 10-10-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajkiran Apartments, Flat No. 4, Plot No. 86, S. No. 50.

52, 53-A, Pareathi, Pune-411 009.
(Area—730 sq. ft.)
(as described in the agreement deed executed on 30-9-82 which is registered under No. 210 in this office on 10-10-82)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Puna.

Date: 24-1-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-36---6GL 83

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, POONA 60/61 ERADAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 4th February 1983

Pef. CA-5/SR. Jalgaon/786/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 5, C.T.S. No. 2116, situated at Jalgaon and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R Jalgaon on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) The Khandesh Spinning and Waiving Mills Co., Ltd., Jalgaon.
 - (Transferor)
- (2) Shri Abhaikumar Velji Shah, 2674, Jilha Peth, Jalgaon.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 (Half portion) C.T.S. No. 2116, Jalgaon (Area—4168.5 sq. ft.)
(As described in the sale deed registered under No. 3418 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon in September, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following manney:—

Date: 4-2-1983

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 4th February 1983

Rct. No. CA-5/787/SR-Jalgaon/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 undivided share in Plot No. 5 out of C.T.S. No. 2116 situated at Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalgaon on 21-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument of transfer ith the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /6r
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Khandesh Spg. & Wvg. Mills Co. Ltd., Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Ramji Kuvarji Shah, 2674, Jilha Peth, Jalgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—1/2 undivided share in Plot No. 5 out of C.T.S. No. 2116 at Jalgaon.

Area—4168.5 sq. ft.

(As described in the sale deed registered under document No. 3419 in the office of the Sub-registrar, Jalgaon 21-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 4-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, POONA KARVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 11th February 1983

Rcf. No. CA-5/785/SR-Nasik/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 612/5B/2 Nasik Town Planning Scheme No. 2 near Kalika Mandir situated at Old Agra Road, Nasik-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

- (1) Mrs. Vinita Rajan Dharkar N/5, R.H. IV Sector VII, Vashi New Bombay.
- (2) Siemens India Ltd., through their company Secretary, Mr. U. N. Motwani at 134-A Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at S. No. 612/5 B/2 Nasik, Town Planning Scheme No. 2 Final Plot No. 90 near Kalika Mandir Old Agra Road, Nasik-1 (property as described in the sale deed registered under document No. 4760 in the office of the sub-Registrar Nasik on July, 1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-2-83



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA 60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, POONA-411004

Poona. the 24th January 1983

Ref. No. CA-5/14/37EE/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rajkiran Apartments, Flat No. 6, Plot No. 86 survey No. 50, 52, 53-A Parvathi situated at Poona-411 009.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acquisition Range, Poona-4 on 19-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Chopra Constructions, 245, Narayan Peth, Poona-411 030.

(Transferør)

(2) 1. Dr. Vinayak Narayan Upasani,
 2. Mrs. Suvarna Vinayak Upasani.
 Vidya Laxmi, Bibwewadi, Punc-411 037.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Rajkiran Apartments, Flat No. 6, Plot No. 86 Survey No. 50, 52, 53-A Parvathi, Poona-411 009 (area—458 Sq. ft.) (As described in the agreement deed executed on 14-10-82 which is registered under No. 208 in this office on 19th October, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 24-1-83

(1) Shri Vasant M. Vazare, 3130 Chowk Mandai, Nasik.

(Transferor)

 Smt. Meena G. Saney
 Kum. Harsha G. Saney
 Colombia Domnic Street, Bandra Bombay-400 050.

(Transferce)

JOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

)FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA KARVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 11th February 1983

Ref. No. CA-5/794/SR-Nasik/1982-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

neing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the minovable property having a fair market value acceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 570/1 Plot No. 3, FP No. 62/2 TPS-No. 11 situated at Bombay Agra Road Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 11-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property situated at S. No. 570/1 Plot No. 3 of F.P. No. 62/2, TPS-No. II, Bombay Agra Road, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 5097 in the office of the sub-registrar Nasik or 11-8-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

ving Date: 11-2-83 Seals:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM No. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, POONA KARVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 25th January 1983

Ref. No. CA-5/784/SR-Kalyan/82-83. -Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 156/H. No. 2 Gram Panchayat, No. 172 situated at Tal. Kalyan Sheel Road, Village Asade, Golawali Kalyan Dt. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Kalvan on 20-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Kumud Babha Khandelwal, 13/6, Jawahar Darshan Co. Op. Hsg. Society, Dombivli, Kalyan Dist. Thane. (Transferor)
- (2) Shrì Satish S. Parlikar Sadashiv Sadan, Port Kalyan, Dist. Thane. (Transferce)
- (3) Tenant

 M/s. Avery India Ltd.,
 M/s. Dombivli Lori way Bridge. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--- ;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at S. No. 156/H. No. 2 Grampanchayat, No. 172_Kalyan Sheel Road, Village Asade Golawali Tal. Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under doct. No. 1363 in the office of the sub-registrar, Kalyan on 20-7-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-1-83 Seal:

(1) M/s. Chopra Constructions 245, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1.Mrs. Vr.Inda V. Gharpure,
2. Mrs. Supriya S. Apte,
1223, Shivajinagar, F.C. Road; Pun 4. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, KARVE ROAD, PUNE-411004

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Pune, the 24th January 1983

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. CA-5/37EE/12/82-83 --- Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Raikiran Apartments, Flat No. 3, Plot No. 86 S. No. 50, 52, 53 A situated at Parvati, Pune-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acquisition Range, Pune on 19 Oct. 32

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Rajkiran Apartments, Flat No. 3, Plot No. 86 Survey No. 50, 52, 53-A, Parvathi, Pune-411 009. (Area-458 Sq. ft.)

(As described in the agreement deed executed on 20-9-82 which is registered under No. 209 in this office on 19th October, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 24-J-1983

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Tropical Builders, 776-A, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) M/s. Shital Matching Centre, Partnership Firm, 573/3, Jangli Maharaj Road, Punc-5.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 24th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/16/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 776A Sadashiv Peth, Pune-30 situated at Pune-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range Pune on 24-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the maid property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Shop at 776A Sadashiv Peth, Pune-30 area 225 sq ft.. (Property as described in the agreement executed on 26-8-82 which is registered under No. 208 in this office on 24-9-82).

SHASHJKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-2-1983

Seal:

37-6GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Poona-4, the 10th February 1983

Ref. No. CA-5/791/SR- Nasik/82-83.—Whereas, 1 SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bering

Plot No. 2, S. No. 570/1, F.P. No. 62/2TPS-II situated at Bombay Agra Road, Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the the Office of the Registering Officer at Nasik on 11-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pandurang T. Vazare. Vazare Park, Agra Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran S. Saney 601, Jewel Towers, St. Paul Road, Bandra, Bombay-400 050.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. 2, S. No. 570/1, 62/2 TP5-II Bombay-Agra Road, Nasik.

(As described in the sale deed registered under doc. No. 5099 in the office of the sub-registrar Nasik on 11-8-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 10-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Poona-4, the 10th February 1983

Rcf. No. CA-5/793/SR-Nasik/82-83.—Whereas, f, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 570/1 Plot No. 5 of F.P. No. 62/2 situated at TPS-No. II Bombuy-Agra Road, Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Nasik on 11-8-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of ony income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Shri N. T. Vaare
2. Shri P. T. Vazare
3. Shri V. M. Vazare
4. Shri V. B. Vazare
(Transferors)

(2) Kum. Madhuri P. Badlani 7, Elue Nile 24th Road, Bandra Bombay-400 050.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, S. No. 570/1 F.P. 62/2, TPS-II Bombay-Agra Road, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under doct, No. 5094 in the office of the sub-registrar Nasik on 11-8-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 15-2-1983.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Poona-411 004, the 10th February 1983

Ref. No. CA/5/792/SR/Nasik/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. (1), S. No. 570/1 TPS-II F.P. No. 62/2 situated at Bombay Agra Road, Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Nasik on Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Vijay B. Vazare
 Vazar Park Bombay Agra Road,
 Nasik.

(Transferor)

(1) 1. Shri K. P. Badlani 2. Shri N. V. Ma ke 435, Pandurang Niwas, Raviwar Peth, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. 1 F.P. No. 62/2, TPS-II Bombay Agra Road, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under doct. No. 5098 in the office of the sub-registrar Nasik on Aug. 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 10-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Poona-411 004, the 21st February 1983

Ref. No. CA5/796/SRHaveli/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beraing

S. No. 50+52+53A, Parvati situated at Pune-411 009. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Haveli on 22-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kamalabai Kaverrao Lalge, 311, Budhawar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) 1. Shri Popatlal Hiralal Doshi, Lohiyanagar, Pune-2. 2. Shri Prabhakar M. Hadatgune,

At & post Ambegaon (BK) Tal. Haveli, Dist. Pune,

Shri Sakharam A. Ghadge At & post Ambegaon (BK) Teh. Haveli, Dist. Punc.

4. Shri Nandlal C. Bothara at Vadagaon, sheri, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 50+52+53A, Parvatl, Pune-411 009, area 649.3 sq. Mts. (Property as described in the sale deed registered under document No. 3611 in the office of the Subregistrar, Haveli-I

Pune on 22-7-82).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 21-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Pune-411 004, the 14th February 1983

Ref. No. CA-5/19/37EE/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 6, First Floor, Avishkar S. No. 24/2-2, Apt. situated at Erandawane, Pune-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on 13-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Sudhir Mandke & Co. 1132/2, Shivaji nagar, Alankar Bhavan, Puna-411 004.

(Transferor)

(2) Shri Maddhumilind Gajanan Deshpande, Ahilyalaya, 165, Shivaji Nagar, Punc-411 005.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, First floor, Avishkar Apartment, S. No. 24/2-2-Erandawana, Pune-4110004. (Area—1000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement deed executed on 11-10-82 which is registered under No. 276 in this office on 13-10-82).

SHASHJKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-2-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Pune-411 004, the 17th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/17/82-83,—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 147, Hissa No. 16 & 17 situated at Kothrud Pune-Pune-411 029

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range, Pune on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. C. L. Shirole (R.F.) 258 Shivajinagar, Pune-411 005.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Dinkar Gupta, 1204/4 Kanchur Niwas Ghole Road, Pune-411 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 147, Hissa No. 16 & 17 kothrud Pune-411 029 Area 8748 sq. ft.

(Property as described in agreement deed executed on 23-9-82 whilh is registered under No. 253 in this office on 8-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 17-2-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Pune-411 004, the 15th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/22/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 2, Chandralok Apartment, Bldg. No. 4, CTS, No. 976-A F.P. No. 390 situated at Shivaji Nagar, Pune-411 016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acquisition Range, Pune on 12-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Vishmitra & Rathi 103 Suyash Chambers, 1149, Sadashiv Peth, Punc.

(Transferor)

(2) Shri Motichand M. Kothadiya, C/o. Dr. A. M. Kothadiya, Post Pimpalwandi Tal. Junnar, Dist. Punc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Flat No. 2, Chandralok Apartment, Building No. 4, CTS-No. 976-A FP No. 390, Shivajinagar, Pune-411 016.

(Area-880 sq. ft.)

(Property as described in the agreement executed on 24-9-82 which is registered under registration on No. 264 in this office on 12-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 15-2-1983

(1) M/s. A. V. Mulay & Co., 1141, Shivaji Nagat, F. C. Road, Pune-411016, (Transferor)

(2) Shri Ravindra K. Karnik, C/16/1, Vikram Co-op, Hsg. society Kothrud, Pune-29.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD,
60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Pune-411 004, the 19th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/32/82-83.—Whereas, J, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Plot No 31, Out of S. No. 129 Ideal Colony situated at Kothrud, Pune-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—6GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, at Plot No. 31, Out of S. No. 129, Ideal colony Kothrud, Pune-29—Area—760 sq. ft.

(Property as described in the agreement deed executed on 1-10-1982 which is registered under No. 290 in this office on 15-10-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 19-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Punc-411 004, the 28th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/82-83.—Whereus, J, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 25 in Ganesh chambers Cop. Housing Society Ltd., Ganesh Peth situated at Pune-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at IAC. Acqn. Range Pune on 23-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suverna Vijay Shah 308, somwar peth, Pune-411 011.

(Transferor)

(2) 1 Shri Rajendra Hirachand Mehta, 44, Wanowari Bazar, Pune-1.

 Shri Vijaykumar Surajmaliji Oswal, D-34, M. G. Road, I onavala, Dist. Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this zotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25 Ganesh Chambers Co-op, society Ltd., Ganesh peth, Pune-2. Area 150 sq. ft.

(Property as described in the agreement deed executed on 27-2-82 which is registered under No. 103 in this office on 23-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 28-2-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Pune-411 004, the 25th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/3082-83. —Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 103-Chandralok Appartment, B. No. C.T.S. No. 976-A, No. 390, Shivaji Nagar-16 situated at Pune-411 016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering IAC. Acquisition Range, Pune on 21-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vishwamitra and Rathi, 103, Suyash Chambers, 1149 Sadashiv peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Dr. Umesh aylwant Naabr, 6, Karmokur House, Tilak Nagar, 6th Lane, M. G. Road, Goregaon (W) Bombay-400 062.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Officia Glazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Chandralok Appartments, Building No. 4, C.T.S. No. 976-A. No. 390, Shivaji nagar, Punc-16. (Area—1230 sq. ft.)

(As described in the agreement executed on 27th August. 82 which is registered in this office on 21-9-82 under registration No. 79).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Pune-411 004, the 18th Febuary 1983

Ref. No. CA-5/37EE/31/82-83.—Whercus, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No. Flat No. C-1, Ground floor, Building 'B' Plot No. 1180/7/1 situated at Shivaji Nagar, Pune-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

1AC. Acqn. Range on 4-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mahendra Motilal Shah 1180/7/1, Shivaji nagar, F. C. Roat, Pune-411 005.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Reddy Prasunamba N. M.
2. Smt. Duggirala Jyoti S. R.
3. Smt. Redddy Vijayalaxmi S. R.
Reddy Prasunamba—Ungutmtadepalligadane
West Godwari (Dist) Andhra Pradesh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-1, Ground floor, in Building 'B' on Plot No.

1180/1/1. Shivaji Nagar, Pune-411 005.

(Property as described in the agreement deed executed on 7-11-82 which is registered under No. 1873 in this office on 4-12-1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Poona

Date: 18-2-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Shah Madan & Associates 1142, Shivaji Nagar, Punc-411 016.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishnu Prashuram Ganpule, Flat No. 109, Anurag Apartments, 122/3, Erandawana, Pune-411 004.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Pune-411 004, the 17th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/21/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 51B, CTS. No. 100-B, Erandawana, situated at Pune-4.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on 13-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51B, CTS No. 100B, Erandawana, Pune-411 004. Carpet Area—77.10 sq. mtrs.

(Property as described in the agreement deed executed on 2-10-82 which is registered under No. 267 in this office on 13-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 17-2-1983

FORM No. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVE ROAD, 60/61, ERANDAWANA, POONA-4.

Pune-411 004, the 17th February 1983

Ref. No. CA5/37EE/20/82-83.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 51B CTS. No. 100B, Erandawana, situated at Pune-411 004.

and bearing No.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acquisition Range, Pune on 24-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- M's. Shah Madan and Associates, 1142, Shivaji nagar, Pune-411 016.
- (2) Shri Sunil Madhav Gadgil, Krishna Kunj Housing society Ltd., 122/2, Erandawana, Pune-411 004.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51B-CTS-No. 100B-Erandawara, Pune-411 004.

Carpet Arca—77.10 Sq. mtis.
(Property as described in the agreement deed executed on 1-9-82 which is registered under No. 106 in this office on 24-9-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 17-2-1983

FORM No. J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN KARVÉ ROAD, 60/61, FRANDAWANA, POONA-4.

Pune-411 004, the 14th February 1983

Rcf. No. CA-5/37EE/29/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

FP. No. 567/3/20, CTS No. 1202/3/20 situated at Shivaji nagar, Pune-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqun. Range, Pune on 18-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shanti Builders, 1202/3/20 Shivaji nagar, Pune-411 004.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Laxmanrao More, C-1, Kusum Sahaniyas, Hare-Krishna Mandir Road, P.une-411 016. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th undivided share in F.P. No. 567/3/20 CTS No. 1202/3/20 Shivajinagar Pune-4-Carpet area 84.65 sq. mtrs. (Property as described in the agreement deed exxecuted on 1-9-82 which is registered under No. 64 in this office on 18-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PNAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE,
PUNE-4

Pune-4, the 17th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/25/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2, 1st floor, Patwardhan property, 177-A Parvati, situated at Pune-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer IAC Acquisition Range, Pune on 21-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vishwamitra and Rathi 103, Suyash Chambers, 1149, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) 1. Mr. J. S. Boob, 2. Shri P. J. Boob 3. Shri V. J. Boob 4. Shri S. J. Boob

Post Akola, Dist. Ahmednagar 422601.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st Floor, Patwardhan property, 177-A Parvati, Pune-411009. Area—470 Sq. ft.

(Property as described in the agreement deed executed on 6-7-82 which is registered under No. 77 in this office on 21-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune-4.

Date: 17-2- 1983



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, PUNE-4

Pune-4, the 24th February 1983

Ref. No. CA-5/15/37EE/82-83.—Wheeras, I, SHASHIKANT KULKARNI.

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-26, Shantisadan Co-op. Hsg. Society, 2nd floor situated at

Punc-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acquisition Range, Pune on 7-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---39--6GI/83

(1) Shri Bhagwandas S. Israni 7, Sadhu Vaswani Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Kavita Ashok Chandwani, C-26 Shantikunj, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-24 Shantisadan Coop. Hsg. Society, 2nd Floor, Pune-1, area 1020 sq. ft.

(Property as described in the agreement deed, Executed on 3-8-1983 which is registered under No. 12 in this office on 7-9-1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune-4.

Date: 24-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, PUNE-4

Pune-4, the 28th February 1983

Rcf. No. CA.5/800/SR.Haveli/82-83.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. J.S. 243 Plot No. 3, Shukrawar Peth situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Haveli-II in July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the anid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D' of the said Act, to the following persons namely ;---

(1) 1. Shri Anant Waman Kale, Shri Jaywant Annud Kale, 1025, Sadashiv Peth, Pune-411030.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Rohini Ramesh Rahurkar, 2. Shri Ramesh Mahadeo Rahurkar.

766, Guruwar Peth, Punc-411002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 243, Plot No. 3, Shukrawar Peth, Pune-411002. (Area—1008 Sq. ft.)

(As described in the sale deed executed on 5-4-82 which is registered with the Sub-registrar, Haveli uniler document No. 2488 dated July, 82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune-4.

Date: 28-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, PUNE-4

Pune-4, the 28th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/34/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 104, 1st floor, Maniar Apartments S. No. 4, 5, 6, 7 village, Navghar, Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on 14-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Kohinoor Construction Co., 29, Panchal Nagar, Vasai Road, Thane.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Pada Chakraborthy, A-117, Air India Staff Housing Colony, II, Kalina, Santacruz, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. 103, 1st Floor, Maniar Appartments Plot Nos. 57 and 58 S. No. 4, 5, 6, 7, village Navghar, Vasai, Dist. Thane. (Area—340 Sq. ft.)

(As described in the sale agreement executed on 4-10-82 which is registered in this office under R. No. 280 dated 14-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune-4.

Date: 28-2-1983



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, PUNE-4

Pune-4, the 28th February 1983

Ref. No. CA-5/37-EE/35/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 56 and 57 S. No. 4, 5, 6, 7 & 8 Flat No. 116, 1st Floor, Maniar Apartment Navghar, Tal. Vasai situated at Dist, Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range, Pune on 15-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- M/s. Kohinoor Construction Co., Maniar Apartments, Plot No. 56 & 57 S. No. 4, 5, 6, 7, 8, 9, Village-Navghar, Vasai Road, Thane.
- (2) Shri Ishnath Singh, Sevanand Tiwari Chawal, Kurar Village, Bombay-69.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 56 and 57 S. No. 4, 5, 6, 7 and 8 Flat No. 116, 1st Floor, Maniar Apartment, Building situated at Navghar, Tal Vasai, Dist. Thane. (Area—390 sq. ft.)

(As described in the sale of agreement executed on 7-10-82 which is registered in this office under R. No. 296 dated 15-10-82.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune-4.

Date: 28-2-1983



NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, PUNE-4

Pune-4, the 1st March 1983

Ref. No. CA/37EE/37/82-83.--Whereas, J. SHASHIKANT KULKARNI,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 402, Wing-B, 4th floor, Plot No. 9, S. No. 17-A/1, Bhairovba Nalla Fatima Nagar, Punc Solapar Road situated at Pune 411013.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on 22-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 Cof the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Manish Corporation, 24, Vcer Nariman Road, Fort, Bombay-400023.

(Transferor)

(2) Shri Arvind N. Khatri, Paramount Apartments, B/2, 1st floor, 1981, Convent Street, Pune Camp,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Wing B, Fourth Floor, Plot No. 9, S. No. 17-A/1, Bhairovba Nalla, Fatima Nagar, Pune Solapur Road, Pune 13. (Area— 685 Sq. ft.)

(As described in the sale of agreement executed on 23rd

August 1982 which is registered in this office on 22nd September 82 under registration No. 62),

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune-4.

Date: 1-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF 'INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, PUNE-4

Pune-4, the 26th February 1983

Ref. No. CA-5/797/SR. Kalyan/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 228-A, Plot No. 3, Thakurli Dombivili situated at Tal. Kalyan Dist. Thano

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Kalyan in July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Shri Laxman Amrumel Dubay, 86-D, Gurunanak Co-op. Housing Society, Thane.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Pillai, President, Yashomati Co-operative Housing Society, Dombivili.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 228-A Plot No. 3, Thakurli Village, Dombivili Tal. Kalyan, Dist. Thanc. (Area 402 sq. yards).

(As described in the sale deed executed on 29th June, 82 with the sub-registrar, Kalyan under Document No. 1276 dt.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune-4.

Date: 26-2-83 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE.
PUNE-4

Pune-4, the 4th March 1983

Ref. No. CA-5/801/S.R.Maval/82-83,---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25000/- and

S. No. 34, Block No. 281, Village Kasar Amboli, Tal. Mulshi Dist, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar Maval on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Narayan Narhar Deshpane, At and Post Urwade, Tal. Mulshi, Dist. Poona.

(Transferor)

(2) Shri P. D. Vaidya, Director, Ms. Atlas Copco (India) Ltd. M. Gandhi Memorial Bldg., Netaji Subhash Road, Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 34—Block No. 281-Village Kasar Amboli, Tal. Mulshi, Dist. Pune, (Area—24 Acres).

(As described in the subregistrar under No. Doc. 1285 in July, 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Punc-4,

Date: 4-3-1983



NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, PUNE-4

Punc-4, the 4th March 1983

Ref. No. CA-5/802/SR.Maval/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 49-Hissa No. 1A/1/2, S. No. 49-Hissa No. 1A/2 and S. No. 49—Hissa No. 18/1 Tungarli situated at Lonavala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Mayal on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Mahadeo Shrinarayan Khandelwal D-Ward, Lonavala, Distt. Poona.

 Shri Kishin Gurnomal Khilnani, Bk. No. 897/18-Sec. 20, Ulhasnagar, Dist. Thane. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 49—Hissa No. 1A/1/2, admeasuring 00-37 Ares. S. No. 49—Hissa No. 1A/2 admeasuring H.00-23 Ares. S. No. 49—Hissa No. 18/1 admeasuring H. 01-82 Ares. Land situate at Village Tungarli within the limits of Lonavala Municipality Dist. Pune.

(As described in the sale deed registered with Sub-Registrar Mayal Taluka under Document No. 1064 in July 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune-4.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 26th February 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/1 & 1A/82-83.—Whereas I, R. K. BAQAYA.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat Nos 19 & 29 Asha Mahal CHS, situated at Naoroji Gamadia Road, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269-AB of the I. T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority on 5-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb initiate proceedings for the acquisition of the afrocaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Bina Dilip Gondalia.

(Transferor)

(2) Wallace Flour Mills Co. Ltd.

(Transferee)

(3) Wallace Flour Mills Co. Ltd.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 19 & 20. Asha Mahal Co-op. Hsg. Soc., Naoroji Gamadia Road, Bombay-400 026. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/1/82-83 dated 5-10-1982.

R. K. BAQAYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 26-2-1983

Scal .

40---6GI/83

5-10-82

FORM ITNS-

. (1) Smt. Naina Jogee Bhar.

(Transferor)

(2) 1. Bhurendra B. Parikh,2. Nilesh B. Parikh,3. Tushar B. Parikh.

(Transfere.)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 26th February 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/12/82-83.—Whereas I, R. K. BAOAYA,

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 1. Prithvi Apartments, situated at Altamount Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 and the Agreement is registered under Section 269-AB of the I. T. Act. 1961, in the Office of the Competent Authority on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other samets which have now been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this pottice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in 'B' Building on 19th floor of Prithvi Apartments, 21 Altamount Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay. under Serial No. Acqn. Range-I/6/82-83 dated 5-10-1982.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 26-2-1983

(1) Dr. Kantikumar C. Shah & Smt. L. K. Shah. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Shri Godrej Jamatraj Behara & Smt. Bhowariben G. Bohara.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 26th February 1983

Ref. No Acqn. Range-I/37EE/10/82-83.—Whereas I, R. K. BAQAYA,

being the Connectent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Flat No. 3, Girmar Apa tments, situated at Dungersi Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of and the Agreement is registered under Section 269-AB of the I. T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority on 5-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the true market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—516G1/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Girnar Apartment, 10 Dungersy Road, Bernbay-400 006. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/5/82-83 dated 5-10-1932.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-lax
Acquisition Runge-I, Bombay

Date: 26-2-1983

Canl:

(1) Smt. Chandra Kanta.

(2) 1. Shri Krishna Lal Katiyal.2. Smt. Swarn Katiyal.

(Transf.ro:)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th March 1983

Ref. No. G.I.R. No. K-115,—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A plot of land situated at Civil Lines, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 288.00552 sq. mtrs. situated at Mohalla Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale field and form 37G No. 4623/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date · 5-3-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1983

No. G.I.R. No. S-245/Aug.-Whereas I, A. Ref PRASAD.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule A portion of a house, situated at 17, Jopling Road, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offire of the Registering Officer at Lucknow on 5-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair morket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- . (1) 1. Smt. Kamla Gauri Pandya. 2. Dr. J. B. Pandya (Mukatar Aam).
 - (Transferor) (2) M/s. Spot Investment (Pvt.) Ltd. Embassy Apartment, Calcutta Through its Attorney, Shri J. S. Rajwant,
 - (Transferce) (3) Above sellers. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as great · in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of a house measuring 12000 sq. ft. situated at 17. Jopling Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 159, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 5-7-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-3-1983 Scal.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th October 1982

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the summovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of a house, situated at 17, Jopling Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lurknow on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said enstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to: the surposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

196w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afasesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. Smt. Kamla Gauri Pandya. 2. Dr. J. B. Pandya (Mukatar Aam)

(Transfero:)

(2) M/s. Rajwant Associates Through Partner, Shri J. S. Rajwant, 34, Lalbagh, Lucknow.

(3) Above sellers.

(Tran.f.1ce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thi notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of a house measuring 7400 3q. ft. situated at 17, Jopling Road. Lucknew, and all that description of the property which is mintioned in the sale feed and form 37G No. 160, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 6-7-1932.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th November 1982

Ref. No G.I.R. No. H-45/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1, situated at Auckland Road, Allahabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrat on Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Star Hotel Ltd., 12-A, Cannaught Place, New Delhi Through Shri I. H. Alvi, Director.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hirdaya Nandan Bahuguna. 2. Smt. Meena Bahuguna.

(Transferee)

(3) Above sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, m any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. sha't have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that leasehold rights in the land measuring 870 sq. mtrs. being part of plot No. 2 near Cantonment Ihnna in Allahabad City and the being part of the property bearing Nagar Mahapalika No. 1, Au kland Road, Allahabad and all that description of the property which is mentioned as the sale deed and form 37G No. 7005 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 27-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 26th November 1982

Ref. G.I.R. A.114/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Computant Authority under Section 269B of the Income-tax Agt. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Arazi Bandobasti No. 67 situated at Ramapura, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on July, 1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income assising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nag Nath Balwant Rao Kale

(Transferor)

(2) Ms. Ashutosh Sahkari Avas Samiti Ltd., Chupp pur, Gilat Bazar Cantt, Varanasi through Shri Achutanand Pandey

(Transferee

(3) Above seller
(Person in occupation of the proper

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti No. 67, situated at Mauza-Ramapura, Pargana—Dehat Amanat, Distr. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6015, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 26-11-1982

(3) Above Beller.



FORM ITNS

(1) 1. Shri Narsingh Rao Balwant Rao Kale 2. Shri Sadanand Narsingh Kale

(Transferor

(2) M.'s. Ashutosh Sahkari Avas Samiti Ltd., Chuppepur Gilat Bazar Cantt., Varanasi Through Sari Achutanand Pandey

(Person in occupation of the property)

(Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 26th November 1982

Ref. G.I.R. No. A-115/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Arazi Bandobasti No. 67 situated at Mauza-Ramapura, Distt. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Varanasi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41—6GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti No. 67 situated at Mauza Ramapura, Pargana Dehat Amanct, Dist. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6014, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 26-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 20th January 1983

Ref. G.I.R. No. J-62/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Kachcha House No. 94 situated at Muradabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !—

(1) Smt. Himmat Kumari Singh

(Transferor)

(2) 1. Sri Jagmohan Lal

2. Smt. Siddheshwari Devi urf Saraswati Devi.

3. Smt. Maya Gopal.

4. Smt. Savitri Srivastava.

(Transferee)

(3) Smt. Himmat Kumari Singh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this_Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kachcha House No. 94, Muradabad, Allahabad measuring 1303 sq.yds. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form No. 37 G-No. 3995/82, which bave duly been registered in the office of the sub-registrar, Allahabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, I ucknow

Date: 20-1-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 16th February 1983

Ref. CR. No. 62/35634/82-83/Acq.B.—Wherens, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/and bearing

No. 2, New No. 17, situated at Banaswadi Road, Cook Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, under document No. 1395/82-83 on 6-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. S. M. P. Deeks, Old No. 2, New No. 17, Banaswadi Road, Cook Town, Bangalore-560005.

(Transferor)

(2) Shri Anurama Constructions, No. 11. Nandidurg Road, Jayamahal Extn., Bangalore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1395/82-83 dated 6-8-1982)
All that property bearing No. 2, New No. 17, Banaswadi Road, Cooke Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 16-2-83.

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

· OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore, the 18th February 1983

Ref. CR. No. 62/35489/82-83/Acq.B.-Whereas, I, MANJU MADHAVÁN

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 57/3 situated at 11th Main Road, Malleswaram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajajinagar under document No. 1445/82-83 on 7-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. K. T. Rathna, W/o Shri P. M. N. Murthy, No. 20, XI Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.
- (Transfere (2) Chairman & Managing Director, Turnkey Constructions (P) Ltd., No. 57/1, 11th Main Road, Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1445/82-83 dated 7-7-82) All that property bearing 57/3 situated at 4th Main Road, Malleswaram, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 16th February 1983

Ref. C.R. No. 62/35791/82-83/ACO-B.—Whereus, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 5. New No. 77/1, and 77/2 situated at Binnamangala, Manavartha Kaval, K. R. Puarm Hobli, Bangalore South Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Bangalore South To

at Bangalore South Tq., under document No. 2347/82-83 on 1-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri A. Vardan, S/o Sri Annu Naidu, No. 3, Sivan Chetty Garden, Munishigally, Bangalore-42.

(Transferor)

(2) Shri R. James Cumberland, S/o Sri Richard Cumberland, reptd. by G.P.A. holder Sri Harry A Periera, No. 34/6, Bangiappa Garden, Lashmi Road, 5th Cross, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2347/82-83 dated 1-7-1982)
All that property bearing No. 5, New No. 77/1 and 77/2 situated at Binnamangala Manavartha Kaval, K. R. Puram, Hobli, Bangalore South Tq.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 16-2-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 23rd February 1983

C.R. No. 35939/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 6-18-799 (Old No. 324) T.S. No. 736, R.S. No. 736-1 situated at Matakari Road, Boloor Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City under document No. 392/82-83 on 2-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely -

(1) Shri Aloysius Antony alias Louis Mandonsa, S/o Shri Jeegi Mingel Mondons, Little floor, No. 6, flat No. 5, 2nd Floor, 28th Road, TPS III Bandra, Bombay-50.

(Transferor)

 Shri V. Manjunath Kamath
 Sri V. Hari Kamath
 Sri V. Srinivasa Kamath
 4-18-799, Matadakari Road, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCEDUHLE

(Registered Document No. 392/82-83 Registered Document No. 392/82-83 Dated 2-9-82) All that property bearing door No. 6-18-799 (old No. 324) situated at T.S. No. 736, R.S. No. 736-1, Matakari Road, Boloor Village, Mangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent_ Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-2-1983



NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th February 1983

C.R. No. 62/35694/82-83/ACQ/B.—Whereas, J. MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1152/9, situated at 24th Main, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangolare-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jayanagar, under document 1613/82-83 on 9-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. A. Lakshmi No. 19/1, Pattalamma Street, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transfero.

(2) Smt. Suryakala No. 84, I stage, II Block, Banashankari, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

(Registered Document No. 1613/82-83 Dated 9-8-82) All that property bearing No. 1152/9, situated at 24th Main, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th February 1983

C.R. No. 62/35789/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. 27 (Portion), New No. 6 situated at K. G. Bydra-halli, II Cross, Syed Khadar Gardens, Civil Station, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Shivajinagar, under document No. 1350/82-83 on 31-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Rahmathulla Khan No. 242, Thimmaiah Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri K. Ahamed Khan No. 9, Mosque Road, Frazer Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

(Registered Document No. 1350/82-83 Dated 31-7-82)

All that property bearing Sy. No. 27 (Portion) New No. 6, situated at K. G. Bydrahalli, II cross, Syed Khadar Gardens, Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th February 1983

C.R. No. 62/35537/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 257 situated at Thimmaiah Road, Bangalore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1146/82-83 on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42-6GI/83

 Smt. R. Jagatheswari No. 13, Clarke Road, Bangalore-15.

(Transferor)

(2) Shri Missimal No. 269, Thimmaiah Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

(Registered Document No. 1146/82-83 Dated 15-7-82) All that property bearing No. 257 situated at Thimmaiah Road, Bangalore-1.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-2-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Smt. R. Jagatheswari No. 13, Clarke Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Misrimal & Others 269, Thimmaiah Road, Bangalore.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th February 1983

C.R. No.62/35536/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 256 situated at Thimmajah Road, Bangalore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 1147/82-83 on 15-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1147/82-83 Dated 15-7-82)
All that property bearing No. 256, situated at Thimmaiah Road, Bangalore Contonment.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-2-1983

Scal:

FORM I.T.N.S....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 23rd February 1983

C.R. No. 62/35653/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 139/61, New No. 51, situated at Avenue Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar under document No. 1370/82-83 on 26-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri M. Anandmall Kocheta

No. 5, Mariyamma Temple Street, Bangalore-2.
2. Sri V. Kiranchand Nahar, No. 209, Rama Iyengar Road, V.V. Puram, Banagalore-4.

(Transferor)

ShriM. V. Subbaiah Setty
 Sri M. M. Sriniyasa Murthy
 Sri M. M. Satyanarayana Murthy
 Sri M. Vishwanath,

No. 151, Avenue Road, Bangalore-2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1370/82-83 Dated 26-7-82) All that property bearing door No. 139/61, New No. 51, situated at Avenue Road, Bangalore-2.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-2-1983

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th November 1982

C.R. No. 62/457/82-83/7-7/ACO/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. As per schedule situated at Bhatinda Town Survey No. 715, in Block No. 20, in Ward No. 18 Door No. 7(1-2) situated at Gandhi Nagar Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bellary under document No. 1086/82-83 on 5-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri S. Vijakumar

- 2. Smt. S. A. Amba Bai 3. Miss S. A. Kusuma Kumari
- Miss S. A. Neeraja 5. Miss S. A. Usha

All Resident of 45/15

Narasimha Reddy Nagar Kurnool (A.P.).

(Transferor)

(2) Shri B. Raghavendra Rao, S/o Shri B. Vencoba Rao, Assit. Executive Engineer, Public Health, Bellary.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1086/8-2-83
Property situated at Gandhi Nagar Bellary bearing Town Survey No. 715, in Block No. 20, in Ward No. 18 Door No. 7(1-2).

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Dato: 10-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001 Bangalore-560 001, the 10th January 1983

Ref. No. 497/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-kax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 5457/57/2 situated at Benavalli Village Nidige Hobli Shimoga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga on 13-10-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri S. Ananthaiah
 S/o Sri Sitarambhatru
 Ravindra Nagar, Shimoga.

(Transferor)

(2) Shri G. Suryanarayan S/o Sri Gopalkrishnaiah, Gundappa Shed, Shimoga.

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1766/82-83 Dated 13-10-1982)
6 Acres 9 Gunthas of Wet-land situated in sy. No. 54,57/57/2, at Benavally Village Nidige Hobli Shimoga.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th February 1983

Ref. No. 509/1982-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Plot No. 128 of Sy. No. 210 situated at Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum on 12-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shobhana Deepak Shindhe B.C. No. 159 Camp, Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Bhikappa Anavekar. Plot No. 41, Shivasundar Building, Belgaum.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1286 Dated 12-7-1982) Plot No. 128 of sy. No. 216 situated at Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1983

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th February 1983

C.R. No. 62 511/82-83/7-7/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore
S. No. 33 situated at Someshapura of Hiriyuur Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hiriyur on 7-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 6hri K. M. Rajashekaralah, S/o Late Shri A. M. Kallaiah, 'B' Division, Main Road, Hirlyur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Nalliyana Goundar,
 S/o Shri Palaniyappa Goundar and
 2. Smt. K. Shakuntalamma

 Smt. K. Shakuntalamma
 W/o Shri H. A. Kuppuswamy
 'A' Division, Huliyar Road, Hirlyur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 483/82-83 Dated 7-7-1982) 25 Acres and 1 Quntha of Agricultural land situated in Sy. No. 33 of Someshpura of Hiriyur town.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 17-2-1983

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 17th January 1983

Notice No. 503/82-83.—Whereas, J, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Chalta No. 144 & 145 of P.T.S. 35 situated at "Bairo Alto" Panii

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panji on 29-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Mrs. Maria Leopoldina D'Souza alias Laura D'Souza Rodrigues, H. No. E 512 Ward, No. 1. Panji Goa.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Vincent De Souza.

 Mis Peaul Rositade Souza and
 Miss Gloria Violeta de Souza, Camorlim, Maina, Mardez, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 249/82-83 Dated 29-7-1982.) Residential house bearing Chalta No. 144 & 145 of P.T.S. No. 35 situated at "Bairo Alto" Panaji, Parish of Panji Goa.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 17-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th February 1983

Ref. No. 17463.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 8 (part) situated at Adyar

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Adyar (Doc. 114/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——43—6 GI/83

 Anantha Raman,
 HI Main Road, Kottur Gardens, Madras-85.

(Transferce)

Ashrafunisa Begum,
 Cathedral Garden Road,
 Madras-34.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 8(part) Adyar (Doc. 114/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-2-193,

Seal;

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th February 1983

Ref. No. 17452.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

7, Appakannu Street, situated at Madras-4, and more fully described in the Schedule annexed hereto). Las been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ladras South (Doc. 2418/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. Doraiswamy Iyor,
 Upstairs, Poes III St.,
 Off Eldams Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) S. Muthukrishnan, 95, Gandhiadigal Salai, Kumbakonam-612 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforeaaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7, Appakanna St., Madras-4. (Doc. 2418/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Scal:

Date: 11-2-1983,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th February 1983

Ref. No. 17440.—Whereas. I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 25, 1Hrd Main Road, sinated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1264/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Victor & others, 25, III Main Road, Madras-28.
- (Transferor)
- (2) Sendur Pandiyan, 25, III Main Road, Madras-28.

(Transferor)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of purmention of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.
 Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings at 25, III Main Road, Madras-28. (Doc. 1264/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Dated: 14-2-1983,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th February 1983

Ref. No. 17442.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 37, V St., situated at Padmanabha Nagar II Stages, Madras-290

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at South Madras (Doc. 2517/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the saquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. S. Sarangan, 37, V St., Padmanabha Nagar, Madras-20.

(Transferor)

A. Pathy (Alias P. Anthony),
 4. Lazarus Church Road,
 Santhome, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 37, V St., Padmanabha Nagar II Stage, Madras-20. (Doc. 2517/20).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-2-1983.

FORM I.T.N.S.-

(1) S. Krishnan, 76, Gengu Reddy St., Madras-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S. Sugumar,32/25, South Mada St.,Thiruvottriyur, Madras-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th February 1983

Ref. No. 17494.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C 215-A, 18th st., situated at Nanganalur, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alandur (Doc. 2661/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at C215-A, 18th St., Nanganallur, Madras. (Doc. 2661/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1983.

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (45 GF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th February 1983

Ref No. 8/July/82,---Whereas, L. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R.S. No. 362/32, Door No. 9, situated at MicNichols Road,

Chetput, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Periamet, Madras, (Doc. No. 953/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

1. Smt. Vatsala Shivashankar,

2. S. Sumanth,

3. S. Randhir, 13, Museum Road, Bangalore-1. (Transferor)

(2) 1. C. A. M. Riyasuddin,
2. C. A. M. Ashiq Niszuddi,
3. C. A. M. Fayas Haroon Rep. by Power of Attorney by the first name and (4) Mrs. C. A. Shahabudean,
214, Main Road, Cumbum, Madurai District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 362/32, Door No. 9, Mic-Nichols Road, Chetput, Madras. Doc. No. 953/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 606

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 17th February 1983

Ref. No. 14/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

R.S. No. 488, Door No. 6, situated at New No. 9 Halls Road, Egmore, Madras-8,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R.O. Periamet, Madras (Doc. No. 1033/82) in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not; been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Jayammal, 12, Halls Road, Egmore, Madras-8. (Transferor)
- (2) M/s. Blaze & Central Pvt, Ltd., No. 154, Anna Salai, Madras-2.

 (Trausferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immerovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. R.S. 488, Door No. 6, Now No. 9, Halls Road, Egmore, Madras-8, Door No. 1033/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 17-2-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 17th February 1983

Ref. No. 22/Aug/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Scetion 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Block No. E/1, T.S. 64, situated at Vadiyaraju Street, Ami

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.O. Arni. (Doc. Nos. 2261 to 2264/82) in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Chendalankara Nainar, S/o Sowrabadranainar.
 C. Sanathkumar, S/o Shri Chendalankara Nainar,
 C. Sowrnabadran
 S/o Shri Chendalankara Nainar.
 C. Suresh S/o Shri Chendalankara Nainar
 No. 31, Vedapuri Easwarankoil Street, Arni, N. A. District.

 Shri M. C. Annamalai Chettiar, S/o Shri M. Chikkanna Chettiar.
 M. A. Dhanasekaran S/o Shri M. C. Annamalai Chettiar,
 M. A. Rajasekaran, S/o Shri M. C. Annamalai Chettiar,
 M. A. Chandrasekaran, S/o M. C. Annamalai Chettiar
 Partners M/s. M. C. Silks, Dharmaraja Koll Street, Arni, N. A. Dist.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at No. Block No. E/1, T.S. No. 64, Vadiyaraja Street, Arnl. (Doc. No. 2261 to 2264/82).

R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 17-2-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 17th February 1983

Ref. No. 46/Aug/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16, Beri Baggat Street, situated at North Vellore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Vellore (Doc. No. 2712/82) in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-44-6 GI/83

(1) S. Abdul Hafeez Sabib alias Abdul Basheer Sahib, No. 2 Nelli Godown Street, Vellore.

(Transferor)

(2) 1. M. Padma Anımal, 2. P.L. Raja,

C. G. Prema Ammal,
 C. J. Keerthinahtan,
 C. Sivaprakasam, 5. C. P. Pradeep Kumar,
 S. Uttam Chand, 7. V. R. Jeevarathinam,

8. M. Margabandu,

No. 17, Beri Kaliamman Koil Street, Vellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 16, Beri Baggat Street, North Vellore Town. (Doc. No. 2712/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Rajusekharan Ignatius,
 Maharaja Surya Rao Road ,
 Madras-18.

(Transferor)

(2) Dr. V. Raghupathy, 14, Mahalinga Chetty Road, Mahalingapuram, Madras-34.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 24th February 1983

Ref. No. 17554.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, Maharaja Surya Rao situated at Road, Madras-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 64/82) in July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the densideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, Maharaja Surya Rao Road, Madras-34.

(Doc. 64'82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 24th February 1983

Ref. No. 17502.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6, XXII Cross St., situated at Indira Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras South (Doc. 2917/82) in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Dr. Waqar Ahmed. Sarfraz Ahmed Ruksana Begum & Mrs. Ashraf Jehan Begum & 6, XXII Cross St. Indiranagar, Madras-20.
 - (Transferor)
- Mrs. C. A. Mariam Ferosuddin Ahmed,
 Venkataswamy Pillai St., Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 6, XXII Cross St., Indira Nagar, Madras-20. (Doc. 2917/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 24-2-1983

Scal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 23rd February 1983

Ref. No. 17598.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,060/and bearing

No. Plot 5, Scethammal Extn. situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2661/82) in August 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income axising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Rama Muthiah,
 K.P. Balasubramanian,
 Luz Church Road, Madras-4.

(Transferor)

 S. P. Muthumeenal,
 16th Avenuc, Harrington Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 5, Seethammal Extension, Madras-18 (Doc. 2661/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date :: 23-2-1983

(1) TVS Mani, 16, II Cross St., West CIT Nagar, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vijaya Vani, 15, II Cross St., Seethamma Extn. Madras 18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 11th February 1983

Ref. No. 17438 .- Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 15, II Cross St., situated

Seethamma Extn. Madras-18
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1282/82).

in July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 15, II Cross St., Seethamma Extn. Madras-18. (Doc. 1282/82).

> R. P. PILLAI. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 11-2-83

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 17th February 1983

Ref. No. 17242.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS 5244, T. Nagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1574/82)

in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) S. V. Lalithakumari 18, Madly Road, Madras-17.

(Transferor)

 Ramakrishna Iyer Sivasamy, South St., Mela Thiruvengadanathapuram, Tirunelveli-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 5244, T. Nagar (Doc. 1574/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-2-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 17553.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11, Main Road, situated at Wallace Gardens, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 61/82) in July-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Viswanathan 18, Wallace Garden III St., Madras-6.

(Transferor)

(2) Venkateswara Constructions 563, Mount Road, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, I Main Road, Wallace Gardens, Madras-6. (Doc. 61/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 24-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 14th February 1983

Ref. No./17476.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16, Parthasarathynagar situated at

Vyasarapadi, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 1250/82)

in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) K. Vijayalakshmi T. Krishnamurthy, 61, West Coovum Rivre Road, Chintadripet, Madras-2.
- (2) K. Vijayalakshmi (Alias) Vijayalakshmi F. 49, Kamakoti St., Fairlands, Salem-4.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever paried expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Blulding at 16, Parthasarathy Nagar, Vyasarpadi Madras, (Doc. 1250/82).

> R. P. PILLAI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 24-2-83

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 14th February 1983

Ref. No. 17239.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

No. 9, Kanniah Naidu St. situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1520/82) in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—45—6 GI/83

(1) M. Sundaresan 9, Kanniah Naidu St., Madras-17

(Transferor)

(2) C. S. Swaminathan 47, First Main Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9, Kanniah Naidu St., Madras-17, (Doc. 1520/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Madras-3,

17, Perianna Maistry St., Periamet

(Transferor)

 Rajarajan & Co.
 11th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.

(1) M. Bharathy

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 14th February 1983

Ref. No. 17490.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Jakariah Colony III St., situated at

Puliyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 3311/82)

in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 37, Jakariah Colony III St., Puliyur, Madras. (Doc. 3311/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 14-2-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) H. Meera Bai, 39, Mandaveli Lane, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sathyanarayanan 4, Ponnambala Vadyar St., Madras-4.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 14th February 1983

Ref. No. 17555.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 137, 141, situated at R. K. Mutt Road, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc 94/82)

in July 82 for an appare

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 137 and 141, R. K. Mutt Road, Madras-4. (Doc. 94/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-2-83

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd February 1983

Ref. No. 17487.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, III Main Road, situated at United India Colony, Madras-24 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Kadambakkam (Doc. 3389/82) in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pyda Andalamma
 United India Colony, Madras-24.

(Transferor)

(2) Pratap, 4. United India Colony III Main Road, Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, III Main Road, Madras-24. (Doc. 3389/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 23-2-83

FROM I.T.N.S .--

(1) M. Bhoirai, M. Nandalal M. Mohanlal, 15, Marshalls Road, Madras-8.

Madras-24.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 23th February 1983

Ref. No. 17507.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 1, Il Main Road, situated at United India Colony, Madras-24

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 3572/82)

in Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(2) Dr. M. S. Kadirvel Dr. Mrs. K. Rajeswari No 1, III Main Road, United India Colony,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1, IIII Main Road, United India Colony, Madras-24. (Doc. 3572/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras

Date: 23-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 23th February 1983

Ref. No. 17504.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot 10, 11, 12, situated at Janaki Avenue, Abiramapuram, St. Mary's Road, Madres (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2494/82)

in Aug. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

K. S. Alamelu Ammal,
 Janaki Avenue,
 Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferor)

(2) Mrs. A. Haleela 14, Bageerathi Ammal St., Srinivasa Avenue, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot Nos. 10, 11, 12, Janaki Avenue St. Mary's Road, Abriamapuram, Madras. (Do. 2494/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras

Date: 23-2-83

(1) M. Bhaskara Menon 2, VI Main Road, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Indumathi 6, Seethamma Road, Madras-18,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 23th February 1983

Ref. No. 17439.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. 2, VI Main Road, situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 1274/82) in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, VI Main Road, Madras-18. (Doc. 1274/82).

> R. P. PILLAJ, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 23-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, 10th February 1983

Ref. No. 17003.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 210, Velachery Road, situated at East Tambaram, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tambaram (Doc. 5382/82)

in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Lakshmi Prasad and Kamala Prasad,
 Velachery Road, East Tambaram,
 Madras-500 059.

(Transferor)

(2) Chacko Thangachan Rose Mary Thangachan Mulayll Vadakathil House Thiruvella Tk.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 210, Velachery Road, East Tambaram.
(Doc. 5382/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-2 83

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 23th February 1983

Ref. No. 17468.-Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Plot 25, Pulivur situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 1083/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-46-6 GI/83

(1) MSRK Prasad,

M. Krishnaveni, M. Venkateswara Rao,

M. Srinivasa Rao

No. 8, Umapathy St., Extn. Madras-33,

(Transferor)

(2) N. Rajaraman, 29, Venkateswami, Road, Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 25, Puliyur. (Doc. 1083/82).

> R. P. PILLAI. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 23-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 23th February 1983

Ref. No. 17479.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot 43, Pallipattu situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adayar (Doc. 68/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 R. Bakthavatchalam, 43, Teachers Colony, Kamaraj Avenue, Madras-20.

(Transferor)

(2) I. Gomathy Ammal, 53, I St., Kamaraj Avenue, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 43, Pallipattu. (Doc. 68/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 23-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 14th February 1983

Ref. No. 17238.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7, Natesa Iyer St., situated at Madras 17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1522, 1523/82) on July 1982 for an apparent consideration—which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S. G. Rajagopal Mrs. Sakuntala Sethuraman Janaki Subramaniam, Annapoorni Viswanathan,
 I Cross St., CIT Colony, Madras-4.
- (2) George Joseph Princesonjose,10, 4th Cross St., CIT Colony, Madras-4

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7, Natesa Iyer St., Madrae 17 (Doc. 1522, 1523/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 14-2-1983

(1) V. Raman, 28, North Boag Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) M. Ramaswamy, 102, Luc Church Road, Madras-4

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS

Madras-700 006, the 24th February 1982

Ref. No. 17245.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

No. 28, North Bong Road, situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1537/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market, value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land and building at 28, North Boag Road, Madras-17 (Doc. 1537/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 17552.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 42, Madhava Road, situated at Mahalingapuram, Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 3/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Srinivasan, 51/10, Osborn Road, Bangalore-42.

(Transferor)

(2) R. A. Ravichandran, Laksmi Bhavan Akkur, Tanjore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 42, Madhava Road, Mahalingapuram, Madras 34 (Doc. 3/82)

R. P. PÎLLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-ll, Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 24th Februaray 1983

Ref. No. 1, 2, 3, 4, 5/July/82.—Wheras, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Municipal Kulvanikarapuram, situated at Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Melapalayam, (Doc. No. 1361/82 to 1365/82) on July 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. M Kesavan, S/o Macha Reddiar,

- 2. Pitchammal W/o. Ayyalu Reddiar, 3. A. Padmanaban, S/o. Ayyalu Reddiar, 4. A. Subrayar S/o Ayyalu Reddiar,
- 91, Ayyappa Nagar,
 Tirunelveli-7.

(Transferor)

 P. Arumuganainar, Secretary,
 N.G.O. Coop. Building Society, Jawahar Nagar, Tirunelveli-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at Municipal Kulavanikarpuram village, (Doc. No. 1361/82 to 1365/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 6/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 508, Door No. 23-B, situated at C. Colony, Perumal-puram, Palayamkottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.O. Melapalayam (Doc. No. 1456/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. I. Subramanian, S/o. Lakshmana Pillai, No. 49, Perumal Vadakkuratha Veethi, Palayamkottai.

(Transferor)

(2) J. Chaidambaram, S/o Jayaganapathia Pillai, No. 23-B, C Colony, Perumalpuram, Palayamkottai-627 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and biulding at S. No. 508, Door No. 23-B C. Colony Perumalpuram, Palayamkottai. Doc. No. 1456/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 24th February 1983

Ref. No. 13/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New door No. 38, (Old No. 4) situated at Jermiah Road, Vepery, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.O. Periamet Madrus (Doc. No. 1028/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wheih ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :---

Secretary, Muthialpet Muslim Anjuman, Madras No. 105, Angappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferor)

- (2) 1. Ranjit Kumar,
 - H. Ġ. Sohanraj,
 - 3. R. Kanyalal,
 - 4. Ramesh Kumar,
 - 5. S. Ashok Kumar,
 - 6. Mrs. Chatki Bai,
 7. Miss. R. Rajani,
 - 8. Mrs. Fancy Bai, 9. Miss R. Nalini,
 - 10. Miss. R. Sumathi,

(Transferce)

No. 22, Briethapet Road,

Venery Madras-7.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at New Door No. 38, (Old No. 4) Jormiah Road, Vepery, Madras. Doc. No. 1028/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 60/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. Old No. 460, New No. 3431, sittated at Plot No. 252, Door No. 10, Jawahar Street Gandhi Nagar, Madurai Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Tallakulam, (Doc. No. 3156/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--47-6 GI/83

 Dr. Mrs. L. Sukumaran, M.B.B.S. W/o. T. K. Sukumaran, No. 3, First Street, Subramamakuram Karaikudi-2. Ramanathapuram Dist.

(Transferor)

 M. Kantha Metha, W/o. Maganlal S. Mehta, No. 19, Ramasami Chettiar Street, Karaikudi-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at T.S. Old No. 460, New No. 3431, Plot No. 252, Door No. 10, Jawahar Street, Gandhi Nagar, Madurai Town Doc No. 3156/82).

R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 24-2-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 70/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 37/2, S. S. Colony, situated at Ponmayni village, Madurai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R.O. Madurai-IV, (Doc. No. 3701/82) on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 S. Ganapathiramahariharan, S/o. B. Sankaranarayana Iyer, No. 24-A, Cumbar Street, S.S. Colony, Madurai.

(Transferor)

(2) E. S. Vasan, S/o. Ethirajulu Naidu, No. 153/O, North Veli Street, Simmakkal, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 37/2, S. S. Colony, Ponmayni village, Madurai, Doc. No. 3701/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 81/July/82.--Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. S. Nos. 7/5, 7/6, 7/7, 7/9, situated at 7/10, 8/1, 8/2, 7/3, 7/4A1, 7/4A2, 5/1, Mulvi village Yercaud Sub Dt., Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration

Officer at S.R.O. Salem-I, (Doc. No. 3045/82) in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Rajamani Ganniah, W/o Mr. G. T. Ganniah, No. 2A, Yidayalaya Road, Salem-7.

(Transferor)

 Minor Sukumar Swaminathan, S/o N. Swaminathan, Ballymate, Yercaud.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cys from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Land at S. Nos. 7/5, 7/6, 7/7, 7/9, 7/10, 8/1, 8[2, 7/3, 7/4A1, 7/4A2, 5/1, Mulvi village, Yercaud Sub. Dt., Salem Dt. (Doc. No. 3045/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, (IC) Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

Seal

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 83/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 2334, 2335, 2346 to 2349 situated at

Kilmaadam village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Karingal, (Doc. No. 1089/82) in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Fr. Lucas OCD, Chengalacherry village, Karingal.

(Transferor)

(2) 1. Joseph, 2. M. Siman,
3. Yusuf, 4. T. Marcalinal,
5. Ludthu, 6. S. Mary Kamala,
No. 22, Ward No. 28,
Nagarcoil.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at S. Nos. 2334, 2335, 2346 to 2349, Kilmaadam village, Doc. No. 1089/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (IC) Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

 F. Rajarathinam, W/o Late Dr. B. A. Rajarathinam, No. 164, Cherri Road, Salem-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Modras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 88/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New S. No. 16, Mitta Meyanur situated at village, Alagupuram, Salem T.K.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Suramangalam, (Doc. No. 90/82) in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. C. Ramachandran, S/o V. Chandrasekaram Chettiar, No. 108, Arasamaram Pillaiyar Koil Street, Salem town.
 2. S. Narayanamurthy, No. 176, Chinna Kadai Veethi, Salem Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afrocsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at New S. No. 16, Mitta Meyanur village, Alagapuram, Salem T.K. Doc. No. 90/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (IC) Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 100/July/82.-Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 1010/2B, Block No. 26, situated at Door No. 7, Fonnagaram Road, Palani,

Madurai District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Palani-I, (Doc. No. 1704/82)

in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. N. Raji, 2. N. Manickkam alias subramanian, 3. S/o N. M. Narayanasamy Chettiar, N. Saravanakumari, G/ o Manickkam Chettiar, D/o N. M. Narayanasamy Chettiar, No. 28C, 5th Lane, Nangal Nagar, Pudur, Dindugal T.K. Madurai Dist.

(Transferor)

(2) 1. Dr. M. Ponnusamy,

P. Manickavalli,
 K. Subramaniam,
 S. Velumani,
 S. K. Rajendran,
 R. Vetri Selvi,

New Dharapuram Road, Palani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at T. S. No. 1010/2B, Block No. 26, Door No. 7, Ponnagaram Road, Palani, Madural District. (Doc. No. 1704/82).

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, (IC) Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 102/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Palayamkottai village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R.O. Palayamkottai JSR-J, (Doc. No.

2797/82) in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) R. V. S. Ashok Kumar, Managing Director, For Pandyan Automobiles Private Ltd., No. 44, Hakkim Ajmalkhan Road, Madurai-625 016.

(Transferor)

(2) S. R. Raja Ravikumar, Managing Director, For Pandyan Automobiles Private Ltd., No. 10, Trivandrum Road, Palayamkottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at Palayamkottai village, Doc. No. 2797/82),

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, (IC) Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 106/July/82.—Whereas, 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 91/1A/2, situated at Door No. 15/115 F1, Kodaikanal town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Kodaikanal, (Doc. No. 331/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. K. Mciappan, S/o Krishnappa Chettiar, 12 Sarojini Street, Chekkikulam, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Rajam Subramanian, W/o Dr. A. Subramanian, No. 5, Kasthuri Estate Il Street, Cathedral Road, Madras-86.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 91/1A/2, Door No. 15/115 F1, Kodaikanal town. (Doc. No. 331/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, (IC) Madras-00 006.

Date: 24-2-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th February 1983

Ref. No. 111/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 2015/1, Door No. 19/3-578, situated at Vadaserry, Agasthisvaram T.K.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SPO Medicary (Dog. No. 706 (82) in Italy 1982

S.R.O. Vadaserry (Doc. No. 796/82) in July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——48—6 GI/83

 N. Visalakshi, W/o S. Nachiappan, No. 19/3-578, Vetturnimadam, Vadiviswaram.

(Transferor)

(2) Smt. Jogarabevi, W/o Abubucker, No. 2/8, Perumalkulam Street, Edalakudi, Vadiviswaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. S. No. 2015/1, Door No. 19/3-578, Vadeserry, Agasthisvaram T. K. (Doc. No. 796/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 24-2-1983

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 12177.-Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6, Telungupalayam situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 2802/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the anid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri G. Janardhanan, S/o V. Gopalakrishnan, New Thillai Nagar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri G. Anandchand Jhabakh, S/o G. Ghisulal Karta G. Ghisulal, Mount Pleasant, Coonoor-2, Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 13/156, 6, Telungupalyam, Coimbatore. (Doc. 2802/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-3-1983

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 12184.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS. No. 10/159/2 situated at Balaji Nagar Lay out, Krishnarayapuram, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 3129/82), in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Thulasiammal, W/o R. Ramakrishna Naidu, Perianaickenpalayam, Coimbatore.

(Transferor)

S. Srinivasan,
 Sarojini St., Ramnagar,
 Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 10/159/2, Balaji Nagar Lay out, Krishna-rayapuram, Coimbatore. (Doc. 3129/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 9867.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Jayakondapattinam, situated at Kavarapattu, Ambikapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chidambaram (Doc. 1400/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 G. S. Mani Iyer, M. Natarajan, Simbali, Bombay-12.

(Transferor)

 B. Leela W/o S. Balasubramanlan, Lattice Bridge, Indira Nagar, Madras-20.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Jayakondapattinam, Kavarapattu and Ambikapuram. (Doc. 1400/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-3-1983

Scal:

 Tharabai, 11/51, Sathyamurthy Road, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. Rajathi, D. Saroja,

 Ramalinga Jothinagar, Nanjundapuram Road, Ramapathapuram, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-Π MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 12185.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11/50, situated at Sathyamurthy Road, Ramnagar, Anupperpalayam, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11/50, Sathyamurthy Road, Ramnagar, Anupperpalayam, Coimbatore. (Doc. 3090/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1983

Scal:

(1) R. Parameswaran, 106, Arvinder St., Pondy.

(Transferor)

(2) Ramalingam, S/o late Perumal Chettiar, Lenin St., Kuyavarpalayam, Pondy-13.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 9856.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 17, Chinna Subbaraya situated at Pillai St., Pondy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pondy (Doc. 1512/82) in July 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, Chinna Subbaraya Pillai St., Pondy.
(Doc. 1512/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 12189.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 202, Varadampalayam situated at Sathy. (and more full described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam (Doc. 1245/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- Rajammal, Doraiswamy, Sukumar, Jawahar, Krishnaveni. Amudhaveni, Venkateswaran, C/o Samiyappa Mudr., Varadampalayam, Sathy 'Tk.
 (Transferor)
- M. N. Doraiswamy S/o Nallasamy Gounder, Varadampalayam, Sathy Tk,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 202, Varadampalayam, Sathy. (Doc. 1245/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-3-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (1) Rajendran, 62, V.O.C. St., Pondy.

(Transferor)

(2) Kannammal, 62, V.O.C. St., Pondy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 9855.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 60, situated at V.O.C. St., Pondy,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer at

Pondicherry (Doc. 1639/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 60, V.O.C. St., Pondy, (Doc. 1639/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-3-1983

Scal:

FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 12201.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/ and bearing

No. TS 8/1363, 1364, situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 3035/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—49—6 GI/83

- (1) K. R. Ramaswamy, 24/25, Ramalingam and Ramadoss Lay out Shanmugha Theatre Road, Coimbatore, (Transferor)
- (2) Shyamlal Agarwala, 24/25, Ramalingam and Ramadoss Lay out Shanmugha Theatre Road, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 8/1363, 1364 Coimbatore. (Doc. 3035/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-3-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 12205.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 85 situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2961/82) in July 1982, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Damayanthi Ammal, W/o Guruswamy Naicker, RS puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) L. Swamy Chettiar, S/o Lakshmana Chettiar, Diwan Bahadur Road, RS puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 85, Coimbatore, (Doc. 2961/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 12194.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 123/3 situated at Singanallur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Doc. 1048/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the bull Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) R. P. Dave, Vasantha Mills Ltd. Singanallur, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Palaniappa Gr. Lakshmi Ammal, P. Subramaniam, P. Chandrakesavan, P. Soundararajan, P. Karthikeyan, P. Ilangovan, Ponnammal, Thilagamani, 108, Vinayakar Koil St., II, N. K. Palayam, Uppilipalayam, Coimbatore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 123/3, Singanallur. (Doc. 1048/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-3-1983 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 12208.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ro. TS 8/1363 and 1364, situated at Site No. 1, Mettupalayam Road, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3023/82) in July 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) K. Ramadoss, 8/79, Avanashi Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. R. Ramaswamy, 24, 25A, A. Ramalingam and K. Ramadoss, Lay out, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 8/1363, 1364, Mettupalayam Road, Coimbatore. (Doc. 3023/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Damayanthi, W/o Guruswamy Naidu, Ajantha, South North Road, Coimbatore. RS puram.

(Transferor)

K. Shantha,
 Diwan Bahadur Road, Coimbatore.
 RS puram.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 12204.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Telungupalayam, situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (coof 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2962/82) in July 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Telungupalayam, Coimbatore. (Doc. 2962/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

C3 MIG Colony, RS Puram, Coimbatore.

Mrs. Madhu.

(Transferor)

(2) T. A. Abraham, Mrs. Kunjoonjamma Abraham, Aryappallit, Annamalai Chettiar Road, Coimbatore-11.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd March 1983

Ref. No. 12203.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Site No. 2, situated at Telungupalayam, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 3009/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Site No. 2, Chandra Lay out, Telungupalayam, Coimbatore.
(Doc. 3009/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under pub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1983

Ref. No. 12207.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 9/33, 9/31/3, situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at Coimbatore (Doc. 2841/82) in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- N. Venkitaswamy Naidu S/o Narayanaswamy Naidu,
 9/45, Lajpat Rai St., Srinivasapuram, Coimbatore.
- M/s Zimson & Co.,
 R.R. Lay out, Mettupalayam,
 Road, Coimbatore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 9/33, 9/31/3, Coimbatore. (Doc. 2841)82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Data: 3-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1983

Ref. No. 12209.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Site 27, Y Block situated at Thadagam Extn.

No. Site 27, Y Block situated at Thadagam Extn., Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3225/82) in July 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Jayalakshmi Rajagopalan, 20, Thilagar St., RS puram, Coimbatore

(Transferor)

(2) K. Jayapandian,
K. Sundarapandian,
K. Daniel Ratnapandian,
Pon Pandian,
D. Gnanasigamani,
M/s. Pandian Printing Works,
156, Satyamangalam Road, Gandhipuram,
Coimbatore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Site No. 27, Y Block, Thadagam Extn. Coimbaotre.

(Doc. 3225/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-3-1983

Sea

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1983

Ref. No. 12215.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14/86, situated at Sanganur, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

Coimbatore (Gandhipuram) (Doc. 2886/82) in July 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
50—6 GI/83

 Aruna Soap Works, 15/21, Rangaswamy Road RS puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) D. Kamakshi Ammal, 21/22, VI St., Gandhipuram, Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 14/86, Sanganur Coimbatore. (Doc. 2886/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-3-1983 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M. Kumar, M. Pattammal, M. Parthasarathy, Mrs. Rupavathy, 8, Thiagarajapuram St., Madras-4.

(Transferor)

(2) P. M. Sundaram, 12, 4th St., Balaji Nagar, Madras-14.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 17556.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8, Thiagarajapuram St., situated at Madras-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 121/82) in July 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 8, Thiagarajapuram St., Madras-4. (Doc. 121/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 1-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shanti Saravanan, 10/28, C.S. Colony, Venkatarathinam Nagar, Extn., Madras-20.

(Transferor)

(2) Rani Menon, 4. Paul Appaswamy St., Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 17466.—Whereas, 1,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 110/2 situated at Koyambedu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 3240/82) in July 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 110/2, Koyambedu. (Doc. 3240/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 1-3-198;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 9857.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Olandai, and situated at Thengaithittu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeling Officer at Pondicherry (Doc. 1505/82) in July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

Pondicherry (Doc. 1505/82) in July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

S. Narasingam,
 S. Ramsingh
 2/2, Swaminatha Najcker St.,
 Arianuppam, Pondy-7.

(Transferor)

 Aurofood (P) Ltd.
 Rue De Bazaar St., Laurent Pondy-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Olandai, and Thengaithittu. (Doc. 1505/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 1-3-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 V. K. Izzudheen
 Kanabagh St., Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

(2) N. Gurubada Mudaliar, G. Dhanalakshmi Ammal

G. Sukunambal,

G. Vijayalakshmi54, Bharathy Road, Madras-5.

(Transferce)

OFFICE OF THE IT'SPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006 the 1st March 1983

Ref. No. 17434.—Whereas, I, R, P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing 37/38. Lord Govindes situated at Nagar Road Triplicane.

and bearing 37/38. Lord Govindas situated at Nagar Road, Triplicane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registeing Officer at Triplicanc (Doc. 625/82) in July 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 37/38, Lord Govindas Nagar Road, Madras-2.

(Doc. 625/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 12176.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 283/2 situated at Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at Gandhipuram (Doc. 2666/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 R. Rajamani
 D. Saravanan, 25/18, Krishnappa Lane, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Kamala 10/25, Thottarayan Koil Lane Kattoor, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term's and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 283/2, Sanganur. Coimbatore. (Doc. 2666/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 1-3-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th February 1983

Ref. No. 12211.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

State Bank Road situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3242/82) in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) S. Jayaseelan 20/11, Ramaswamy Naicker St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) C. R. Shanmugham
C. R. Mohan,
1, Dandapani Foundry St.,
Pappanaickenpaluyam, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at State Bank Read, Coimbatore, (Doc. 3242/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 S. Jayaseelan 20/11, Ramaswamy Naicker St., Coimbatore.

(Transferor)

 C. R. Balasubramaniam
 C. R. Leela Krishnan Dandapani Foundry St., Coimbatore,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 12213.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

property having a rair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing State Bank Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3243/82) in July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3243/82) in July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

'Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at State Bank Road, Coimbatore. (Doc. 3243/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-2-1983

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 17236.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

TS. No. 7215 situated at Mambalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at T. Nagar (Doc. 1534/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) V. T. Ram Kumar S/o Lakshminarayana Nunnavari St., Eluru-634 001.

(Transferor)

(2) K. Sambandam, 39/1, Sundararamapuram, Tuticorin, Tamilnadu,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 7215, Mambalam. (Doc. 1534/82)

> R. P. PILLAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) A. Y. Prabhakar 51, III Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(Transferor)

(2) M. S. Rama Mohan Rao, 27, Tilak St., Madras-17.

(Transferco)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 17243.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 4837/1, situated at B. N. Reddy Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at T. Nagar (Doc. 1571/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any incom. or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at TS 4837/1, BN Reddy Road Madras-17.

(Doc. 1571/83)

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 25 2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 17485.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 157,

Pillayar Koil St., situated at Jaffarkhanpet, Madras-95 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 3290/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :-

(1) Brammavathy Ammal 157, Pillayar Koil St., Jafrahanpet, Madras-95.

(Transferor)

(2) Kamakshi Ammal 20, 36th St., Ashok Nagar, Madras-83.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 157, Pillayar Koil St., Jafrakhanpet,

THE SCHEDULE

(Doc. 3290/82)

Madras-95.

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely :--

Date: 1-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. E. Peter 18, Venkatesa Naicker St., Madras-1,

(Transferor)

(2) N. Venkatraman, 67F MIG V. Avenue, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 17471.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Plot 3033, Koyambedu situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registeing Officer at Kodambakkam (Doc. 3196/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Plot No. 3033, Koyambedu. (Doc. 3196/82)

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

.ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 17421.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 22/4 situated at Koyambedu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at Kodambakkam (Doc. 3444, 3445/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); M. Krishnamurthy,
 Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras-29.

(Transferor)

(2) S. Sharmila, S. Jayanthi 56, Ayyavoo Naidu St., Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 22/4, Koyambedu, (Doc. 3444, 3445/82)

R, P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-3-83

7.7

FORM ITNS-

(1) C. Sarojini Rao 7, Daniel St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Y. Abba Naidu 29, Valthyaraman St., Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 17457.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

7, Daniel St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2317/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 7, Daniel St., Madras-17. (Doc. 2317/82)

R. P. PILLAJ,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-3-83

(1) Lakshmi Ammal 11, Valuran St., Madras-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. Angappan 3, P. P. Road, Madras-12.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 17427.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

11, Valuran St., situated at Madras-12
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Purasawalkam (Doc. 1248/82) on July 1982
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 11, Valuran St., Madras-12. (Doc. 1248/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-3-83

Scal;

(1) K. Natarajan 15, Singarachari St., Madras-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. Dorairajan 43, Mambalam Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

ACQUISITION KANOLIN, MADRALIOU O

Madras-600 006, the 1st March 1983

Ref. No. 17420.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot 33, situated at Saidapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 3456/82) on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Plot 33, Saidapet. (Doc. 3456/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-3-83

Scal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC 543/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
S. No. 26 situated at Mudasarlova Vizag
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registeing Officer at
Vizag on July, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 250D of the said Act to the following persons, namely:—
52—6 G1/83

 J. G. Narayanaraju, Seethammapeta, Vizag.
 G. S. Raju,

Seethammapeta, Vizag.

3. G. V. S. N. Raju,

Seethammapeta, Vizag. 4. G. Krishnamraju,

Scethammapeta, Vizag. 5. G. Raviraju, Scethammapeta, Vizag.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society, Secretary P. Ramarao, Vigno

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in S.N. 26, at Mudasarlova. Village near Vizag.

- S. No., Document No., Area in Cents and S.R.O.
 - 1. 7251/82 0-42-85 Vizag. 2. 7248/82 0-42-85 Vizag.
 - 3. 7243/82 0-42-85 Vizag.
 - 4. 7242/82 0-42-85 Vizng.
 - 5. 7238/82 0-42-85 Vizag.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date:: 5-3-1983

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX-ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. 544/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respectively business of the property busi property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 26 situated at Mudasarlova Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— I. G. Ramakrishnamraju, Seethammapeta, Vizag-16.

G. Annapurua,
 D/o G. S. Raju,
 Seethammapeta, Vizag-16.
 G. Kamaladevi,
 W/o G. A. Narasimharaju,

Seethammapeta, Vizag-16. 4. G. Suryanarayana Raju

Seethammapeta, Vizag-16.

G. B. Venkayamma, W/o Gopalaraju, Seethammapeta, Vizag-16.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society, Secretary P. Ramarao, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of rotice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 26, at Mudasarlova, near Vizag.

S. No., Document No., Area in Cents and S.R.O.

7241 0-42-85 1. Vizag

7239 Vizag 2. 0-42-85

7247 0-42-85 Vizag 3.

7244 0-42-85 Vizag

0-42-85 5. 7240 Vizag

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date:: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC No. 545/82-83.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 26 situated at Mudasarlova Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. G. Ramakrishnaraju, Prakasaraopet, Vizag.
 - 2. G. Sagamaraya yeraja.
 - thun,mapeta, Vice.
 M. Kusumadevi, W/o Satyanarayanaraju, Prakasaraopet, Vizag.
 - 4. K. Ramadevi, W/o K. V. Ramanaraju, Seethampeta Vizag-16.

(Transferor)

(2) The Doctors Co-op. House Building Society, Secretary P. Ramarao, Vizag.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

Vacant land in S. No. 26 of Mudasarlova village of Vizag. S. No., Document No., Area in Cents and S.R.O.

1. 7245/82 0-42.85 Vizag 2. 7250/82 0-42.85 Vizag 3. 7246/82 0-42.85 Vizag 4. 7249/82 0-42.85 Vizag.

M. JEAGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date:: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC 546/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 49-28-15 situated at Allipuram Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the ian market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 (1) 1. Ch. Kamala, Madhurangar, Vizag-16.
 2. Ch. Mallikarjunaro, Vizag-16.

(Transferor)

(2) D. V. S. S. A. N. Ramalingaraju, Vizag-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

House property at House No. 49-28-15, Allipuram Ward Madhuranagar, Vizag, area of 112-24/5, sq. yds, registered with S.R.O., Vizag, vide documents No. 8182/82, 8183/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC 547/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 49-28-15 situated at Allipuram Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Ch. Jagannadharao, S/o Patabhiram, Madhuranagar, Vizag-16.

(Transferor)

(2) D. Saraswathi, W/o D. V. A. N. Gajapathiraju, Gupta Veedhi, Bhimunipatnam, Vijayanagaram Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing door No. 49-28-15 Allipuram Ward Madhuranagar, Vizag, area of 1125/9, Sq. yds. registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 8837/82.

M. JEGAN MCHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date:: 5-3-1983

FORM ITNS----

(1) Shri P. Sreeramakrishnayyam, S/o Chelamayya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Malleshwararao, S/o Apparao Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. No. 548/82-83 .-- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
42-1-33 situated at Vallabhaist Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kakinada on July, 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration, therefor, by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property D. No. 42-1-33, Vallabhai Street, Kakinada. area of 100 Sq. yds, registered with S,R.O., Kakinada, vide document No. 6500/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date : 5-3-1983

1. Shri P. Venkata Ramaiah 2. Shri Gopichand Miryalapalem, Ongole.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sri Dhanalaxmi Silk Palace, Ongole.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD $(\Lambda.P.)$

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. 549/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

195 situated at Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on July, 1982

ongoic on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi ention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property bearing Door No. 195 Ongole, area of 468 Sq. yds. building and 288 sq. yds., Varanda with roof of tin sheets. registered with S.R.O., Ongole, vide documents Nos. 3000/82, & 3001/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONFR
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Raf. No. RAC.550/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS. 610 situated at Narasaraopet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Narasaraopet on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuaunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ch. Chandrasekhararao
 Smt. Ch. Venkata Narasamma,
 Shri S. Prabhavati,
 Narasaraopet.

(Transferor)

(2) Shri D. Raghurama Reddi, Managing Partner, Apsara Theatre, Narasaraopet.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Narasaraopet, Municipal Ward No. 4 New Ward, T.S. No. 610, area of 2567-/1/2 Sq. yds., registered with S.R.O., Narasaraopet, vide document No. 5087/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Rcf. No. RAC.551/82-83.—Wheras, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

Srinivasa Theatre, situated at Bhimayaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on July, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—53—6 GI/83

 Shri Tennety Krishnamurthy S/o Laxminarayana Sastry, 22nd Ward, Gunupudi, Bhimawram.1. W.G.Dt.

(Transferor)

(2) Shri V. Venkaturamaraju S/o Subbaraju, Kolanepalli, Bhimavaram, W.G.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site and Theatre known as Srinivasa Theatre, area of 59-3/4 Cents, registered with S.R.O. Bhimavaram, vide document No. 2525/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-3-1983

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC.552/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-12-65 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilityof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri K. Anjaneyulu,
 Shri K. Rajeswara Rao,
 Kothapeta, Guntur.

(Transferor)

(2) 1. Shri K. Sivupanakalu,2. Shri K. Upendragupta,Kothapeta, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Upstair Building situated at old club road, Kothapeta, Guntur, door No. 12-12-65, area of 390-1/3 Sq. yds., registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 72-7/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC.553/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

D. No. 66 situated at Managalagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalagiri on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Laxmayya S/o Subbayya, China Vadlapudi, Mangalagiri, Taq. Guntur.

(Transferor)

Shri Y. Dharmarao
 S/o Phakeerayya,
 Pedavadlapudi, Mangalagiri,
 Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Mangalagiri Tq. in D. No. 66, area of 0-90 Cents, registered with S.R.O., Mangalagiri, vide document No. 3301/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 554/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 24/4 situated at Vadlapudi Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vizag on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. S. Perindevi alias Chittemma, W/o Kannam Naidu, Vizag.

(Transferor)

(2) The Friends Co-op. House Building Society Ltd., Regd. No. B. 1807, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCENDULE

Vacant land in R.S. No. 24/4, area of Ac 1-65 Centrs, at Vadlapudi, near Village, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 7589/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Inspecting Assist. Commissioner of Income-tax

Date: 8-3-1983

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri K. Subbarao, Vidyanagar, Guntur.

(Transferor)

Shri S. Madhusudhanareddy,
 Shri S. Subhasini Reddy,
 Brodipeta, Guntur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC No. 555/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 5 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEHDULE

D. No. 5, Ward No. 18, House property at Guntur, Block No. 23 (T.S. No. 1749 area of 1621 Sq.yds., registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 7544/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K. Balasuryanarayanaraju, Gundugolanu, Bhimadolu (Tha.) Eluru (Dt).

(Transferor)

(2) 1. Shri D. Narasimharaju,
2. Shri D. Ramakrishnamraju,
3. Shri Sitharamaraju, 4. Shri Suryanarayanaraju, Gundugolanu, Bhimadolu, Eluru Dt.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hydcrabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 556/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

ASST. No. 718 situated at Gundugolanu Bhimadolu (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration College with the office of the Registration College.

1908) in the office of the Registering Officer at Bhimadolu on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Vacant site of 450 Sq. yds., with 14 tiled Godowns in the site situated in Gundugolanu, of Bhimadole Teh. registered with S.R.O., Bhimadole, vide document No. 3642/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 557/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS. No. 136, situated at Tadepalligudem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the morefully described in deed No. 5326 dated 4-6-82 registered (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri B. Ramakrishna
 Bomonireddipalli, Ramalinga Swara Rao,
 Nallajerla,
 Shri V. V. Kaleswara Rao & Subrammanyam
 Gransleror

 (Transleror)
- (2) M./s Geeta Mandira Sangham R/p Smt. Penmetsa Appalanarasamma, W/o Somaraju Tadepalligudem.
 (Trans.)

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carrette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 1115 Sq. yds., in R.S. No. 136 of Tadepalligudem registered with S.R.O. Eluru, vide documents Nos. 5055, 5056/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydernbad (A.P.)

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Vankineni Raghavendra Rao and 4 Others, Eastern Street, Eluru,

(Transferor)

(2) Smt. M. Lakshmi W/o Venkata Subba Rao Ramachandraraopeta, Eluru,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC No. 558/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1771 situated at Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Eluru on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said meaning as given

THE SCHEDULE

Vacant site in T.S. No. 1771 within the Municipal limits of Eluru registered by the S.R.O. Eluru vide document No. 5941/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC No. 559/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5-25-16 situated at Brodipet Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—54—6 GI/83

(1) Sri R. Gopichand S/o Ankamma, Lakshmipuram, Guntur.

(Transferor)

Shri Shaik Mohammed Khaleel,
 S/o Mastan Saheb,
 Brodipet, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing D. No. 5-25-16, Brodipeta, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 6856/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asset, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 560/82-83.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

20-1-5 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kakinada on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :-

Sri A. Nagaratnam, S.B.I, Colony, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) 1. Sti Ch. Venkatasrikanth, S/o Ch. Srihari Rao, Srinagar, Kakinada.
2. Sri Ch. Srihari Rao S/o Venkanna,

Srinagar, Kakinada. Sri Ch. Srinivasa Chowdary S/o Srihari Rao, Srinagar, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 20-1-5, Main Road, Kakinada Registered by the by the S.R.O., Kakinada vide Document Nos. 6719/82, 6718/82, 6720/82, under three separate sale deeds.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983 Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 561/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS. No. 54 situated at Kanuru Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. L. Narayanarao S/o Venkatappayya, Suryaraopeta, Vijayawada

Vijayawada.

 G. Sambasivarao S/o Seshagiri Rao, Tummuru, Vijayawada.

(Transferor)
(2) The Panchayat Raj Diploma Engineers Co-op.
Building Society,
By, President Sri
Yarlagadda Renganao S/o Raghavayya,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Kanuru in R.S. No. 54 of Vijayawada area of 0-50-1/2 Cents, × 0-50-1/2 Cents, registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 7627 and 7628/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 562/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and boaring No.

21/103AB situated at Tadi Tota Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appartent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. P. Sarveswararao S/o Apparao, Mangalavarapupeta, Rajahmundry, 2. P. Prasada Rao, S/o Apparao,
 - Mangalavarapupeta, Rajahmundry,
 - P. Satyanurayana S/o Apparao, Mangalavarapupeta, Rajahmundry,
 P. Apparao S/o Apparao Mangalavarapupeta, Rajahmundry,

(Transferor)

(2) Gullipalli, Purushotham S/o Musalnayulu, Innispeta, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Tadito- to of Rajohmundry bearing Door No. 21/103 A8.

S. No.	Document No.	Area in S. Ys.	SRo.
1.	5245	267-5/9	Rajahmundry.
2.	5247	240	Do.
3.	524 6	240	Do.
4.	5244	262-1/9	Do.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 563/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 61/1 and 65 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri T. K. Jagannadshasingh and 4 others. Rajuhmundry. (Transferor)

(2) Datla Janakiramarju and 18 others, Kakinada Taluka, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 2.57 acres situated at Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 6975/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC, No. 564/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 131/1 situated at Sambamurthynagar, Rakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- Smt. M. Leelavathi Chellamamba, W/o Pullamraju, Latchiraju Street, Suryaraopeta, Kakinada.
- (Transferor)
 (2) Shri M. Narayanamurthy S/o Ramanna and 25
 Others,
 Madiveeru, Akiveeru Tq.
 W.G. Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 5 acres 38 cents situated at Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 5764/82.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 565/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 63/3 situated at Kapparada Vizag. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Md. Ibrahim, Kapparada, Vizag Dt.
- (Transferor)
- (2) The Gopalapatnam, Cooperative Building Society Itd. Regd. No. 8-1335, Gopalapatnam, Vizag Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 63/3 Kapparada, Vizag registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 6846/82.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 566/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

32-2 10/2 situated at Mogadrajpuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijaywada on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Cherukuri Poorna Rao S/o Subbarao, Mogalrajapuram, Vijayada
- (2) Shri G. Venkata Sudhakar and other, Mogalrajpuram, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing D. No. 32-2-10/2, Mogalrajpuram. Vijaydwada registered by the S.R.O., Vijayawada, vide document No. 7714/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 567/82-83.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Show Room No. 2 situated at 12-2-10 situated at Babu Rajendra Prasad Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

55---6 GI/83

- (1) Sri Gopu Venkata Muralikrishna Arya, Governorpeta, Vijaywada-2.
 - (Transferor)
- (2) Sri Prem Prakash Chandra Prop New Adarsh Boarding and Lodging, BRP Road, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the "service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10th share in property bearing D. No. 12-2-104, Baburejendra Prasad Road, Vijayawada-1 registered by the S.R.O. Vijayawada vide document No. 8350/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 568/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 6/1 situated at Gunadala, Vijayawada Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed heteto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijaywada on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, 'namely:—

 Smt. M. Jayasri.
 W/o Venkata Sitaram, Mogalrajpuram, Vijayawada.

('Erans(eror)

(2) Vidyullatha Employee Cooperative Building Society, L-2767, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in RS. No. 6/1 of Gunadala in Vijiyawada Taluk registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7570/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

Vizag on July, 1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 569/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 9/3 situated at Rushikonda Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Appanna and Sri M. Musalayya, Rushikonda, Yendada Post, Vizag.

(Transferor)

(2) Sri Krishna Co-operative House Building Society Ltd. B-1624, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 9/3 of Rushikonda in Visakhapatnam Taluq registered by the S.R.O., Vizag vide Document No. 7468/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TEX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 570/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

52/1 situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) 1. B. Sreeramamurthy S/o Sriramulu Gangavaram, Prakasam Dt. 2. J. Sivakumari W/o Sri J. Nageswararao, Lecturer, Andhra University,

Waltair.

(Transferor)

(2) M/s. Laxmi Apartments, R/p. by its Managing Partner Sri Cherukuri Venkata Pathiraju, D. No. 13-9-5, Mahanipeta, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 700 × 825 sq. yards, in Block No. 4 and T.S. No. 52/1, Plot No. 9, of Waltair Ward, in Vizag, Urban Development area, Registered with S.R.O., Vizag, vide document Nos. 7200, 7201/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 571/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. 35/2 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trousfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Vaddi Varalaxmamma W/o Seshagirirao, Vijayawada. V. Venkateswararao
 - Venkateswara
 S/o Seshagirirao, Vijayawada,
 - 3. V. D. V. Subbayya S/o Seshagirirao, Vijayawada.
 - 4. V. G. Prasad S/o Scshagirirao, Vijayawada,
 - B. B. S. Sastry. S/o Seshagirijao, Vijayawada.
 - 6. V. Ramalaxmana Sastry,

Poona.

7 .V. V. Nageshu, Minor Rep. by father Sri V. R. Sastry, Poona, now at Vijayawada (both 6*and 7).

(Transferor)

(2) Property Development Corporation Represented by its Pr. G. Adinarayana S/o Sitoramayya, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Vijayawada, in R.S. No. 35/2, Registered with S.R.O., Vijayawada, Documents Nos. and area as mentioned below:

S. No.	Document No.	Area in A-Cents.
1.	7807/82	. J78
2.	7806/82	1 -78
3.	7806/82	178
4.	7808/82	1—79
5.	78 09/ 82	
6.	7810f82	1—78
3. 4.	7806/82	178

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-3-1983 Seal :

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 572/82-83,--Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 793, 792, 793/2 situated at Pedakakani Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmen of any throome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. M. Ramireddi, S/o Nagireddi, Venigandla, Guntur.
 - P. Sambareddi, S/o Romireddi, Venigandla, Guntur.
 - 3. R. Venkateswarlu. S/o. Nagaian,, Venigandla, Guntur.
 - 4. R. Butchayya, S/o Nagaian, Venigandla, Guntur.
 - A. Peda Sambireddi, S/o Hanumareddi Venigandla, Guntur.
 - 6. Shaik Adu Shafi, S/o China Khasim Saheb, Peddakakani, Guntur.
 - 7. Shaik Moulali, S. o Papasaheb, Pedakakani, Guntur.
- (2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Ltd. R/b. its President Sri G. Laxminarayana, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Peda Kakani, near Guntur, Registered with S.R.O. Guntur, document Nos, and areas as under:—

S. No.	Document No.	D. No.	Area in Ac-Cents.
1.	7054	793/2	0-75
2.	7254	793	0-58-1/2
3.	7430	792	0-50
4.	7053	792	077-1/2
5.	70 5 9	792	0-77-12/
6.	7431	792	0-50
7.	7255	792	050

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 573/82-83.-Whereas, I, M. JFGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 763, 764, 785 situated at Pedakakani Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fincen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any, income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

B. Veerayya S/o Guravayya, Venigandla, Guntur.
 B. Ratnam, S/o Mukkanti, Venigandla, Guntur.
 A. Sriramareddi, S/o Panakalareddi, Venigandla,

Gunur.

P. Ratna Raju, Pedakakani, Guntur.
 P. Varaprasada Rao, Pedakakani, Guntur.

6. P. Chandrasekhararao, Pedakakani, Guntur. (Transferor)

(2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Ltd. R/p its President Sti G. Laxminarayana S'o Jagannadharao, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Peda Kakani village near Guntur, registered with S.R.O. Guntur, document Nos. and areas as under :-

~		
7049	785	090
4607	785	090
7072	785	0-90
7436	764	0-60
7435		053-1/4
7252	763	053
	4607 7072 7436 7435	4607 785 7072 785 7436 764 7435 763

M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Rcf. No. RAC. No. 574/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the competent authority under Section 269D of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing D. No. 794 situated at Pedakani Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. N. S. Nayak S/o Reddamma Nayak Venigandla Guntur.
 - N. R. Nayak S/o Reddamma Nayak Venigandla Guntur.
 - 3. N. B. Nayak S. o Reddamma Nayak Venigandia 4. N. R. Nayak
 - 5. N. S. Nayak,
 - N. B. Nayak Sons of Reddamma Nayak Venigandla Guntui.
 - 7. K. B. Nayak S/o Bhikyanayak, Venigandla,
 - Guntur.
 - 8. K. B. Nayak, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Ltd., Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Peda Kakani, of Guntur, in D. No. 794, registered with S.R.O., Guntur as under:—

S. No.	Document No.	D. No.	area in A-Centfs.
1.	7051	794	0-90
2.	7071/A4613	794	0-60
3.	7055	794	0-47-1/6
4.	7032	794	047-1/6
5.	2063/A4606	794	0-48
6.	7062/A.4605	794	0 -47-1/6
7.	7070/A.4612	794	0-47
8.	7069/4611	794	0-47

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabod (A.P.)

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 575/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-apd bearing

No. As per schedule situated at Pedakakani, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-6GI/83

- (1) 1. D. Govindayya S/o Tirupathayya, Pedakakani,
 - Guntur.
 2. R. V. Subbayyam S/o Kotayya
 Pedakakani, Guntur.
 - 3. R. Vemarao S/o Fitchayya, Pedakakani, Guntur.
 - 4. K. Venkateswarlu S/o Veerayya, Pedakakani, Guntur.
 - K. Sambayya S/o Narayyan, Pedakakani. Guntur.
 - 6. R. Ch. Sambayya S/o Pitchayya, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Ltd. Guntur.
represented by its President Sri Gundavarapu'
Laxminarayana, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Peda Kakani, near Guntur, Registered with S.R.O. Guntur, document Nos, and areas as under:—

S. No.	Document No.	D. No.	arca in A-Cents.
 1.	7352	791	0- 47
2.	7246	799/2	0 - 88
3.	7253	799/2	0-82
4.	7050	791	045
5.	7244	798/1	0—88
6.	7428	796/1	0—90

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983 .

Ref. No. RAC. No. 576/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Pedakakani Guntur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (*) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys /: other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely . -

- 1. B. Sundararao, Venigandla, Guntur.
 2. Shaik Galib Saheb Turakapalem,
 - Padakakani, Guntur,
 - 3. J. Venkateswarlu Pedakakani, Guntur.
 - 4. A Ramulu Pedakakani, Guntur.

(Transferor)

(2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Ltd, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Pedakakani, near Guntur, Registered with S.R.O. Guntur, document Nos, and areas as under:—

Document No.	D. No.	Area in A-cents.
7243	. 787	0-99-1/2
		0—55 0—75
	31	093 ·
		7243 787 7245 781 7060 723

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

* E. No. RAC. No. 577/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Gorantla, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. D. Pothurajureddi, Sivareddipalem, Guntur.

 - P. Subbareddi, Guntur.
 P. Subbareddi, Guntur.
 P. V. Subbayya, P.O. Pedapandu, Guntur.
 P. V. Reddi, Reddipalem, Guntur.
 P. Anjireddi, Reddipalem, Guntur.
 P. Sivareddi Reddipalem, Guntur.

 - 7. P. Rangareddi Sivareddipalem, Guntur,

(Transferor)

(2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Ltd., Guntur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Gorantia near Guntur, Registered with S.R.O. Guntur, document Nos, and areas as under:-

S. No.	Document No.	D. No.	area in A-Cents.
1,	7189	133	0-38-1/2
2.	7180	133	038-1/2
3.	7181	133	0-38-1/2
4.	7182	133	0 = 38 - 1/2
5.	6866	189/3.1	0-41-1/2
6.	6669/	189/HN	0-41
7.	7374	$135/\widetilde{1B}$	ŏ81

M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC, No. 578/82-83. - Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Gorantia, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said biect of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Soction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ---

- (1) 1. P. Subbareddy, Postal Colony, Guntur.
 2. M. Sambireddi, Chandramoulinagar, Guntur.
 3. Y. Ankammareddi, Sivareddipalem, Guntur.
 4. V. Ankammareddy, Sivareddipalem, Guntur.

 - 4. Y. Ankammareddy, Sivareddipalem, Guntur. 5. A. Akkireddi Sivareddipalem, Guntur.
 - 6. B. Narsireddi, Reddipalem, Guntur.
 7. B. Ratnareddi, Reddipalem, Guntur.
- (Transferors) (2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Ltd., Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Gorantia near Guntur, Registered with S.R.O., Guntur, document Nos, and areas as under :-

S. No.	Document No.	D. No.	area in A-Cents.
1.	7193	129/13	0-57-1/2
2.	7194	Do.	0-57-1/2
3.	6867	122	0-48
4.	-6721	129/B	0-57
5.	6664	129/B	060
6,	6741	129/C	0-43
7.	6740	129/A	0 44

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

FORM NO. ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1983

Ref. No. RAC. No. 579/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 41 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) B. Guuni Nayak S/o Naganayak, Venigandla, Guntur.
- (Transferor)
 (2) The Guntur Co-op. House Construction Society,
 Ltd., Guntur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, of Guntur, in D. No. 41 area of Ac. 0-69 Cents registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 7433/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-3-1983

FORM NO. ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Ref. No. RAC. No. 668/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

Hyderabad, the 5th March 1983

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-541/1, 2 & 4 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mahboobunnisa Begum W/o Abdul Quyum Durga Ujale Shah Saidabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Dillu Apartments,By Smt. Dilwar Begum,H. No. 4-1-875 Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1:xelanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 8-2-541/1, 2 & 4 Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad total area 1966 sq. yards registered with Subregistrar Hyderabad vide Doc. No. 4966, 4968, 4969/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. 669/82-83.—Whereas, f, M₄ JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bizeth Eanarjee, 18 Shantinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. Appi Reddy, 15/197 Station Road, Tadipatri, Anantapur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 7/2 in S. No. 346/10 Road No. 7 Banjarn Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 1406/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. C. Kulsum Reddy, 18, Shantinagar, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri C. Rami Reddy, 15/197 Station Road, Tadipatri, Anantapur Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. 670/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No. 3, in Survey No. 34610, Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 1405/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. No. 671/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 12-A situated a Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57—6GI/83

- (1) M/s. Anilatnaja Cooperative House Building Society Ltd., Secretary: Sri G. K. Raju, H. No. 6-3-953, Khairatabad, Hyderabad.
- (Transferor)
 (2) Sri V. Ravindra, s/o Sri Ramana Rao,
 H. No. 5-9-22/12, Adarshnagar, Hyderabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land situated at Banjara Hills, Hyderabad area 350 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5499/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. No. 672/82-83,—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No. 26 situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partics has not been truly stated in the said instrument of transfer w

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- M/s. Anilatmaja Cooperative House Building Society Ltd., Rep. by Secretary: Sri G. K. Raju, H. No. 6-3-953, Khairatabad, Hyderabad.
- (Transferor**)** (2) Sri Ashfaq Maqsood s/o' Sri M. M. Ishaq, 34, S.D. Road, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. ill have the same meaning as given in that apter.

THE SCHEDULE

Plot No. 26 in S. No. 403, situated at Banjara Hills, Hyderabad area 350 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5398/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. No. 673/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Anilatmaja Cooperative House Building Society Ltd., Rep. by Sri G. K. Raju, H. No. 6-3-953, Khairatabad, Hyderabad.

akshmi, (Transferor)

(2) Smt. G. S. Lakshmi, A-407, "Mathrusri Apartments", Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8 in S. No. 403, Banjara Hills, Hyderabad area 300 sq. mts, or 358.8 sq. yds. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5380/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- 1 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. No. 674/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having α fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 23 situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Anilatmaja Cooperative House Building Society Ltd., Rep. by Sri G. K. Raju, H. No. 6-3-953, Khairatabad, Hyderabad.
 (Transferor)
- (2) Sri A. Mohan Reddy, H. No. 3-6-375, Himayatnagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23 in Road No. 2, Banjara Hills, Hyderabad area 350 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5379/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. No. 675/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 7 situated at Banjara Hills, Hyderabad for an apparent consideration which is less htan the fair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Anila maja Cooperative House Building Society 1.td., Rcp. by Sri G. K. Raju, H. No. 6-3-953, Khairatabad, Hyderabad, (Transferor)

(2) Smt. Varalakshmi, 407-A Mathrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, S. No. 403, Road No. 2, Banjara Hills, Hyderabad area 350 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5378/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC No. 676/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 10 situated at Banjara Hills Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Anilatmaja Cooperative House Building Society Ltd., Rep. by G. K. Raju, H. No. 6-3-953, Khairatabad, Hyderabad.
- (2) Smt. Naseeb Khatoon, w/o Sri Serab Ahmed Khan Prakashnagar, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10 in S. No. 403, Road No. 2, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5377/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983.

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

transfer with the object of :-

Ref. No. RAC No. 677/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable resonance of the said Act'). property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

S. No. 129/37 situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Sri B. Bharani Kumar Reddy, Kondlapuri village, Nellore. (Transferor)
- (2) Sri N. Vedeshwar Reddy, S/o N. Venugopal Reddy, H. No. 3-5-43/A, Ramkoti, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shill have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in S. No. 129/35, Road No. 12, Banjara Hills, area 976 sq. yds, registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5419/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-83 Seal:

<u>_-___</u> _____

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC No. 678/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Banjara Hills Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raza Ali Khan, H. No. 10-3-300, Humayunnagar, Hyderabad.
- (2) Mrs. Sita Batra, "Riyaz", P.oad No. 1, Banjara Hills, Hyderabad-34,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land at Road No. 14, Banjara Hills. Hyderabad area 590 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1465/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Lucome-tax
Acquisition Range, Hyderab d (A.P.)

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC No. 679/8283.--Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and baring

No. open land situated at Banjara Hills Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-58---6 G1/83

(1) Smt. Raza Ali Khan, 10-3-300, Humayunnagar, Hyderabad-28.

(Transferor)

(2) Sri day Batra, "Riyaz", Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 498 sq. yds. at Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1464/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderobad (A.P.)

Date: 5-3-1983. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC No. 680/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

at Hyderabad in July, 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 9 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Anilatmaja Co-operative Housing Society, Rep. by G. K. Raju 6-3-953 Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Mohini
 W/o Updeshchand,
 H. No. 23-1-10 Charminar East,
 Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 in Survey No. 403 TS 4/1(P) Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad registered with sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 5328/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC 681/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3 situated at Banjara Hills, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hydernbad in July, 1982

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Smt. K. Bharathi W/o K. Sudheer Reddy, 182 West Maredpally, Secunderabad.
- (2) Smt. P. Lakshmamma W/o Late P. Narayana Reddy, 182 West Maredpally, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 Vimalananda Co-operative Housing, Society S. No. 10, Saroornagar, village R. R. Dt., registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 5217/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGÉ HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC.682/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-685/B/9 situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely:—

Harish Kumar Asthana
 3-6-361/15 Himayathnagar
 Hyderabad.

(Transferor)

Sri C. H. Savarla
 Jeevan Paraye
 Road No. 2 Santa Cruz
 Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A.t., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 8-2-685/B/9 Road No. 13 Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub-registrar Khairatabad vide Doc. No. 1414/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983.

Seal

(1) M/s. Diamond Builders H. No. 4-1-824 J. N. Road Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Din Banoo Zal Bastawala 12-2-460/2 Jeevan Kalyan Nagar Mehripatnam, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC.683/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-824/A/1 situated at J. N. Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the *aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette-or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4-1-824/A/1 area 35.45 sq. yards at J. N. Road Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5121/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC 684/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Banjara Hills Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Anilatmaja Co-operative House Building Society Ltd.
 Rep. By Sri G. K. Raju
 6-2-953 Khairatabad Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Badar Ahmed Khan 16-4-683 Chancalguda Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45 at Banjara Hills Hyderabad area 350 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5206/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. No. 685/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land situated at Bunjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or cifer assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Anilatmaja Co-operative House Building Society Ltd. Rep. By Sri G. K. Raju, Secretary, 6-2-953 Khairatabad Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Ch. Koteshwara Rao, H. No. 9-1-621 St. Mary's Road, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 22 at Banjara Hills, Hyderabad area 350 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5205/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. Ganeshan, 7-B, 5th Street, Tatabad, Coimbatore-12,

 Sri Uma Karan & Tejkaran, Jainti Place. 1-10-179/206, Begumpet, Hydcrabad-500 016.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC No. 686/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 15, situated at Begumpet Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vallabhnagar on July, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, "Karan Apartments", M. No. 1-10-196/208, Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar, vide document No. 898/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC. No. 687/82-83.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Tirupathi

(and more fully described in the Schedule annexed nercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tirupathi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—6GI/83

(1) Sri M. Audinarayana Murthy, D. No. 132, T. P. Area, Tirupathi.

(Transferor)

(2) Sri T. K. Guravaiah, 35, Peddakapu Street, Tirupathi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Tirupathi Registered by the S.R.O., Tirupathi vide document No. 4335/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC No. 646/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-9-1 (Portion), situated at Station Road, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Warangal in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, napoly;—

 Sri Ersani Rami Reddy and Others, Mahaboobabad, Warangal Dt.

(Transferor)

(2) Sri V. Purushotham Reddy and Sri V. Narendra Reddy, R/o. 8-9-1, Station Road, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Property portion of house No. 8-9-1, Station Road, Warangal registered by the S.R.O., Warangal vide document No. 3494/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-3-1983,

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC No. 647/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. No. 1006, situated S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Srì H. T. Thakar, R/o Plot No. 20, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kunj Bai Gulag Rai, R/o. No. 15, S. D. Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1006 in Srinath Complex, M. No. 1-1-58/1 to 58/11, S. D. Road, Secunderabad admeasuring 1000 sft. registered by the S.R.O. Secunderabad vide document No. 557/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-3-1383

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC No. 648/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Flat No. 501 situated at S. D. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;—

(1) N. T. Thakar Plot No. 20, Bashirbagh Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shalu Chandru Chugani No. 15 General Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 S. D. Road, Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 556/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.).

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC 649/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office 209, situated M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Secunderabad in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Setion 269°C of the said At, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kabra and Co. 139, M.G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Mahesh Enterprises, 6-B, R. P. Road, Secunderabad.

(Tarnaferée)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 209 at Kabra Complex, M.G. Road, Secunderabad registered with Sub-Registrar, Secunderabad vi le Doc. No. 550/82.

M. JEGAN MC IAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (.P.)

Date: 4-3-1983

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC 650/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 10, 11, 15 & 71 situated at

West Marredpally, Sec'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Syed Abdul Rahman and 5 others 3-9-47, Syed Jalal Garden, Marredpally, Secunderabad.
- (2) M/s Moorthy Co-operative Housing Society Ltd., (Regd) Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovance property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. Nos. 10, 11, 15 and 71 situated at West Marredpally, Secunderabad registered by the S.R.O. Hyd'bad vide document Nos. 5149, 5148, 5024, 5025, 5026 and 5027/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Addition.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 4-3-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

RAC No. 651/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sri Ravi Koteswara Rao, S/o Anandaiah, Vijayawada,
 - (Transferor)
- (2) Radha Krishna Co-operative House Building Society Ltd., 24-126, Neredmet, Hyderabad. (Trunsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice tn the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 1183 sq. yds. situated at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5037/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Uday Kumar Modi, 21-1-773, Pathargatti, Hyderabad.

(2) M/s National Laboratories, 1-7-1058, Azamabad, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

RAC No. 652/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Shop No. 11 situated at

M. G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11 in M. No. 2-2-121, M. G. Road, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 571/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1983

. . . 1

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 4th March 1983

RAC No. 653/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4, 6-1-131/132 situated at Padmaraonagar, Sec.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

60-6GI/83

(1) M/s Rupa Builders, Padmaraonagar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Bharathyreddy, 6-1-131/132, Padmaraonagar, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cottage No. 4, M. No. 6-1-131/132, Padmaraonagar, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 601/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

RAC No. 654/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 26 situated at M. G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. P. Shyamamma, Dhannaram village Andole Tq. Medak Dt.

(Transferor)

(2) M/s S. M. Akbar & Co., 44, Sembudoss Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 26 in Groundfloor of M. No. 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 605/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 4-3-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

RAC No. 655/82-83.—Whereas, I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding R_B . 25,000/- and bearing

No. Shop No. 39 situated at

Shop No. 39

Kabra Complex, Sec'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Secunderabad in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Kabra & Co., 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi Agarwal, Plot No. 18, Krishna Kunj, Sindhi Colony, Secunderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 39 in Ground floor of Kabra Complex, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 606/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

RAC No. 656/82-83.-Whereus, I,

M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable action in the said Act is the said Act. as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 8-2-324/1 situated at bearing No. Office No. 27 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) M/s Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasunddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Anil Kumar Agarwal S/o P. R. Agarwal Office 27 5-4-86/92 Ranigunj Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 27 in Ground floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 300 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 5297/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC 657/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office No. 26 situated at Ranigunj Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Babukhan Builders 5-4-86 to 92 M.G. Road Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Omeruddin Khan S/o Hamiduddin Khan Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 26 in M. No. 5-4-86/92 Ranigunj, Secunderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5296/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC 658/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-912/1 situated at Khairatabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Batoolunisa Begum W/o S. M. Sajjad H. No. 10-3-277/8 Humayun Nagar Hyderabad-7.
 - (Transferor)
- 1. K. Pandu S/o K. Ramulu
 2. K. Ravikumar S/o K. Ramulu
 6-2-914 Khairatabad Hyderabad
 (H. No. 3-121 Bowenepalli village Secunderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 300 sq. yards at 6-2-912/1 Khairatabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. 5082/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 4-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC 659/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-2-10 Vazir Manzil situated at

A.C. Guards, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec ion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Sakina Begum & 7 others, C/o Dr. Zahara Taqui Bilgrami near Majidia Girls High School, A.C. Guards, Hyderabad.
- (Transferor)

 (2) M/s Maturu Cooperative Housing Society Ltd.,
 Rep. by President Sri K. A. Gopala Krishnan
 R/o 11-3-384, Srinivasangar, Secunderabad
 and Secretary Sri M. L. Kanta Rao,
 R/o 204-D, Matrusri Apartments, Hyderabad.
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 10-2-10, Vazir Manzil, A.C. Guards, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad, Hyderabad vide document No. 1381/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Dact: 4-3-83

Seal ;

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC No. 660/82-83.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-1177 situated at

Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Smt. Sita Bai, W/o late Sri Vaman Rao, H. No. 4-5-220, Naik Building, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shyam Rao, S/o late Sri Ramiah, H. No. 9-2-234, Gopalpuram, Secunderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 6-3-1177, Bhole Shanker Makli, Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O. R. R. District vide document No. 1028/82,

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 4-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC 661/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10-4-25/1 situated at Masab Tank Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarnsferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

61-6GI/83

- Smt. Kaneez Fatima alias Qamrunnisa Begum, W/o Lt. Col. Mirza Yousuf Ali Baig, H. No. 10-4-25/1, Masab Tank, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Major Dr. Abid Ali Khan and Other, G. P. A. Mr. Gulam Ghouse, Advocate, R/o Kothagudem, Khammam Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 10-4-25/1, Masab Tank, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5232/82.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 4-3-83

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC No. 662/82-83.—Whereas, I. M. JEAGON MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flar No. 1 1st Floor situated at Reti Bowli, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Kwality Builders, 12-2-784,
 Reti ki Baoli near Mehdipatnam, Hyderabad
 Rep. by Managing partner Mr.
 Habib Osman Ali-Aidroos.

(Transferor)

(2) Mrs. Mumtaz Fatima D/o Mr. Late Habib Omei Al-Aidroos, R/o, 11-5-570, Red Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOMEDULE

Flat No. I/1st floor "Range View Apartment", Retibouli, Hyderabad registered by the S.R.O. Khairatabad vide document No. 1469/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A..).

Date: 4-3-1983

Seal;

... D. 14 St. Mr. Transfer of the state of t

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC No. 663/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat 110, 601 situated at

Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Uma Karan & Tej Karan, Jalnti Place, 1-10-179/206, Begumpet, Hyderabad-500 016. (Transferor)

(2) Mirza Firasat Baig and other, Opp. Greenwoods School, Begumpet, Hyderebad.

(Transferæ)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, in 6th Floor, Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar, vide document No. 934/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-3-83

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. Vinayak, 3-4-526, Barkatpura, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri K. V. Ram Reddy, 3-5-585, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th March 1983

Ref. No. RAC 664/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Anthority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
3-5-585, 586, situated at
Himayatnagar Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
585 been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat and garrage No. 3-5-585, and 586 Himayatnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5215/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 7-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Rcf. No. RAC 665/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nos. 8-2-318 to 320 situated at

Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Khairatabad in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ameerunnisa Begum, 18, Shantinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. C. Kulsum Reddy, 18, Shantinagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property M. No. 8-2-318 to 320, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1432/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-3-83

(1) Sri N. P. Patel S/o P. S. Patel, Medchal.
(Transferor)

(2) Sri Joseph Madavath, Clareisan Fathers, Medchal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th March 1983

Ref. No. RAC 666/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Nos. 804 & 876 situated at Medchal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Medchal in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land S. Nos. 804 and 876 part. Medchal, registered by the S.R.O., Medchal vide document No. 3561/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th March 1983

Ref. No. RAC 667/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Nos.

2-4-65 to 68 situated at

M.G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:———

(1) M/s Chandulal Mehta & Co., Mama Permanand Marg., Bombay-400004.

(Transferor)

(2) Smt. Kelavathi Mehta & 4 others 1-1-293/4/1, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2-4-65 to 68 with land in plot No. 49 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad known as Mahata Mahal, registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 5409/82.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Asstr. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 5-3-83

Scal ;

NOTICE UNUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-82/725.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. S-332, Greater Kailash-П, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

in July 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—7

- (1) Mrs. Inder Kaur W/o Sh. Saran, Singh through her attorney Sh. Manmohan Singh S/o Late Sh. Arjan Singh and Mr. Narinder Pal Singh S/o Sh. Saran Singh R/o E-143, Greater Kailash-II, New Delhi-110048. (Transfeior)
- (2) M/s Himaland Exports (P) Ltd., 35, Ajit Arcade, Lala Lajpat Rai Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-332, Mg. 300 Sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi-48.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-3-83

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th March 1983

icei. No. ASR/82-83/486.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property situated at G. T. Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Amritsar on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Iqbal Singh S/o Shri Kartar Singh, R/o 14 Sharifpura, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Prem Singh S/o Shri Dalip Singh, R/o Jaspal Nagar, Plot No. 68, Amritsar. (Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertmay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 162.2 sq. yds., situated at G. T. Road. near Pingalwara, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6810 dated 13-7-1982 of the Registering Authority. Amritsar.

R. B. SINHA, TRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-3-1983 Seal:

•	•	